समावर्तन
2023

एक नया इतिहास रचें हम।

राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (NAAC) द्वारा श्रेणी 'बी' प्रत्यायित

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर–273 014 (उ.प्र.)

Web : www.mpm.edu.in | e-mail : mpmpg5@gmail.com | Phone : 7897475917, 9794299451

हमारे आदर्श

स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिये सर्वस्व निछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। मर्यादा पुरूषोत्तम भगवान् श्रीराम के श्रीमुख से नि:सृत–

'जननी जन्म भूमिश्च स्वर्गादपि गरीयसी'

और पुण्य प्रताप महाराणा प्रताप का यह उद्घोष कि–

'जो हठि राखे धर्म को तिहि राखै करतार'

हमारे सदा स्मरणीय बोधवाक्य हैं। शिक्षा परिषद् और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि इन संस्थाओं में अध्ययन–अध्यापन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान–विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ–साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा का पाठ भी पढ़े।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के संस्थापक

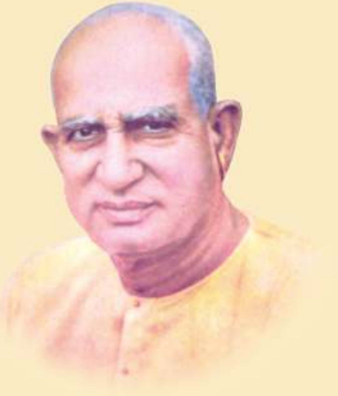

शिक्षा के प्रसार को लोक–जागरण और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण का सशक्त माध्यम स्वीकार करते हुए युगपुरुष ब्रह्मलीन पूज्य महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र एवं अपनी कर्मस्थली गोरखपुर में प्राथमिक शिक्षा से लेकर उच्च शिक्षा तक की शिक्षण संस्थाओं को संचालित करने हेतु महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की 1932 ई. में स्थापना कर शिक्षा क्षेत्र में अविस्मरणीय भूमिका की नींव रखी। वर्तमान में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत संचालित चार दर्जन से भी अधिक शिक्षण–प्रशिक्षण एवं चिकित्सा–शिक्षा संस्थाओं में 70 हजार से भी अधिक छात्र–छात्रायें कला, विज्ञान, वाणिज्य, साहित्य, चिकित्सा और प्राविधिक विषयों में परम्परागत तथा आधुनिक विषयों की शिक्षा ले रहे हैं।

महाविद्यालय के संस्थापक

अपने वरेण्य गुरुदेव युगपुरुष महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के बहुआयामी सपनों को साकार करने में निरन्तर संलग्न सामाजिक समरसता के उद्‌गाता, राष्ट्रवादी राजनीति के पुरोधा और अप्रतिम धर्मयोद्धा राष्ट्र–संत ब्रह्मलीन पूज्य महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज ने सन् 1932 ई. में गुरुदेव द्वारा स्थापित 'महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद' को अपनी निष्ठा, सुदीर्घकालीन तपस्या और अनुभव की पूँजी से उत्तरोत्तर समृद्ध, समुन्नत और प्रगतिशील रखते हुए 1957–58 ई. में गोरखपुर में वर्तमान विश्वविद्यालय की स्थापना के लिये उदारतापूर्वक विलीनीकृत तत्कालीन महाराणा प्रताप महाविद्यालय को नये रंग–रूप में पुनर्जीवित करते हुये उच्च शिक्षा से वंचित ग्रामीण अंचल जंगल धूसड़ में महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना की, जिसने शैक्षणिक गुणवत्ता, संस्कारयुक्त एवं अनुशासित परिसर की स्थापना कर अपनी बेहतरीन साख बनायी है।

महाविद्यालय के प्रबन्धक

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के मंत्री एवं महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ के प्रबंधक गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज, माननीय मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश, की स्पष्ट दृष्टि है कि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं महाराणा प्रताप महाविद्यालय की स्थापना लोक कल्याणार्थ शिक्षा को सेवा एवं साधना का माध्यम बनाने के लिए की गई। इस संस्था का दर्शन एवं लक्ष्य है कि इस संस्था से अध्ययन करने वाला युवा अत्याधुनिक ज्ञान–विज्ञान तथा कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ–साथ राष्ट्र एवं समाज के प्रति सहज निष्ठा और श्रद्धा का पाठ पढ़े। भारतीय जीवन दर्शन का वह अनुगामी बनें। उनका कहना है कि प्रगति और परम्परा राष्ट्रीय–सामाजिक विकास रथ के दो पहिये हैं, ऐसे में अत्याधुनिक संसाधनों, सूचना एवं संचार माध्यमों के उपयोग के साथ अध्यापन तथा भारतीय जीवन दर्शन के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना इस महाविद्यालय का मिशन है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद्

भारत के स्वाधीनता संग्राम में बालगंगाधर तिलक का युग समाप्त होते-होते कांग्रेस के नेतृत्व पर प्रश्न चिह्न खड़ा होने लगा था। 1920 ई. के बाद क्रान्तिकारी आन्दोलन ने अलग राह पकड़ी और 1930-31 ई. तक आते-आते कांग्रेस के स्पष्ट सहयोग के अभाव में क्रान्तिकारियों का दमन करने में ब्रिटिश हुकूमत सफल रही। 1915-16 ई. के बाद इसी काल खण्ड में स्वाधीनता संग्राम की अगुवा कांग्रेस मुस्लिम तुष्टीकरण की भी शिकार हुई। इस युग तक अंग्रेजों द्वारा भारत में अंग्रेजियत में रमे बाबुओं की फौज खड़ी करने की शिक्षा नीति का प्रभाव भी दिखने लगा था। देश के समक्ष एक चुनौती थी कि भारत की नयी पीढ़ी भारतीयता के साँचे में कैसे ढले। अपनी संस्कृति और स्वदेशी दृष्टि की शिक्षा प्रणाली और शिक्षा नीति ही एक मात्र इस चुनौती का समाधान था। इस चुनौती को भी भारतीय मनीषियों ने स्वीकार किया।

महामना मदन मोहन मालवीय के अथक प्रयास से 4 फरवरी 1916 ई. को काशी हिन्दू विश्वविद्यालय लोकार्पित हो गया। भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार हेतु स्थापित यह विश्वविद्यालय पूरे देश में भारतीय संस्कृति पर आधारित शिक्षा पद्धति का एक नया मानक बना और इसी धारा को तत्कालीन युगपुरुष गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने आगे बढ़ाते हुए 1932 ई. में गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की नींव रखी। ब्रिटिश हुकूमत को शिक्षा के भी क्षेत्र में भारतीय मनीषियों द्वारा यह कड़ी चुनौती थी, कि भारत अपने पैरों पर खड़ा होने में समर्थ है, वह अपना तंत्र, अपनी शिक्षा, अपनी संस्कृति और अपने मूल्यों की पुनः स्थापना अपनी योजनानुसार करेगा। यह दूर दृष्टि थी कि देश जब आजाद होगा तब देश की व्यवस्था चलाने हेतु भारतीय पद्धति के शिक्षा संस्थानों से निकले युवाओं की फौज तैयार मिलेगी।

देश पराधीन था। जनता विपन्न थी। ज्ञान कौशल के अभाव में स्वाभिमान और राष्ट्रीय पुनर्निर्माण की चेतना का जागरण दुष्कर था। स्वतंत्रता संग्राम के एक सशक्त सिपाही महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज अपनी संकल्प शक्ति के बल पर आजादी की लड़ाई के एक प्रमुख शस्त्र के रूप में शैक्षिक क्रान्ति के पथ पर भी आगे बढ़े। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत 1932 ई. में बक्शीपुर में किराये के एक मकान में 'महाराणा प्रताप क्षत्रिय स्कूल' प्रारम्भ हुआ। 1935 ई. में इसे जूनियर हाईस्कूल की मान्यता मिल गयी और 1936 ई. में यहाँ हाईस्कूल की पढ़ाई प्रारम्भ की गयी तथा इसका नाम 'महाराणा प्रताप हाई स्कूल' हो गया। इसी बीच महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज के अथक प्रयास से गोरखपुर के सिविल लाइन्स में पाँच एकड़ भूमि महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् को प्राप्त हो गयी और महाराणा प्रताप हाईस्कूल का केन्द्र सिविल लाइन्स हो गया तथा देश के आजाद होते समय यह विद्यालय महाराणा प्रताप इण्टरमीडिएट कॉलेज के रूप में प्रतिष्ठित हुआ।

महाराणा प्रताप डिग्री कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला डिग्री कॉलेज की स्थापना महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का अगला पड़ाव था। तदनन्तर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने दोनों महाविद्यालयों को गोरखपुर विश्वविद्यालय की स्थापना हेतु समर्पित किया और विश्वविद्यालय की स्थापना के आधार स्तम्भ बने। दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय का परिसर आज भी 'महाराणा प्रताप परिसर' के नाम से जाना जाता है।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा वर्तमान में चार दर्जन से अधिक शिक्षण–प्रशिक्षण, चिकित्सा, तकनीकी तथा सेवा संस्थाएँ संचालित हो रहीं हैं। इनमें महाराणा प्रताप कन्या इण्टर कॉलेज एवं महाराणा प्रताप महिला पी.जी. कॉलेज, रामदत्तपुर; महाराणा प्रताप इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स; दिग्विजयनाथ पी. जी. कॉलेज, सिविल लाइन्स; श्री गोरक्षनाथ संस्कृत महाविद्यालय, गोरखनाथ; दिग्विजयनाथ एल.टी. प्रशिक्षण महाविद्यालय (बी.एड्.), सिविल लाइन्स; महाराणा प्रताप बालिका इण्टर कॉलेज, सिविल लाइन्स; महाराणा प्रताप पॉलिटेक्निक, गोरखनाथ; महाराणा प्रताप मंगला देवी सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल, बेतियाहाता; महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़; श्री गोरक्षनाथ संस्कृत उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, गोरखनाथ; दिग्विजयनाथ इण्टर कॉलेज, चौक माफी पीपीगंज; गुरु गोरखनाथ विद्यापीठ, पितेश्वरनाथ मन्दिर, भरोहिया पीपीगंज; महायोगी गुरु गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौक माफी पीपीगंज; प्रताप आश्रम, गोलघर; महाराणा प्रताप मीराबाई महिला छात्रावास, सिविल लाइन्स; महन्त दिग्विजयनाथ महिला छात्रावास, सिविल लाइन्स; गुरुगोरक्षनाथ संस्कृत छात्रावास, गोरखनाथ; महाराणा प्रताप टेलरिंग स्कूल, सिविल लाइन्स; महायोगी गुरु गोरक्षनाथ योग संस्थान, गोरखनाथ मन्दिर; श्री गोरखनाथ आधुनिक व्यायामशाला, गोरखनाथ मन्दिर; योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र, जंगल धूसड़; महायोगी गुरु श्री गोरक्षनाथ गौ सेवा केन्द्र, गोरखनाथ; गुरु श्री गोरक्षनाथ सेवा संस्थान, गोरखनाथ; योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सेवाश्रम (छात्रावास), जंगल धूसड़; गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, चौक बाजार; दिग्विजयनाथ इण्टर कॉलेज, चौक बाजार; दिग्विजयनाथ पूर्व माध्यमिक विद्यालय, चौक बाजार; दिग्विजयनाथ प्राथमिक विद्यालय, चौक बाजार; आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी पब्लिक स्कूल, देवीपाटन तुलसीपुर, बलरामपुर आदि प्रमुख शिक्षण संस्थाएँ हैं। चिकित्सा सेवा के क्षेत्र में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय, श्री गोरखनाथ मन्दिर परिसर; महन्त दिग्विजयनाथ आयुर्वेदिक चिकित्सालय, श्री गोरखनाथ मन्दिर परिसर एवं आदि शक्ति माँ पाटेश्वरी चिकित्सालय देवीपाटन, गोरखनाथ मन्दिर द्वारा महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के अन्तर्गत ही संचालित है। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा का शुभारम्भ महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् का एक युगान्तकारी प्रकल्प है जो शिक्षा–स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक प्रतिमान संस्था के रुप में विकसित किये जाने की योजना के क्रियान्वयन की आधारशिला है। महाराण प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर इसी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित संस्था है।

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2008

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **कर्नल बी.पी. शाही**
ग्रुप कमाण्डर, एन.सी.सी. ग्रुप मुख्यालय, गोरखपुर

समावर्तन 2009

अध्यक्षता : **प्रो. एन.एस. गजभिए**
कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति श्री गिरधर मालवीय**
उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

समावर्तन 2010

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **श्री बसवराज पाटिल**
पूर्व सांसद, प्रख्यात शिक्षाविद् एवं सा. कार्यकर्ता, गुलवर्ग कनार्टक

समावर्तन 2011

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **श्री प्रकाश सिंह (पद्मश्री)**
पूर्व महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा बल, उत्तर प्रदेश

समावर्तन 2012

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **श्री आशीष जी**
अध्यक्ष, दिव्य प्रेम सेवा मिशन, हरिद्वार

समावर्तन 2013

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **डॉ. कृष्ण गोपाल जी**
सहसर कार्यवाह, राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ, नई दिल्ली

समावर्तन 2014

अध्यक्षता : **पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
उत्तराधिकारी गोरक्षपीठ एवं सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **न्यायमूर्ति कलाधर शाही**
अ.प्रा. न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.

समावर्तन 2015

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **प्रो. राम शंकर कठेरिया**
राज्य मंत्री, मानव संसाधन विकास मंत्रालय, भारत सरकार
विशिष्ट अतिथि : **मा. श्री नरेन्द्र कुमार सिंह गौर**
पूर्व मंत्री, उत्तर प्रदेश सरकार

समावर्तन 2016

अध्यक्षता : **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज**
सांसद, गोरखपुर
मुख्य अतिथि : **प्रो. गिरीश चन्द्र त्रिपाठी**
कुलपति, बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी, उ.प्र.
विशिष्ट अतिथि : **डॉ. बालमुकुन्द पाण्डेय**
राष्ट्रीय संगठन मंत्री, अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना

समावर्तन अतिथि

समावर्तन 2017	अध्यक्षता	: **डॉ. भोलेन्द्र सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. रमाशंकर दूबे** कुलपति, टी.एम. भागलपुर विश्वविद्यालय, भागलपुर, बिहार
	विशिष्ट अतिथि	: **प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
समावर्तन 2018	अध्यक्षता	: **प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	: **न्यायमूर्ति श्री रण विजय सिंह** माननीय न्यायाधीश, उच्च न्यायालय, इलाहाबाद, उ.प्र.
	विशिष्ट अतिथि	: **डॉ. विवेक कुमार निगम** यूइंग क्रिश्चियन कालेज, इलाहाबाद
समावर्तन 2019	अध्यक्षता	: **गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज** प्रबन्धक एवं माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश
	मुख्य अतिथि	: **श्री जे.पी. नड्डा** माननीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री, भारत सरकार
	विशिष्ट अतिथि	: **श्री आशुतोष टण्डन** माननीय स्वास्थ्य मंत्री, उत्तर प्रदेश
समावर्तन 2020	सानिध्य	: **प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	: **सुश्री निवेदिता भिड़े (पद्मश्री)** उपाध्यक्ष, स्वामी विवेकानन्द केन्द्र, कन्याकुमारी, केरल
	अध्यक्षता	: **प्रो. विजय कृष्ण सिंह** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2021	सानिध्य	: **प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	: **श्रीमती तेजस्विनी अनन्त कुमार** सामाजिक कार्यकर्त्री, कर्नाटक
	अध्यक्षता	: **प्रो. राजेश सिंह** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2022	सानिध्य	: **प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	: **प्रो. शंकर शरण** आचार्य, शिक्षाशास्त्र विभाग, एन.सी.ई.आर.टी., नई दिल्ली
	अध्यक्षता	: **प्रो. राजेश सिंह** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
समावर्तन 2023	सानिध्य	: **प्रो. उदय प्रताप सिंह** पूर्व कुलपति, वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर
	मुख्य अतिथि	: **डॉ. जी.एन. सिंह** पूर्व औषधि महानियंत्रक, भारत सरकार, नई दिल्ली
	अध्यक्षता	: **प्रो. राजेश सिंह** कुलपति, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

दो शब्द...

श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् जैसे वटवृक्ष की एक छोटी सी शाखा के रूप में गोरखपुर महानगर के पूर्वी–उत्तरी छोर पर ग्रामीण परिवेश में स्थित महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय अपनी यात्रा के अट्ठारहवाँ वर्ष पूर्ण कर रहा है। महाविद्यालय का सोलहवाँ बैच स्नातक एवं नवाँ बैच परास्नातक तथा बी.एड्. का छठवाँ बैच इस वर्ष विश्वविद्यालयी परीक्षा उत्तीर्ण कर अपनी जीवन यात्रा के अगले पड़ाव पर जाने हेतु तैयार है। भारत के लगभग एक सौ तीस करोड़ लोगों में हमारे महाविद्यालय के स्नातक–स्नातकोत्तर एवं बी.एड्. की शिक्षा प्राप्त अब कुछ और ऐसे नागरिक होंगे जिनकी जीवन–दृष्टि की रचना में हमारे महाविद्यालय का भी किंचित योगदान है। हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन के दो, तीन अथवा पाँच वर्ष का एक चौथाई समय हमारे महाविद्यालय परिसर में गुजरा है। महाविद्यालय परिसर में बीते इन क्षणों का हमारे इन विद्यार्थियों के जीवन पर क्या प्रभाव पड़ा, यह तो विद्यार्थी स्वयं एवं समय बतायेगा और वही हमारी उपलब्धि होगी।

आज का समावर्तन संस्कार समारोह इस बात का सूचक है कि हम अपने विद्यार्थियों का एक योग्य नागरिक के रूप में कैसा विकास चाहते हैं। वर्तमान में भारत की शिक्षित युवा पीढ़ी का अधिकांश हिस्सा भौतिकवादी पाश्चात्य संस्कृति के आकर्षण के दिवास्वप्न में डूबा हुआ है। आजादी से लेकर कुछ वर्ष पूर्व तक सत्तावादी भारतीय राजनीति ने भारती धर्म–संस्कृति को साम्प्रदायिकता का चोला पहनाकर उसके वास्तविक स्वरूप पर भ्रम का आवरण चढ़ा दिया था। परिणामत: सांस्कृतिक राष्ट्रवाद की डोर कमजोर हुई। परिवार संस्था भी कमजोर होती गयी। गाँव विरान होते गये। महानगरीकरण के रूप में असन्तुलित विकास का भयावह चित्र सामने आया। आजादी के बाद के पिछले साढ़े छ: दशक में भ्रष्टाचार, आतंकवाद, अपराध का बढ़ता ग्राफ तथा कुछ विश्वविद्यालय परिसरों में राष्ट्र विरोधी तत्त्वों का संरक्षण निरन्तर प्रभावहीन होते भारतीय जीवन–मूल्य के ही सूचक थे। यद्यपि कि वर्तमान भारत एक नये युग में सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, आत्मबोध और स्वयं की पहचान के साथ गौरवशाली पथ पर अग्रसर हो चुका है।

किसी भी राष्ट्र का वर्तमान और भविष्य उस देश की शिक्षा प्रणाली और उसके स्वरूप पर निर्भर करता है। डी.एस. कोठारी इसी बात को कह रहे थे कि 'भारत का भविष्य कक्षाओं में पलता है।' यद्यपि कि अब देश एवं प्रदेश की राजनीति ने करवट ली है और सत्ता प्रतिष्ठानों द्वारा भी इस दिशा में प्रयत्न

प्रारम्भ हुए हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 एक युग परिवर्तन का संदेश दे रही है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मौलिक सिद्धान्त और उद्देश्यों के अनुरूप अपने महाविद्यालय की परिसर संस्कृति का विकास करते हुए भारतीय संस्कृति के अनुरूप युगानुकूल शिक्षा-संस्कृति का विकास करने की दिशा में हम और सफल होंगे।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् की स्थापना परतन्त्र भारत में (1932 ई.) तत्कालीन गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज ने की थी। भारतीय संस्कृति और उसके जीवन मूल्यों तथा सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति भारत की युवा पीढ़ी को आकर्षित करने के प्रयास के साथ प्रतिष्ठित एवं विकसित होता हुआ महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं उनकी यशस्वी महन्त परम्परा के सपनों को पूरा करने में कहाँ तक सफल है, इसका मूल्यांकन भी श्रीगोरक्षपीठ और समाज करेगा तथापि 'समावर्तन संस्कार समारोह' हमारे वैचारिक अधिष्ठान का ही हिस्सा है। हिन्दू जीवन दर्शन के षोडश संस्कारों में 'समावर्तन संस्कार' का मानव जीवन के संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। आज के अवसर पर अपने विद्यार्थियों के यशस्वी जीवन की हार्दिक शुभकामना। मुझे विश्वास है कि हमारे विद्यार्थियों की जीवनयात्रा में महाविद्यालय परिसर का अल्पकालिक यथार्थ किसी न किसी रूप में अवश्य झलकता रहेगा।

(प्रदीप कुमार राव)
प्राचार्य

तिथि – चैत्र कृष्ण द्वादशी, वि.सं. 2079, युगाब्द 5124
तद्नुसार 19 मार्च 2023 ई., रविवार

समावर्तन 2022 से ग्रीष्मावकाश तक के प्रमुख कार्यक्रम

समावर्तन 2022

समावर्तन संस्कार 2022 के अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

समावर्तन संस्कार के अवसर पर समावर्तन पत्रिका का विमोचन

13 मार्च 2022 को स्नातक एवं स्नातकोत्तर की पढ़ाई पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों का 15वाँ समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान और प्रशिक्षण परिषद के आचार्य एवं विख्यात विचार तथा सामाजिक चिंतक प्रो. शंकर शरण जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने की। कार्यक्रम में अभिभावक संघ के अध्यक्ष श्री विपिन कुमार यादव तथा पुरातन छात्र परिषद के अध्यक्ष श्री मनीष कुमार त्रिपाठी भी उपस्थित रहे। समारोह में महाविद्यालय के प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष एवं वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय, जौनपुर के पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह का सान्निध्य प्राप्त हुआ। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव नें महाविद्यालय में अपनी पढ़ाई पूर्ण कर चुके छात्र-छात्राओं को दीक्षान्त उपदेश के साथ-साथ शुचिता एवं ईमानदारी से जीवन निर्वाह, पारिवारिक

समावर्तन संस्कार के अवसर पर उद्बोधन देते मुख्य अतिथि प्रो. शंकर शरण

समावर्तन संस्कार के अवसर पर उद्बोधन देते कुलपति प्रो. राजेश सिंह

उद्बोधन देते पूर्व कुलपति प्रो. उदय प्रताप सिंह

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का सरस्वती सम्मान ग्रहण करती श्रीमती कविता मन्ध्यान

दायित्वों की पूर्ति, सांस्कृतिक राष्ट्रवाद, भारतीय संस्कृति के प्रति निष्ठावान बने रहने तथा भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान एवं संवर्द्धन करने का संकल्प दिलाया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

सर्वश्रेष्ठ पुरातन छात्र का पुरस्कार प्राप्त करते श्री संदीप पाण्डेय

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय

इस अवसर पर समावर्तन–2022 पत्रिका का लोकार्पण मुख्य अतिथि प्रो. शंकर शरण तथा कार्यक्रम अध्यक्ष प्रो. राजेश सिंह के कर–कमलों से हुआ। मुख्य अतिथि द्वारा महाविद्यालय में वर्ष भर की गतिविधियों के आधार श्रेष्ठतम शिक्षक श्रीमती कविता मन्ध्यान को सरस्वती सम्मान, श्रेष्ठतम् कर्मचारी श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय को महाराणा प्रताप सम्मान, श्रेष्ठतम् चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी श्री राम लगन को महन्त अवेद्यनाथ सम्मान तथा सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में कुँवर अमन सिंह को एकलव्य सम्मान से सम्मानित किया गया। इसके साथ ही महाविद्यालय के आस–पास की ग्रामीण महिलाओं एवं महाविद्यालय के छात्राओं के स्वावलम्बन के लिए महाविद्यालय में संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग प्रशिक्षण केन्द्र से 06 माह

सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री कुँवर अमन सिंह

सर्वश्रेष्ठ चतुर्थ श्रेणी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री रामलगन

हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करती सुश्री ज्योति कुमारी

निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करती सुश्री चाँदनी कुमारी

जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करते श्री चक्रधर पाठक

समावर्तन उपदेश देते महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करते श्री यश सिंह

आपदा प्रबंधन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करते श्री आदित्य प्रजापति

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते प्रो. उदय प्रताप सिंह

समावर्तन उपदेश ग्रहण करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

का प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके प्रशिक्षुओं में से सर्वश्रेष्ठ नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षु के रूप में सुश्री चाँदनी कुमारी को योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सम्मान से सम्मानित करने के साथ प्रतिवर्ष की भाँति पुरस्कार में सिलाई मशीन प्रदान किया गया। महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र से प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके श्री यश सिंह को सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु का चेतक सम्मान प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा 06 माह के ब्यूटी एवं सेल्फ केयर प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम की सर्वश्रेष्ठठ प्रशिक्षु सुश्री रीमा एवं रक्षा एव स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा संचालित 06 माह के आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु श्री आदित्य प्रजापति को क्रमश: महारानी पद्मिनी सम्मान एवं मेजर सोमनाथ शर्मा सम्मान से सम्मानित किया गया। साथ

ही साथ बी.एड्. विभाग द्वारा संचालित प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम 'हमारे पूर्वज' एवं 'जीवन मूल्य' के सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के रूप में क्रमश: सुश्री ज्योति कुमारी को महन्त दिग्विजयनाथ सम्मान तथा श्री चक्रधर पाठक को महायोगी गोरखनाथ सम्मान से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर सर्वश्रेष्ठ पुरातन छात्र का स्वामी विवेकानन्द सम्मान महाविद्यालय के पूर्व छात्र श्री सन्दीप पाण्डेय को दिया गया। विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ महाविद्यालय का 15वाँ समावर्तन संस्कार समारोह उत्साह एवं उल्लासपूर्वक सम्पन्न हुआ।

स्मार्टफोन एवं टैबलेट वितरण कार्यक्रम

14 अप्रैल को माननीय मुख्यमंत्री, उत्तर प्रदेश श्री योगी आदित्यनाथ की महात्वकांक्षी DIGI शक्ति योजना के अन्तर्गत महाविद्यालय के चुने हुए स्नातकोत्तर स्तर के 74 विद्यार्थियों को टैबलेट एवं स्नातक स्तर के 378 विद्यार्थियों को स्मार्टफोन प्रदान किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़गवासला, पुणे, महाराष्ट्र के भौतिकी विभाग के पूर्व आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने, संचालन डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर ने तथा कार्यक्रम का संयोजन श्री अभिषेक वर्मा द्वारा किया गया।

DIGI शक्ति योजना अन्तर्गत मोबाइल प्राप्त करता विद्यार्थी

समीक्षा बैठक

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 01 मई को महाविद्यालय की समीक्षा बैठक प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। समीक्षा बैठक में सत्र भर की विविध गतिविधियों पर शिक्षकों के साथ प्राचार्य का अनुभव साझा किया गया। पठन–पाठन की गुणवत्ता, पठन–पाठन में नवीन तकनीकों का समावेशन, सी.बी.सी.एस. पाठ्यक्रम, राष्ट्रीय शिक्षा नीति, शिक्षण कार्य में अत्याधुनिक उपकरणों के अनुप्रयोग से शिक्षकों को प्रशिक्षित करने, सत्र के गतिविधियों से नवीन सीख तथा उसके भविष्य में प्रयोग आदि मुद्दों पर विस्तृत चर्चा–परिचर्चा हुई। इस दौरान विभागीय रपट, राष्ट्रीय सेवा योजना रपट, क्रीड़ा एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम रपट, उन्नत भारत अभियान रपट, पाठ्यक्रम योजना, नयी पहल (सभी शिक्षकों के समस्त व्याख्यान पी.पी.टी. पर, वेबसाइट पर शिक्षक ब्लॉग, सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना तथा आदर्श ग्राम योजना), साप्ताहिक स्मृति व्याख्यान माला, प्रदेश, परीक्षा, अनुशासन, दायित्वसह कार्य विभाजन, अनापत्ति (पुस्तकालय एवं कार्य), योजना बैठक (1-7 जुलाई 2022) सहित अगले सत्र के सफल एवं कुशल संचालन आदि विषयों पर शिक्षक एवं प्राचार्य द्वारा अनेक विचार एवं सुझाव प्रस्तुत किये गए।

शिक्षक-प्राचार्य समीक्षा बैठक

समीक्षा बैठक में महाविद्यालय के सभी प्राध्यापकों ने अपनी सक्रिय उपस्थिति दर्ज करायी।

उद्बोधन देते प्रो. राजवन्त राव

महाराणा प्रताप जयन्ती

09 मई को आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास एवं इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में महाराणा प्रताप जयन्ती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. राजवन्त राव ने उपस्थित विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को महाराणा प्रताप के जीवन आदर्श एवं व्यक्तित्व से परिचित कराते हुए उनके प्रेरित होते रहने की सीख दी। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने संचालन, श्री सत्यप्रकाश तिवारी ने तथा संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

विश्व साईकिल दिवस

साईकिल रैली निकालते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 03 जून को विश्व साईकिल दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में जागरूकता साइकिल रैली का आयोजन किया गया। राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों ने महाविद्यालय से अभिग्रहीत ग्राम हसनगंज तक साईकिल रैली निकालकर लोगों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी श्री ब्रजभूषण लाल ने किया।

पौधरोपण कार्यक्रम

पौधरोपण करते महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

05 जून को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान कार्यक्रम अधिकारी श्री ब्रजभूषण लाल ने उपस्थित शिक्षक एवं विद्यार्थी समुदाय को पर्यावरण एवं पौधरोपण के महत्व से परिचित कराया। कार्यक्रम का शुभारम्भ उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी नें मौलश्री का पौधा लगाकर किया। तत्पश्चात शिक्षक एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा रूद्राक्ष, तेजपत्ता, अनार, लीची, सफ़ेद चंदन, हरसिंगार, बॉटल ब्रश, चीकू, अश्वगंधा, सागौन एवं कटहल को पौधा लगाया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा

योजना के अधिकारियों सहित बड़ी संख्या में शिक्षक एवं स्वयंसेवक उपस्थित रहे।

पुनीत सागर अभियान

सरोवर की सफाई करते एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. के स्वयंसेवक

13 जून को आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर महाविद्यालय में संचालित राष्ट्रीय कैडेट कोर (NCC) तथा राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवकों द्वारा जागरूकता फैलाने एवं लोगों को जल संरक्षण एवं जल स्रोतों के रख-रखाव हेतु प्रेरित करने के उद्देश्य से पुनीत सागर अभियान के अन्तर्गत जल-स्रोत स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस क्रम में एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. के स्वयंसेवकों तथा कैडेटों ने महाविद्यालय से सटे ग्राम सभा जंगल धूसड़ के सार्वजनिक पोखरे तथा उसके तटों की समुचित साफ-सफाई की। साथ ही इस अवसर पर रैली निकालकर स्वयंसेवकों ने ग्रामवासियों को जलाशयों के महत्व एवं उनके संरक्षण हेतु जागरूक किया। कार्यक्रम का संयोजन महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

रक्तदान कार्यक्रम

रक्तदान करते श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय

14 जून को विश्व रक्तदान दिवस के अवसर पर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना तथा राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय में आयोजित रक्तदान शिविर में रक्तदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस के स्वयंसेवकों तथा महाविद्यालय के कुछ शिक्षकों ने कुल 32 यूनिट रक्तदान किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

विश्व योग दिवस

योगाभ्यास कराते डॉ. एस.एन. शुक्ल

21 जून को अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर महाविद्यालय में योग शिविर एवं विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक एवं मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. एस.एन. शुक्ल नें शिविरार्थियों को कपालभांति, अनुलोम-विलोम, भ्रंस्तिका, सूर्यनमस्कार, भुजंगासन, शशकासन, मण्डुकासन, पवनमुक्तआसन, ताड़ासन एवं शवासन आदि का अभ्यास कराते हुए दैनिक जीवन चर्चा में योग के महत्व विषय पर साराभिंत उद्बोधन दिया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

महाविद्यालय में आयोजित विभिन्न कार्यक्रम (सत्र : 2022–23)

पौधरोपण कार्यक्रम

पौधरोपण करते महाविद्यालय के शिक्षक

01 जुलाई को महाविद्यालय में वन महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्रांगण में उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी के द्वारा नींबू का पौधा लगाकर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय के शिक्षकों द्वारा पाम–ट्री, सागौन, नींबू एवं नारियल के पौधों को रोपा गया। कार्यक्रम के अन्त में राष्ट्रीय सेवा योजना के वरिष्ठ कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह ने सभी के प्रति आभार ज्ञापित किया।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम

पर्यावरण संरक्षण की शपथ लेते महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

02 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में महाविद्यालय के छात्रों एवं शिक्षकों द्वारा पर्यावरण की रक्षा हेतु एक शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भारी संख्या में विद्यार्थी एवं शिक्षकों ने पर्यावरण की रक्षा हेतु शपथ लिया। साथ ही इस अवसर पर जुलाई माह के प्रथम सप्ताह में मनाये जाने वाले वन महोत्सव सप्ताह के अन्तर्गत महाविद्यालय में पौधरोपण कार्यक्रम भी किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के बी.एड्. द्वितीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों सहित शिक्षक भी उपस्थित रहे।

सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक

उद्घाटन समारोह : 01 से 07 जुलाई 2022 तक महाविद्यालय की परम्परा के अनुसार प्रत्येक वर्ष की भाँति इस वर्ष भी सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का आयोजन महाविद्यालय के जगत जननी माँ सीता सभागार में प्रारम्भ हुआ। कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव द्वारा किया गया। बैठक में प्राचार्य ने कार्यशाला की प्रस्ताविकी तथा

योजना बैठक में चर्चा-परिचर्चा करते प्राचार्य एवं शिक्षक

सम्पूर्ण कार्ययोजना प्रस्तुत की। कार्यशाला के प्रथम दिन CBCS पाठ्यक्रम के अन्तर्गत अध्ययन-अध्यापन हेतु विभिन्न विषयों पर चर्चा कर सुझाव प्रस्तुत किये गये। इस विषय पर डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी, डॉ. विजय कुमार चौधरी, श्रीमती शिप्रा सिंह तथा श्री शैलेन्द्र सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपने विचार प्रस्तुत किये। तद्नन्तर परिचर्चा के साथ कार्यशाला का प्रथम दिन सम्पन्न हुआ।

दूसरा दिन : 02 जुलाई को शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के दूसरे दिन प्रथम सत्र में प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में शैक्षिक पंचांग, दायित्व सह कार्य विभाजन, प्रवेश, परीक्षा, परिसर अनुशासन आदि विषय पर तथा द्वितीय सत्र में पुस्तकालय, स्वच्छता, प्रयोगशाला आदि विषय पर चर्चा की गई जिसमें डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. आर.एन. सिंह, श्री रमाकान्त दूबे, श्री विनय कुमार सिंह, श्रीमती शिप्रा सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपनी बात रखी। शिक्षकों द्वारा दिए गये महत्वपूर्ण सुझाव के साथ सत्र सम्पन्न हुआ।

योजना बैठक में अपनी बात रखते डॉ. एस.एन. शुक्ल

तीसरा दिन : 03 जुलाई को वार्षिक योजना बैठक के तीसरे दिन प्रथम सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना, पठन-पाठन, नैक तथा द्वितीय सत्र में वेबसाइट, खेल-कूद आदि विषयों पर श्री श्रीनिवास सिंह, श्री अभिषेक वर्मा, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव तथा सुधा शुक्ल सहित अन्य शिक्षकों ने अपने विचार प्रस्तुत किया।

नैक के संदर्भ में जानकारी देते श्री अभिषेक वर्मा

चौथा दिन : 04 जुलाई को कार्यशाला एवं बैठक के चौथे दिन प्रथम सत्र में उन्नत भारत अभियान, गोद लिए गाँव, गोद लिए गये विद्यार्थी तथा द्वितीय सत्र में CBCS पाठ्यक्रम के अनुसार पाठयोजना, प्रार्थना सभा तथा क्रीड़ा आदि विषय पर चर्चा की गई। इस सत्र में श्री चन्दन शर्मा, श्री चन्दन ठाकुर, डॉ. नीलम गुप्ता, श्रीमती साधना सिंह, श्रीमती विभा सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपने विचार प्रस्तुत किये।

CBCS पाठ्यक्रम पर विचार विमर्श करते शिक्षक एवं प्राचार्य

पाँचवा दिन : 05 जुलाई को बैठक के पाँचवें दिन प्रथम सत्र में विभागीय कार्ययोजना, छात्र-संघ एवं

योजना बैठक में अपनी बात रखते डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

द्वितीय सत्र में ध्येय पथ, निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण, निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण, निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र आदि विषय पर सुश्री स्मिता दूबे, डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, श्रीमती साधना सिंह, श्री सूरज मिश्रा सहित अन्य शिक्षकों ने भी अपनी-अपनी बात रखी।

छठवाँ दिन : 06 जुलाई को बैठक के छठवें दिन प्रथम सत्र में रोवर-रेंजर्स, प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम, बागवानी तथा द्वितीय सत्र में शोध-पत्रिका प्रकाशन, छात्र समिति, ई.पी.एफ आदि विषय पर डॉ. सुबोध कुमार मिश्र, श्री अरविन्द कुमार मौर्य, डॉ. अरूण कुमार राव, श्री अभिषेक वर्मा श्रीमती शालू श्रीवास्तव, डॉ. आरती सिंह सहित अन्य शिक्षकों ने अपने विचार रखे।

छात्रा कल्याण समिति के संदर्भ में अपनी बात रखतीं डॉ. आरती सिंह

सप्तदिवसीय शैक्षिक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक का समारोप

वार्षिक योजना बैठक के समापन अवसर पर पठन-पाठन से संबंधी विचार रखतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

07 जुलाई 2022 को कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के सातवें दिन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में प्रथम सत्र में सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा महत्वपूर्ण आयोजनों जैसे– महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यानमाला, साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह, युवा महोत्सव, भारत-भारती पखवारा, समावर्तन संस्कार आदि सम्पूर्ण विषयों की कार्ययोजना से सम्बन्धित लिए गए निर्णयों को प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने प्रस्तुत किया। सात दिनों के गहन विचार-विमर्श और अनेक सुझावों के आलोक में सत्र 2022-23 के लिए महाविद्यालय की वार्षिक योजना एवं शैक्षिक पंचाग निर्मित किया गया।

संस्थागत-सामाजिक कार्य सम्मेलन कार्यक्रम

03 जुलाई को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में उन्नत भारत अभियान एवं मिशन शक्ति के संयुक्त तत्वावधान में संस्थागत-सामाजिक कार्य सम्मेलन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सम्मेलन में मुख्य अतिथि के रूप में विधानसभा क्षेत्र पिपराईच के विधायक माननीय श्री महेन्द्रपाल सिंह एवं ग्राम सभा जंगल धूसड़ के ग्राम प्रधान श्री राजेन्द्र प्रसाद जी उपस्थित रहे। सम्मेलन की अध्यक्षता महाविद्यालय

के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। महाविद्यालय परिसर में वन महोत्सव के अन्तर्गत मा. विधायक, ग्राम प्रधान एवं अन्य ग्रामीण लोगों ने सफेद चन्दन, नीम, पीपल आदि के पौधों का रोपण किया। सम्मेलन में श्री कृष्ण मोहन मिश्र, श्री जयराम निषाद, श्री भीम निषाद, श्री नरसिंह विश्वकर्मा, श्री प्रदीप गुप्ता, श्री वकील गुप्ता, श्री अमित चौहान, श्री शिवकुमार सहित बड़ी संख्या में ग्रामवासी उपस्थित रहे।

जनप्रतिनिधियों के साथ बैठक में परिचर्चा करते प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव

पौधरोपण कार्यक्रम

05 जुलाई को महाविद्यालय में वन सप्ताह महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में महाविद्यालय के रसायन शास्त्र विभाग द्वारा प्रांगण में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का शुभारम्भ रसायन विज्ञान के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने सागौन का पौधा रोप कर किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय में आम, नीम, शीशम, अशोक आदि के पौधे लगाए गए। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक व कर्मचारियों ने भी बढ़चढ़कर हिस्सा लिया और कार्यक्रम को सफल बनाया।

पौधरोपण करते महाविद्यालय के शिक्षक

पौधरोपण कार्यक्रम

06 जुलाई को महाविद्यालय में वन महोत्सव के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का शुभारम्भ प्राणि विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एन. सिंह ने सागौन का पौधा लगाकर किया। इस कार्यक्रम में महाविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने भी महाविद्यालय प्रांगण में नीम, नीबू, आम, अशोक आदि के पौधे लगाए और यह शपथ लिया कि अपने द्वारा लगाए सभी पौधों की देखभाल वह लोग स्वयं समय-समय पर करते रहेंगे। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह ने किया। अन्त में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने सभी को आभार ज्ञापित किया।

वन महोत्सव के दौरान पौधे लगाते महाविद्यालय के शिक्षक

पौधरोपण कार्यक्रम (मिशन मंझरिया)

ग्राम मंझरिया में पौधरोपण करती श्रीमती शिप्रा सिंह एवं ग्रामवासी

07 जुलाई को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में मिशन शक्ति के अन्तर्गत जुलाई के प्रथम सप्ताह में मनाये जाने वाले वन–महोत्सव कार्यक्रम के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गये गाँव मंझरिया में पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मिशन मंझरिया के अन्तर्गत संचालित सभी आठ साक्षरता केन्द्रों– माँ सीता, माँ कात्यायनी, रानी लक्ष्मी बाई, वीर अभिमन्यु, सायाजीराव गायकवाड़, स्वामी विवेकानन्द, माँ सरस्वती एवं माता अहिल्या शिक्षण केन्द्रों पर पौधरोपण किया गया। इस अवसर पर ग्रामवासियों को पौधे भी भेंट किये गये। पौधरोपण कार्यक्रम के अवसर पर सभी आठ शिक्षण केन्द्रों पर शिक्षण कार्य करने वाले बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्रध्यापक/छात्रध्यापिका यथा श्री आदित्य मिश्रा, श्री रूपेश कुमार गौड़, सुश्री अर्चना यादव, सुश्री समृद्धि पाण्डेय, श्री सत्यप्रकाश पाण्डेय, आदित्य तिवारी, ओमकार गुप्ता, श्री शिवेन्द्र वर्मा, सुश्री दिव्या पाण्डेय, सुश्री अंकिता पाण्डेय, श्री विवेक कुमार, श्री अभय सिंह, सुश्री अंकिता यादव, श्री विनय सिंह इत्यादि सहित विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

एन.सी.सी. द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम

पौधरोपण करते एन.सी.सी. के सी.टी.ओ. एवं शिक्षक

07 जुलाई को महाविद्यालय में एन.सी.सी. के कैडेट्स, सी.टी.ओ. और प्राचार्य ने वृक्षारोपण का कार्य किया। एन.सी.सी. डायरेक्टर द्वारा 01 जुलाई से 30 जुलाई तक का समय वृक्षारोपण माह के रूप में मनाए जाने के निर्देश के क्रम में महाविद्यालय में भी वृक्षारोपण का कार्य सम्पन्न कराया गया। वृक्षारोपण कार्यक्रम में एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दुबे, सी.टी.ओ. डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव, कैडेट आशुतोष सिंह, प्रिया सिंह, अंशिका गुप्ता, सुनील साहनी, अनिकेत सिंह, आनन्द यादव, हिमांशु कुमार मिश्र, दुर्गेश चौहान, खुशबु साहनी, आकांक्षा चौहान, शैल्वी साहनी, विकास यादव आदि ने भाग लिया।

एक दिवसीय कार्यशाला

07 जुलाई को महाविद्यालय में प्रवेश समिति द्वारा एकदिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। एक दिवसीय कार्यशाला में महाविद्यालय में संचालित विभिन्न पाठ्यक्रमों जैसे–स्नातक (बी.ए., बी.एस–सी., बी.काम. बी.

एड्. एवं बी.बी.ए.) एवं स्नातकोत्तर (इतिहास, प्राचीन इतिहास, हिन्दी, राजनीतिशास्त्र, भूगोल, गृह विज्ञान, समाजशास्त्र, वाणिज्य) आदि पर प्रकाश डाला। इस कार्यशाला में बी.एड्. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. आर.एन. सिंह, वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा, कम्प्यूटर विज्ञान विभाग के प्रभारी श्री श्रीनिवास सिंह ने अलग-अलग विषयों पर विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन प्रवेश समिति के संयोजक डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी ने किया। उक्त कार्यशाला में सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं 43 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यशाला को सम्बोधित करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

विशिष्ट व्याख्यान

11 जुलाई को महाविद्यालय में मिशन शक्ति के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग में "विश्व जनसंख्या दिवस : उन्नत परिवार के सृजन में नारी शक्ति की भूमिका' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह ने अपना शोधपत्र व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संयोजन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया व्याख्यान में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्रध्यापक सहित सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री शैलेन्द्र सिंह

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

11 जुलाई को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग में अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में कुल 25 छात्रध्यापकों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के सत्य प्रकाश तिवारी को प्रथम स्थान, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की अर्चना यादव को द्वितीय स्थान एवं बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के आलोक कुमार एवं आदित्य तिवारी को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया। जबकि निर्णायक मंडल में श्रीमती विभा सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव एवं श्रीमती पुष्पा निषाद ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

प्रतियोगिता के दौरान व्याख्यान देती छात्रा

निबन्ध प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

11 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर "जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम एवं रोकथाम के उपाय' विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अभिषेक गुप्ता को प्रथम स्थान, अभिजीत गौड़ को द्वितीय स्थान और निक्की शर्मा को तृतीय स्थान एवं अभिषेक सिंह ने सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव एवं सुश्री दीप्ती गुप्ता ने सक्रिय सहयोग किया। प्रतियोगिता का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. विजय कुमार चौधरी

11 जुलाई को महाविद्यालय में राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा "जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने किया। कार्यक्रम में डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, श्री जितेन्द्र प्रजापति सहित राजनीतिशास्त्र विषय के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रवेश प्रक्रिया का शुभारम्भ

महाविद्यालय में प्रवेश लेते छात्र

11 जुलाई को महाविद्यालय में सत्र 2022-23 हेतु प्रवेश प्रक्रिया का प्रारम्भ किया गया। प्रवेश के पहले ही दिन बड़ी संख्या में अभ्यर्थियों ने प्रवेश लिया। महाविद्यालय में स्नातक स्तर पर बी.ए., बी.एस-सी., बी. काम. एवं स्नातकोत्तर स्तर पर हिन्दी, इतिहास, प्राचीन इतिहास, समाजशास्त्र, भूगोल, राजनीतिशास्त्र, गृह विज्ञान, वाणिज्य, रसायन विज्ञान आदि विषय संचालित होते हैं। प्रवेश प्रक्रिया में प्रवेशार्थियों के सहायता हेतु शिक्षक एवं विद्यार्थी प्रवेश परामर्श समिति के द्वारा परामर्श दिया गया। समिति द्वारा प्रवेशार्थियों को महाविद्यालय की परिसर संस्कृति एवं विभिन्न योजनाओं से भी परिचित कराया गया है।

पौधरोपण कार्यक्रम

वन महोत्सव के अन्तर्गत पौधरोपण करते महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

13 जुलाई को महाविद्यालय में पर्यावरण सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए एम.एस–सी. अन्तिम वर्ष रसायनशास्त्र के विद्यार्थियों द्वारा रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षकों के निर्देशन में पौधरोपण कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। इसमें विभिन्न प्रकार के औषधीय एवं प्रदूषण नियन्त्रक पौधे लगाये गये। पौधरोपण कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल, विभाग के प्राध्यापक डॉ. राम सहाय, श्रीमती प्रियंका मिश्रा, प्रयोगशाला सहायक श्री ओमप्रकाश एवं एम.एस–सी. के विद्यार्थी सुजीत कुमार, श्वेता मिश्रा, गरिमा चौहान, प्रियंका सिंह, गरिमा मल्ल, आस्था शाही, ज्योति शर्मा आदि ने भाग लिया।

योग कार्यशाला

योगाभ्यास करते विद्यार्थी

16 जुलाई को महाविद्यालय में मिशन शक्ति के अन्तर्गत एक दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन किया गया। योग कार्यशाला के प्रशिक्षक के रूप में शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने योगाभ्यास कराया। मिशन शक्ति के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यशाला में कपाल भांति, अनुलोम–विलोम, सूर्यनमस्कार, योग मुद्रा आसन, मंडुकासन एवं गोमुख आसन का अभ्यास कराया गया। योग कार्यशाला में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के 48 छात्रध्यापक सहित महाविद्यालय के शिक्षकगण ने भी इस योगाभ्यास कार्यशाला में भाग लिया।

शहीद मंगल पाण्डेय एवं चितू पाण्डेय जयन्ती

उद्‌बोधन देते हुए श्री अभिषेक त्रिपाठी

19 जुलाई को महाविद्यालय में इतिहास विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला के अन्तर्गत शहीद मंगल पाण्डेय एवं चितू पाण्डेय के जयन्ती की स्मृति में "भारतीय स्वतन्त्रता संग्राम : शहीद मंगल पाण्डेय एवं चितू पाण्डेय का राष्ट्रीय चरित्र" विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अभिषेक त्रिपाठी ने अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री जितेन्द्र कुमार प्रजापति

ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह सहित कुल 70 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षक

23 जुलाई को महाविद्यालय में इतिहास विभाग में आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला के अन्तर्गत शहीद चन्द्रशेखर आजाद के जयन्ती समारोह के अवसर पर "आजाद जी के विचारों की प्रासंगिता : वर्तमान परिप्रेक्ष्य में" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने अपने विचार व्यक्त किये। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अभिषेक त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में इतिहास विभाग के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

उद्बोधन देते हुए डॉ. करूणेन्द्र सिंह

26 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रक्षा एवं स्त्रातजिक रसायन विभाग एवं एन.सी.सी. के संयुक्त तत्वावधान में कारगिल विजय दिवस पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करूणेन्द्र सिंह ने अपना व्याख्या प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रमाकान्त दूबे ने किया। 15वीं यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन के इकाई की प्रभारी डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव ने मुख्य अतिथि और एन.सी.सी. कैडेट्स का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम में एन.सी.सी. और रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विषय के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पौधरोपण करते मुख्य वक्ता एवं शिक्षक

पौधरोपण कार्यक्रम

26 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में

कारगिल विजय दिवस पर पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ बापू पी.जी. कॉलेज, पीपीगंज, गोरखपुर के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. करूणेन्द्र सिंह ने सागौन का पौध लगाकर किया। इसी क्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने सभी स्वयंसेवकों के साथ मिलकर अशोक, नीम, महोगनी आदि के पौधे लगवाकर इस कार्यक्रम को सफल बनाया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक एवं स्वयंसेविकाएं भी उपस्थित रहीं।

दो दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला का उद्घाटन समारोह

27 जुलाई को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए ग्राम मंझरिया में मिशन शक्ति के अन्तर्गत दो दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। खाद्य कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य प्रशिक्षका डॉ. श्वेता सिंह, गृहविज्ञान विशेषज्ञ, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौक माफी, गोरखपुर ने ग्रामीण महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए स्कवैश, जैम, सूरन और लहसून अदरक आदि का अचार बनाने का प्रशिक्षण दिया। खाद्य कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती शीलम बाजपेयी (शिक्षक एवं समाजसेविका), विशिष्ट अतिथि श्रीमती पार्वती राव एवं श्रीमती प्रतिमा सिंह रहीं। कार्यशाला का संयोजन बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस खाद्य कार्यशाला में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के समृद्धि पाण्डेय, दिव्या पाण्डेय, उर्वशी श्रीवास्तवा, अर्चना यादव, सत्य प्रकाश तिवारी, आदित्य तिवारी, शिवेन्द्र वर्मा, ओमकार गुप्ता, विवेक कुमार, विनय सिंह, अभय सिंह, आदित्य मिश्रा उपस्थित रहे।

कार्यशाला में विचार व्यक्त करतीं प्रशिक्षिका डॉ. श्वेता सिंह

खाद्य संरक्षण कार्यशाला का दूसरा दिन

28 जुलाई को महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए ग्राम मंझरिया में मिशन शक्ति कार्यशाला के अन्तर्गत खाद्य संरक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. श्वेता सिंह, गृह विज्ञान विशेषज्ञ, महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय ने ग्रामीण महिलाओं को उत्पादों के माध्यम से मूल्य संवर्धन के बारे में विस्तृत जानकारी दी। इस खाद्य संरक्षण कार्यशाला के माध्यम से 52 महिलाओं को प्रशिक्षित किया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्रीमती शीलम

अचार बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करतीं ग्रामीण महिलाएं

वाजपेयी (शिक्षिका, समाजसेविका) एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती पार्वती राव रहीं। कार्यशाला का संयोजन बी.एड्. विभागाध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम में बी.एड्. के छात्रध्यापक आदित्य तिवारी, सत्यप्रकाश तिवारी, ओंकार गुप्ता, विनय सिंह, विवेक कुमार, शिवेन्द्र वर्मा, शिवांगी, समृद्धि, दिव्या, उर्वशी, अंकिता यादव, खुश्बू ने सहयोग किया।

मृदा संरक्षण अभियान

28 जुलाई को महाविद्यालय में गृहविज्ञान विभाग द्वारा मिशन शक्ति के अन्तर्गत "मृदा संरक्षण अभियान" का उद्घाटन किया गया। इस तीन दिवसीय अभियान के तहत "कम्पोस्ट गड्ढा निर्माण कार्यक्रम" का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी, सुश्री स्मिता दूबे, सुश्री रितिका त्रिपाठी तथा डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव के साथ ही प्रयोगशाला सहायिका श्रीमती नीतू सहानी एवं विभाग की सभी छात्राएँ उपस्थित रहीं।

कम्पोस्ट खाद हेतु गड्ढा निर्मित करतीं विभागीय छात्राएं

विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस पर पौधरोपण व व्याख्यान

कार्यक्रम में उद्बोधन देते श्री अरविन्द मौर्य

28 जुलाई को महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "विश्व प्रकृति संरक्षण दिवस" के अवसर पर पौधरोपण एवं व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान के बाद भूगोल विभाग के अध्यक्ष एवं उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी तथा विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय परिसर में पौधरोपण किया गया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव द्वारा किया गया।

एक दिवसीय कार्यशाला

28 जुलाई को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "सी.बी.सी.एस. प्रणाली आधारित प्रायोगिक कोर्स परीक्षा केन्द्रित कार्यशाला" का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य अतिथि

उद्‌बोधन देते हुए श्री चन्दन कुमार ठाकुर

वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री चन्दन ठाकुर ने वाणिज्य विभाग में होने वाले प्रायोगिक कोर्स परीक्षा में माईनर एक्सरसाइज तथा मेजर एक्सरसाइज में पूछे जाने वाले प्रश्न और उसके उत्तर प्रस्तुतिकरण के बारे में विस्तृत चर्चा की। कार्यशाला का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया। कार्यशाला में बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

विद्यार्थियों को उद्‌बोधन देते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

29 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में वनस्पति विज्ञान चिभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन वनस्पति के विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री अखिलेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर विभाग के छात्र–छात्राएं एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

विचार गोष्ठी कार्यक्रम

29 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वाणिज्य संकाय द्वारा "अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस' के अवसर पर "बाघों के संरक्षण" विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में वाणिज्य विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने विद्यार्थियों से बाघों के सरक्षण हेतु सरकार द्वारा चलाई जा रही योजनाओं पर चर्चा-परिचर्चा की। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया। इस अवसर पर वाणिज्य विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में विचार व्यक्त करते हुए
श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

विशिष्ट व्याख्यान

30 जुलाई को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा "प्लास्टिक प्रदूषण : विश्व की एक गम्भीर समस्या" विषय पर व्याख्यान आयोजित किया गया। व्याख्यान में भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी क्रम में अंकित, प्रशान्त, सुमन, रितेश सिंह, खुशबू, राधेश्याम, रीतिक वर्मा, विशाल आदि विद्यार्थियों ने भी अपने विचारों को साझा किया। विभागाध्यक्ष एवं उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने प्लास्टिक से होने वाले नुकसान से विद्यार्थियों को परिचित कराया। कार्यक्रम का संयोजन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तवा एवं संचालन डॉ. नीलम गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान अपना विचार व्यक्त करता विभाग का छात्र

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत कार्यक्रम

01 अगस्त को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में नव प्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों का स्वागत करते हुए बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने विद्यार्थियों को महाविद्यालय की परिसर संस्कृति व शैक्षिक वातावरण से परिचित कराते हुए प्रार्थना सभा के महत्व पर प्रकाश डाला।

नवप्रवेशित विद्यार्थियों का स्वागत करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षक

लोकमान्य बालगंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस

01 अगस्त को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में लोकमान्य बाल गंगाधर तिलक महाप्रयाण दिवस के अवसर पर बी. एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने बाल गंगाधर तिलक के व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह समारोह

01 अगस्त को महाविद्यालय में "आजादी के अमृत महोत्सव" के अन्तर्गत गृहविज्ञान विभाग द्वारा 01 अगस्त से 07 अगस्त तक "विश्व स्तनपान सप्ताह" समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्‌घाटन अवसर पर "स्टेप अप फॉर ब्रेस्ट फीडिंग" विषय पर छात्राओं द्वारा स्तनपान के महत्व पर व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव तथा संचालन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

विश्व स्तनपान सप्ताह के अन्तर्गत स्तनपान के महत्व पर विचार विमर्श करते शिक्षक एवं विद्यार्थी

मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती

03 अगस्त को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा के अन्तर्गत मैथिली शरण गुप्त जयन्ती के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने मैथिलीशरण गुप्त के जीवन, व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धासुमन अर्पित किया।

श्रद्धांजलि अर्पित करतीं डॉ. आरती सिंह

पोस्टर निर्मित करतीं छात्राएं

पोस्टर प्रतियोगिता

03 अगस्त को महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विश्व स्तनपान सप्ताह के तीसरे दिन पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में गृह विज्ञान विषय की 12 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। जिसमें बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की सलोनी को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की निक्की शर्मा को द्वितीय स्थान एवं बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की सोनी विश्वकर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में गृह विज्ञान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, सहायक आचार्य सुश्री स्मिता दूबे एवं सुश्री रीतिका त्रिपाठी रहीं। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री शारदा रानी ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

उद्‌बोधन देती हुयी कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह

04 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी का अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विश्व स्तनपान सप्ताह के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना की सभी स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहीं।

निबन्ध प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागी

04 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गृहविज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह समारोह के चौथे दिन "नवजात शिशु के लिए स्तनपान एवं कोलोस्ट्रम की महत्ता" विषय पर निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की ज्योति मद्धेशिया को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की निक्की शर्मा को द्वितीय स्थान एवं बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की सोनी विश्वकर्मा एवं अंकिता निषाद को संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री स्मिता दुबे एवं सुश्री शारदा रानी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

फूड कम्पटीशन

प्रतियोगिता का निरीक्षण करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह एवं अन्य

05 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गृहविज्ञान विभाग द्वारा "विश्व स्तनपान सप्ताह" के पाँचवें दिन "लैक्टेटिव वीमन एण्ड डाइट" विषय पर फूड कम्पटीशन का आयोजन किया गया।

प्रतियोगिता में कुल 20 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की सोनी विश्वकर्मा को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की अर्चना गुप्ता को द्वितीय स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की ज्योति मद्धेशिया को तृतीय स्थान व बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की कुसुम को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक की भूमिका गृहविज्ञान की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, सहायक आचार्य डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव एवं सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने निभायी। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान की सहायक आचार्य सुश्री स्मिता दुबे ने किया।

विचार गोष्ठी

06 अगस्त को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गुरूदेव रविन्द्रनाथ टैगोर की पुण्यतिथि की पूर्व संध्या पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में कुल 52 छात्रध्यापकों ने सहभाग कर अलग-अलग प्रस्तुतियाँ दी एवं अपने विचार प्रस्तुत किये। विचार गोष्ठी में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की समृद्धि पाण्डेय, उवर्शी पाण्डेय, दिव्या पाण्डेय, शाल्वी श्रीवास्तव, रीतिका सिंह, पल्लवी मौर्या, पल्लवी सिंह, अर्चना यादव, विनय सिंह, प्रशान्त चन्द्रा, विवेक कुमार, आदित्य तिवारी, आलोक, ओमकार गुप्ता, अनुश्री, सौरभ मिश्रा, विवेक, रिकीं, सोनल दुबे, सत्यप्रकाश, तिवारी, शिवेन्द्र वर्मा, अभय सिंह आदि छात्रध्यापकों ने अपने विचारों के माध्यम से टैगोर के जीवन दर्शन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डाला।

विचार गोष्ठी में अपना विचार व्यक्त करती छात्रा

साप्ताहिक व्याख्यान

व्याख्यान कार्यक्रम में प्रतिभाग करता विभागीय विद्यार्थी

06 अगस्त को महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "भारत में बाढ़ आपदा : कारण एवं निवारण" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के अरूण विश्वकर्मा, अंकित मण्डल, करिश्मा रावत, विनय कुमार, विशाल यादव, रूपम चौधरी आदि विद्यार्थियों ने सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

विशिष्ट व्याख्यान

06 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गृहविज्ञान विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह के छठवें दिन कामकाजी महिलाओं हेतु स्तनपान प्रबन्धन विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर प्रगति मैटरनिटी होम की स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ डॉ. रीता मिश्रा ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री शारदा रानी व संचालन सुश्री स्मिता दूबे तथा आभार ज्ञापन डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव ने किया।

अतिथि का स्वागत करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

साप्ताहिक योगाभ्यास

06 अगस्त को महाविद्यालय में साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया गया। योगाभ्यास के प्रशिक्षिका के रूप में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम, ध्यान आदि का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थियों ने योगाभ्यास किया।

योगाभ्यास कराती डॉ. आरती सिंह एवं उपस्थित विद्यार्थी

भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस एवं काकोरी घटना

08 अगस्त को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में "भारत छोड़ो आन्दोलन दिवस एवं काकोरी घटना" की पूर्व संध्या पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री अनूप पाण्डेय ने अपना उद्बोधन दिया और भारत छोड़ो आन्दोलन एवं काकोरी घटना में अपनी महती भूमिका निभाने वाले भारत के महान विभूतियों एवं क्रांतिकारियों महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धांजलि अर्पित करते श्री अनूप कुमार पाण्डेय

विशिष्ट व्याख्यान

उद्‌बोधन देते हुए प्रो. राजवन्त राव

08 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास और इतिहास विभाग के संयुक्त तत्वावधान में भारत छोड़ो आंदोलन दिवस के अवसर पर "भारतीय संस्कृति के विविध आयाम" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं सांस्कृतिक विभाग के वरिष्ठ आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष प्रो. राजवन्त राव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया तथा अतिथि के प्रति आभार इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अभिषेक त्रिपाठी ने ज्ञापित किया। इस अवसर पर इतिहास एवं प्राचीन इतिहास के समस्त विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे।

राखी प्रदर्शनी

राखी प्रदर्शनी में राखी क्रय करती शिक्षिका

08 अगस्त को महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत देश के वीर सैनिकों को समर्पित राखी प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। राखी प्रदर्शनी का उद्‌घाटन महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। प्रदर्शनी का समापन करते हुए वाणिज्य विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने विभाग के विद्यार्थियों को शुभकानाएं दी तथा उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

विशिष्ट व्याख्यान

उद्‌बोधन देते हुए प्रो. राणा प्रताप तिवारी

08 अगस्त को महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "साहित्य की पठनीयता" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता जवाहरलाल नेहरू स्मारक पोस्ट ग्रेजुएट कॉलेज के हिन्दी विभाग के अध्यक्ष प्रो. राणा प्रताप तिवारी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. सुधा शुक्ल व आभार ज्ञापन डॉ. आरती सिंह ने किया।

स्वच्छता पखवारा

स्वच्छता पखवारा के अन्तर्गत श्रमदान करते विद्यार्थी

10 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 01 अगस्त 2022 से 15 अगस्त 2022 तक चल रहे "स्वच्छता पखवारा" कार्यक्रम के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा सफाई कार्य कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं द्वारा महाविद्यालय परिसर एवं परिसर के बाहर सफाई किया गया। स्वच्छता कार्यक्रम दोनों कार्यक्रम अधिकारियों डॉ. आरती सिंह एवं डॉ. अखिलेश गुप्त के सहयोग से सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं द्वारा सम्पन्न किया गया।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम

कार्यक्रम के दौरान रैली निकालते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

11 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हर घर तिरंगा अभियान में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में हर घर तिरंगा फहराने का शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के दोनों ही कार्यक्रम अधिकारियों, स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने अपने-अपने घर तिरंगा फहराने का शपथ लिया और अपने गाँव में घर-घर तिरंगा फहराने के लिए लोगों को प्रेरित करने की भी शपथ ली कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त व आरती सिंह ने किया।

पेटिंग, स्लोगन एवं निबन्ध प्रतियोगिता

11 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गृह विज्ञान विभाग द्वारा पेंटिंग, स्लोगन तथा निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। पेटिंग प्रतियोगिता में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की सलोनी मिश्रा को प्रथम स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की निक्की शर्मा को द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। स्लोगन प्रतियोगिता में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की सुश्री रानी को प्रथम स्थान, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की नीतू सहानी को द्वितीय स्थान, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर अंजु कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निबन्ध प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की सुश्री शीतल शर्मा को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की सुश्री नेहा को द्वितीय स्थान एवं एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की

सुश्री रानी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। साथ ही बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की ज्योति मद्धेशिया को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में निर्णायक की भूमिका गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी तथा सुश्री स्मिता दुबे ने निभाई। प्रतियोगिताओं का संयोजन डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम के समापन अवसर पर विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने छााओं को प्रमाण पत्र देकर प्रोत्साहित किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

वृक्षारोपण कार्यक्रम

12 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी स्वयंसेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने सागौन, नीम, अर्जुन, अमलतास आदि के पौधों को रोपण किया। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

पौधरोपण करते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

विशिष्ट व्याख्यान

13 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग द्वारा "रिएक्शन मैकेनिज्म" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सैदाबाद, प्रयागराज के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. संतोष सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम सहाय ने तथा रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने मुख्य अतिथि को स्मृति चिन्ह प्रदान कर सम्मानित एवं आभार ज्ञापन किया।

व्याख्यान देते हुए डॉ. संतोष सिंह

विशिष्ट व्याख्यान (अखण्ड भारत स्मृति दिवस)

उद्‌बोधन देते हुए प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

13 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अखण्ड भारत स्मृति दिवस पर "अखण्ड भारत : खण्डित क्यों?" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के पूर्व अध्यक्ष एवं आचार्य प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल (से.नि.) डॉ. अतुल कुमार वाजपेयी ने की। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अभिषेक त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन तथा कार्यक्रम की प्रस्ताविकी बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने किया।

हर घर तिरंगा रैली

हर घर तिरंगा कार्यक्रम के अन्तर्गत रैली निकालते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

14 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में हर घर तिरंगा रैली का आयोजन किया गया। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने झण्डा–बैनर के साथ पूरी सक्रियता से सहभाग किया। हर घर तिरंगा रैली कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त एवं डॉ. आरती सिंह ने किया।

नवोदित काव्य गोष्ठी

काव्यपाठ करती छात्रा

14 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना एवं हिन्दी विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "नवोदित काव्यगोष्ठी" का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं तथा हिन्दी विभाग के सभी छात्र/छात्राओं ने बढ़–चढ़कर भाग लिया। छात्र/छात्राओं ने देश की आजादी से ओत–प्रोत कविताओं एवं गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के

कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने तथा संचालन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष एवं कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

प्रभात फेरी

14 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत एन.सी.सी. द्वारा हर घर तिरंगा कार्यक्रम के प्रति लोगो को जागरूक करने के लिए प्रभात फेरी निकाली गई। प्रभात फेरी कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे के निर्देशन में किया गया। प्रभात फेरी महराणा प्रतात महाविद्यालय से निकलकर बैतालगढ़, मंझरिया, हसनगंज और भट्ठा चौराहा होते हुए पुन: महाविद्यालय पहुँची। प्रभात फेरी के अन्त में एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे ने कैडेट्स को सम्बोधित भी किया। एन.सी.सी. कैडेट्स विकास कुमार यादव ने प्रभात फेरी का नेतृत्व किया।

प्रभातफेरी निकालते राष्ट्रीय कैडेट कोर के प्रभारी एवं कैडेट्स

स्वतन्त्रता दिवस

15 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव (स्वतन्त्रता के 75 वर्ष) के अवसर पर स्वतन्त्रता दिवस बड़ी ही धूमधाम से मनाया गया। महविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा ध्वजारोहण का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रगान एवं राष्ट्रगीत के पश्चात भव्य सांस्कृतिक कार्यक्रम सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर अपने जीवन के

उद्बोधन देते मुख्य अतिथि डॉ. राजेन्द्र भारती

बुजुर्ग को सम्मानित करते हुए मुख्य अतिथि

कार्यक्रम के दौरान उपस्थित बुजुर्ग ग्रामवासी

75 वर्ष पूरे कर चुके महाविद्यालय से सटे गाँवों के 75 ग्रामवासियों को सम्मानित भी किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, खड्गवासला के पूर्व आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती मुख्य अतिथि रहे। कार्यक्रम का संयोजन बी. एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री अभिज्ञा चौधरी बी.ए. तृतीय सेमेस्टर एवं श्री सुधीर पाण्डेय बी.काम. तृतीय सेमेस्टर ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, कर्मचारी, ग्रामवासी एवं बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे।

75वें स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर आयोजित विविध कार्यक्रमों की झलकियाँ

छात्रावास में झण्डारोहण कार्यक्रम

15 अगस्त को महाविद्यालय के छात्रावास योगीराज बाबा गम्भीर नाथ सेवाश्रम, जंगल धूसड़, गोरखपुर में छात्रावास प्रभारी श्री विनय कुमार सिंह द्वारा ध्वजारोहण कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। इस कार्यक्रम में विद्यार्थी तथा महाविद्यालय से सटे गाँव मंझरिया, रेतवहिया, हसनगंज, ककरहिया आदि के ग्रामवासी बड़ी संख्या में उपस्थित रहें।

छात्रावास परिसर में ध्वजारोहण करते छात्रावास प्रभारी श्री विनय कुमार सिंह

वाद–विवाद प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

16 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राजनीतिशास्त्र एवं समाजशास्त्र विभाग द्वारा "विद्यार्थी जीवन में राजनीति का महत्व" विषय पर वाद–विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 66 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के राधेश्याम प्रजापति को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के विष्णु पटेल को द्वितीय स्थान व बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की शशिका श्रीवास्तव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में डॉ. रितेन्द्र नाथ पाण्डेय, डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय एवं श्री हरिकेश यादव रहे। कार्यक्रम का संयोजन राजनीतिशास्त्र के विभाग प्रभारी श्री हरिकेश यादव ने किया।

अबेकस पोर्टल पंजीकरण कार्यशाला

कार्यशाला में प्रशिक्षण देते हुए श्री चन्दन कुमार ठाकुर

16 अगस्त को महाविद्यालय में "अबेकस पोर्टल पर शिक्षक का पंजीकरण" विषय पर केन्द्रित एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के सहायक आचार्य चन्दन कुमार ठाकुर ने पंजीकरण से जुड़े सभी पहलुओं को बारीकी से बताया। अन्त में सहायक आचार्य एवं महाविद्यालय के IQAC के प्रभारी डॉ. अभिषेक वर्मा ने आभार ज्ञापित किया।

रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि

श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी

16 अगस्त को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में रामकृष्ण परमहंस की पुण्यतिथि के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अभिषेक त्रिपाठी ने अपने व्याख्यान के माध्यम से स्वामी रामकृष्ण परमहंस को महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धासुमन अर्पित किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

मदन लाल ढींगरा बलिदान दिवस

17 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मदन लाल ढींगरा बलिदान दिवस के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर मदन लाल ढींगरा को महाविद्यालय परिवार की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा सुमन अर्पित करते डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

हर घर तिरंगा कार्यक्रम समापन समारोह

17 अगस्त को महाविद्यालय में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में हर घर तिरंगा अभियान के समापन समारोह के अवसर पर एक सभा का आयोजन किया गया। इस सभा को समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने सम्बोधित किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त ने किया।

विद्यार्थियों को सम्बोधित करतीं डॉ. आरती सिंह

ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाये उत्पादों की प्रदर्शनी

17 अगस्त को महाविद्यालय में मिशन शक्ति के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए ग्राम मंझरिया में ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाये गए अचार एवं अन्य उत्पादों की प्रदर्शनी की आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में बड़ी संख्या में महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी व विद्यार्थियों ने खरीदारी कर महिलाओं का मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर मिशन मंझरिया एवं मिशन शक्ति की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने प्रदर्शनी में आयी हुई ग्रामीण महिलाओं का सम्मान करते हुए उनके साथ भविष्य की योजनाओं पर परिचर्चा की।

मिशन मंझरिया की ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाये गये उत्पादों को क्रय करते शिक्षक एवं विद्यार्थी

रन फॉर फिट कार्यक्रम

रन फॉर फिट कार्यक्रम में प्रतिभाग करते एन.सी.सी. के कैडेट्स

18 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत एन.सी.सी. कैडेट्स द्वारा रन फॉर फिट कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे व डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव सहित महाविद्यालय के सभी एन.सी.सी. कैडेट्स उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

18 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा "भारत सरकार की विभिन्न योजनाएं" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में शिक्षाशास्त्र के बी. ए. तृतीय सेमेस्टर के कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान अभिज्ञा चौधरी, द्वितीय स्थान सुहानी चौहान तथा तृतीय स्थान साधना चौरसिया ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के सदस्य के रूप में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद एवं श्रीमती विभा सिंह ने सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संचालन श्रीमती साधना सिंह ने किया।

साप्ताहिक व्याख्यान

व्याख्यान कार्यक्रम में अपना व्यक्त करता विभागीय छात्र

20 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा "पर्यावरणीय समस्याएं एवं जलवायु परिवर्तन : भूमण्डलीय तापन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संचालन भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य तथा संयोजन विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में भूगोल विभाग के स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के 53 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिनमें 13 विद्यार्थियों ने निर्धारित विषय पर अपने विचार व्यक्त किये।

राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला

व्याख्यानमाला के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते हुए डॉ. सुधांशु त्रिवेदी

व्याख्यान माला का उद्घाटन सत्र – 22 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति "सप्तदिवसीय व्याख्यान माला' का उद्घाटन हुआ। उद्घाटन दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में महात्मा गाँधी अन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी विश्वविद्यालय, वर्धा, महाराष्ट्र के कुलपति प्रो. रजनीश शुक्ल ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रख्यात राष्ट्रवादी विचारक–चिंतक, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं राज्यसभा सदस्य डॉ. सुधांशु त्रिवेदी ने अपना व्याख्यान प्रेषित किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधारी ने एवं आभार ज्ञापन प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी विद्यार्थी, कर्मचारी व शिक्षक उपस्थित रहे।

पी.पी.टी. के माध्यम से उद्बोधन देते हुए प्रो. दिनेश कुमार सिंह

व्याख्यान माला का दूसरा दिन – 23 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यानाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के दूसरे दिन "वैश्विक पर्यावरणीय बदलाव : 21वीं सदी की सर्वोच्च चुनौती" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। संचालन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह एवं आभार ज्ञापन उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

उद्बोधन देते हुए मेरज जनरल अजय कुमार चतुर्वेदी (से.नि.)

व्याख्यान माला का तीसरा दिन – 24 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के तीसरे दिन "मूल्य आधारित नेतृत्व" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन

किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में मेजर जनरल श्री अजय कुमार चतुर्वेदी (से.नि.) ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य श्री रमाकान्त दुबे एवं आभार ज्ञापन उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

व्याख्यान माला का चौथा दिन – 25 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के चौथे दिन "स्वस्थ जीवन शैली एवं कैंसर से बचाव" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय, लखनऊ, के भूतपूर्व कुलपति डॉ. मदनलाल ब्रह्मभट्ट ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन वनस्पति विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश गुप्त एवं आभार ज्ञापन उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

व्याख्यान देते हुए डॉ. मदनलाल ब्रह्मभट्ट

व्याख्यान माला का पांचवा दिन – 26 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के पाँचवे दिन "आनुवांशिकी की वैधता : आधुनिक विज्ञान द्वारा" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में बनारस हिन्दू विश्वविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग के प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार एवं आभार ज्ञापन उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

उद्बोधन देते हुए प्रो. ज्ञानेश्वर चौबे

व्याख्यान माला का छठवां दिन – 27 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला के छठवें दिन "चौरी–चौरा जनक्रांति : भारतीय स्वाधीनता संग्राम की उपेक्षित महागाथा" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य अतिथि में रूप में भारतीय इतिहास

उद्बोधन देते हुए डा. ओमजी उपाध्याय

अनुसंधान परिषद, नई दिल्ली के निदेशक (शोध एवं प्रशासन) डॉ. ओमजी उपाध्याय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन मनोविज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. वेंकटरमन एवं आभार ज्ञापन भौतिकी विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर ने किया।

व्याख्यान माला के समापन अवसर पर विचार व्यक्त करते श्री आशीष जी

व्याख्यान माला का समापन समारोह - 28 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित राष्ट्रसन्त ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति सप्तदिवसीय व्याख्यान माला का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह के अवसर पर बतौर मुख्य अतिथि के रूप में दिव्य प्रेम सेवा संस्थान, हरिद्वार, उत्तराखण्ड के संस्थापक अध्यक्ष श्री आशीष जी उपस्थित रहे। सात दिनों तक चलने वाली इस व्याख्यान माला का प्रतिवेदन कार्यक्रम संयोजन के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने प्रस्तुत किया। संचालन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह एवं आभार ज्ञापन उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

ताईक्वांडो प्रशिक्षण

ताईक्वांडो का प्रशिक्षण प्राप्त करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

25 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव व मिशन शक्ति के अन्तर्गत एन.सी.सी. कैडेट्स हेतु ताईक्वांडो प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम के मुख्य प्रशिक्षक श्री कौशल कुमार जी रहे। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के मिशन शक्ति कार्यक्रम की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव ने एवं संचालन श्री रमाकान्त दुबे ने किया।

छात्र संघ चुनाव की योजना बनाते महाविद्यालय के शिक्षक

छात्र संघ चुनाव : योजना बैठक

25 अगस्त को महाविद्यालय में छात्र संघ चुनाव सत्र 2022-23 के लिए योजना बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में छात्रसंघ प्रभारी श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल तथा छात्रसंघ चुनाव अधिकारी डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने छात्रसंघ चुनाव प्रक्रिया को समस्त शिक्षकों को समझाया। बैठक में छात्रसंघ चुनाव की कार्य योजना पर नीति बनाई

गई। बैठक में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

रानी पद्‌मिनी जौहर दिवस

26 अगस्त को प्रार्थना सभा में रानी पद्‌मिनी जौहर दिवस के अवसर पर भारत की वीरांगनाओं के गौरवपूर्ण इतिहास, त्याग और बलिदान की गौरवगाथा का पर हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल ने प्रकाश डालते हुए रानी पद्‌मिनी के जीवन शौर्य से सभी को परिचित कराया। इस अवसर पर सभी शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि अर्पित करती हुईं डॉ. सुधा शुक्ला

मेजर ध्यानचन्द जयन्ती

29 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मेजर ध्यानचन्द जयन्ती के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री चन्दन ठाकुर ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं आभार ज्ञापन डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया।

खेल दिवस के अवसर पर मेजर ध्यान चन्द को श्रद्धांजलि अर्पित करते डॉ. चन्दन कुमार ठाकुर

इंडोर गेम प्रतियोगिता

29 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग द्वारा इंडोर गेम के अन्तर्गत शतरंज एवं कैरम प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। दोनों प्रतियोगिता में कुल 6 ग्रुप ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में शतरंज खेल के दोनों राउंड में अभय एवं कैरम खेल में अनिल-अंकिता ग्रुप एवं आशुतोष-विवेक ग्रुप विजयी रहे। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल के रूप में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

एवं शैलेन्द्र कुमार सिंह रहे। कार्यक्रम का आयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया। इस अवसर पर क्रीड़ा प्रभारी चन्दन ठाकुर ने विद्यार्थियों को शुभकामनाएं दी।

छात्रसंघ चुनाव–कक्षा प्रतिनिधि चयन एवं पर्चा दाखिला

29 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कक्षा प्रतिनिधियों के चुनाव का आयोजन किया गया। प्रत्येक कक्षा में बहुविकल्पीय परीक्षा का आयोजन किया गया। संचालित सभी पाठ्यक्रमों/विषयों के अन्तर्गत 68 कक्षा प्रतिनिधियों का चुनाव छात्रसंघ संविधान के अनुसार सम्पन्न हुआ। इस अवसर पर छात्रसंघ चुनाव में अध्यक्ष पद पर 02, उपाध्यक्ष पद पर 04, महामंत्री पद पर 02 तथा पुस्तकालय मंत्री पद पर 02 प्रतिनिधियों ने अपना पर्चा दाखिल किया।

पर्चा दाखिला करते प्रत्याशीगण

खेल दिवस पर व्याख्यान

29 अगस्त को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय खेल दिवस के अवसर पर क्रीड़ा विभाग द्वारा "विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में खेल की उपयोगिता" विषय पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. आरती सिंह ने किया और आभार ज्ञापन क्रीड़ा प्रभारी श्री चन्दन ठाकुर ने किया। इस अवसर पर विभिन्न खेलों में प्रतिभाग करने वाले सभी विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

व्याख्यान देते हुए श्री हरिकेश यादव

छात्रसंघ चुनाव–योग्यता भाषण

30 अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव के नामांकित प्रत्याशियों द्वारा योग्यता भाषण का प्रस्तुतीकरण किया गया। योग्यता भाषण में अध्यक्ष पद के लिए

योग्यता भाषण देता हुए प्रत्याशी

श्री तारकेश्वर पाण्डेय एवं सुश्री साक्षी पाण्डेय, उपाध्यक्ष पद के लिए श्री आकाश गुप्ता, श्री सौरभ यादव, श्री अभिजीत गौड़ एवं श्री राहुल गुप्ता, महामंत्री पद के लिए श्री आनन्द कुमार मौर्य एवं श्री विशाल प्रसाद तथा पुस्तकालय मंत्री हेतु श्री बिट्टू कुशवाहा एवं श्री मनीष मद्धेशिया ने विद्यार्थियों के समक्ष अपना-अपना विचार प्रस्तुत कर उनसे अपने पक्ष में मतदान करने की अपील की।

छात्रसंघ चुनाव-मतदान

31 अगस्त को महाविद्यालय में छात्रसंघ चुनाव की प्रक्रिया सम्पन्न हुई जिसमें अध्यक्ष पद पर सुश्री साक्षी पाण्डेय ने अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी से 32 मतों से, उपाध्यक्ष पद पर श्री सौरभ यादव अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी से 205 मतों से, महामंत्री पद पर श्री आनन्द अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी से 29 मतों से एवं पुस्तकालय मंत्री पद पर श्री बिट्टू कुशवाहा अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी से 17 मतों के अन्तर से विजयी घोषित हुए। अन्त में उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी एवं मुख्य चुनाव अधिकारी डॉ. शिव कुमार बर्नवाल ने विजित प्रत्याशियों को प्रमाण पत्र देकर उन्हें भावी जीवन की शुभकामनाएं दी।

मतदान के पूर्व मतदाताओं की वैधता जाँचते शिक्षक

छात्र संघ चुनाव के अन्तर्गत मतदान करते हुए महाविद्यालय के विद्यार्थी

छात्र संघ चुनाव में मतदान करने हेतु कतार में लगे हुए महाविद्यालय के छात्र-छात्राएं

मतगणना करते हुए महाविद्यालय के शिक्षक

चुनाव अधिकारी डॉ. शिव कुमार बर्नवाल के साथ प्रसन्नचित्त मुद्रा में विजयी प्रतिभागी

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम (उद्घाटन कार्यक्रम)

01 सितम्बर को महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग द्वारा 01 से 07 सितम्बर तक चलने वाले राष्ट्रीय पोषण सप्ताह योजना का उद्घाटन कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। कार्यक्रम के प्रथम दिन "युवाओं में जंग फूड का बढ़ता प्रचलन" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री शारदा रानी ने तथा संयोजन सुश्री स्मिता दूबे ने किया।

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के उद्घाटन अवसर पर
विचार व्यक्त करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

राष्ट्रीय पोषण सप्ताह का दूसरा दिन

02 सितम्बर को महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम के दूसरे दिन "न्यूट्रीशनल फन्डामेन्टल फॉर ऑवर बॉडी : माइन्ड एण्ड सोल" विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में सेंट जोसेफ कॉलेज फॉर वीमेन्स, सिविल लाइंस, गोरखपुर के गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. कनकलता मिश्रा ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने तथा आभार ज्ञापन गृहविज्ञान प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया।

उद्बोधन देती हुईं डॉ. कनकलता मिश्र

न्यूट्रिशियस लड्डू मेकिंग प्रतियोगिता

प्रतियोगिता का निरीक्षण करतीं निर्णायक मण्डल की सदस्यगण

03 सितम्बर को महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम के तीसरे दिन "न्यूट्रिशियस लड्डू मेकिंग प्रतियोगिता" का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 28 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की ज्योति मद्धेशिया को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की रीना यादव को द्वितीय स्थान एवं बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की संस्कृति त्रिपाठी को तृतीय स्थान तथा एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की सलोनी मिश्रा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. नीलम गुप्ता, डॉ. सुधा शुक्ला व डॉ. अर्चना गुप्ता ने सक्रिय सहभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री स्मिता दूबे ने किया।

शिक्षक दिवस कार्यक्रम

शिक्षक दिवस के अवसर पर उद्बोधन देते हुए डॉ. वी. रामानाथन

05 सितम्बर को महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान, काशी हिन्दू विश्वविद्यालय, वाराणसी के सहायक आचार्य डॉ. वी. रामानाथन नें अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती पुष्पा निषाद ने एवं संयोजन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

दो दिवसीय कार्यशाला का प्रथम दिवस

कार्यशाला के दौरान उद्बोधन देती हुईं सुश्री शारदा रानी

05 सितम्बर को महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के पाँचवे दिन RDA & Diet Plan विषय पर दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के प्रथम दिन प्रशिक्षिका के रूप में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने छात्राओं को प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर गृह विज्ञान प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, विभाग की सभी छात्राएं एवं प्रयोगशाला सहायिका भी उपस्थित रहीं।

पोषण चार्ट बनाने का प्रशिक्षण देती हुईं सुश्री शारदा रानी

दो दिवसीय कार्यशाला का द्वितीय दिवस

06 सितम्बर को महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय पोषण सप्ताह के छठवें दिन RDA & Diet Plan विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के दूसरे दिन कार्यशाला प्रशिक्षिका सुश्री शारदा रानी ने छात्राओं को आहार तालिका बनाने की जानकारी दी। इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की श्रीमती शिप्रा सिंह, विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी, प्रयोगशाला सहायिका एवं सभी छात्राएं उपस्थित रहीं।

शपथ ग्रहण कार्यक्रम

06 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में नशामुक्ति अभियान शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने महाविद्यालय के सभी विद्यार्थियों, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को नशा मुक्त रहने की शपथ दिलायी। इस अवसर पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयं सेवक एवं स्वयं सेविकाएं उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति की शपथ दिलाती राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह

रोवर्स रेंजर्स परिचयात्मक कार्यक्रम

06 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रोवर्स रेंजर्स का परिचयात्मक कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में दो सोपान के रोवर्स रेंजर्स सम्मिलित किए गए। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने उपस्थित वालन्टियरों को रोवर्स–रेंजर्स के उद्देश्यों से परिचित कराया। कार्यक्रम के दोनों सत्रों के कुल 52 रोवर्स रेंजर्स वालन्टियर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन रोवर्स रेंजर्स प्रभारी श्रीमती विभा सिंह द्वारा किया गया।

कार्यक्रम के दौरान सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत करती हुई रोवर्स रेंजर्स की वॉलन्टियर

फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता

प्रतियोगिता का निरीक्षण करतीं निर्णायक मण्डल की सदस्यगण

07 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गृह विज्ञान विभाग द्वारा मनाये जा रहे राष्ट्रीय पोषण सप्ताह कार्यक्रम के सातवें दिन फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 15 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की सलोनी मिश्रा को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की ज्योति मद्धेशिया को द्वितीय स्थान व बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की संस्कृति त्रिपाठी को तृतीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की किरन यादव को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, अंग्रेजी विभाग की प्रभारी सुश्री श्रद्धा सिंह, भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव व वाणिज्य विभाग की सहायक आचार्य सुश्री श्वेता उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

उद्बोधन देते हुए डॉ. शोभित कुमार श्रीवास्तव

अतिथि व्याख्यान

07 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा "डिजिटल टैक्सोनॉमी-इन-"लोरा" शीर्षक पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. शोभित कुमार श्रीवास्तव में अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक गुप्त ने किया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती महाविद्यालय की छात्रा

भाषण प्रतियोगिता

08 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की ममता मिश्रा को प्रथम स्थान, साक्षी पाण्डेय को द्वितीय स्थान एवं आदित्य मद्धेशिया को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ।

प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता, गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी एवं वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ शुक्ल रहे। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह ने किया।

नाटक मंचन कार्यक्रम

08 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग द्वारा प्रार्थना सभा में विश्व साक्षरता दिवस के अवसर पर नाटक मंचन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। नाटक के मंचन में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

नाटक का मंचन करते बी.एड्. विभाग के विद्यार्थी

अतिथि व्याख्यान

उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए डॉ. सी.बी. सिंह

08 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अंग्रेजी व भूगोल विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "शिक्षण : सेवा और साधना" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में उदित नारायण पी.जी. कॉलेज, पडरौना के भूगोल विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष डॉ. सी.बी. सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी सुश्री श्रद्धा सिंह ने तथा आभार ज्ञापन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया। कार्यक्रम का संयोजन उप-प्राचार्य एवं भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया।

अतिथि व्याख्यान

09 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में सतीश चन्द्र पी.जी. कालेज, बलिया के सेवानिवृत्त प्राचार्य डॉ. आद्या प्रसाद

उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी

द्विवेदी ने भारतेन्दु जी के जीवन एवं व्यक्तित्व पर विस्तार पूर्वक प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थी श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह एवं सयोजन डॉ. सुधा शुक्ल ने किया। इस अवसर पर हिन्दी के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पण्डित गोविन्द बल्लभ पन्त जयन्ती

श्रद्धा सुमन अर्पित करते श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी

10 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रार्थना सभा में पण्डित गोविन्द बल्लभ पन्त जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी ने अपना उद्‌बोधन के माध्यम से पण्डित गोविन्द बल्लभ पन्त के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम में उद्‌बोधन देते हुए मुख्य वक्ता श्री अमर सिंह

विशिष्ट व्याख्यान

10 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शारीरिक शिक्षा विभाग द्वारा "नई शिक्षा नीति एवं खेल का महत्व" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में सेंट जोसफ कॉलेज ऑफ वुमेन, सिविल लाइन, गोरखपुर के सहायक आचार्य श्री अमर सिंह ने अपना ज्ञानपरक व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं आभार ज्ञापन महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के प्रभारी डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल द्वारा किया गया।

एक दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला में प्रतिभाग करते छात्र संघ के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारीगण

11 सितम्बर को महाविद्यालय में नवगठित छात्र–संघ के तत्वावधान में एक परिचयात्मक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में छात्र–संघ प्रभारी श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने कार्यशाला की प्रस्ताविकी प्रस्तुत की। कार्यशाला में महाविद्यालय के पूर्व छात्र–संघ प्रभारी श्री नन्दन शर्मा, उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी व छात्रसंघ पदाधिकारी तथा सभी कक्षा प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

श्रद्धांजलि सभा

श्रद्धा सुमन अर्पित करते प्रो. हिमांशु चतुर्वेदी

13 सितम्बर को महाविद्यालय में युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की पुण्यतिथि के अवसर पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। श्रद्धांजलि सभा को दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के इतिहास विभाग के आचार्य प्रोफेसर हिमांशु चतुर्वेदी ने सम्बोधित करते हुए ब्रह्मलीन महन्त महाराज द्वय के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने किया।

व्याख्यान कार्यक्रम

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री उपेन्द्रमणि त्रिपाठी

13 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा "जतिन दास शहीदी दिवस" के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन श्री अनूप पाण्डेय ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान (हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर)

उद्‍बोधन देते हुए प्रो. रामदरश राय

13 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हिन्दी दिवस की पूर्व संध्या पर हिन्दी विभाग द्वारा एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. रामदरस राय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के बी.ए. तृतीय वर्ष के विद्यार्थी श्री ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता हिन्दी विभाग प्रभारी डॉ. आरती सिंह ने व आभार ज्ञापन सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल ने किया।

विचार गोष्ठी

विचार गोष्ठी में उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षक

14 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत, बी.एड्. विभाग द्वारा "राष्ट्रीय शिक्षा नीति में हिन्दी भाषा" विषय पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की रीतिका त्रिपाठी, अर्चना यादव, अंकिता आदि ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इस विचार गोष्ठी में बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक सहित समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मोक्षगुंडम् विश्वेश्वरैया जयन्ती

श्रद्धांजलि अर्पित करते डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर

15 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रार्थना सभा में एम. विश्वेश्वरैया जयंती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर महान अभियंता विश्वेश्वरैया जी के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

एक दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षण देते श्री श्रीनिवास सिंह

15 सितम्बर को महाविद्यालय में शिक्षकों की तकनीकी दक्षता में विकास के उद्देश्य से एक दिवसीय शिक्षक कार्यशाला का आयोजन, कम्प्यूटर साइंस विभाग तथा आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ द्वारा किया गया। "ई–लर्निंग एवं तकनीकि प्रयोग की दक्षता" विषय पर कार्यशाला में शिक्षकों को अद्यतन जानकारी दी गई। कार्यशाला की अध्यक्षता डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने किया। प्रशिक्षण कार्य का निष्पादन श्री श्रीनिवास सिंह द्वारा किया गया। कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

विश्व ओजोन संरक्षण दिवस

16 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय सेवा

योजना के तत्वावधान में विश्व ओजोन संरक्षण दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन व संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्त ने किया।

कार्यक्रम के दौरान मंच पर उपस्थित शिक्षकगण

व्याख्यान प्रस्तुत करती हुई डॉ. शालू श्रीवास्तव

व्याख्यान कार्यक्रम

16 सितम्बर को महाविद्यालय में ओजोन संरक्षण दिवस पर भूगोल विभाग द्वारा व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य, डॉ. नीलम गुप्ता तथा भूगोल विभाग के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पौधरोपण कार्यक्रम

16 सितम्बर को महाविद्यालय में ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर रोवर्स रेंजर्स द्वारा पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर रोवर्स रेंजर्स द्वारा अजवाइन, नीम, लीची, जामुन आदि के पौधे रोपित किये गये। कार्यक्रम का संचालन रोवर्स रेंजर्स प्रभारी श्रीमती विभा सिंह द्वारा किया गया तथा पौधरोपण कार्यक्रम में सभी रोवर्स रेंजर्स के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पौधरोपण करते रोवर्स रेंजर्स के वॉलन्टियर्स

पोस्टर प्रतियोगिता

16 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी.

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती हुई विभागीय छात्रा

प्रथम तथा तृतीय सेमेस्टर एवं तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर में प्रथम स्थान पर आयशा, द्वितीय स्थान पर आकांक्षा शर्मा एवं तृतीय स्थान पर स्नेहिल सिंह रही। बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर में प्रथम स्थान अंजली मिश्रा, द्वितीय स्थान नितिका मिश्रा एवं शिल्पी सिंह संयुक्त रूप से तथा तृतीय स्थान अर्चना सहानी को प्राप्त हुआ। बी.एस–सी. तृतीय वर्ष में प्रथम स्थान नम्रता सिंह, द्वितीय स्थान सत्यजीत सिंह एवं तृतीय स्थान प्रीति सिंह ने प्राप्त किया। कार्यक्रम के निर्णायक मण्डल में डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर, डॉ. शिव कुमार एवं श्री अरविन्द मौर्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अभिषेक गुप्ता ने तथा आभार ज्ञापन डॉ. अभय श्रीवास्तव ने किया।

कार्यक्रम के दौरान विचार व्यक्त करता बी.एड्. विभाग का छात्राध्यापक

शोध व्याख्यान कार्यक्रम

16 सितम्बर को महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के अवसर पर शोध व्याख्यान का आयोजन किया गया। शोध व्याख्यान में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के प्रशान्त चन्द्रा, चक्रधर पाठक, सत्यप्रकाश तिवारी, मंजेश्वर आदि ने अपने शोध पत्र के माध्यम से अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मुख्य वक्ता को महाविद्यालय का प्रकाशन भेंट करते डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

विशिष्ट व्याख्यान

20 सितम्बर को महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत “सामाजिक परिवर्तन और उसके आयाम” विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री विवेकानन्द ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं अतिथि स्वागत विभागाध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय द्वारा किया गया। कार्यक्रम का संचालन सहायक आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय एवं आभार ज्ञापन सहायक आचार्य श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय ने किया।

15वीं यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन चयन प्रक्रिया

चयन प्रक्रिया से होकर गुजरती महाविद्यालय की छात्रा

20 सितम्बर को महाविद्यालय में संचालित 15वीं यू. पी. एन.सी.सी. बटालियन में छात्राओं की चयन प्रक्रिया का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। एन.सी.सी. कैडेट्स के चयन के लिए 15वीं यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन से लेफ्टिनेंट सीमा राय, सूबेदार मेजर अरूण कुमार ठाकुर, हवलदार मोनू कुमार और नायक घनश्याम ने चयन प्रक्रिया सम्पन्न कराई। इस अवसर पर एन.सी.सी. बटालियन से आये हुए सेना के अधिकारियों को महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने महाविद्यालय से प्रकाशित पुस्तकें भेंट कर उन्हें सम्मानित किया। यह चयन प्रक्रिया महाविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे के दिशा–निर्देशन में सम्पन्न कराई गई।

45वीं यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन चयन प्रक्रिया

चयन प्रक्रिया से होकर गुजरता महाविद्यालय का छात्र

21 सितम्बर को महाविद्यालय में संचालित 45वीं यू. पी. एन.सी.सी. बटालियन में विद्यार्थियों की चयन प्रक्रिया का कार्यक्रम सम्पन्न किया गया। विद्यार्थियों के चयन के लिए बटालियन से सूबेदार नारायण चन्द ठाकुरी, सी.एच. एम. टीका थापा, हवलदार सहदेव थापा और हवलदार गणेश मगर आये थे। इस पूरे चयन प्रक्रिया का आयोजन महाविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दूबे के निर्देशन में किया गया।

अतिथि व्याख्यान

उद्बोधन देते हुए श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी

21 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा "अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना और शिक्षा" विषय पर अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन व संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. सत्य नारायण

21 सितम्बर को महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डिपार्टमेन्ट ऑफ हाइड्रोलिक एण्ड वाटर रिसोर्स इंजिनियरिंग एण्ड टेक्नोलॉजी डिला, विश्वविद्यालय इथोपिया के सहायक आचार्य डॉ. सत्यनारायण ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रामसहाय तथा आभार ज्ञापन श्रीमती दिव्या दुबे ने किया।

विद्यार्थी अभिग्रहण कार्यक्रम

कार्यक्रम में प्रतिभाग करते विद्यार्थी एवं शिक्षक

21 सितम्बर को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा आधुनिक गुरुकुल मान्यता के अन्तर्गत विद्यार्थी अभिग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें महाविद्यालय द्वारा संचालित होने वाले विभिन्न कार्यक्रमों व योजनाओं से विद्यार्थियों को अवगत कराया गया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल तथा संचालन भरत कुमार ने किया।

उद्बोधन देते हुए डॉ. अंकित सिंह

विशिष्ट व्याख्यान

22 सितम्बर को महाविद्यालय में भूगोल विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "मानव–पर्यावरण सम्बन्ध" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भूगोल विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अंकित सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन उप–प्राचार्य एवं भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी ने, संचालन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता व आभार ज्ञापन सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने किया।

तीन दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला में उपस्थित प्रशिक्षक एवं प्रशिक्षु

22 सितम्बर को महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग एवं योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय "इलेक्ट्रानिक सिलाई मशीन द्वारा ड्राफ्टिंग एवं कटिंग प्रशिक्षण" विषय पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में सिलाई मशीन के प्रशिक्षक श्री राजेश यादव ने छात्राओं को प्रशिक्षण प्रदान किया। इस कार्यशाला में गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अपूर्वा त्रिपाठी, सुश्री रीतिका त्रिपाठी एवं प्रयोशाला सहायिका श्रीमती नीतू सहानी उपस्थित रहीं, साथ ही गृह विज्ञान विभाग एवं योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र की सभी छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया।

प्रतियोगिता में व्याख्यान प्रस्तुत करती हुई छात्रा

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

22 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में बी.एस–सी. वनस्पति विज्ञान के तीनों वर्षों के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर के मोहन चौरसिया को प्रथम स्थान, अभिजीत मणि उपाध्याय को द्वितीय स्थान एवं अंशिका सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। साथ ही बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर में पूजा गुप्ता को प्रथम स्थान, शिल्पी सिंह को द्वितीय स्थान एवं प्रीति गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बी.एस–सी. तृतीय वर्ष में सत्यजीत सिंह को प्रथम स्थान, मुंजेश पटेल को द्वितीय स्थान तथा नम्रता सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मंडल के अन्तर्गत डॉ. अभिषेक गुप्त, डॉ. शिवकुमार एवं डॉ. शैलेन्द्र ठाकुर ने सक्रिय सहभाग किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन डॉ. अभिषेक गुप्त ने किया।

कार्यशाला में प्रशिक्षण प्राप्त करती प्रशिक्षु एवं मंचस्थ शिक्षक

तीन दिवसीय कार्यशाला का दूसरा दिन

23 सितम्बर को महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग एवं योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में कार्यशाला के दूसरे

दिन सिलाई मशीन के प्रशिक्षक श्री जयदीप मौर्या एवं उनके सहयोगी श्री राजेश यादव ने छात्राओं को इलेक्ट्रिक मशीन चलाने का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में गृहविज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अपूर्वा त्रिपाठी, सुश्री रीतिका त्रिपाठी एवं प्रयोगशाला सहायिका श्रीमती नीतू सहानी, योगीराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षिका श्रीमती कमलावती प्रजापति एवं सभी छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजन गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया।

अतिथि व्याख्यान

23 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा "UNESCO की शिक्षा में भूमिका" विषय पर एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए श्री अरविन्द कुमार मौर्य

प्रतियोगिता के दौरान भाषण देती हुई छात्रा

भाषण प्रतियोगिता

23 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा "राष्ट्र के प्रति विद्यार्थियों का कर्त्तव्य" विषय पर एक भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कुन्दन कुमार मोदनवाल को प्रथम स्थान, श्रेया सिंह को द्वितीय स्थान एवं सावित्री प्रजापति को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती साधना सिंह एवं श्री अभिषेक त्रिपाठी नें सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

अतिथि व्याख्यान

23 सितम्बर को महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा एक अतिथि व्याख्यान का आयोजन किया

व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए श्री श्रीनिवास सिंह

गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी श्री श्रीनिवास सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में बी.एस-सी. वनस्पति विज्ञान के विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। संचालन एवं आभार ज्ञापन डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया।

राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस

24 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के पूर्व प्राचार्य डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक/स्वयंसेविका उपस्थित रहे।

स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए डॉ. शैलेन्द्र प्रताप सिंह

सांस्कृतिक प्रदर्शनी प्रतियोगिता

24 सितम्बर को महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग द्वारा सांस्कृतिक कौशल विषय पर एक प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। इस प्रदर्शनी में कुल 40 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की कल्पना को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की अंशिका को द्वितीय स्थान तथा आयुष एवं अभिषेक को क्रमशः तृतीय एवं सान्त्वना पुरस्कार के लिए चयनित किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. आरती सिंह, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा श्री अभिषेक त्रिपाठी उपस्थित रहे। इस अवसर पर सभी विजित प्रतिभागियों को बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने प्रमाण–पत्र प्रदान कर उनका उत्साहवर्द्धन किया।

प्रदर्शनी में प्रतिभाग करते विद्यार्थी एवं अवलोकन करते शिक्षक

निबन्ध प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

24 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत शिक्षाशास्त्र विभाग द्वारा "बढ़ती जनसंख्या : सिकुड़ते साधन" विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के कुल 36 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रीति विश्वकर्मा को प्रथम स्थान, सावित्री प्रजापति को द्वितीय स्थान एवं जुबैदा खातून को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह, डॉ. शालू श्रीवास्तव, श्रीमती विभा सिंह व श्री चन्दन ठाकुर ने सक्रिय सहभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

कार्यशाला का तीसरा दिन

प्रशिक्षुओं को संबोधित करते हुए सुश्री शारदा रानी

24 सितम्बर को महाविद्यालय में गृहविज्ञान विभाग एवं योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र के संयुक्त तत्वावधान में तीन दिवसीय कार्यशाला के तीसरे दिन इलेक्ट्रानिक सिलाई मशीन के संचालन, ड्राफ्टिंग एवं कटिंग का प्रशिक्षण प्रदान कर कार्यशाला का समारोप किया गया। कार्यशाला में गृहविज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अपूर्वा त्रिपाठी, सुश्री रीतिका त्रिपाठी एवं प्रयोगशाला सहायिका श्रीमती नीतू सहानी, योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र की प्रशिक्षिका श्रीमती कमलावती प्रजापति एवं सभी छात्राएं उपस्थित रहीं। कार्यशाला का गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया।

एक दिवसीय विशेष शिविर

विशेष शिविर के दौरान विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. अखिलेश गुप्त

25 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में एक दिवसीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में स्नातक तृतीय सेमेस्टर एवं स्नातक प्रथम सेमेस्टर के स्वयं सेवक/स्वयंसेविकाओं का चयन किया गया।

गणित विभाग के प्रभारी श्रीकान्तमणि त्रिपाठी ने चयन प्रक्रिया में सहयोग किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त एवं डॉ. आरती सिंह के कुशल संयोजन एवं निर्देशन में शिविर सम्पन्न हुआ।

ईश्वर चन्द्र विद्यासागर जयन्ती

26 सितम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत कर ईश्वर चन्द्र विद्यासागर को पूरे महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धासुमन अर्पित करते श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय

विज्ञान प्रदर्शनी

26 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा एक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। यह प्रदर्शनी बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थी द्वारा लगाई गई जिसमें कुल 60 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने प्रदर्शनी का निरीक्षण किया। प्रदर्शनी में शिल्पी सिंह व अंजली मिश्रा को प्रथम स्थान, पूजा गुप्ता व निकिता मिश्रा को द्वितीय स्थान तथा अर्चना साहनी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में श्री विनय कुमार सिंह, डॉ. अखिलेश गुप्ता व डॉ. अरूण कुमार राव उपस्थित रहे। प्रदर्शनी का संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते निर्णायक मंडल के सदस्यगण

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विभागीय विद्यार्थी

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता

27 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा "इतिहास लेखन की भारतीय दृष्टि" विषय पर एम. ए. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु एक निबन्ध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल

10 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में श्री विकास कुमार चौधरी को प्रथम, श्री अभय राज वर्मा को द्वितीय व श्री अभिषेक सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन प्राचीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया तथा निर्णायक के रूप में डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने सक्रिय सहभाग किया।

विशिष्ट व्याख्यान

27 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा "भारतीय पुनर्जागरण तथा राजा राम मोहन राय" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में नगर निगम, गोरखपुर के उप–नगर आयुक्त डॉ. मणिभूषण तिवारी ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन इतिहास विभाग प्रभारी श्री अनूप कुमार पाण्डेय द्वारा तथा कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता द्वारा किया गया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डॉ. मणिभूषण तिवारी

व्याख्यान प्रस्तुतीकरण

27 सितम्बर को महाविद्यालय के भूगोल विभाग द्वारा विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर "भारत के पर्यटन स्थल : एक संवाद" विषय पर विद्यार्थियों द्वारा पी.पी.टी. के माध्यम से व्याख्यान प्रस्तुतीकरण किया गया। कार्यक्रम की संयोजन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. शालू श्रीवास्तव तथा संचालन डॉ. नीलम गुप्ता ने किया। कार्यक्रम में स्नातक तथा स्नातकोत्तर स्तर के 12 विद्यार्थियों ने अपनी प्रस्तुति दी।

उद्‌बोधन देती हुई डॉ. नीलम गुप्ता

विचार गोष्ठी में विचार व्यक्त करता विद्यार्थी

विचार गोष्ठी

27 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड् विभाग द्वारा राजा राम मोहन राय की पुण्यतिथि के अवसर पर एक विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य रूप से अर्चना यादव, उत्तम श्रीवास्तव, ओमकार गुप्ता, मंजेश्वर द्विवेदी, चक्रधर पाठक तथा प्रशान्त चन्द्र ने अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर पर विभाग के समस्त विद्यार्थी व शिक्षक उपस्थित रहे।

राजा राम मोहन राय पुण्यतिथि

श्रद्धा सुमन अर्पित करतीं श्रीमती साधना सिंह

27 सितम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में राजा राम मोहन राय की पुण्यतिथि के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह ने अपने उद्‌बोधन के माध्यम से राजा राम मोहन राय के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए उन्हें महाविद्यालय परिवार की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

पोस्टर प्रतियोगिता

27 सितम्बर को महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग द्वारा "भारत के ऐतिहासिक एवं धार्मिक स्थल" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर व बी.ए. तृतीय सेमेस्टर तथा एम. ए. प्रथम व तृतीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की नाजिया खातून को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के विष्णु पटेल को द्वितीय स्थान व बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की रीमा प्रजापति को तृतीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की सुनैना प्रजापति को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. भावना पाण्डेय, सुश्री रीतिका त्रिपाठी एवं श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संयोजन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

निबन्ध प्रतियोगिता

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते प्रतिभागीगण

27 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "मुद्रा का महत्व" विषय पर एक निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 11 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की सुश्री पूजा निषाद को प्रथम स्थान, सुश्री शीतल शर्मा को द्वितीय स्थान तथा सुश्री साक्षी कुमारी को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल के रूप में डॉ. अरूण कुमार राव, डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय तथा डॉ. शिव

कुमार उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संयोजन अर्थशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ. मंजेश्वर ने किया।

सरदार भगत सिंह जयन्ती

श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्री हरिकेश यादव

28 सितम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में सरदार भगत सिंह जयन्ती के अवसर पर एक व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर सरदार भगत सिंह के जीवन और व्यक्तित्व पर प्रकाश डालते हुएं महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें श्रद्धासुमन अर्पित किया।

विश्व हृदय दिवस के अवसर पर उद्बोधन देते हुए प्रो. दिनेश कुमार सिंह

विशिष्ट व्याख्यान

29 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राणी विज्ञान विभाग द्वारा विश्व हृदय दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीन दयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के प्राणि विज्ञान विभाग के पूर्व आचार्य एवं अध्यक्ष तथा प्रख्यात पर्यावरणविद् प्रो. दिनेश कुमार सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार एवं संयोजन प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की।

उद्बोधन देते डॉ. एच.सी. गुप्ता

विशिष्ट व्याख्यान

29 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग द्वारा "VSEPR THEORY" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के अवकाश प्राप्त सहयुक्त आचार्य डॉ. एच.सी. गुप्ता ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. रामसहाय ने तथा आभार ज्ञापन विभागाध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया।

कार्यशाला में प्रशिक्षण देते श्री अभिषेक श्रीवास्तव

एक दिवसीय कार्यशाला

29 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग द्वारा "कम्पनी का सम्मेलन एवं पंजीयन" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य प्रशिक्षक के रूप में शहर के प्रतिष्ठित अधिवक्ता श्री अभिषेक श्रीवास्तव (पूर्व छात्र वाणिज्य विभाग महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़) द्वारा कम्पनी के सम्मेलन एवं इसके पंजीयन के विषय में विस्तारपूर्वक प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला का संयोजन एवं आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने किया। कार्यशाला में कुल 64 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

विशिष्ट व्याख्यान

30 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अर्थशास्त्र विभाग द्वारा "मुद्रा की उत्पत्ति एवं क्रमिक विकास" विषय पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के प्राचीन इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन विभाग प्रभारी डॉ. मंजेश्वर ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विभागीय विद्यार्थी

व्याख्यान प्रतियोगिता

30 सितम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायनशास्त्र विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 24 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एस. एस–सी. तृतीय सेमेस्टर के मुन्ना निषाद को प्रथम, एम. एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की पुष्पांजली कुमारी राय को द्वितीय एवं एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर के शैलेश यादव को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्रीमती प्रियंका मिश्रा, श्रीमती दिव्या दुबे एवं डॉ. मनीष त्रिपाठी रहे। कार्यक्रम का संचालन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रामसहाय ने किया।

श्रीमती ऐनी बेसेन्ट जयन्ती

01 अक्टूबर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रोवर्स रेंजर्स के तत्वावधान में प्रार्थना सभा में व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संयोजन रोवर्स/रेंजर्स प्रभारी श्रीमती विभा सिंह ने किया।

श्रद्धा सुमन अर्पित करते श्री शैलेन्द्र सिंह

उद्बोधन देते हुए डॉ. कृष्ण कुमार

गाँधी जयन्ती व लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती

02 अक्टूबर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रपिता महात्मा गाँधी व पूर्व प्रधानमंत्री श्री लाल बहादुर शास्त्री के जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि प्रो. रामदेव शुक्ल व विशिष्ट अतिथि डॉ. कृष्ण कुमार ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की।

राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम

02 अक्टूबर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में गाँधी जयन्ती व लाल बहादुर शास्त्री के जयन्ती के अवसर पर स्वयंसेवकों ने श्रमदान कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम का नेतृत्व राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने तथा संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्ता ने किया। इस अवसर पर स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने विद्यालय परिसर एवं परिसर के बाहर स्वैच्छिक श्रमदान किया।

श्रमदान करते हुए राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

फिट इण्डिया फ्रीडम रन

02 अक्टूबर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान

फिट इण्डिया फ्रीडम रन 2.0 कार्यक्रम के दौरान स्वास्थ्य जागरूकता हेतु दौड़ लगातीं महाविद्यालय की छात्राएं

में फिट इण्डिया फ्रीडम रन 2.0 के अन्तर्गत फिट इण्डिया फ्रीडम रन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का संयोजन एवं क्रियान्वयन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त एवं डॉ. आरती सिंह ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने सहभाग किया।

योगाभ्यास

08 अक्टूबर को महाविद्यालय में प्रार्थना सभा में योगाभ्यास का आयोजन किया गया। योग प्रशिक्षक के रूप में महाविद्यालय के शारीरिक शिक्षा विभाग के सहायक आचार्य डॉ. एस.एन. शुक्ला ने उपस्थित विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराया।

योगाभ्यास कार्यक्रम के अन्तर्गत योग कराते डॉ. एस.एन. शुक्ल एवं उपस्थित विद्यार्थीगण

उद्बोधन देते हुए श्री हरिकेश यादव

विशिष्ट व्याख्यान

08 अक्टूबर को महाविद्यालय के एन.सी.सी. तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के संयुक्त तत्वावधान में वायु सेना दिवस के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. हरिकेश यादव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य एवं एन.सी.सी. प्रभारी श्री रमाकान्त दुबे ने एवं आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह ने किया।

कार्यशाला में उपस्थित विद्यार्थी एवं प्रशिक्षक डॉ. सत्यप्रकाश सिंह

एक दिवसीय कार्यशाला

10 अक्टूबर को महाविद्यालय के भौतिक विज्ञान विभाग एवं कम्प्यूटर साइंस विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "बेसिक स्टैटिस्टिकल टूल्स इन रिसर्च एण्ड डेटा एनालासिस" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में एच.आर., के.आई.पी.एम. कॉलेज ऑफ इन्जिनियरिंग, गीडा के डाइरेक्टर डॉ. सत्यप्रकाश सिंह ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यशाला का संयोजन महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के प्रभारी श्री श्रीनिवास सिंह एवं संचालन श्री अभिषेक वर्मा ने किया। श्री प्रियांशु श्रीवास्तव ने अतिथि के प्रति आभार ज्ञापित किया।

कार्यशाला के दौरान अपनी जिज्ञासा प्रस्तुत करता पुस्तकालय समिति का छात्र

सप्तदिवसीय सोल साफ्टवेयर 3.0 प्रशिक्षण एवं परिचालन कार्यशाला

10 अक्टूबर को महाविद्यालय के पुस्तकालय द्वारा सप्तदिवसीय सोल साफ्टवेयर 3.0 प्रशिक्षण एवं परिचालन विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के मुख्य वक्ता के रूप में स्कूल ऑफ मैनेजमेन्ट साइंस, लखनऊ के ग्रन्थालय प्रभारी श्री शमित श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यशाला के उद्‌घाटन सत्र की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम संयोजन, संचालन एवं आभार ज्ञापन महाविद्यालय के पुस्तकालय प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर पुस्तकालय अध्यक्ष श्री गोविन्द जी, श्री संजय मल्ल एवं जयप्रकाश तथा अनेक तकनीकी दक्ष विद्यार्थियों ने कार्यशाला में प्रतिभाग किया।

कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षण देती कार्यशाला प्रशिक्षिका

स्काउट गाइड परिचायात्मक प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम

10 अक्टूबर को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा पाँच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर कार्यक्रम का शुभारम्भ किया गया। प्रशिक्षण शिविर में बी.एड्. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने विद्यार्थियों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर श्री अजय कुमार सिंह,

जिला प्रशिक्षण आयुक्त, गोरखपुर ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया।

पोस्टर प्रतियोगिता का निरीक्षण करते निर्णायक मण्डल के सदस्यगण

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस पर पोस्टर प्रतियोगिता

10 अक्टूबर को महाविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग द्वारा मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की कल्याणी निषाद को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष की आश्रिति सिंह को द्वितीय स्थान, बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की प्रगति पाल को तृतीय स्थान व बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के मुंजेश पटेल को सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी व प्राणि विज्ञान विभाग के आचार्य श्री विनय कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन मनोविज्ञान विभाग प्रभारी डॉ. वेंकटरमन ने किया और संयोजन सहायक आचार्य डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी ने किया।

जय प्रकाश नारायण जयंती

11 अक्टूबर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में जयप्रकाश नारायण जयंती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता प्राचीन इतिहास विभाग के सहायक आचार्य श्री इक्ष्वाकु सिंह ने अपने उद्बोधन के माध्यम से जयप्रकाश नारायण को महाविद्यालय परिवार की ओर से हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

श्रद्धा सुमन अर्पित करते डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह

पुस्कालय द्वारा आयोजित कार्यशाला का दूसरा दिन

11 अक्टूबर को महाविद्यालय में पुस्तकालय द्वारा सप्त दिवसीय सोल साफ्टवेयर 3.0 आधारित कार्यशाला के दूसरे दिन प्रशिक्षक श्री शमित श्रीवास्तव जी ने कार्यशाला को सम्बोधित किया तथा कैटलागिंग के विषय में प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला का संयोजन पुस्तकालय प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने की तथा तकनीकी जानकारी

कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षण देते श्री शमित श्रीवास्तव

श्रीश्रीनिवास जी ने दिया।

स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण का दूसरा दिन

11 अक्टूबर को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा पाँच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण कार्यक्रम के दूसरे दिन प्रशिक्षक श्री सूरज चन्द्र गौतम द्वारा प्रशिक्षणार्थियों को "फ्लैग होस्टिंग" का प्रशिक्षण दिया। सत्र में कुल 103 प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान उपस्थित स्काउट गाइड के प्रशिक्षु

चार्ट एवं मानचित्र निर्माण प्रतियोगिता

स्वनिर्मित चार्टों का प्रदर्शन करते विभागीय विद्यार्थी

12 अक्टूबर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा 'चार्ट एवं मानचित्र निर्माण प्रतियोगिता' का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के 12 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया, जिसमें कु. निधि यादव ने प्रथम स्थान, कमलेश साहनी ने द्वितीय स्थान और कु. नीलम यादव को तृतीय तथा अभय राजवर्मा एवं विकास चौधरी ने सांत्वना स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता का संयोजन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. अभिषेक सिंह, श्री हरिकेश यादव एवं डॉ. सुबोध कुमार मिश्र उपस्थित रहे।

कार्यशाला के दौरान विचार व्यक्त करते डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

पुस्कालय द्वारा आयोजित कार्यशाला का तीसरा दिन

12 अक्टूबर को महाविद्यालय में पुस्कालय द्वारा सप्त दिवसीय सोल साफ्टवेयर 3.0 आधारित कार्यशाला के तीसरे दिन प्रशिक्षक श्री शमित श्रीवास्तव ने कार्यशाला को सम्बोधित करते हुए प्रशिक्षण प्रदान किया। कार्यशाला का संयोजन पुस्तकालय प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर पुस्तकालय के सभी स्टाफ एवं विद्यार्थी भी उपस्थित रहे।

स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण का तीसरा दिन

कार्यशाला में विभिन्न प्रकार गाँठें बनाने का प्रशिक्षण देते प्रशिक्षक

12 अक्टूबर को महाविद्यालय के बी.एड्.विभाग द्वारा पाँच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण के तीसरे दिन स्काउट गाइड के प्रशिक्षक श्री सूरज चन्द्र गौतम ने प्रशिक्षणार्थियों को पर्वतरोहण एवं विभिन्न प्रकार की गांठो को बनाने का प्रशिक्षण दिया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक सहित 103 प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

प्रशिक्षण के दौरान शारीरिक अभ्यास करते प्रशिक्षु

स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण का चौथा दिन

13 अक्टूबर को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा पाँच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण के चौथे दिन स्काउट गाइड प्रशिक्षक जिला प्रशिक्षण आयुक्त सुश्री दुर्गावती धूसिया द्वारा प्रशिक्षण प्रदान किया गया। प्रशिक्षण के बौद्धिक सत्र में श्री अजय कुमार सिंह ने प्रशिक्षणार्थियों को स्काउट–गाइड के कार्यों एवं सिद्धान्तों के विषय में सम्बोधित किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक सहित 103 प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

पोस्टर प्रतियोगिता

स्वनिर्मित पोस्टरों का प्रदर्शन करते प्रतिभागीगण

13 अक्टूबर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भूगोल विभाग द्वारा "विश्व आपदा नियन्त्रण दिवस" विषय पर पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 31 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की निकिता सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की सपना को द्वितीय स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष की निशा चौहान को तृतीय स्थान एवं एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के विशाल यादव को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया। इस अवसर पर भूगोल विभाग के सहायक आचार्य श्री अरविन्द कुमार मौर्य एवं डॉ. नीलम गुप्ता निर्णायक सदस्य के रूप में उपस्थित रहे।

विश्व हाथ धुलाई दिवस के अवसर पर स्वच्छता के प्रति जागरूक करतीं श्रीमती दिव्या दूबे

विश्व हाथ धुलाई दिवस की पूर्व संध्या

14 अक्टूबर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग द्वारा "विश्व हाथ धुलाई दिवस" की पूर्व संधया पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए विद्यार्थियों को सफाई तथा स्वच्छता के महत्व को बताया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्रीमती दिव्या दुबे द्वारा किया गया। कार्यक्रम में रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. रामसहाय, श्रीमती प्रियंका मिश्रा एवं विभाग के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शिविर के समापन अवसर पर आवश्यक दिशा-निर्देश देते मुख्य प्रशिक्षक श्री अजय कुमार सिंह

स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर का समापन

14 अक्टूबर को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा पाँच दिवसीय स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर के अन्तिम दिन विविध कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। इस अवसर पर समारोह के मुख्य अतिथि डॉ. विजय कुमार चौधरी ने प्रशिक्षुओं को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की छात्राध्यापिका आमुशी उपाध्याय ने एवं आभार ज्ञापन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक सहित 103 प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

उद्घाटन अवसर पर बीज वक्तव्य प्रस्तुत करते प्रो. मज़हर आसिफ

राष्ट्रीय संगोष्ठी

उद्घाटन सत्र (15-16 अक्टूबर, 2022)

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ, उ. प्र. एवं महाविद्यालय के बी. एड्. विभाग के संयुक्त तत्वावधान में "राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उसका कार्यान्वयन" विषयक दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का उद्घाटन 15 अक्टूबर को हुआ। उद्घाटन सत्र के मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के शिक्षा सलाहाकार एवं विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के पूर्व अध्यक्ष प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह उपस्थित रहे। संगोष्ठी का बीज वक्तव्य राष्ट्रीय शिक्षा नीति

की ड्राफ्टिंग कमेटी के सदस्य एवं जवाहर लाल नेहरू विश्वविद्यालय नई दिल्ली के इतिहास विभाग के आचार्य प्रो. मजहर आसिफ ने प्रस्तुत किया। संगोष्ठी के विशिष्ट अतिथि प्रो. आशीष श्रीवास्तव डीन, स्कूल ऑफ एजुकेशन, महात्मा गाँधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतिहारी तथा प्रो. रामानन्द पाण्डेय निदेशक, सेंटर फॉर पॉलिसी रिसर्च एण्ड गवर्नेंस, नई दिल्ली रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. राजेश सिंह ने की। इस अवसर पर सभी अतिथियों का स्वागत महाविद्यालय के प्राचार्य प्रदीप कुमार राव ने तथा कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया।

प्रथम तकनीकी सत्र में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

प्रथम तकनीकी सत्र

उद्घाटन समारोह के तत्काल बाद प्रथम तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की अध्यक्ष प्रो. शोभा गौड़ ने की। सह–अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय के शिक्षासंकाय की सहायक आचार्य डॉ. मीतू सिंह उपस्थित रहीं। विषय विशेषज्ञ के रूप में महन्त अवेद्यनाथ महाविद्यालय, जंगल कौड़िया, गोरखपुर के सहायक आचार्य डॉ. अमरनाथ तिवारी उपस्थित रहे। सत्र का संचालन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव तथा प्रतिवेदन श्रीमती साधना सिंह ने किया।

द्वितीय तकनीकी सत्र में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण एवं विषय विशेषज्ञ

द्वितीय तकनीकी सत्र

प्रथम तकनीकी सत्र के बाद द्वितीय तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। द्वितीय सत्र की अध्यक्षता डीन, स्कूल ऑफ एजूकेशन, महात्मा गांधी केन्द्रीय विश्वविद्यालय, मोतीहारी, बिहार के प्रो. आशीष श्रीवास्तव ने की। सह–अध्यक्ष के रूप में नागालैण्ड केन्द्रीय विश्वविद्यालय, कोहिमा के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. ज्ञानेन्द्र नाथ तिवारी भी उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के भौतिकी विभाग के आचार्य प्रो. शान्तनु रस्तोगी उपस्थित रहे। सत्र का संचालन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय तथा प्रतिवेदन श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय ने किया।

तृतीय तकनीकी सत्र

संगोष्ठी के दूसरे दिन अर्थात 16 अक्टूबर को प्रात: 09:30 बजे तृतीय तकनीकी सत्र का आयोजन किया

गया। सत्र की अध्यक्षता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षा संकाय की आचार्य प्रो. सुषमा पाण्डेय ने किया। सह–अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के शिक्षासंकाय के सहायक आचार्य डॉ. राजेश कुमार सिंह उपस्थित रहे। विषय विशेषज्ञ के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर डॉ. अश्वनी मिश्र ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। सत्र का संचालन श्रीमती विभा सिंह तथा प्रतिवेदन डॉ. दिव्या पाण्डेय ने किया।

तृतीय तकनीकी सत्र में उपस्थित मंचस्थ अतिथिगण

शोधपत्र का वाचन करतीं प्रतिभागी

चतुर्थ तकनीकी सत्र

तृतीय तकनीकी सत्र के बाद चतुर्थ तकनीकी सत्र का आयोजन किया गया। इस सत्र की अध्यक्षता डॉ. शकुन्तला मिश्रा, राष्ट्रीय पुनर्वास विश्वविद्यालय, लखनऊ के फैकल्टी ऑफ स्पेशल एजूकेशन विभाग के डीन डॉ. रजनी रंजन सिंह ने किया। सह–अध्यक्ष के रूप में दीनदयाल उपाध्याय राजकीय महाविद्यालय, सहजनवां, गोरखपुर की प्राचार्य डॉ. कुमुद त्रिपाठी उपस्थित रहीं। विषय विशेषज्ञ के रूप में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य डॉ. विवेकनाथ त्रिपाठी ने अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। सत्र का संचालन महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय तथा प्रतिवेदन डॉ. आरती सिंह ने किया।

समापन समारोह

चतुर्थ तकनीकी सत्र के बाद दो दिवसीय राष्ट्रीय संगोष्ठी का समापन समारोह आयोजित किया गया। समापन समारोह की अध्यक्षता उ.प्र. हिन्दी संस्थान लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त ने किया। मुख्य अतिथि के रूप में बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर विश्वविद्यालय, लखनऊ के कुलपति प्रो. संजय सिंह उपस्थित रहे। विशिष्ट अतिथि के रूप में डॉ. शकुन्तला मिश्रा, पुनर्वास विश्वविद्यालय के शिक्षाशास्त्र विभाग के अध्यक्ष प्रो. रजनी रंजन सिंह व बाबा साहब भीमराव अम्बेडकर

राष्ट्रीय संगोष्ठी के समापन अवसर पर उपस्थित अतिथि, प्रतिभागी एवं विद्यार्थी

विश्वविद्यालय लखनऊ के शिक्षाशास्त्र विभाग के आचार्य प्रो. राजशरण शाही नें अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र तथा संगोष्ठी प्रतिवेदन श्रीमती शिप्रा सिंह ने प्रस्तुत किया।

विशिष्ट व्याख्यान

20 अक्टूबर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत अशफाक उल्ला खाँ की जयन्ती के पूर्व संध्या पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने अपना शोध पूर्ण उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन इतिहास विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अर्चना गुप्ता ने किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री अनूप कुमार पाण्डेय

व्यापार मेला

20 अक्टूबर को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा स्वावलंबी ग्राम योजना के अन्तर्गत दीपावली के शुभ अवसर पर व्यापार मेला का आयोजन किया गया। मेले का उद्घाटन महाविद्यालय के उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने किया। व्यापार मेले में विद्यालय के शिक्षक और छात्र–छात्राओं ने बढ–चढ़कर ग्रामीणों द्वारा बनाए गए उत्पादों को खरीदा।

व्यापार मेले में बिक्री हेतु तैयार ग्रामीणों द्वारा बनाये गये दिये

रोवर रेंजर्स एक दिवसीय शिविर

21 अक्टूबर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रोवर रेंजर्स का एक दिवसीय शिविर आयोजित किया गया। शिविर के मुख्य वक्ता श्री अभिषेक त्रिपाठी ने इस अवसर पर रोवर रेंजर्स के स्वयंसेवको को सम्बोधित करते हुए अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। शिविर में दोनों सोपान के कुल 72 रोवर्स रेंजर्स उपस्थित रहे। संयोजन एवं आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा ने किया। कार्यशाला में कुल 64 प्रतिभागी उपस्थित रहे।

शिविरार्थियों को सम्बोधित करते श्री अभिषेक कुमार त्रिपाठी

रक्तदान शिविर

01 नवम्बर को महाविद्यालय में गुरू श्री गोरखनाथ चिकित्सालय एवं महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना और राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में स्वैच्छिक रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने रक्तदाताओं को सम्बोधित करते हुए रक्तदान किया। शिविर में 10 शिक्षकों तथा 47 विद्यार्थियों सहित कुल 57 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर के अन्त में डॉ. अभिषेक सिंह ने गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय से आए हुए चिकित्सकों एवं सहायकों के प्रति आभार ज्ञापित किया।

रक्तदान करते महाविद्यालय के प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी

विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव

03 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग द्वारा "Retrosynthesis and its Application" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य अतिथि के रूप में नार्थ इस्टर्न रीजनल इंस्टीट्यूट ऑफ साइंस एण्ड टेक्नोलॉजी, ईटानगर, अरूणाचल प्रदेश के रसायन विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने तथा संचालन डॉ. राम सहाय ने किया। इस अवसर पर विभाग के शिक्षक, स्नातक तथा स्नातकोत्तर के छात्र एवं छात्राएं उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर शिक्षकों एवं विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय

11 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय, सेवा निवृत्त प्राचार्य, किसान पी. जी. कॉलेज, सेवरही कुशीनगर ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने किया। कार्यक्रम में अतिथि के प्रति आभार ज्ञापन बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के शिक्षक सहित बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के समस्त विद्यार्थी

उपस्थित रहे।

इन्टर्नशिप प्रशिक्षण कार्यक्रम (राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर व्याख्यान)

इन्टर्नशिप के दौरान विद्यार्थियों को सम्बोधित करता बी.एड्. विभाग का छात्राध्यापक

11 नवम्बर को महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर भारत के पहले शिक्षा मंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जयन्ती पर बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापक सत्यप्रकाश तिवारी ने विद्यालय के प्रार्थना सभा में बच्चों को सम्बोधित किया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक छात्राध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

इण्टर कॉलेज प्रतियोगिता (भाषण प्रतियोगिता)

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती इण्टर कॉलेज की छात्रा

11 नवम्बर को महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के अवसर पर बी.एड्. इन्टर्नशिप कर रहे छात्राध्यापकों ने भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया। प्रतियोगिता में 17 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कक्षा अष्टम की विद्यार्थी नेहा शर्मा प्रथम, प्रतिभा गुप्ता द्वितीय एवं रागिनी निषाद ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक के रूप में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की शाल्वी श्रीवास्तव, संगीता गुप्ता, अर्चना यादव ने सक्रिय की भूमिका निभाई।

विचार गोष्ठी

विचार गोष्ठी में विचार व्यक्त करता बी.एड्. विभाग का छात्राध्यापक

12 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में महामना मदन मोहन मालवीय की पुण्यतिथि के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में बी. एड्. प्रथम सेमेस्टर की अंकिता, विकास, अनीशा, मधुमिता, नेहा, बबिता, पूजा, मोहित, नितिन, हिमेश, हिमांशु, आशीर्वाद एवं अरूण कुमार आदि छात्राध्यापकों ने अपने विचार प्रस्तुत किये। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक सहित विद्यार्थी उपस्थित रहे।

मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि

श्रद्धांजलि कार्यक्रम में उपस्थित इण्टर कालेज के विद्यार्थी एवं बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक

12 नवम्बर को महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज में मदन मोहन मालवीय जी की पुण्यतिथि के अवसर पर बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की छात्राध्यापिका द्वारा मालवीय जी के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला गया। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक छात्राध्यापक व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

शतरंज प्रतियोगिता

12 नवम्बर को महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के इन्टर्नशिप प्रशिक्षुओं द्वारा इण्टर कॉलेज के विद्यार्थियों के मनोरंजन एवं बौद्धिक विकास के लिए शतरंज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। शतरंज प्रतियोगिता में कक्षा आठ के विजय चौहान विजयी रहे।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते इण्टर कालेज के विद्यार्थी

क्विज प्रतियोगिता

12 नवम्बर को महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के इन्टर्नशिप प्रशिक्षुओं द्वारा विद्यार्थियों के लिए एक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस क्विज प्रतियोगिता में तीन टीमों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में टीम "ब" को विजेता घोषित किया गया।

प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते इण्टर कालेज के विद्यार्थी एवं बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक

बाल दिवस

बाल दिवस के अवसर पर उपस्थित इण्टर कालेज के विद्यार्थी

14 नवम्बर को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों द्वारा महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़ में इन्टर्नशिप प्रशिक्षण के दौरान प्रार्थना सभा में बाल दिवस पर उद्‌बोधन एवं विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं जैसे–सामान्य ज्ञान, रंगोली, भाषण, प्रश्न मंच, शब्द पहेली, पैकिंग दौड़, गायन आदि का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का संयोजन इण्टर्नशिप कर रहे बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों ने किया। इस अवसर पर उक्त विभिन्न प्रतियोगिताओं में कक्षा 6, 7, 8 के विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते मुख्य वक्ता प्रो. प्रत्युष दूबे

विशिष्ट व्याख्यान

16 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर "लोकतन्त्र का चतुर्थ स्तम्भ मीडिया" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के आचार्य प्रो. प्रत्युष दूबे ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के शिक्षक सहित बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

श्री रमाकान्त दूबे को एन.सी.सी. लेफ्टिनेन्ट रैंक मिली

17 नवम्बर को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के सहायक आचार्य श्री रमाकान्त दूबे को एन.सी.सी. निदेशालय लखनऊ, उत्तर प्रदेश द्वार लेफ्टिनेंट का रैंक प्रदान किया गया। महाविद्यालय की इस उपलब्धि पर महाविद्यालय के प्राचार्य, उप प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी और 45वीं यू.पी. एन.सी.सी. बटालियन के कमाडिंग ऑफिसर आदि लोगों ने रमाकान्त दूबे को बधाई दी।

लेफ्टिनेन्ट श्री रमाकान्त दूबे

विश्व विरासत सप्ताह कार्यक्रम (विशिष्ट व्याख्यान)

19 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत समाजशास्त्र विभाग द्वारा 19 से 25 नवम्बर तक विश्व विरासत सप्ताह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय तथा संचालन डॉ. भावना पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर समाजशास्त्र विभाग के सभी

उद्बोधन देतीं डॉ. आरती सिंह

विद्यार्थी उपस्थित रहे।

प्रदर्शनी कार्यक्रम

21 नवम्बर को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गाँव मंझरिया की ग्रामीण महिलाओं द्वारा उत्पादित च्यवनप्राश की प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन महाविद्यालय में किया गया। इस प्रदर्शनी में महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं च्यवनप्राश क्रय किया।

प्रदर्शनी का अवलोकन करते श्री विनय कुमार सिंह

विश्व विरासत सप्ताह के अन्तर्गत निबन्ध लेखन कार्यक्रम

23 नवम्बर को महाविद्यालय में विश्व विरासत सप्ताह के पाँचवें दिन निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों ने अनेक विषयों पर निबन्ध लेखन किया। कार्यक्रम का संयोजन समाजशास्त्र विभाग प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया। इस अवसर पर उपेन्द्रमणि त्रिपाठी एवं श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय भी उपस्थित रहे।

निबन्ध लेखन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

कम्बल वितरण कार्यक्रम

23 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में कम्बल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एवं क्रियान्वयन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्ता एवं डॉ. आरती सिंह ने किया। इस अवसर पर 40 जरूरतमन्द लोगों को कम्बल प्रदान किया गया।

कम्बल वितरण करते राष्ट्रीय सेवा योजना के अधिकारीगण

विश्व विरासत सप्ताह समापन कार्यक्रम

25 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत समाजशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित

विश्व विरासत सप्ताह के समापन अवसर पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में डॉ. भावना पाण्डेय ने अपना विचार व्यक्त किया। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने तथा संचालन श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर समाजशास्त्र के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में मंचस्थ शिक्षकगण

विशिष्ट व्याख्यान

25 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा "अन्तर्राष्ट्रीय महिला हिंसा उन्मूलन दिवस" के अवसर पर महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए "एकजुट सक्रियता" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने अपना उद्‌बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने तथा संयोजन एवं आभार ज्ञापन राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री हरिकेश यादव

कला प्रदर्शनी

25 नवम्बर को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापकों द्वारा महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कॉलेज, जंगल धूसड़ में इन्टर्नशिप प्रशिक्षण के दौरान कला प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का शुभारम्भ बी.एड्. प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्री शैलेन्द्र सिंह तथा इण्टर कॉलेज के प्रधानाचार्य श्री संदीप कुमार जी भी उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में इण्टर कालेज के विद्यार्थियों द्वारा विविध प्रकार के स्वनिर्मित पोस्टर, उपकरण एवं हैण्डीक्राफ्ट सामग्रियों का प्रदर्शन किया गया।

कला प्रदर्शनी का अवलोकन करते इण्टर कालेज के प्रधानार्चा श्री संदीप कुमार

व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती विभागीय छात्रा

25 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायनशास्त्र विभाग द्वारा स्नातक स्तर पर व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 11 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में कादम्बरी को प्रथम, अमन कुमार यादव को द्वितीय तथा ज्योति प्रजापति को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. शिवकुमार बरनवाल, डॉ. रामसहाय, श्रीमती दिव्या दुबे एवं डॉ. मनीष त्रिपाठी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम सहाय ने किया।

संविधान दिवस

संविधान दिवस के अवसर पर उद्बोधन देते श्री हरिकेश यादव

26 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में संविधान दिवस पर एक व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में राजनीतिशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. हरिकेश यादव ने अपने विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्त तथा संयोजन डॉ. आरती सिंह ने किया।

महात्मा ज्योतिबा राव फूले निर्वाण दिवस

उद्बोधन देती हुयी डॉ. भावना पाण्डेय

28 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग द्वारा महात्मा ज्योतिबा राव फूले निर्वाण दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में डॉ. भावना पाण्डेय ने महात्मा जोतिबा फूले के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी ने किया।

सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान

28 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान

सड़क सुरक्षा जागरूकता विषयक रैली का नेतृत्व करती डॉ. आरती सिंह

में सड़क सुरक्षा जागरूकता अभियान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के दौरान एक रैली निकाली गयी। रैली का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह एवं डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयं सेवकों एवं स्वयंसेविकाओं ने इस रैली में प्रतिभाग किया।

कृषि विकास व स्वरोजगार कार्यक्रम

29 नवम्बर को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा अधिगृहित गाँव तिनकोनिया नम्बर–02 में स्वावलम्बी ग्राम योजना के अन्तर्गत कृषि विकास व स्वरोजगार कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को सफल बनाने का कार्य वाणिज्य विभाग के विद्यार्थियों ने किया।

वाणिज्य विभाग द्वारा अधिगृहित गाँव में आयोजित कार्यक्रम

विश्व एड्स दिवस पर रैली कार्यक्रम

01 दिसम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में विश्व एड्स दिवस पर जनजागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर एक रैली निकाली गई। इस एड्स जागरूकता रैली का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया। कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने इस अवसर पर सभी का आभार ज्ञापन किया। रैली में राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं तथा महाविद्यालय के शिक्षक सम्मिलित हुए।

विश्व एड्स दिवस के अवसर पर जन जागरूकता रैली

राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस

02 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के

उद्बोधन देतीं हुई डॉ. नीलम गुप्ता

भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता ने अपना शोधपूर्ण उद्बोधन प्रस्तुत किया। इस अवसर पर सभी शिक्षक, कर्मचारी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कम्प्यूटर साक्षरता दिवस

02 दिसम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में "कम्प्यूटर साक्षरता दिवस" के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग के अध्यक्ष श्री सूरज मिश्र ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन व आभार महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के शिक्षकों सहित बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कम्प्यूटर साक्षरता विषय पर उद्बोधन देते हुए श्री सूरज मिश्र

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती

03 दिसम्बर को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जी के जयन्ती के अवसर पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने अपना विचार प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक, विद्यार्थी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

श्रद्धा सुमन अर्पित करते हुए श्री अभिनव त्रिपाठी

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह (शोभा यात्रा उद्घाटन कार्यक्रम)

04 से 10 दिसम्बर तक प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह का आयोजन हुआ। सप्ताह भर चलने वाले इस भव्यतम आयोजन में महाविद्यालय ने सक्रिय रूप से सहभाग किया। इस साप्ताहिक समारोह के उद्घाटन

मुख्य अतिथि को सम्मानित करते प्रो. उदय प्रताप सिंह

कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में पूर्व वायु सेना प्रमुख राकेश कुमार सिंह भदौरिया जी उपस्थित रहे। महाविद्यालय द्वारा शोभा यात्रा के उद्घाटन के अवसर पर निकाली जाने वाली शोभा यात्रा में छात्र/छात्राओं द्वारा विविध महत्वपूर्ण विषयों पर मनमोहक व महत्वूपर्ण झांकियाँ निकाली गई। सप्ताह भर चलने वाले इस कार्यक्रम में महाविद्यालय ने स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर पर आयोजित होने वाली सभी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता उत्तर प्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने की।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर महाविद्यालय के विद्यार्थियों द्वारा निकाली गयी विभिन्न झाँकियों की मनोरम झलकियाँ

विमर्श का विमोचन

विमर्श पत्रिका का विमोचन करते पूज्य महाराज जी एवं मंचस्थ अतिथि

04 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर के संस्थापक सप्ताह समारोह के उद्‌घाटन अवसर पर महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर की वार्षिक शोध पत्रिका 'विमर्श' का विमोचन उ.प्र. के यशस्वी मुख्यमंत्री पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज एवं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित पूर्व वायु सेना प्रमुख श्री राकेश कुमार सिंह भदौरिया के कर कमलों से सम्पन्न हुआ।

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस

अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस के अवसर पर उद्‌बोधन देते श्री हरिकेश यादव

09 दिसम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा अन्तर्राष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस की पूर्व संध्या पर "गरिमा, स्वतन्त्रता और सभी के लिए न्याय" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। व्याख्यान कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के राजनीतिशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिनव त्रिपाठी ने किया तथा आभार ज्ञापन राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव के द्वारा किया गया।

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का संस्थापक सप्ताह समारोह (पुरस्कार वितरण एवं मुख्य महोत्सव)

संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन अवसर पर उपस्थित मंचस्थ अतिथि

10 दिसम्बर को महाविद्यालय महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थापक सप्ताह समारोह के मुख्य महोत्सव एवं पुरस्कार वितरण समारोह में मुख्य अतिथि लोकसभा के माननीय अध्यक्ष श्री ओम बिरला जी एवं उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री गोरक्षपीठाधीश्वर महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के कर कमलों द्वारा योग्यता छात्रवृत्ति, विभिन्न प्रतियोगिताओं में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को, शोभा–यात्रा में श्रेष्ठ पद संचलन एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं में सर्वश्रेष्ठ कार्य के आधार पर श्रेष्ठतम संस्था सहित, शिक्षकों एवं कर्मचारियों को

पूज्य महाराज जी के हाथों पुरस्कृत होता महाविद्यालय का छात्र

पुरस्कृत किया गया। महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की विभिन्न संस्थाओं में अध्ययनरत विद्यार्थियों एवं खिलाड़ियों समेत कुल 845 से अधिक विविध पुरस्कार प्रदान किया गया। महाविद्यालय की तरफ से विभिन्न प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया जिसमें सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में वरिष्ठ वर्ग में प्रथम स्थान अनुश्री (बी.एड्. द्वितीय वर्ष), उदीयमान कवि गोष्ठी में प्रथम स्थान मधुमिता गौड़ (बी.एड्. प्रथम वर्ष), हिन्दी भाषण, हिन्दी निबन्ध, हिन्दी आशुभाषण प्रतियोगिता में सत्यप्रकाश तिवारी (बी.एड्. द्वितीय वर्ष), अंग्रेजी भाषण में कादम्बरी, प्रश्न मंच में विशाल प्रसाद, वॉलीबाल में ममता मिश्रा, एन.सी.सी. में आशुतोष सिंह एवं घोष दल में आयुषनाथ तिवारी को पुरस्कृत किया गया।

मानविकी का विमोचन

मानविकी पत्रिका का विमोचन करते पूज्य महाराज जी एवं मंचस्थ अतिथि

10 दिसम्बर को महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद गोरखपुर के संस्थापक सप्ताह समारोह के समापन अवसर पर महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर की सामाजिक एवं मानविकी विषयों की अन्तर्अनुशासनात्मक अर्द्धवार्षिक शोध पत्रिका 'मानविकी' का विमोचन उ.प्र. के यशस्वी मुख्यमंत्री पूज्य योगी आदित्यनाथ जी महाराज एवं मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित लोक सभा अध्यक्ष मा. ओम बिड़ला के कर कमलों से सम्पन्न हुआ।

योग्यता छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम

मुख्य अतिथि को स्मृति चिह्न भेंट करते डॉ. शिव कुमार बर्नवाल

11 दिसम्बर को महाविद्यालय में योग्यता छात्रवृत्ति वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में अपने-अपने कक्षाओं में सर्वश्रेष्ठ शैक्षिक प्रदर्शन करने वाले प्रथम दो विद्यार्थियों को मुख्य अतिथि के रूप में राष्ट्रीय रक्षा अकादमी खड़गवासला, पुणे, महाराष्ट्र के भौतिकी विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य डॉ. राजेन्द्र भारती जी द्वारा नकद छात्रवृत्ति से सम्मानित किया गया। इस अवसर पर खुश्बू यादव पुत्री श्री अमर सिंह यादव बी.एस-सी. भाग-एक, विजया मल्ल पुत्री श्री धनेश मल्ल बी.एस-सी. भाग-एक, पूजा गुप्ता पुत्री श्री सुभाष कुमार गुप्ता बी.एस-सी. भाग-दो, शिल्पी सिंह पुत्री श्री रामप्रकाश सिंह

विद्यार्थियों को संबोधित करते डॉ. राजेन्द्र भारती

कार्यक्रम की प्रस्ताविकी प्रस्तुत करते डॉ. शिव कुमार बर्नवाल

आभार ज्ञापन करते हुए डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

मुख्य अतिथि के कर कमलों से पुरस्कृत होते महाविद्यालय के विद्यार्थी

बी.एस-सी. भाग-दो, साक्षी गुप्ता पुत्री श्री राजकुमार गुप्ता बी.एस-सी. भाग-दो, अमन दूबे पुत्र श्री नरेश दूबे, बी.एस-सी. भाग-तीन, शालिनी यादव पुत्री श्री हरिशंकर यादव बी.एस-सी. भाग-तीन, अंजली सिंह पुत्री श्री दिलीप सिंह बी.ए. भाग-एक, शालिनी मिश्रा पुत्री श्री प्रमोद कुमार मिश्रा बी.ए. भाग-एक, राघवेन्द्र प्रताप मल्ल पुत्र श्री उमाशंकर मल्ल बी.ए. भाग दो, तारकेश्वर पाण्डेय पुत्र श्री दिवाकर पाण्डेय बी.ए भाग दो, सोनी चौधरी पुत्री श्री जगदीज़ चौधरी बी.ए. भाग-तीन, शैल्वी साहनी पुत्री श्री रामनारायन साहनी बी.ए. भाग-तीन, रीतिका गुप्ता पुत्री श्री ओमप्रकाश गुप्ता बी.काम. भाग-एक, नेहा दूबे पुत्री श्री विनय कुमार दूबे बी.काम. भाग-एक, लोकेश कुमार गुप्ता पुत्र श्री ओमप्रकाश गुप्ता बी.काम. भाग दो, दयाराम सिंह पुत्र श्री उमाशंकर सिंह बी.काम. भाग दो, आकाश चौरसिया पुत्र श्री सुदर्शन चौरसिया बी.काम. भाग तीन, लक्ष्मी शुक्ला पुत्री श्री प्रेमनारायण शुक्ला बी.काम. भाग तीन, वन्दिता मिश्रा पुत्री श्री विनोद मिश्रा, एम.एस-सी प्रथम वर्ष (रसायन विज्ञान), पुष्पांजलि कुमारी राय पुत्री श्री भोला राम एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष (रसायन विज्ञान), तनु श्रीवास्तव पुत्री श्री राजेश कुमार श्रीवास्तव एम.एस-सी. अन्तिम वर्ष (रसायन विज्ञान), दीपचन्द पुत्र श्री सुबाष चन्द साहनी एम.ए.प्रथम वर्ष (भूगोल), जितेन्द्र चौधरी पुत्र श्री जगदीश चौधरी एम.ए. प्रथम वर्ष (भूगोल), गौरव गुप्ता पुत्र श्री द्वारिका गुप्ता एम.ए. अन्तिम वर्ष (भूगोल), अंगद मौर्या पुत्र श्री हरिनरायन मौर्या एम.ए. अन्तिम वर्ष (भूगोल), अभय राज वर्मा पुत्र श्री मुन्नू लाल

क्रीड़ा छात्रवृत्ति प्राप्त करते हुए महाविद्यालय के खिलाड़ी

कार्यक्रम में योग्यता छात्रवृत्ति से सम्मानित महाविद्यालय के विद्यार्थी

कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी एवं शिक्षकगण

वर्मा एम.ए. प्रथम वर्ष (प्राचीन इतिहास), नीलम यादव पुत्री श्री ऋषिकेश यादव एम.ए प्रथम वर्ष (प्राचीन इतिहास), पृथ्वी राज चौहान पुत्र श्री किरन चौहान एम.ए. प्रथम वर्ष (राजनीतिशास्त्र), खुश्बू चौहान पुत्री श्री सुरेश चौहान एम.ए. प्रथम वर्ष (राजनीतिशास्त्र), काव्या पाण्डेय पुत्री कुलभूषण पाण्डेय एम.ए. प्रथम वर्ष (राजनीतिशास्त्र), व्यास साहनी पुत्र श्री महेन्द्र साहनी एम.ए. प्रथम वर्ष (इतिहास), सिद्धी कुमारी मिश्रा पुत्री श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा एम.ए. प्रथम वर्ष (इतिहास), निधि दुबे पुत्री श्री रामजी दूबे एम.ए. अन्तिम वर्ष (इतिहास), कृतिका मल्ल पुत्री श्री अनिरूद्ध मल्ल एम.ए. प्रथम वर्ष (समाजशास्त्र), अंशु सिंह पुत्री आनन्द किशोर सिंह एम.ए. प्रथम वर्ष (समाजशास्त्र), ज्योति सिंह पुत्री श्री सिलवन्त सिंह एम.ए. प्रथ्मा वर्ष (गृह विज्ञान), क्षीप्रा रानी पुत्री अजय कुमार एम.ए. प्रथम वर्ष (गृहविज्ञान), सलोनी मिश्रा पुत्री श्री शारदानन्द मिश्रा एम.ए. अन्तिम वर्ष (गृहविज्ञान), अंजु कुमारी पुत्री प्रेमचन्द एम.ए. अन्तिम वर्ष (गृहविज्ञान), निशा कुमारी पुत्री श्री शिवलाल एम.ए. प्रथम वर्ष (हिन्दी), रूबी गुप्ता पुत्री श्री जवाहिर गुप्ता एम.ए. अन्तिम वर्ष (हिन्दी), ऋचा ओझा पुत्री श्री विक्रम ओझा एम.ए. अन्तिम वर्ष (हिन्दी), पूजा गुरूंग पुत्री श्री प्रेम बहादुर गुरूंग एम.काम. प्रथम वर्ष, मो. व्हीम अंसारी पुत्र श्री अनवर हुसैन एम.काम. प्रथम वर्ष, पूजा कुमारी पुत्री श्री रामकिशुन निषाद एम.काम अन्तिम वर्ष, कुमारी साधना पुत्री श्री राजाराम बी.एड्. प्रथम वर्ष, अंकिता सिंह पुत्री श्री रविप्रताप सिंह, बी.एड्. प्रथम वर्ष अर्चना यादव पुत्री श्री हरिराम यादव बी.एड्. अन्तिम वर्ष, अनुश्री पुत्री श्री अमरजीत चौरसिया बी.एड्. अन्तिम वर्ष। इस वर्ष क्रीड़ा छात्रवृत्ति में सुनीता बी.ए. प्रथम वर्ष, अजय कुमार बी.ए. द्वितीय वर्ष, सोनू निषाद बी.ए. द्वितीय वर्ष, चन्द्रेश बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष, संदीप कुमार निषाद बी.ए. द्वितीय वर्ष को योग्यता छात्रवृत्ति प्रदान किया गया।

व्याख्यान प्रस्तुत करती बी.एड्. विभाग की छात्राध्यापिका

राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस

14 दिसम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर शोध व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शोध व्याख्यान कार्यक्रम में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के निखिल श्रीवास्तव, आर्शीवाद कश्यप, हिमांशु सिंह, विकास कुमार सिंह, अनिशा गुप्ता, नेहा सिंह एवं आदर्श कुंवर सिंह ने प्रतिभाग किया। इस अवसर पर बी.एड्. विभाग के सभी शिक्षक सहित 35 विद्यार्थी उपस्थित रहे।

फूड कॉम्पटीशन

02 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गृह विज्ञान विभाग के द्वारा Winter Special's Disease Based Food Competition का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 30 छात्रओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की इशिका श्रीवास्तव को प्रथम स्थान, वन्दना को द्वितीय स्थान व रोशन जहाँ को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता में निर्णायक मण्डल की भूमिका में समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय एवं बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती साधना सिंह उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

फूड कॉम्पटीशन में प्रतिभाग करते विद्यार्थीगण

कक्षा प्रतिनिधि चयन परीक्षा में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

कक्षा प्रतिनिधि चयन

05 जनवरी को महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थियों हेतु कक्षा प्रतिनिधि चयन परीक्षा का आयोजन किया गया। कक्षा प्रतिनिधि चयन परीक्षा में कुल 32 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतिनिधि चयन परीक्षा में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के नरसिंह पासवान को प्रथम स्थान, बबली चौहान व अरूण कुमार को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान तथा निधि सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त

हुआ। इस क्रम में श्री नरसिंह पासवान कक्षा प्रतिनिधि घोषित किए गए।

सड़क सुरक्षा की शपथ ग्रहण करते रा.से.यो. के स्वयंसेवक

सड़क सुरक्षा माह

06 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा माह का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर इतिहास विभाग के अध्यक्ष डॉ. अनूप पाण्डेय ने सड़क सुरक्षा से सम्बन्धित अपने विचार प्रस्तुत किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त द्वारा इस अवसर पर स्वयंसेवकों/स्वयंसेविकाओं को सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थी एवं सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं उपस्थित रहे।

प्रवासी भारतीय दिवस

09 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत समाजशास्त्र विभाग द्वारा प्रवासी भारतीय दिवस पर एक विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य श्री रितेन्द्रनाथ पाण्डेय ने तथा संयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

उद्बोधन देती हुयी डॉ. भावना पाण्डेय

व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डॉ. विनोद कुमार

दो दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम

09 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राचीन इतिहास पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग के तत्वावधान में "पृथ्वी पर मानव की उत्पत्ति एवं पाषाणकाल : भारतीय प्रागैतिहास के विशेष सन्दर्भ में" विषय पर दो दिवसीय विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का उद्घाटन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद के पी.डी.एफ. फेलो

डॉ. विनोद कुमार ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन एवं विषय प्रवर्तन प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं सांस्कृति विभाग के अध्यक्ष डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने तथा संयोजन एवं अतिथि के प्रति आभार ज्ञापन विभाग के सहायक आचार्य डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के शिक्षक श्री अनूप पाण्डेय, डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ. अमित त्रिपाठी सहित विभाग के एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

स्वागत समारोह में उपस्थित विभागीय शिक्षक एवं विद्यार्थी

स्वागत समारोह कार्यक्रम

10 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग के एम. एस–सी. अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों के लिए स्वागत समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में एम.एस–सी. प्रथम वर्ष की श्रेया मल्ल को मिस फ्रेशर तथा छात्र नीलकमल दूबे को मिस्टर फ्रेशर चुना गया। कार्यक्रम का उद्घाटन महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल तथा संचालन एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर के मुन्ना निषाद ने किया। इस अवसर पर रसायन विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक, प्रयोगशाला सहायक व एम.एस–सी के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

युवा सप्ताह समारोह के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

युवा सप्ताह समारोह उद्घाटन कार्यक्रम

12 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा सप्ताह समारोह के उद्घाटन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने स्वयंसेवकों को सम्बोधित किया। कार्यक्रम का संचालन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया।

हिन्दी भाषण प्रतियोगिता

13 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित युवा सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत "वर्तमान परिदृश्य में स्वामी विवेकानन्द के विचारों की प्रासंगिकता"

भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

विषय पर हिन्दी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 16 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के विष्णु पटेल को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के भानू प्रताप सिंह को द्वितीय स्थान, बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की पूजा गुप्ता को तृतीय स्थान तथा बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर की मुस्कान पाण्डेय एवं बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के राधेश्याम प्रजापति को संयुक्त रूप से सान्त्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्रीमती पुष्पा निषाद, डॉ. सुधा शुक्ला, श्री जितेन्द्र प्रजापति ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने व आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया।

पोस्टर प्रतियोगिता में उपस्थित प्रतिभागीगण

पोस्टर प्रतियोगिता

16 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में युवा सप्ताह कार्यक्रम के अन्तर्गत पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 25 स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की अलका सेन सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की अनीशा विश्वकर्मा को द्वितीय स्थान, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के आशुतोष त्रिपाठी को तृतीय स्थान एवं बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की अपर्णा सिंह तथा साक्षी सोनकर ने संयुक्त रूप से सान्त्वना स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. सुधा शुक्ल, सुश्री शारदा रानी व सुश्री दीप्ती गुप्ता ने सक्रिय सहभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार ने किया।

युवा सप्ताह समापन कार्यक्रम

18 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में आयोजित युवा सप्ताह के समापन अवसर पर

युवा सप्ताह समापन कार्यक्रम के अवसर पर विचार व्यक्त करता विद्यार्थी

सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों द्वारा स्वरचित एवं देशभक्ति गीतों पर आधारित कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इस अवसर पर मनोविज्ञान के अध्यक्ष डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने भी अपना विचार प्रस्तुत किया गया। कार्यक्रम का संयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने एवं आभार ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के सभी स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएँ उपस्थित रहे।

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते विभागाध्यक्ष

विज्ञान प्रदर्शनी

19 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एस–सी. भाग तीन प्राणि–विज्ञान के विद्यार्थियों द्वारा भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में मुख्य अतिथि के रूप में रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. शिव कुमार बर्नवाल तथा विशिष्ट अतिथि समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय उपस्थित रहे। प्रदर्शनी में कुल 47 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन प्राणि–विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया। निर्णायक मण्डल में वनस्पति विज्ञान के सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता एवं श्री विनय कुमार सिंह रहे।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में उपस्थित विद्यार्थीगण

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

20 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस–सी. भाग तीन के विद्यार्थियों की शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 31 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में अमन कुमार यादव को प्रथम स्थान, शिल्वी गौड़ को द्वितीय स्थान व राजलक्ष्मी गोयल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. रघुवीर नारायण सिंह व श्री विनय कुमार सिंह उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शिव कुमार ने किया।

कार्यक्रम में प्रतिभाग करती महाविद्यालय की छात्राएं

हस्ताक्षर कार्यक्रम

21 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में

बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ अभियान के क्रम में हस्ताक्षर कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने उक्त विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने व संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया।

विचार गोष्ठी में विचार व्यक्त करता रोवर्स रेंजर्स का वालन्टिरय

विचार गोष्ठी

21 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रोवर्स-रेंजर्स द्वारा स्वामी विवेकानन्द का जीवन दर्शन विषय पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में 38 रोवर्स-रेंजर्स वालंटियर उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन श्रीमती विभा सिंह, रोवर्स रेंजर्स प्रभारी ने एवं संचालन श्री अभिषेक त्रिपाठी, सहायक आचार्य बी.एड्. विभाग ने किया।

विचार गोष्ठी

23 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के तत्वावधान में नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती के अवसर पर विचार गोष्ठी का आयोजन किया गया। विचार गोष्ठी में कुल 36 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

विचार गोष्ठी में अपनी बात रखता बी.एड्. विभाग का छात्र

शपथ ग्रहण कार्यक्रम

23 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में सड़क सुरक्षा अभियान के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन कार्यक्रम अधिकारी डॉ. आरती सिंह ने किया।

सड़क सुरक्षा की शपथ लेते रा.से.यो. के स्वयंसेवक/स्वयंसेविकाएं

दो दिवसीय टाई एवं डाई कार्यशाला

24 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत–महोत्सव के अन्तर्गत गृह विज्ञान एवं पिडिलाइट के संयुक्त तत्वावधान में उद्यमिता विकास हेतु दो दिवसीय टाई एवं डाई कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में श्री रवि वर्मा एवं सुश्री शिवांगी यादव उपस्थित रहीं। इस कार्यशाला में महाविद्यालय के कुल 55 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। कार्यशाला का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया।

कार्यशाला में प्रशिक्षण देते हुए श्री रवि वर्मा

शपथ ग्रहण समारोह

24 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गृह विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने सभी को शपथ दिलवाया। कार्यक्रम का संयोजन गृह विज्ञान की सहायक आचार्य सुश्री रितिका त्रिपाठी ने किया।

बालिका संरक्षण की शपथ लेते
महाविद्यालय के शिक्षक एवं विद्यार्थी

विशिष्ट व्याख्यान

25 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के अवसर पर "वोटिंग बेमिसाल है, मैं अवश्य वोट देता हूँ" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया है। व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप पाण्डेय ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन श्री अभिनव त्रिपाठी व संयोजन तथा आभार ज्ञापन श्री हरिकेश यादव ने किया।

उद्बोधन प्रस्तुत करते हुए श्री अभिनव त्रिपाठी

मतदाता दिवस शपथ ग्रहण समारोह

25 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में मतदाता दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता ने किया।

अनिवार्य मतदान की शपथ ग्रहण करते राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयंसेवक

कार्यशाला

25 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत गृह विज्ञान विभाग एवं पिडिलाइट के संयुक्त तत्वावधान में उद्यमिता विकास हेतु दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन कर दूसरे दिन प्रशिक्षण प्रदान किया गया। इस कार्यशाला का संयोजन गृह विज्ञान की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी द्वारा किया गया।

कार्यशाला में प्रतिभाग करती गृहविज्ञान विभाग की छात्राएं

सरस्वती पूजन कार्यक्रम

26 जनवरी को महाविद्यालय में बसंत पंचमी के उत्सव के अवसर पर वाग्देवी माँ सरस्वती के पूजन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। पूजन कार्यक्रम में यजमान के रूप में महाविद्यालय के गणित विभाग के अध्यक्ष श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी ने पूरे विधि-विधान के साथ पूजा सम्पन्न कराई। सरस्वती पूजन के बाद हवन व आरती हुआ। तत्पश्चात सभी लोगों ने प्रसाद ग्रहण किया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती विभा सिंह ने किया। इस अवसर पर शिक्षक, विद्यार्थी एवं कर्मचारी भी उपस्थित रहे।

बसन्त पंचमी के अवसर पर ज्ञान की अधिष्ठात्री वाग्देवी माँ सरस्वती का पूजन कार्यक्रम सम्पन्न कराते श्री श्रीकान्तमणि त्रिपाठी एवं महाविद्यालय के विद्यार्थी

महात्मा गाँधी पुण्यतिथि कार्यक्रम

30 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग द्वारा महात्मा गांधी की 75वीं पुण्यतिथि के अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। पुण्यतिथि कार्यक्रम के मुख्य

गाँधी भजन कार्यक्रम में उपस्थित प्राचार्य, अतिथिगण एवं विद्यार्थी

श्रद्धांजलि अर्पित करते डॉ. अश्वनी कुमार मिश्र जी

अतिथि के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी, गोरखपुर डॉ. अश्विनी कुमार मिश्र तथा विशिष्ट अतिथि द्वय के रूप में दिग्विजयनाथ स्नातकोत्तर महाविद्यालय के सहायक आचार्य डॉ. पवन पाण्डेय एवं महन्त अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय, जंगल कौड़िया के सहायक आचार्य श्री अमरनाथ तिवारी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अन्त में काकोरी बलिदान दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम का संचालन बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक कुंवर आदर्श द्वारा किया गया। कार्यक्रम में बी.एड्. के विद्यार्थियों सहित महाविद्यालय के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

शहीद दिवस कार्यक्रम

30 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग के तत्वावधान में शहीद दिवस के अवसर पर "महात्मा गांधी और उनकी विचार धारा" विषय पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में श्री हरिकेश यादव ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संयोजन श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने तथा संचालन श्री भानू प्रताप सिंह (छात्र बी.ए. तृतीय सेमेस्टर इतिहास) ने किया।

शहीद दिवस के अवसर पर उद्बोधन देते श्री हरिकेश यादव

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते विभागीय शिक्षक

विज्ञान प्रदर्शनी प्रतियोगिता

30 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत रसायन विज्ञान विभाग द्वारा भव्य विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी का उद्घाटन महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। प्रदर्शनी में स्नातक स्तर के कुल 24 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान

बी.एस–सी. तृतीय वर्ष की सिद्धि तिवारी, कादम्बरी सिंह, ज्योति प्रजापति, अमन यादव के समूह को, द्वितीय स्थान बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के शाहीन खातून, आशीष कुमार तथा राजेश यादव के समूह को, तृतीय स्थान बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के आयुष नाथ तिवारी, आकांक्षा मौर्या, शिल्पी गौड़, अपराजिता उपाध्याय के समूह को एवं राजलक्ष्मी गोयल (बी.एस–सी तृतीय वर्ष) तथा अमृता सिंह (बी.एस–सी तृतीय वर्ष) को संयुक्त रूप से सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संयोजन रसायन विज्ञान विभाग की श्रीमती प्रियंका मिश्रा ने किया। निर्णायक मण्डल में डॉ. आर. एन.सिंह, डॉ. अरूण कुमार राव तथा डॉ. रामसहाय ने अपनी भूमिका निभाई।

एक दिवसीय कार्यशाला

03 फरवरी को महाविद्यालय में वाणिज्य विभाग के द्वारा फैकल्टी केन्द्रित एक "उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा लाइब्रेरी का उपयोग" विषयक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री चन्दन ठाकुर ने महाविद्यालय के शिक्षकों को ई–कन्टेन्ट बनाना एवं उसे अपलोड करना सिखाया। कार्यशाला में महाविद्यालय के सभी शिक्षकों ने बढ़–चढ़कर प्रशिक्षण लिया।

कार्यशाला के दौरान शिक्षकों को प्रशिक्षण देते श्री चंदन कुमार ठाकुर

एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम

आपदा प्रबंधन कार्यशाला के दौरान प्रशिक्षण देते हुए एन.डी.आर.एफ. के बचावकर्मी

06 फरवरी को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग और राष्ट्रीय कैडेट कोर के संयुक्त तत्वावधान में संचालित आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा के एक वर्षीय प्रमाण–पत्र कार्यक्रम के अन्तर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य प्रशिक्षक के रूप में 11वीं एन.डी.आर.एफ. बटालियन के बचावकर्मी सब–इन्सपेक्टर जी.डी. जयप्रकाश कुमार जी उपस्थित रहे तथा उनके साथ प्रशिक्षक दल में बचावकर्मी जयप्रकाश राम, सतीश कुमार तोमर, दुर्गेश चौरसिया, सतीश कुमार, बृजेश यादव, अशोक कुमार सिंह और योगेन्द्र यादव का भी सक्रिय सहभाग रहा। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के एन.सी.सी. प्रभारी ले. रमाकान्त दूबे ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय की उप–प्राचार्य श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थियों को प्राकृतिक आपदाओं के समय बचाव के विभिन्न तरीकों के बारे में विस्तार पूर्वक प्रशिक्षण दिया गया।

ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट व्याख्यान

08 फरवरी को महाविद्यालय में ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट के अवसर पर एक विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्र ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन तथा आभार ज्ञापन राजनीतिशास्त्र विभाग के विभागाध्यक्ष श्री हरिकेश यादव ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी मिश्र

एक दिवसीय सोप मेकिंग कार्यशाला

11 फरवरी को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा एक दिवसीय सोप मेकिंग कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में प्रशिक्षक के रूप में गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने छात्रों को साबुन बनाने की विधि का प्रशिक्षण दिया। कार्यशाला में कुल 32 छात्राओं ने प्रतिभाग किया।

कार्यशाला के अन्तर्गत साबुन निर्माण का प्रशिक्षण प्राप्त करती छात्राएं

एक दिवसीय चिकित्सा शिविर

11 जनवरी को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा अभिगृहित ग्राम तिनकोनिया नं. 02 में स्वावलम्बी ग्राम योजना के अन्तर्गत, गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय के मार्गदर्शन में एक दिवसीय चिकित्सा शिविर का आयोजन किया गया। चिकित्सा शिविर में स्वास्थ्य परीक्षक के रूप में डॉ. जितेन्द्र मिश्र जी उपस्थित रहे। शिविर में 94 ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण हुआ। चिकित्सा शिविर का समन्वय वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला ने किया। विभाग के विद्यार्थी ने बढ़-चढ़ कर इस चिकित्सा शिविर में सहयोग किया।

चिकित्सा शिविर के दौरान स्वास्थ्य परीक्षण करते डॉ. जे.के. मिश्र

राष्ट्रीय महिला दिवस

13 फरवरी को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय महिला दिवस के अन्तर्गत सरोजनी नायडू जयन्ती के

अवसर पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय ने अपना शोधपूर्ण व्याख्यान प्रस्तुत किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक कर्मचारी व विद्यार्थी उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उद्बोधन देती हुई डॉ. भावना पाण्डेय

पुलवामा शहीद दिवस

14 जनवरी को महाविद्यालय के रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के द्वारा पुलवामा शहीद दिवस के अवसर पर एक विभागीय व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में सहायक आचार्य श्री रमाकान्त दूबे ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक सिंह ने किया। कार्यक्रम में विभाग के सभी विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुलवामा के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित करते डॉ. अभिषेक सिंह

विशिष्ट व्याख्यान

14 फरवरी को महाविद्यालय के रसायन विज्ञान विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "दवाओं का संश्लेषण एवं उपयोगिता" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य अतिथि के रूप में महात्मा गांधी पी.जी. कॉलेज, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. आलोक श्रीवास्तव ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। इसी क्रम में रसायन विज्ञान विभाग के स्नातक तृतीय वर्ष तथा स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष के विद्यार्थियों को व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करने हेतु प्रमाण-पत्र प्रदान किया गया। यह प्रमाण-पत्र मुख्य अतिथि तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के रसायन विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. गीता सिंह द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. राम सहाय ने तथा आभार ज्ञापन रसायनशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने किया। इस अवसर पर रसायन विज्ञान विषय के स्नातकोत्तर स्तर के समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

व्याख्यान प्रस्तुत करते हुए डॉ. आलोक श्रीवास्तव

विशिष्ट व्याख्यान

यूनियन बजट 2023 पर व्याख्यान देते हुए श्री नन्दन शर्मा

15 फरवरी को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "यूनियन बजट 2023-24 का अवलोकन" विषय पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री चन्दन ठाकुर ने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन श्रीमती श्वेता एवं आभार ज्ञापन विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया। कार्यक्रम का संयोजन श्री सिद्धार्थ शुक्ल ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

उद्बोधन देते हुए श्री अभिषेक त्रिपाठी

16 फरवरी को महाविद्यालय के इतिहास विभाग के तत्वावधान में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत क्रान्तिकारी तात्याटोपे की जयन्ती के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक त्रिपाठी ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी ने किया।

शतरंज व कैरम प्रतियोगिता

कैरम प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं

16 फरवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति शतरंज प्रतियोगिता तथा महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता का निर्णायक मुकाबला खेला गया। बालक वर्ग में कैरम प्रतियोगिता का फाइनल मुकाबला बी.एस-सी. तृतीय वर्ष के आनन्द सिंह ने जीता तथा बी.काम. चतुर्थ सेमेस्टर के अभिषेक सिंह उपविजेता रहे। वहीं कैरम प्रतियोगिता के अन्तर्गत बालिका वर्ग में निर्णायक मुकाबले में बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर की प्रीति विश्वकर्मा विजयी रहीं तथा बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर की अंकिता दूबे उपविजेता रहीं। साथ ही शतरंज प्रतियोगिता के फाइनल में बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के यश वर्मा विजेता तथा आशुतोष शर्मा उप-विजेता रहे। अंत में क्रीड़ा प्रभारी चन्दन ठाकुर ने खिलाड़ियों और निर्णायकों के प्रति आभार व्यक्त किया।

सेमिनार कार्यक्रम

सेमिनार में उपस्थित गृहविज्ञान विभाग की छात्राएं

20 फरवरी को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा "किशोरियों के पोषण स्तर पर उनकी खाद्य आदतों का प्रभाव" विषय पर सेमिनार का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में विभाग की कुल 18 छात्राओं ने प्रतिभाग किया। कार्यक्रम का संयोजन गृहविज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अपूर्वा त्रिपाठी ने किया।

एक दिवसीय कार्यशाला

कार्यशाला में प्रशिक्षण देते श्री अभिषेक श्रीवास्तव

20 फरवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत "बौद्धिक सम्पदा अधिकार" विषय पर एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला के विषय विशेषज्ञ के रूप में अधिवक्ता श्री अभिषेक श्रीवास्तव ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया।

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम उद्घाटन कार्यक्रम

उद्बोधन देते हुए प्रो. रामदरश राय

21 फरवरी को महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा संचालित भाषा, शिक्षण और व्याकरण विषयक प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम का उद्घाटन कार्यक्रम आयोजन किया गया। कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर के हिन्दी विभाग के सेवानिवृत्त आचार्य प्रो. रामदरश राय उपस्थित रहे। कार्यक्रम की प्रस्ताविकी हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह व अध्यक्षता महाविद्यालय के उप-प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. सुधा शुक्ला ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता के दौरान व्याख्यान प्रस्तुत करता विभागीय छात्र

21 फरवरी को महाविद्यालय में प्राणि विज्ञान विभाग में शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 28 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर के क्रमशः शिल्पी सिंह को प्रथम, पूजा गुप्ता को द्वितीय तथा प्रीति गुप्ता को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में प्राणि विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. रघुवीर नारायण सिंह एवं सहायक आचार्य श्री विनय कुमार सिंह उपस्थित रहे।

महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार

सेमिनार में प्रतिभाग करता विभागीय विद्यार्थी

23 फरवरी को महाविद्यालय में भूगोल विभाग द्वारा आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार का आयोजन किया गया। सेमिनार का विषय "भारत में ऊर्जा समस्या : नए अवसर एवं चुनौतियाँ" रहा। सेमिनार में स्नातक व स्नातकोत्तर स्तर के 20 विद्यार्थियों ने शोध प्रपत्र प्रस्तुत किया। इस सेमिनार में बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के आदर्श कुमार शर्मा को प्रथम स्थान, एम. ए. द्वितीय सेमेस्टर के जितेन्द्र चौधरी को द्वितीय स्थान व बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर के आलोक चौहान को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर की मधु विश्वकर्मा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी एवं सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता रहीं। कार्यक्रम का संयोजन डॉ. शालू श्रीवास्तव ने किया।

उद्बोधन देते डॉ. विजयानन्द मिश्र

विशिष्ट व्याख्यान

24 फरवरी को महाविद्यालय में हिन्दी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में जवाहर लाल नेहरू स्मारक पी.जी. कॉलेज, महराजगंज के सहायक आचार्य डॉ. विजयानन्द मिश्र ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल ने व अध्यक्षीय उद्बोधन एवं आभार ज्ञापन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करतीं डॉ. नीलम दूबे

24 फरवरी को महाविद्यालय में अंग्रेजी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान का विषय Gaming Effect on Language and Communication रहा। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में मदन मोहन मालवीय प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय गोरखपुर की असिस्टेंट प्रोफेसर डॉ. नीलम दूबे ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थी शिवम कुमार ने एवं आभार ज्ञापन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी सुश्री शिवानी सिंह ने किया।

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

व्याख्यान प्रतियोगिता में अपनी प्रस्तुति पी.पी.टी. के माध्यम से देता विद्यार्थी

24 फरवरी को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर के कुल 43 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान शिवम कसौधन, द्वितीय स्थान आयशा व तृतीय स्थान आकांक्षा शर्मा को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में समाजशास्त्र विभाग के प्रभारी डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, रक्षा अध्ययन विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अभिषेक सिंह, प्राणि विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. शिव कुमार एवं वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश गुप्ता उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. रघुवीर नारायण सिंह ने किया।

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा

प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

24 फरवरी को महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित ब्यूटी एण्ड सेल्फ केयर प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की परीक्षा सम्पन्न करायी गई। परीक्षा में कुल 50 छात्राएँ उपस्थित रहीं। परीक्षा का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य डॉ. अपूर्वा त्रिपाठी ने किया। परीक्षक के रूप में गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी, सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने अपनी भूमिका का निर्वहन किया।

व्याख्यान प्रतियोगिता के अन्तर्गत प्रस्तुति देता छात्र

व्याख्यान प्रतियोगिता

25 फरवरी को महाविद्यालय के हिन्दी विभाग द्वारा व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 30 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के आदर्श शर्मा को प्रथम स्थान, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की चंचल प्रजापति को द्वितीय स्थान, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की नन्दनी को तृतीय स्थान और बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की नीतू यादव व एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की कु. निशा को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ला ने किया। निर्णायक मण्डल में अंग्रेजी विभाग की प्रभारी सुश्री शिवानी सिंह व हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह जी रही।

विशिष्ट व्याख्यान

25 फरवरी को महाविद्यालय के गणित एवं सांख्यिकी विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य अतिथि एवं वक्ता निदेशक, मानव संसाधन विभाग, के.आई.पी.एम. कॉलेज, गीडा के डॉ. सत्य प्रकाश सिंह जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संयोजन विभाग प्रभारी श्री श्रीकान्तमणि त्रिपाठी ने व आभार ज्ञापन वरिष्ठ आचार्य डॉ. अरूण राव जी ने किया।

महाविद्यालय के प्रकाशन भेंट कर मुख्य अतिथि का स्वागत करते श्री कालीशंकर पाण्डेय

विशिष्ट व्याख्यान

25 फरवरी को महाविद्यालय के वाणिज्य विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान के मुख्य वक्ता वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ शुक्ल जी रहे। कार्यक्रम का संयोजन वाणिज्य विभाग के प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया। कार्यक्रम में बी. काम. द्वितीय सेमेस्टर के 54 विद्यार्थी उपस्थित रहे व आभार ज्ञापन चन्दन ठाकुर जी ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री नन्दन शर्मा

पोस्टर प्रतियोगिता

25 फरवरी को महाविद्यालय के प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस–सी. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 56 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान क्रमशः हसीना खातून व अर्पिता, द्वितीय स्थान आयशा एवं तृतीय स्थान पल्लवी मिश्रा को प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. शिव कुमार ने किया। निर्णायक मण्डल में श्री विनय कुमार सिंह व श्रीमती पुष्पा निषाद ने सक्रिय सहभागिता दर्ज करायी। प्रतियोगिता के अंत में प्रतियोगिता के संयोजक डॉ. शिवकुमार ने सभी विद्यार्थियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए उन्हें भावी जीवन की शुभकामनायें दीं।

पोस्टर प्रतियोगिता का निरीक्षण करते डॉ. रघुवीर नारायण सिंह

विशिष्ट व्याख्यान

चन्द्रशेखर आजाद के जीवन एवं व्यक्तित्व पर प्रकाश डालती डॉ. भावना पाण्डेय

27 फरवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत इतिहास विभाग के तत्वावधान में चन्द्रशेखर आजाद के शहीदी दिवस के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में महाविद्यालय के समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. अर्चना गुप्ता एवं आभार ज्ञापन इतिहास विभाग के अध्यक्ष श्री अनूप कुमार पाण्डेय ने किया।

राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व राजेन्द्र प्रसाद पुण्यतिथि कार्यक्रम

श्रद्धांजलि अर्पित करते डॉ. अखिलेश गुप्त

28 फरवरी को महाविद्यालय के प्रार्थना सभा में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस व राजेन्द्र प्रसाद जी की पुण्यतिथि के अवसर पर विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश गुप्ता ने अपने उद्बोधन द्वारा भारत के प्रथम राष्ट्रपति डॉ. राजेन्द्र प्रसाद के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डालते हुए महाविद्यालय परिवार की ओर से उन्हें हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित की।

बैडमिटन प्रतियोगिता का निर्णायक मुकाबला

प्रतियागिता में प्रतिभाग करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

28 फरवरी को महाविद्यालय में महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति बैडमिंटन प्रतियोगिता का निर्णायक मुकाबला खेला गया, जिसमें बालिका वर्ग में बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर की संस्कृति त्रिपाठी को प्रथम स्थान, बी.काम. द्वितीय सेमेस्टर की रंजना गौतम को द्वितीय स्थान तथा एम. ए. चतुर्थ सेमेस्टर की मनीषा वर्मा को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। बालक वर्ग में बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर के अनुभव सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के करन चौहान को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर के सुनील कुमार को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के अन्त में क्रीड़ा प्रभारी श्री चन्दन ठाकुर ने निर्णायक मण्डल के सदस्यों सहित सभी का आभार ज्ञापन किया।

पोस्टर प्रतियोगिता

पोस्टर प्रतियोगिता का निरीक्षण करते निर्णायक मण्डल के सदस्यगण

28 फरवरी को महाविद्यालय में भौतिक विज्ञान विभाग द्वारा पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 36 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में गुड़िया प्रजापति एवं साक्षी गुप्ता को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान तथा संजना प्रजापति एवं अस्मिता साहनी को संयुक्त रूप से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में भौतिक विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य श्री अभिषेक वर्मा ने सक्रिया सहभाग किया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन विभाग प्रभारी डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर ने किया।

विशिष्ट व्याख्यान

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय

28 फरवरी को महाविद्यालय में समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में नेशनल पी.जी. कॉलेज, बड़हलगंज, गोरखपुर के समाजशास्त्र विभाग के सहायक आचार्य डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय ने अपना व्याख्यान प्रस्तुत किया। कार्यक्रम का संचालन डॉ. भावना पाण्डेय ने तथा संयोजन समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय ने किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता

प्रतियोगिता से संबंधित आवश्यक दिशा निर्देश देते डॉ. शिव कुमार बर्नवाल

28 फरवरी को महाविद्यालय में रसायन विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर एक प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल चार टीमों के अन्तर्गत 28 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.एस–सी. प्रथम वर्ष की छात्राओं में असीमा चटर्जी की टीम को प्रथम स्थान, एस.एस–सी. प्रथम वर्ष के छात्रों की नागार्जुन की टीम को द्वितीय स्थान तथा एम.एस–सी. अन्तिम वर्ष की छात्राओं के दर्शन रंगनाथन टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संयोजन रसायन विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. शिवकुमार बर्नवाल ने तथा संचालन श्री मनीष त्रिपाठी ने किया।

विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम

28 फरवरी को महाविद्यालय में वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा राष्ट्रीय विज्ञान दिवस के अवसर पर विज्ञान प्रदर्शनी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग करते हुए अपने-अपने मॉडलों एवं चार्टों का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संयोजन एवं संचालन वनस्पति विज्ञान विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अखिलेश गुप्त ने किया।

विज्ञान प्रदर्शनी का अवलोकन करते डॉ. रघुवीर नारायण सिंह

विशिष्ट व्याख्यान

28 फरवरी को महाविद्यालय में गृह विज्ञान विभाग द्वारा मृदा संरक्षण के लिए 'प्लान्ट एण्ड देयर इर्म्पोटेन्ट रोल इन स्वायल कन्जरवेशन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में प्राणिविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव ने अपना उद्बोधन प्रस्तुत किया। व्याख्यान का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने तथा संचालन सुश्री शारदा रानी ने किया।

व्याख्यान प्रस्तुत करते डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा

28 फरवरी को महाविद्यालय में संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की परीक्षा आयोजित की गयी। परीक्षा में कुल 46 प्रशिक्षणार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम की यह परीक्षा लिखित एवं मौखिक दोनों स्तरों में सम्पन्न हुई। इस अवसर पर गृहविज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने परीक्षा के उपरान्त परीक्षा में सम्मिलित होने वाले सभी प्रशिक्षणार्थियों का उत्साहवर्द्धन करते हुए उन्हें भावी जीवन की शुभकामनायें दी। परीक्षा में योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र की प्रशिक्षिका श्रीमती कमलावती देवी ने भी सक्रिय सहभाग किया।

प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा के अन्तर्गत मौखिक परीक्षा देतीं प्रशिक्षणार्थी

जब तक लाखों लोग भूखे और अज्ञानी हैं
तब तक मैं उस प्रत्येक व्यक्ति को कृतघ्न समझता हूँ
जो उनके बल पर शिक्षित तो बना परन्तु आज उसकी ओर ध्यान नहीं देता।

– स्वामी विवेकानन्द

महाविद्यालय का अभिनव प्रयोग

एक विभाग – एक गाँव
एक कॉलेज – एक गाँव

मिशन मंझरिया

मिशन मंझरिया

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर, श्रीगोरक्षपीठ द्वारा संचालित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद की एक संस्था है। शिक्षा को सेवा का आधार मानकर लोक-कल्याणार्थ स्थापित इस महाविद्यालय ने पठन-पाठन के साथ-साथ जन सरकारों से सीधा संवाद स्थापित किया। गाँव से शिक्षकों-विद्यार्थियों के संवाद को आकार देने हेतु 'एक विभाग-एक गाँव' की योजना के क्रियान्वयन का पहला चरण 2006 ई. में ही प्रारम्भ हो गया था। इसी क्रम में 2015-16 ई. तक तत्कालीन सांसद एवं महाविद्यालय के प्रबन्धक महन्त योगी आदित्यनाथ जी महाराज के सांसद आदर्श ग्राम योजनान्तर्गत गोद लिए गए ग्यारह गाँवों में से एक महाविद्यालय के निकट स्थित ग्राम जंगल औराही में साक्षरता, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता जागरूकता अभियान ने आदर्श ग्राम योजना को अनुभव-जन्य गति प्रदान किया।

इसी क्रम में महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव गोद लेने की परम्परा है, जिसे गति प्रदान करने हेतु बी.एड्. विभाग ने ग्राम मंझरिया को गोद लिया है। निरन्तर शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता एवं स्वावलम्बन आदि के माध्यम से ग्राम मंझरिया उत्तरोत्तर विकास की दिशा में अग्रसर है। गत सत्र की गतिविधियों को आगे बढ़ाते हुए वर्तमान सत्र 2022-23 में योजनानुसार महाविद्यालय एवं बी.एड्. विभाग ने अपने पुनीत प्रकल्प मिशन मंझरिया का संचालन 07.07.2022 से प्रारम्भ किया।

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत पौधारोपड़ कार्यक्रम

ग्राम मंझरिया में सत्र 2022-23 की योजनान्तर्गत मिशन मंझरिया कार्यक्रम का प्रारम्भ आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 07 जुलाई को वन सप्ताह समापन के अवसर पर ग्राम मंझरिया में संचालित विभिन्न शिक्षण केन्द्रों पर आम के पौधे लगाकर किया गया। इस पौधरोपड़ कार्यक्रम में ग्रामीण महिलाएँ, बच्चे एवं महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग के छात्राध्यापक, जो मिशन मंझरिया कार्यक्रम के सेवाव्रती हैं, के साथ बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह एवं विभाग के सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

पौधरोपण करतीं मिशन मंझरिया प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह

मंझरिया की महिलाओं को पौधा भेंट करतीं श्रीमती शिप्रा सिंह

मिशन मंझरिया

मिशन मंझरिया के लिए योजना बैठक

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत शिक्षा की अलख जगाते सेवाव्रती

09 जुलाई को बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष शिप्रा सिंह के नेतृत्व में बी.एड्. विभाग के समस्त छात्राध्यापकों के साथ एक योजना बैठक सम्पन्न हुई। योजना बैठक में ग्राम मंझरिया से संचालित विभिन्न शिक्षण केन्द्रों पर प्रभारी एवं पढ़ाने जाने वाले छात्राध्यापकों का चयन किया गया। बैठक में मिशन मंझरिया प्रभारी का भी चयन किया गया। बैठक में विभाग के समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

शिक्षण कार्य प्रारम्भ

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत संचालित शिक्षण केन्द्र में पढ़ाती मिशन मंझरिया की सेवाव्रती विद्यार्थी

ग्राम मंझरिया में मिशन मंझरिया के अन्तर्गत 11 जुलाई से सेवाव्रती छात्राध्यापकों द्वारा अपने-अपने आठ केन्द्रों पर शिक्षा एवं समाज सेवा का कार्य प्रारम्भ किया गया। समस्त केन्द्र प्रभारी एवं सहयोगियों ने मिलकर सभी आठ केन्द्रों पर समूह बनाकर पढ़ाने का कार्य प्रारम्भ किया।

शिक्षण कार्य प्रभारी – सत्य प्रकाश तिवारी

1. **माँ सीता शिक्षण केन्द्र** : a) **समृद्धि पाण्डेय**, b) **उर्वशी श्रीवास्तव**, c) **सत्य प्रकाश तिवारी**

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत संचालित विविध शिक्षण केन्द्रों पर गाँव के बच्चों को पढ़ाते मिशन मंझरिया के सेवाव्रती

मिशन मंझरिया

2. **सयाजी राव गायकवाड़ शिक्षण केन्द्र** : a) दिव्या पाण्डेय, b) आलोक कुमार c) शाल्वी श्रीवास्तव, d) विनय सिंह, e) सुष्मिता, f) आशुतोष त्रिपाठी
3. **रानी लक्ष्मीबाई केन्द्र** : a) अर्चना यादव, b) अंकिता यादव
4. **वीर अभिमन्यु शिक्षण केन्द्र** : a) ओमकार गुप्ता
5. **कात्यायनी शिक्षण केन्द्र** : a) विवेक कुमार, b) आदित्य मिश्रा, c) अभय सिंह
6. **श्री पद्मिनी शिक्षण केन्द्र** : a) आदित्य तिवारी, b) शिवांगी कुमारी, c) अंकिता यादव
7. **स्वामी विवेकानंद शिक्षण केन्द्र** : a) सौरभ मिश्रा, b) मनुजेश्वर द्विवेदी
8. **माँ सरस्वती शिक्षण केन्द्र** : a) शिवेंद्र वर्मा

साप्ताहिक स्वच्छता अभियान

ग्राम मंझरिया में सेवाव्रती छात्राध्यापकों तथा ग्रामीण महिलाओं एवं बच्चों के द्वारा सप्ताह में एक दिन शनिवार को अपने घरों के बाहर आस-पास सड़कों आदि पर स्वच्छता कार्यक्रम किया जाता है। इससे ग्रामवासियों में अपने घर एवं आस-पास के स्थानों पर सफाई करने के प्रति जागरूकता का विकास होता है। वे स्वयं अपने वातावरण को तो स्वच्छ बनाते ही हैं, अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करते हैं।

स्वच्छता अभियान में जुटे मंझरिया गाँव के नौनिहाल

साप्ताहिक सांस्कृतिक कार्यक्रम

प्रत्येक शुक्रवार को सभी छात्राध्यापक प्रभारी अपने केन्द्र पर पढ़ रहे बच्चों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रम करते हैं, जिसमें बच्चों को गायन, नृत्य, कविता आदि का प्रशिक्षण दिया जाता है। यह कार्यक्रम बच्चों एवं छात्राध्यापकों द्वारा उत्साह के साथ मनाया जाता है। बच्चों के सर्वांगीण विकास में यह कदम अत्यन्त सहायक सिद्ध हो रहा है।

मिशन मंझरिया

मिशन मंझरिया के तहत संचालित शिक्षण केन्द्रों पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

साप्ताहिक योगाभ्यास कार्यक्रम

सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात् सोमवार को समस्त शिक्षण केन्द्रों पर शिक्षा प्राप्त कर रहे बच्चों शिक्षण कार्य से पूर्व योग, व्यायाम, प्राणायाम आदि का भी प्रशिक्षण दिया जाता है। साथ ही साथ शिक्षण कार्य के उपरान्त खेल कूद का भी अभ्यास कराया जाता है। खेलकूद, योग, प्राणायाम, ध्यान का यह उपक्रम बच्चों के आध्यात्मिक एवं शारीरिक विकास का मार्ग प्रशस्त करने के साथ ही इस भौतिक जीवन को भी सरस बनाता है। योग, प्राणायाम, खेल के माध्यम से शरीर भी स्वस्थ्य बनता है। अरस्तु ने भी कहा था कि "स्वस्थ्य शरीर में ही स्वस्थ्य मस्तिष्क का वास होता है।" उपरोक्त उपक्रम इसी भावना को चरितार्थ करता है।

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत संचालित शिक्षण केन्द्रों पर बच्चों को योगाभ्यास कराते मिशन मंझरिया के सेवाव्रती

मिशन मंझरिया

कला प्रतियोगिता

सेवाव्रती छात्राध्यापकों द्वारा कला प्रतियोगिता का आयोजन भी केन्द्रों पर किया जाता है। कला के माध्यम से बच्चों द्वारा अपने मनोभावों को कागज पर चित्र के माध्यम से उकेरा जाता है। कागज के पन्नों पर बच्चे अपने बनाये गये चित्रों को दिखाते हुए स्वयं को अत्यंत अह्लादित महसूस करते हैं।

कला प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते मंझरिया गाँव के नौनिहाल

स्वनिर्मित पोस्टर प्रदर्शित करते गाँव के नन्हें-मुन्ने

मेरा तिरंगा मेरा अभिमान

ग्राम मंझरिया में अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 13 अगस्त 2022 को मेरा तिरंगा मेरा अभिमान कार्यक्रम आयोजित किया गया। बच्चों द्वारा स्वयं से तिरंगा झंडा बनाकर अपने-अपने घरों में लगाकर लहराया गया।

मेरा तिरंगा मेरा अभिमान कार्यक्रम के तहत स्वनिर्मित राष्ट्र ध्वज का पोस्टर दिखाते मंझरिया गाँव के बच्चे

स्वतंत्रता दिवस समारोह

15 अगस्त को ग्राम मंझरिया में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत संचालित सभी शिक्षण केन्द्रों

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत मंझरिया ग्राम में स्वतंत्रता दिवस समारोह के अवसर पर उपस्थित विभिन्न शिक्षण केन्द्रों के बच्चे एवं मिशन मंझरिया के सेवाव्रती

मिशन मंझरिया

के प्रभारी, छात्राध्यापक एवं विद्यार्थी एक स्थान पर (रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र) जुटकर स्वतंत्रता दिवस कार्यक्रम मनाया। कार्यक्रम के दौरान, नृत्य, संगीत, गीत, कविता, चुटकुले आदि का आयोजन किया गया।

26 से 27 अगस्त 2022 को दो दिवसीय पाठ्येत्तर गतिविधियों से सम्बन्धित प्रतियोगिता का आयोजन

ग्राम मंझरिया में 26-27 अगस्त 2022 को सभी शिक्षण केन्द्रों के प्रभारी, छात्राध्यापक एवं विद्यार्थियों ने एक स्थान पर जुटकर आपस में विभिन्न प्रकार की प्रतियोगिताओं का आयोजन किया। प्रतियोगिता में दौड़, लम्बीकूद, रोप स्कीपिंग, कैंडी कैच, गायन, कविता वाचन, हिन्दी सुलेख आदि का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता मे अव्वल आने वाले बच्चों को छात्राध्यापकों द्वारा पुरस्कृत भी किया गया। इस अवसर पर छात्राध्यापकों द्वारा बच्चों को स्वस्थ्य जीवन के लिए प्रतियोगिता के महत्व के बारे में भी बताया गया।

खेलकूद प्रतियोगिता

मन से मंझरिया प्रकल्प के अन्तर्गत रानी लक्ष्मीबाई शिक्षण केन्द्र पर खेलकूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में सभी बच्चों ने बढ़-चढ़ कर भाग लिया। इस अवसर पर सेवाव्रती छात्राध्यापकों ने विजयी टीम एवं बच्चों को पुरस्कृत भी किया।

खेलकूद प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते बच्चे

आपस में दौड़ लगाते मिशन मंझरिया के नौनिहाल

खेलकूद के विषय में जानकारी प्राप्त करते शिक्षण केन्द्रों के बच्चे

मिशन मंझरिया

दो दिवसीय खाद्य कार्यशाला प्रथम दिवस

ग्रामीण महिलाओं के स्वावलंबन हेतु आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला को सम्बोधित करतीं हुईं प्रशिक्षिका डॉ. श्वेता सिंह

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गये ग्राम मंझरिया में दिनांक 27-28 अगस्त 2022 को मिशन शक्ति के अन्तर्गत दो दिवसीय खाद्य कार्यशाला का आयोजन किया गया। खाद्य संरक्षण कार्यशाला का उद्देश्य महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने हेतु उद्यमिता से जोड़ने की है।

खाद्य कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य प्रशिक्षक डॉ. श्वेता सिंह गृह विज्ञान विशेषज्ञ, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौक माफी, गोरखपुर ने महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने हेतु उद्यमिता से जोड़ने की है। खाद्य कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य प्रशिक्षक गृहविज्ञान विशेषज्ञ, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौक माफी, गोरखपुर ने महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए मौसमी सब्जियों और फलों से, आम का स्कवैश, मिक्स फलों का जैम एवं सूरन, लहसुन, अदरक, हरी मिर्च के आचार बनाने का प्रशिक्षण दिया गया। खाद्य कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती पार्वती राव एवं प्रतिमा सिंह उपस्थित रहीं। खाद्य कार्यशाला में प्रशिक्षणोपरान्त महिलाओं को मूल्य निर्धारण के बारे में विस्तार पूर्वक बताया गया। खाद्य कार्यशाला में 52 ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया। खाद्य कार्यशाला का संयोजन बी.एड्. विभाग प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। खाद्य कार्यशाला में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की समृद्धि पाण्डेय, दिव्या पाण्डेय, उर्वशी श्रीवास्तव, अर्चना यादव, सत्य प्रकाश तिवारी, आदित्य तिवारी, जितेन्द्र वर्मा, ओमकार गुप्ता, विवेक कुमार, विनय सिंह, अभय सिंह एवं आदित्य मिश्रा उपस्थित रहे।

दो दिवसीय खाद्य कार्यशाला का दूसरा दिन

कार्यशाला के दौरान विचार व्यक्त करतीं श्रीमती पार्वती राव

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए ग्राम मंझरिया में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत 28.07.2022 को खाद्य संरक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. श्वेता सिंह गृह विज्ञान विशेषज्ञ, महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौक माफी, गोरखपुर ने खाद्य पदार्थों के संरक्षण एवं पैकेजिंग कराकर आगे उसी तरह

मिशन मंझरिया

अचार बनाना सीखतीं ग्राम मंझरिया की महिलाएं

अचार बनाने का प्रशिक्षण देतीं प्रशिक्षिका डॉ. श्वेता सिंह

कार्य करने की जानकारी दी। इसके साथ ही सरकार द्वारा चलाए जा रहे महिला स्वावलम्बन एवं उद्यमिता विकास कार्यों की जानकारी दी गयी। महिलाओं को योजनाओं से जोड़ने के लिए समूह बनाये गये। महिलाओं को खाद्य पदार्थों के संरक्षण एवं प्रसंस्करण द्वारा स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाना है। ग्रामीण महिलाओं को इन उत्पादों के माध्यम से मूल्य संवर्धन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। खाद्य कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्रीमती शीलम वाजपेयी, शिक्षिका एवं समाजसेविका तथा विशिष्ट अतिथि श्रीमती पार्वती राव रहीं। कार्यशाला का संयोजन मिशन मंझरिया की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यशाला में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापक आदित्य तिवारी, सत्य प्रकाश तिवारी, ओमकार गुप्ता, विनय सिंह, विवेक कुमार, ज़िवेन्द्र वर्मा, शिवांगी, सम्बृद्धि, दिव्या, उर्वशी, अर्चना, अंकिता यादव, खुशबू ने सहयोग किया।

हर घर ध्यान कार्यक्रम

मिशन मंझरिया के माँ सीता शिक्षण केन्द्र पर 03 सितम्बर को 'हर घर ध्यान' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी केन्द्रों पर पढ़ने वाले बच्चों को ध्यान कराया गया। उनके माता-पिता को भी ध्यान की विशेषताओं और उसके महत्व को बताकर ध्यान के लिए प्रेरित किया गया।

ग्राम मंझरिया में संचालित शिक्षण केन्द्र पर योग एवं ध्यान का अभ्यास करातीं मिशन मंझरिया की सेवाव्रती

शिक्षक दिवस समारोह

मिशन मंझरिया प्रकल्प के अन्तर्गत 05 सितम्बर को सभी सेवाव्रती छात्राध्यापकों द्वारा एक साथ

मिशन मंझरिया

मिलकर सभी केन्द्रों के बच्चों को एकजुट करके माँ सीता शिक्षण केन्द्र पर शिक्षक दिवस कार्यक्रम मनाया गया। इस अवसर पर बच्चों के द्वारा विविध सांस्कृतिक कार्यक्रमों का सुन्दर प्रदर्शन किया गया।

शिक्षक दिवस के अवसर पर शिक्षण केन्द्रों पर उपस्थित बच्चे एवं मिशन मंझरिया के सेवाव्रती

योजना बैठक

13 सितम्बर को मिशन मंझरियाँ से सम्बन्धित एक योजना बैठक महाविद्यालय में बी.एड्. विभाग की प्रभारी एवं मिशन मंझरिया प्रकल्प की प्रभारी शिप्रा सिंह के नेतृत्व में सभी सेवाव्रती छात्राध्यापकों के साथ मिलकर आयोजित की गई। योजना बैठक में ग्राम मंझरिया में शिक्षा, सेवा, स्वास्थ्य एवं स्वच्छता आदि पर पुराने किये गए कार्यों की समीक्षा की गई। साथ ही कमियों को धयान में रखते हुए आगे बढ़ने की चरणबद्ध योजना बनाई गई।

मिशन मंझरिया प्रकल्प को आगे बढ़ाने की योजना बनाते बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी

विश्व ओजोन दिवस पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन

मिशन मंझरिया में 16 सितम्बर को माँ सीता शिक्षण केन्द्र पर विश्व ओजोन संरक्षण दिवस के उपलक्ष्य में प्रश्नोत्तरी कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में सभी बच्चों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन माँ सीता शिक्षण केन्द्र की प्रभारी समृद्धि पाण्डेय एवं उर्वशी श्रीवास्तव ने किया।

प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते शिक्षण केन्द्र के विद्यार्थी

दीया सजाओ कार्यक्रम

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत दीपावली के पूर्व दीया सजाओ कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में महिलाओं एवं बच्चों ने बढ़ चढ़ कर हिस्सा लिया। सेवाव्रती छात्राध्यापकों ने दीया रंगने के विभिन्न प्रकारों का प्रशिक्षण दिया।

मिशन मंझरिया

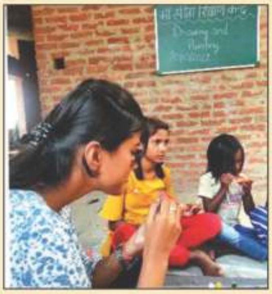

कर के सीखने की प्रक्रिया के तहत दियों को रंगने के माध्यम से गाँव के बच्चों को पेण्टिंग का प्रशिक्षण देते मिशन मंझरिया के सेवाव्रती

ग्रामीण महिलाओं द्वारा उत्पादित च्यवनप्राश प्रदर्शनी

21 नवम्बर को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गाँव मंझरिया में ग्रामीण महिलाओं द्वारा उत्पादित च्यवनप्राश की प्रदर्शनी ग्रामीण महिलाओं द्वारा महाविद्यालय कैंपस में लगायी गयी। इस अवसर पर ग्रामीण महिलाओं द्वारा बनाए गए च्यवनप्राश की गुणवत्ता के बारे में लोगों को जागरूक किया गया। इस प्रदर्शनी में महाविद्यालय के शिक्षक, विद्यार्थियों ने बढ़-चढ़ कर हिस्सा लिया एवं च्यवनप्राश क्रय किया। इस च्यवनप्राश उत्पादन ने भारी मात्रा में ग्रामीण महिलाओं के उद्यमिता विकास में भागीदारी को सुनिश्चित किया।

मंझरिया की महिलाओं द्वारा बनाये गये च्यवनप्राश को खरीदती महाविद्यालय की छात्राएं

मंझरिया की महिलाओं द्वारा बनाये गये च्यवनप्राश की प्रदर्शनी

मिशन मंझरिया

स्वास्थ्य कैम्प

मिशन मंझरिया के अन्तर्गत 10 अक्टूबर को नि:शुल्क स्वास्थ शिविर का आयोजन किया गया। छात्राध्यापकों द्वारा शिविर से पूर्व मंझरिया गाँव के सभी घरों में जाकर सूचना दिया गया। इस अवसर पर नि:शुल्क दवाइयाँ बाँटी गयीं। छात्राध्यापकों द्वारा लाइन लगवाना सभी रोगियों की सूची बनवाने आदि कार्यों में सहयोग किया गया।

मिशन मंझरिया के तहत आयोजित स्वास्थ्य कैंप में मंझरियावासियों का स्वास्थ्य परीक्षण करते डॉ. जे.के. मिश्र

अचार पैकिंग संबंधी कार्यशाला

मिशन मंझरिया प्रकल्प की महिलाओं द्वारा महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग के सहयोग से गृहविज्ञान की प्रयोगशाला में विभिन्न तरह के अचार बनाये गये। महाविद्यालय में प्रत्येक दिन महिलाएँ नियमित रूप से आकर अचार बनाकर उसकी पैकिंग करती हैं। महाविद्यालय द्वारा महिलाओं के मेहनत का भुगतान किया जाता है। तदोपरांत अचार की बिक्री की जाती है।

मिशन मंझरिया अभियान के तहत अचार बनातीं मंझरिया गाँव की महिलाएं

मिशन मंझरिया अभियान के तहत ग्राम मंझरिया की महिलाओं द्वारा बनाये गये अचार की पैकिंग

यत्र नार्यस्तु पूज्यन्ते रमन्ते तत्र देवताः।
यत्रैतास्तु न पूज्यन्ते सर्वास्तत्राफलाः क्रियाः।।

मिशन शक्ति

भारतीय संस्कृति अपने जिन प्रमुख विशेषताओं के कारण जानी जाती है, उनमें एक है नारी स्वतंत्रता एवं स्वावलम्बन। वैदिक युग में नारी अपनी स्वतंत्रता, स्वावलम्बन एवं स्वाभिमान के उत्कर्ष पर थी। नारी और पुरुष दोनों हेतु सामाजिक, आर्थिक, धर्मिक इत्यादि सभी क्षेत्रों में समानता के समान अवसर उपलब्ध थे। विकास के दीर्घकाल में अनेक सामाजिक उतार–चढ़ाव के बावजूद भारतीय समाज में नारी को मातृशक्ति के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त रही है। भारतीय संस्कृति में नारी सदैव से ही सम्मानित एवं पूजित रही है। भारत की धार्मिक, आध्यात्मिक परंपरा में इस बात के प्रमाण आज भी उपलब्ध हैं। भारत की धार्मिक आध्यात्मिक परंपरा में मातृशक्ति को आज भी शस्त्रधारी, शक्तिसम्पन्न, ज्ञान की अधिष्ठात्री और काल पर भी विजय प्राप्त वाली शक्ति करने के रूप में पूजा जाता है, किंतु वैदेशिक आक्रमणकारियों की कट्टरता, नारी को उपयोग की वस्तु समझने की पाशविक प्रवृत्ति के कारण आज नारी असुरक्षित हुई है। समाज में इस पाशविक प्रवृत्ति पर विजय पाने एवं नारी को मातृ शक्ति के रूप में पुनः प्रतिष्ठित करने का पावन अभियान मिशन शक्ति के रूप में उत्तर प्रदेश की सरकार ने शारदीय नवरात्र से प्रारंभ किया। नवरात्र पर्व को जन–जागरण का अभियान बनाने वाले इस पवित्र अभियान का महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ भी सहभागी बना। मिशन शक्ति के अंतर्गत महाविद्यालय ने जिन कार्यक्रमों की श्रृंखला का आयोजन किया है, उन कार्यक्रमों का संक्षिप्त विवरण आप के समक्ष प्रस्तुत है।

- **प्रथम चरण** – शारदीय नवरात्र (17.10.2020) – बासंतिक नवरात्र (25.10.2020)
- **द्वितीय चरण** – 26.02.2021 – 21.04.2021
- **तृतीय चरण** – 21.08.2021 – 31.12.2021
- **विशेष अभियान** – 14.04.2022 – 31.08.2022

प्रथम चरण – दिनांक 17.10.2020 – 25.10.2022

विशेष अभियान – दिनांक 14.04.2022 – 31.08.2022

वन–महोत्सव कार्यक्रम

मिशन शक्ति के अन्तर्गत गाँव मंझरिया में पौधरोपण करातीं मिशन शक्ति की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह

मिशन शक्ति के अन्तर्गत दिनांक 07 जुलाई, 2022 को बी.एड्. विभाग एवं शिक्षा शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्त्वावधान में नेता जी सुभाष चन्द्रबोस के 125वीं जयन्ती वर्ष एवं वन महोत्सव कार्यक्रम के समापन अवसर पर शिक्षक एवं छात्र/छात्राध्यापकों ने महाविद्यालय एवं विभाग द्वारा गोद लिए हुए गांव

मिशन शक्ति

मिशन शक्ति के अन्तर्गत गाँव मंझरिया की महिलाओं को पौधा भेंट करतीं बी.एड्. विभाग की छात्राएं

पौधरोपण करते ग्रामवासी

मंझरिया में वृक्षारोपण किया। छात्र/छात्राध्यापकों ने ग्रामवासियों को विविध प्रकार के पौधे उपहार में दिये एवं उनके घरों के बाहर पौधे लगवाए। इस अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों एवं ग्रामवासियों को सम्बोधित करती हुई बी.एड्. विभाग की अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने कहा कि लोगों को जागरूक करने हेतु वृहद पैमाने पर जन जागृति अभियान चलाया जाना चाहिए। सभी लोग वृक्ष लगायें और उनकी देखभाल सुनिश्चित करें। वृक्ष मानव जीवन के लिए बहुत उपयोगी होते हैं। मानव होने के नाते हम सभी की जिम्मेदारी है कि हम वृक्षों को बचायें और अधिक से अधिक वृक्ष लगायें। कार्यक्रम में शिक्षक श्रीमती पुष्पा निषाद, डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, सुश्री दीप्ति गुप्ता, श्री शैलेन्द्र सिंह, श्रीमती साधना सिंह एवं बड़ी संख्या में छात्र/छात्राध्यापक उपस्थित रहे।

ग्राम मंझरिया की महिला को मिशन शक्ति के तहत पौधा भेंट करते बी.एड्. विभाग के विद्यार्थी

विश्व जनसंख्या दिवस : उन्नत परिवार के सृजन में नारी शक्ति की भूमिका

11 जुलाई, 2022 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़, गोरखपुर में मिशन शक्ति के अन्तर्गत विश्व जनसंख्या दिवस के अवसर पर 'विश्व जनसंख्या दिवस : उन्नत परिवार के सृजन में नारी शक्ति की भूमिका' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया।

मिशन शक्ति के अन्तर्गत व्याख्यान देते श्री शैलेन्द्र सिंह

मिशन शक्ति

व्याख्यान कार्यक्रम में उपस्थित बी.एड्. विभाग के विद्यार्थी एवं शिक्षक

व्याख्यान में अपने विचार प्रस्तुत करते हुए बी. एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र सिंह ने कहा कि विवेकानन्द जी का मत था कि नारी परिवार की आत्मा है। परिवार के दो स्तम्भ हैं, स्त्री एवं पुरुष। परिवार की सुव्यवस्था का उत्तरदायित्व नारी के कन्धों पर है। परिवार के लिए नारी शक्ति स्वरूपा है। घर परिवार का वातावरण उसी के आचरण पर निर्भर करता है। नारी जन्म देती है। बालक के पालन–पोषण में उसकी महत्त्वपूर्ण भूमिका होती है। माँ के द्वारा जो संस्कार बचपन में दिये जाते हैं, वे जीवन भर हमारा मार्गदर्शन करते रहते हैं। माँ बालक के लिए प्राथमिक शिक्षिका है। नारी शिक्षित होगी, तो परिवार शिक्षित होगा। भारतीय समाज में नारी को मातृशक्ति के पद पर प्रतिष्ठित किया गया है। हमारी सभ्यता एवं संस्कृति में नारी को देवी के रूप में स्वीकृति मिली है। आज भारतीय नारियां, देश की संस्कृति, सभ्यता एवं धर्म की संरक्षिका बनी हुई हैं। साथ ही घर, परिवार एवं समाज के संचालन में भी महत्त्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। मानवता की प्रगति महिलाओं के सशक्तिकरण के बिना अधूरी है। आज मुद्दा महिलाओं के विकास का नहीं, बल्कि महिलाओं के नेतृत्व वाले विकास का है। व्याख्यान कार्यक्रम में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के छात्राध्यापक सहित समस्त शिक्षक उपस्थित रहे।

योग कार्यशाला – 16.07.2022

मिशन शक्ति के अन्तर्गत योग कराते डॉ. एस.एन. शुक्ल

योग भारत की प्राचीन संस्कृति है। योग व्यक्ति के शारीरिक, मानसिक एवं आध्यात्मिक विकास में मदद करता है। योग एवं स्वास्थ्य हमारे जीवन के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। यदि हम योग का निरन्तर अभ्यास करते रहें तो हम एक निरोगी जीवन जी सकते हैं। योग से शरीर में आत्म विश्वास और सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है।

यह बातें महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ के शारीरिक शिक्षा विभाग के अध्यक्ष डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल ने मिशन शक्ति के अन्तर्गत आयोजित एक दिवसीय योग कार्यशाला के अवसर पर योगाभ्यास कार्यक्रम में कहीं। उन्होंने आगे कहा कि योग की वजह से हमारा शरीर एवं मन एक साथ जुड़ जाता है। योग हमारे शरीर को तनाव मुक्त एवं शान्त चित्त रखने में मदद करता है। योग का अर्थ है,

मिशन शक्ति

सर्वोच्च चेतना के साथ व्यक्तिगत चेतना का मिलन। योग के आठ चरण हैं, इसमें यम, नियम, आसन, प्राणायाम, प्रत्याहार, धारणा, ध्यान, समाधि शामिल हैं। योग से हमारा मस्तिष्क एकाग्रचित होता है एवं हमारे मन में अच्छे विचारों का निवास होता है। आज के भौतिकतावादी परिवेश के कारण व्यक्ति का जीवन असंतुलित हो गया है, जिसके परिणाम स्वरूप विविध प्रकार की बीमारियां जैसे– उच्च रक्त चाप, मोटापा, मधुमेह व चिड़चिड़ापन आदि सहज रूप से मानव में देखी जा रही हैं। योग ही एक माध्यम है, जिससे हमें उत्तम स्वास्थ्य, निरोगी-काया तथा दीर्घायु को प्राप्त कर सकते हैं।

योगाभ्यास कार्यक्रम में प्रतिभाग करते बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं विद्यार्थी

मिशन शक्ति के अन्तर्गत आयोजित इस कार्यशाला में, कपाल भांति, अनुलोम-विलोम, सूर्यनमस्कार, योग मुद्रा आसन, मंडूक आसन एवं गोमुख आसन का अभ्यास कराया गया। योग कार्यशाला में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के 48 छात्राध्यापकों सहित महाविद्यालय के अन्य शिक्षकों ने भी भाग लिया।

मिशन शक्ति के अंतर्गत दो दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर के बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गए ग्राम मंझरिया में दिनांक 27–28 जुलाई, 2022 को मिशन शक्ति के अंतर्गत दो दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कार्यशाला को संबोधत करतीं डॉ. श्वेता सिंह

मिशन शक्ति के अन्तर्गत स्वावलंबन की दिशा में कदम बढ़ाते हुए अचार बनाने का प्रशिक्षण प्राप्त करतीं मंझरिया गाँव की महिलाएं

मिशन शक्ति

खाद्य कार्यशाला के प्रथम दिन मुख्य प्रशिक्षक महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, चौक माफी, गोरखपुर के गृहविज्ञान विभाग के विशेषज्ञ डॉ. श्वेता सिंह ने महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए मौसमी सब्जियों एवं फलों से आम का स्कवैश, मिक्स फलों का जैम एवं सूरन और लहसुन, अदरक, हरी मिर्च के अचार बनाने का प्रशिक्षण दिया। प्रशिक्षण के उपरान्त महिलाओं को स्वरोजगार हेतु प्रेरित किया गया एवं महिलाओं को मूल्य निर्धारण करने के बारे में भी विस्तारपूर्वक बताया गया। खाद्य कार्यशाला में 52 ग्रामीण महिलाओं को प्रशिक्षण दिया गया।

अचार बनाने की तैयारी करतीं महिलाएं

खाद्य कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में श्रीमती शीलम वाजपेयी (शिक्षक एवं समाजसेविका), विशिष्ट अतिथि श्रीमती पार्वती राव एवं श्रीमती प्रतिमा सिंह भी उपस्थित रहीं।

कार्यशाला में उपस्थित ग्राम मंझरिया की महिलाएं

खाद्य कार्यशाला का संयोजन बी.एड्. विभाग को अध्यक्ष श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। इस खाद्य कार्यशाला में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की समृद्धि पाण्डेय, दिव्या पाण्डेय, उर्वशी श्रीवास्तवा, अर्चना यादव, सत्य प्रकाश तिवारी, आदित्य तिवारी, शिवेंद्र वर्मा, ओमकार गुप्ता, विवेक कुमार, विनय सिंह, अभय सिंह, आदित्य मिश्रा आदि विद्यार्थियों के सक्रिय सहभाग किया।

ग्राम मंझरिया में मिशन शक्ति

28 जुलाई, 2022 को बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए गए ग्राम मंझरिया में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अंतर्गत खाद्य संरक्षण कार्यशाला के दूसरे दिन डॉ. श्वेता सिंह द्वारा प्रथम दिवस पर खाद्य पदार्थों की संरक्षण एवं पैकेजिंग कराकर आगे उसी तरह कार्य करने की जानकारी दी गयी। साथ ही सरकार की

कार्यशाला को संबोधित करतीं श्रीमती पार्वती राव

मिशन शक्ति

अचार बनाने की प्रक्रिया का निरीक्षण करतीं डॉ. शीलम वाजपेयी

कार्यशाला को संबोधित करतीं प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता डॉ. शीलम वाजपेयी

महिला उद्यमिता एवं स्वावलम्बन संबंधी योजनाओं की भी जानकारी दी। महिलाओं को इन योजनाओं से जोड़ने के लिए समूह बनाये गये। महिलाओं को खाद्य पदार्थों के संरक्षण एवं प्रसंस्करण द्वारा स्वरोजगार की दिशा में आगे बढ़ाने की प्रेरणा दी गई। ग्रामीण महिलाओं को इन उत्पादों के माध्यम से मूल्य संवर्धन के बारे में विस्तृत रूप से जानकारी दी गयी। खाद्य संरक्षण कार्यशाला के माध्यम से 52 महिलाओं को प्रशिक्षित किया गया।

4 दैनिक जागरण गोरखपुर 28 जुलाई 2022

स्वावलंबी बनने के लिए प्रशिक्षित की गई महिलाएं

amarujala.com गोरखपुर | बृहस्पतिवार, 28 जुलाई 2022 7

खाद्य संरक्षण कार्यशाला का आयोजन

गोरखपुर। महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़ की ओर से बुधवार को गोद लिए गए ग्राम मंझरिया में दो दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें 52 महिलाओं को जैम और अचार बनाने के तरीके बताए गए। मुख्य प्रशिक्षक महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र की डॉ. श्वेता सिंह ने प्रशिक्षण दिया। महिलाओं को वस्तुओं का मूल्य निर्धारण करने की भी जानकारी दी गई। शीलम वाजपेयी, पार्वती राव और प्रतिमा मौजूद रहीं। ब्यूरो

महिलाओं को स्वावलंबी बनने को प्रशिक्षण

गोरखपुर, निज संवाददाता। महाराणा प्रताप महाविद्यालय जंगल धूसड़ द्वारा गोद लिए गए ग्राम मंझरिया में दो दिवसीय खाद्य संरक्षण कार्यशाला का आयोजन किया गया।

मुख्य प्रशिक्षक महायोगी गोरखनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र की डॉ. श्वेता सिंह ने महिलाओं को स्वावलम्बी बनाने के लिए मौसमी सब्जियों एवं फलों से आम का स्कवैश, मिक्स फलों का जैम एवं सूरन और लहसुन, अदरक, हरी मिर्च के अचार बनाने का प्रशिक्षण दिया। स्वरोजगार के लिए प्रेरित करते हुए महिलाओं को वस्तुओं का मूल्य निर्धारण करने की भी जानकारी दी गई। कार्यशाला में 52 महिलाओं ने प्रशिक्षण लिया।

इस मौके पर मुख्य अतिथि समाजसेविका शीलम वाजपेयी, विशिष्ट अतिथि पार्वतरी राव एवं प्रतिमा सिंह मौजूद रहीं।

संयोजन गृह विज्ञान की अध्यक्ष शिप्रा सिंह ने किया। कार्यशाला में बीएड तृतीय सेमेस्टर के समृद्धि पाण्डेय, दिव्या पाण्डेय, उर्वशी श्रीवास्तवा, अर्चना यादव, सत्य प्रकाश तिवारी, आदित्य तिवारी, शिवेंद्र वर्मा, ओमकार गुप्ता, विवेक कुमार, विनय सिंह, अभय सिंह व आदित्य मिश्र आदि उपस्थित रहे।

समाचार पत्रों में मिशन शक्ति के अन्तर्गत किये गये कार्यों की मीडिया कवरेज

कार्यशाला में मुख्य अतिथि श्रीमती शीलम वाजपेयी (शिक्षिका, समाजसेविका) एवं विशिष्ट अतिथि श्रीमती पार्वती राव रहीं। कार्यशाला संयोजन श्रीमती शिप्रा सिंह ने किया। कार्यक्रम में बी.एड्. के छात्राध्यापक आदित्य तिवारी, सत्यप्रकाश तिवारी, ओंकार गुप्ता, विनय सिंह, विवेक कुमार, शिवेन्द्र वर्मा, शिवांगी, समृद्धि, दिव्या, उर्वशी, अंकिता, अर्चना, अंकिता यादव, खुश्बू आदि ने सक्रिय रूप से सहयोग किया।

मृदा संरक्षण अभियान

30 जुलाई, 2022 को महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 'मिशन शक्ति' के अन्तर्गत गृह विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित 'मृदा संरक्षण अभियान' के तहत कम्पोस्ट गडढ़ा निर्माण कार्यक्रम में छात्राओं द्वारा घर से लाये गये

मृदा संरक्षण अभियान के तहत कम्पोस्ट खाद हेतु गड्ढ़े का निर्माण करती महाविद्यालय की छात्राएं

मिशन शक्ति

कूड़े को गडढ़े में डलवाया गया। कूड़े के अन्तर्गत सब्जियों व फलों के छिलके, बचे हुए अनाज आदि सम्मिलित थे। इस प्रकार इस विधि द्वारा बनने वाले प्राकृतिक खाद के प्रयोग से मिट्टी की प्राकृतिक उपजाऊ शक्ति का विकास होता है एवं मिट्टी अधिक समय तक अच्छी फसल देने में सक्षम रहती है। खाद बनाने का कच्चा सामान भी सभी के घर आसानी से उपलब्ध हो जाता है तथा कचरे का प्रबन्धन भी सरल हो जाता है।

कार्यक्रम में गृह विज्ञान विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह, सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी, सुश्री रीतिका त्रिपाठी, सुश्री स्मिता दूबे तथा डॉ. सान्त्वना श्रीवास्तव एवं गृह विज्ञान विभाग की सभी छात्राएं उपस्थित रहीं।

बी.एड्. विभाग द्वारा गोद लिए ग्राम 'मंझरिया' में मिशन शक्ति कार्यक्रम के अन्तर्गत महिला उत्थान की दिशा में किए जा रहे प्रयासों की कुछ झलकियाँ

महाविद्यालय के राष्ट्रवादी पहल की सुनहरी झलक

भारत-भारती पखवाड़ा

(12–26 जनवरी 2023)

भारत-भारती पखवाड़ा

सांस्कृतिक राष्ट्रवाद एवं परम्परा आधारित आधुनिक ज्ञान विज्ञान एवं कला की शिक्षा सांस्कृतिक क्रिया कलापों के माध्यम से देना भारत भारती पखवाड़ा का प्रमुख उद्देश्य है। महाविद्यालय द्वारा अपनी स्थापना वर्ष से ही संचालित यह प्रकल्प विद्यार्थियों को स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए अपना सर्वस्व न्यौछावर करने वाले वीर भोग्या वसुन्धरा भारत भूमि के अमर स्वतंत्रता सेनानी एवं महान सपूतों के पद चिन्हों पर चलने के लिए सतत् प्रेरणा देने वाला प्रकल्प है। प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 12 जनवरी से लेकर 26 जनवरी तक चलने वाले इस कार्यक्रम के दौरान विभिन्न प्रकार के शैक्षिक, बौद्धिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया जिसकी कुछ झलकियाँ प्रस्तुत हैं :-

भारत-भारती पखावाड़ा उद्घाटन समारोह

भारत-भारती पखवाड़ा के उद्घाटन अवसर पर उद्बोधन देते प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त

12 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत-भारती पखवाड़ा के उद्घाटन कार्यक्रम में स्वामी विवेकानन्द जयन्ती को "युवा दिवस' के रूप में आयोजित किया गया। उद्घाटन कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उत्तर प्रदेश हिन्दी संस्थान, लखनऊ के पूर्व कार्यकारी अध्यक्ष प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त जी ने अपने उद्बोधन के माध्यम से स्वामी विवेकानन्द जी के जीवन दर्शन तथा व्यक्तित्व एवं कृतित्व से सभी को परिचित कराया। कार्यक्रम की विशिष्ट अतिथि के रूप में प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्ता एवं शिक्षिका के रूप में डॉ. शीलम वाजपेयी जी भी उपस्थित रहीं। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने तथा संचालन मनोविज्ञान विभाग के प्रभारी डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय ने किया। कार्यक्रम का संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

महाविद्यालय एवं पीडिलाईट इंडस्ट्री लि. के बीच एम.ओ.यू. साइन किया गया

समझौता ज्ञापन (एम.ओ.यू.) कार्यक्रम

12 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित भारत-भारती पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय और पिडिलाइट इंडस्ट्री लिमिटेड के बीच एम.ओ.यू. पर महाविद्यालय प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव और पिडिलाइट इंडस्ट्री लिमिटेड के श्री रवि वर्मा एवं श्री मुकेश पाण्डेय ने हस्ताक्षर कर दोनों संस्थाओं के बीच अनुबंध स्थापित किया।

भारत-भारती पखवाड़ा

निबन्ध प्रतियोगिता

भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

13 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित भारत-भारती पखवाड़ा कार्यक्रम के अन्तर्गत महाविद्यालय में निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 47 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.काम. तृतीय वर्ष की प्रीति चौरसिया को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की पूजा गुप्ता को द्वितीय स्थान, बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की मुधुमिता गौड़ को तृतीय स्थान एवं बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर के अरूण कुमार को सांत्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्य डॉ. भावना पाण्डेय, गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री रीतिका त्रिपाठी व अंग्रेजी विभाग की प्रभारी सुश्री शिवानी सिंह ने सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन भूगोल विभाग की सहायक आचार्य डॉ. नीलम गुप्ता ने किया।

अभिव्यक्ति व्याख्यान कार्यक्रम

भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित कार्यक्रम में व्याख्यान प्रस्तुत करते श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

14 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत वाणिज्य विभाग द्वारा "श्रीमद्‌भागवत गीता का व्यवसाय प्रबन्धन एवं उद्यमिता विकास में प्रयोग" विषय पर अभिव्यक्ति व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। व्याख्यान में मुख्य वक्ता के रूप में वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने अपने विचार प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का संयोजन श्री भारत कुमार और संचालन श्री चन्दन ठाकुर द्वारा किया गया। आभार ज्ञापन वाणिज्य विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा ने किया।

भाषण प्रतियोगिता

16 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत हिन्दी विभाग द्वारा शिक्षा और स्वामी विवेकानन्द विषय पर भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 20 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के निमिश सिंह को प्रथम

भारत-भारती पखवाड़ा

स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के तारकेश्वर पाण्डेय को द्वितीय स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के विष्णु पटेल को तृतीय स्थान एवं बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की मधुमिता गौड़ को सांन्त्वना पुरस्कार प्राप्त किया। प्रतियोगिता में निर्णायक के रूप में समाजशास्त्र विभाग के अध्यक्ष डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह एवं हिन्दी विभाग की सहायक आचार्य डॉ. सुधा शुक्ल उपस्थित रहीं। कार्यक्रम का संयोजन एवं आभार ज्ञापन हिन्दी विभाग की अध्यक्ष डॉ. आरती सिंह ने किया।

भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता विद्यार्थी

पोस्टर प्रतियोगिता

17 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर भारत-भारती पखवाड़ा के तत्वावधान में पोस्टर प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 49 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की नाजिया खातून को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष की निशा विश्वकर्मा को द्वितीय स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष की अनिज़ा विश्वकर्मा को तृतीय स्थान एवं बी.ए. तृतीय वर्ष की किरन यादव व बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की चाँदनी खातून को सान्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. भावना पाण्डेय, सुश्री शारदा रानी व श्री अनूप पाण्डेय उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संयोजन सुश्री रीतिका त्रिपाठी ने किया।

भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

गायन प्रतियोगिता

18 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत-भारती पखवाड़ा के तत्वावधान में गायन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 35 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी. एड्. प्रथम सेमेस्टर के गौरवनाथ त्रिपाठी को प्रथम स्थान,

भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित गायन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

भारत–भारती पखवाड़ा

बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की शिवन्या राव को द्वितीय स्थान, बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर के अभिषेक कुमार को तृतीय स्थान व बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की दीपशिखा चौहान को सांन्त्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में श्री अभिषेक त्रिपाठी, सुश्री रीतिका त्रिपाठी व डॉ. सुधा शुक्ल उपस्थित रही। प्रतियोगिता का संयोजन सुश्री दीप्ती गुप्ता ने किया।

महाराणा प्रताप पुण्यतिथि कार्यक्रम

19 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत–भारती पखवाड़ा के अवसर पर महाराणा प्रताप पुण्यतिथि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, गोरखपुर के कुलपति मेजर जनरल अतुल वाजपेयी जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि के रूप में नगर की प्रतिष्ठित सामाजिक कार्यकर्त्ता एवं शिक्षिका डॉ. शीलम वाजपेयी ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज करायी। कार्यक्रम का संचालन राजनीतिशास्त्र विभाग के अध्यक्ष श्री हरिकेश यादव एवं संयोजन बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

महाराणा प्रताप के जीवन एवं व्यक्तित्व पर उद्बोधन देते मेजर जनरल अतुल वाजपेयी (से.नि.)

आशु भाषण प्रतियोगिता

20 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत–भारती पखवाड़ा के तत्वावधान में भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 25 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता के बी.काम. तृतीय सेमेस्टर के श्री सुधीर पाण्डेय को प्रथम स्थान, बी.काम. तृतीय सेमेस्टर के श्री रोहित चौरसिया, को द्वितीय स्थान, बी.कॉम. तृतीय सेमेस्टर के श्री अर्पण तिवारी व बी.ए. तृतीय वर्ष के विज़ाल प्रसाद को तृतीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय वर्ष के श्री पंकज प्रसाद सिंह, को सांन्त्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, श्रीमती साधना सिंह तथा श्री भारत कुमार ने अपनी सक्रिय उपस्थित दर्ज कराई। प्रतियोगिता का संयोजन वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता छात्र

भारत-भारती पखवाड़ा

नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती

23 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत नेता जी सुभाष चन्द्र बोस जयन्ती कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय, गोरखनाथ, गोरखपुर के निदेशक ब्रिगेडियर दीपचन्द ठाकुर (से.नि.) जी रहे। कार्यक्रम की अध्यक्ष महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के सदस्य श्री प्रमथनाथ मिश्र जी रहे। कार्यक्रम में स्वागत उद्बोधन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने किया। कार्यक्रम का संचालन श्री अनूप पाण्डेय ने व कार्यक्रम का संयोजन व आभार ज्ञापन श्रीमती पुष्पा निषाद ने किया।

नेताजी सुभाष चन्द्र बोस के जीवन, व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर उद्बोधन देते ब्रिगेडियर दीपचन्द ठाकुर (से.नि.)

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

23 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत-भारती पखवाड़ा के तत्वावधान में सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 42 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की काव्या पाण्डेय एवं बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की माया रौनियार को संयुक्त रूप से प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के हरेन्द्र गौड़ को द्वितीय स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के विवेक कुमार निषाद को तृतीय स्थान व बी.ए. तृतीय वर्ष के विज़ाल प्रसाद को सान्त्वना पुरस्कार प्रदान किया गया। निर्णायक मण्डल में सुश्री शारदा रानी, डॉ. नीलम गुप्ता, डॉ. शिव कुमार व डॉ. शालू श्रीवास्तव ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का संयोजन श्री अरविन्द कुमार मौर्य ने किया।

भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

भारत-भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता

24 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत भारत-भारती पखवाड़ा के तत्वावधान

भारत–भारती पखवाड़ा

में अंग्रेजी विभाग द्वारा "द रोल ऑफ यूथ इन क्लाइमेट चेंज" विषय पर अंग्रेजी भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर की अनुष्का सिंह को प्रथम स्थान, बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर की अंजली दुबे को द्वितीय स्थान व बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की अंजली सिंह को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। कार्यक्रम का संचालन एवं संयोजन अंग्रेजी विभाग की प्रभारी सुश्री शिवानी सिंह ने किया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय श्रीवास्तव तथा वाणिज्य विभाग के अध्यक्ष श्री नन्दन शर्मा उपस्थित रहे।

भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत छात्र–संघ द्वारा आयोजित शोध व्याख्यान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

शोध व्याख्यान प्रतियोगिता

25 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत छात्र–संघ द्वारा "जी–20 : भारत और अर्थव्यवस्था" विषय पर शोध व्याख्यान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 33 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के श्री तारकेश्वर पाण्डेय को प्रथम स्थान, बी.काम. तृतीय सेमेस्टर के सुधीर पाण्डेय को द्वितीय स्थान व बी.काम तृतीय सेमेस्टर के श्री अर्पण तिवारी को तृतीय स्थान व बी.काम तृतीय सेमेस्टर की सुश्री ममता मझवार व बी.काम तृतीय वर्ष की सुश्री शिवानी को संयुक्त रूप से सान्त्वना पुरस्कार मिला। निर्णायक मण्डल के रूप में बी.एड्. विभाग के सहायक आचार्य श्री शैलेन्द्र कुमार सिंह, वाणिज्य विभाग प्रभारी श्री नन्दन शर्मा व वनस्पति विज्ञान विभाग के अध्यक्ष डॉ. अभय श्रीवास्तव जी उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संयोजन छात्र–संघ प्रभारी श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल ने किया।

रंगोली प्रतियोगिता

25 जनवरी को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 36 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान साक्षी सोनकर के समूह ने, द्वितीय स्थान सलोनी मिश्रा के समूह ने, तृतीय स्थान ज्योति मद्धेशिया के समूह ने

भारत–भारती पखवाड़ा के अन्तर्गत आयोजित रंगोली प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं

एवं सान्त्वना पुरस्कार संयुक्त रूप से रितु पासवान समूह एवं खूश्बू कुमारी बैठा के समूह ने प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. भावना पाण्डेय, डॉ. सुधा शुक्ल व सुश्री रीतिका त्रिपाठी नें सक्रिय सहभाग किया। प्रतियोगिता का संयोजन गृह विज्ञान विभाग की सहायक आचार्य सुश्री शारदा रानी ने किया।

गणतन्त्र दिवस कार्यक्रम

26 जनवरी को महाविद्यालय में 74 वें गणतन्त्र दिवस समारोह का आयोजन उल्लासपूर्वक किया गया। महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने इस अवसर पर ध्वजारोहण कर कार्यक्रम का विधिवत शुभारम्भ किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारतीय रेल सेवा के सेवानिवृत्त अध्यक्ष एवं मुख्य परिचालक प्रबन्धक, पूर्वोत्तर रेलवे गोरखपुर तथा विख्यात व्यंग्यकार श्री रणविजय सिंह जी उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता महाविद्यालय के उप–प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने व संचालन श्री सुधीर पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर बड़ी संख्या में विद्यार्थी, शिक्षक व कर्मचारी उपस्थित रहे।

74वें गणतंत्र दिवस के अवसर पर उद्‌बोधन देते मुख्य अतिथि श्री रणविजय सिंह

गणतंत्र दिवस के अवसर पर अध्यक्षीय उद्‌बोधन देते डॉ. विजय कुमार चौधरी

समूह गीत प्रस्तुत करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

गणतंत्र दिवस के अवसर पर भाषण प्रस्तुत करती महाविद्यालय की छात्रा

गणतंत्र दिवस के अवसर पर समूह गीत प्रस्तुत करते महाविद्यालय के विद्यार्थी

बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतिस्पर्धाओं का सौहार्द युक्त सुनहरा क्षितिज

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

(15–26 नवम्बर 2023)

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

महाविद्यालय अपने विद्यार्थियों को केवल किताबी ज्ञान देकर अपने कर्तव्यों की इतिश्री नहीं करता। महाविद्यालय का यह संकल्प है कि यहाँ से शिक्षा ग्रहण कर सामाजिक जीवन में जाने वाला प्रत्येक विद्यार्थी परम्परागत एवं आधुनिक ज्ञान के साथ-साथ संस्कृति और संस्कार का भी संवाहक बने। विद्यार्थी जहाँ और जिस क्षेत्र में भी जाए, वहाँ वह अपने नैतिक, चारित्रिक एवं बौद्धिक बल के दम पर अपनी एक अलग छाप छोड़ने में समर्थ हो। इस उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए विद्यार्थियों के शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ उनमें प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता के उत्तरोत्तर विकास हेतु महाविद्यालय प्रतिवर्ष नवम्बर माह में वार्षिकोत्सव का आयोजन करता है, जिसके अन्तर्गत विभिन्न प्रकार की बौद्धिक एवं शारीरिक प्रतियोगिताएं आयोजित की जाती हैं। इस वर्ष महाविद्यालय का वार्षिक उत्सव 15 नवम्बर से 26 नवम्बर तक सम्पन्न हुआ जिसकी कुछ झलकियाँ आप सभी के समक्ष प्रस्तुत हैं :-

कबड्डी प्रतियोगिता

15 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत क्रीड़ा विभाग द्वारा वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता का उद्घाटन उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा किया गया। प्रतियोगिता में रानी पद्मिनी एवं रानी लक्ष्मीबाई टीम के बीच मैच हुआ जिसमें रानी लक्ष्मीबाई टीम विजेता हुई। इसी क्रम में बालक वर्ग के अन्तर्गत बाबा गोपालनाथ टीम विजेता बनी। प्रतियोगिता के अन्त में डॉ. विजय कुमार चौधरी ने समस्त खिलाड़ियों उनके भावी जीवन की शुभकामनायें दी।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं

योग प्रतियोगिता

18 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित वार्षिक महोत्सव के अवसर पर योग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 27 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी. काम. प्रथम सेमेस्टर की अनामिका आनन्द को प्रथम स्थान, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की खुश्बू यादव को द्वितीय स्थान तथा बी.काम. प्रथम सेमेस्टर की शिखा दूबे को तृतीय

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित योगासन प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्राएं

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

स्थान प्राप्त हुआ। विष्णु पटेल एवं राज शर्मा को सांत्वना पुरस्कार हेतु चयनित किया गया। निर्णायक के रूप में डॉ. आरती सिंह व श्री हरिकेश यादव नें सक्रिय भूमिका निभाई।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित हिन्दी भाषण एवं आशु भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

हिन्दी भाषण एवं आशु भाषण प्रतियोगिता

19 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वार्षिक महोत्सव के अवसर पर हिन्दी भाषण व आशुभाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 20 छात्रों ने प्रतिभाग किया। हिन्दी भाषण प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के सत्य प्रकाश तिवारी को प्रथम स्थान, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की सुष्मिता शुक्ला को द्वितीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के तारकेश्वर पाण्डेय को तृतीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय वर्ष के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय और बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के विष्णु पटेल को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। इसके साथ ही आशु भाषण प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के सत्य प्रकाश तिवारी को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के तारकेश्वर पाण्डेय को द्वितीय स्थान, बी.ए. तृतीय वर्ष के ज्ञानेन्द्र पाण्डेय को तृतीय स्थान और बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के भानु प्रताप सिंह व बी.एड् तृतीय सेमेस्टर के चक्रधर पाठक को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

कबड्डी प्रतियोगिता

19 नवम्बर को महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 4 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बालक वर्ग में गोपीनाथ टीम विजेता तथा मत्स्येन्द्र नाथ टीम उपविजेता रही। वहीं बालिका वर्ग में रानी लक्ष्मीबाई विजेता तथा अहिल्याबाई टीम उपविजेता रही। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल, श्री नन्दन शर्मा, डॉ. अमित त्रिपाठी, श्री हरिकेश यादव, सुश्री शारदा रानी एवं डॉ. नीलम गुप्ता ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का संयोजन क्रीड़ा प्रभारी श्री चन्दन ठाकुर ने किया।

गोरखवाणी प्रतियोगिता

21 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत गोरखवाणी प्रतियोगिता का आयोजन किया

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

गया। प्रतियोगिता में कुल 18 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के निमिष सिंह को प्रथम स्थान, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की दीपशिखा चौहान को द्वितीय स्थान तथा बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की बबिता निषाद को तृतीय स्थान एवं बी.काम. प्रथम सेमेस्टर के नितिन उपाध्याय को सांत्वना पुरस्कार दिया गया। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका में डॉ. अनुभा श्रीवास्तव, डॉ. आरती सिंह एवं सुश्री शारदा रानी ने सक्रिय भूमिका निभाई। कार्यक्रम का संयोजन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित गोरखवाणी प्रतियोगिता में प्रतिभाग करती छात्रा

वॉलीबॉल प्रतियोगिता

22 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति वॉलीबाल प्रतियोगिता के बालक एवं बालिका वर्ग का फाइनल मैच आयोजित किया गया। बालक वर्ग में रत्ननाथ टीम विजयी रही, वहीं बालिका वर्ग में सरोजिनी नायडू टीम विजयी रही। प्रतियोगिता में विपिन, प्रह्लाद उदयराज राय, करण, दिव्यांशु, आलोक, सुमन विश्वकर्मा, ममता, प्रियंका, सुधा आदि खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया। निर्णायक के रूप में डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल, डॉ. नीलम गुप्ता, सुश्री शारदा रानी एवं चन्दन ठाकुर ने सक्रिय योगदान दिया।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित वॉलीबाल प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते छात्र

निबन्ध प्रतियोगिता

23 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत निबन्ध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 65 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के सत्यप्रकाश तिवारी ने प्रथम स्थान, बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की अनिशा ने द्वितीय स्थान तथा बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के चक्रधर पाठक ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. भावना पाण्डेय, डॉ. शालू श्रीवास्तव, डॉ. अर्चना

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित निबन्ध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

गुप्ता, डॉ. नीलम गुप्ता, श्री अरविन्द कुमार मौर्या एवं श्रीमती पुष्पा निषाद ने मुख्य भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय श्रीमती विभा सिंह ने किया।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित संस्कृत भाषण प्रतियोगिता में प्रतिभाग करता छात्र

संस्कृत भाषण प्रतियोगिता

23 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत संस्कृत भाषण प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 15 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में एम.ए. प्रथम सेमेस्टर के दुर्गेश पाल को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के निमिष सिंह को द्वितीय स्थान व बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के तारकेश्वर पाण्डेय को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, श्री रमाकान्त दूबे व श्रीमती पुष्पा निषाद ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का संयोजन एवं संचालन डॉ. आरती सिंह ने किया।

प्रश्न मंच प्रतियोगिता

25 नवम्बर को महाविद्यालय में वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत प्रश्न मंच प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 12 टीमों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में श्री सत्यप्रकाश तिवारी, श्री चक्रधर पाठक, सुश्री अर्चना गुप्ता एवं सुश्री अनुश्री की टीम को प्रथम स्थान, श्री अभिषेक यादव, सुश्री काव्या पाण्डेय, सुश्री निशा यादव तथा श्री विशाल प्रसाद की टीम को द्वितीय स्थान तथा श्री अभिषेक प्रताप, श्री अंकित मण्डल, श्री सुभम प्रसाद तथा श्री सचिन चौहान की टीम को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। निर्णायक मण्डल में डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी, डॉ. अभिषेक सिंह तथा श्री अरविन्द कुमार मौर्या उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने तथा संचालन डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता

25 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 33 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित उदीयमान कवि गोष्ठी प्रतियोगिता में काव्य पाठ करती छात्रा

महाविद्यालय का वार्षिक महोत्सव

किया। प्रतियोगिता में बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के आदित्य प्रजापति को प्रथम स्थान, बी.ए. प्रथम सेमेस्टर के निमिष सिंह को द्वितीय स्थान, बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की मधुमिता गौड़ को तृतीय स्थान तथा बी.ए. तृतीय सेमेस्टर के तारकेश्वर पाण्डेय व बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर की सुष्मिता शुक्ला को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. अर्चना गुप्ता, डॉ. आरती सिंह, व श्रीमती पुष्पा निषाद ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने तथा संचालन सुश्री दीप्ति गुप्ता ने किया।

कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता

26 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता के प्रथम चरण का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में कुल 45 विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिसके मूल्यांकनोपरान्त 20 प्रतिभागियों का चयन द्वितीय चरण के लिए हुआ। द्वितीय चरण के मूल्यांकनोपरान्त बी.एस–सी. तृतीय वर्ष के अजय सिंह को प्रथम स्थान, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की सुश्री श्वेता को द्वितीय स्थान तथा बी.एस–सी प्रथम सेमेस्टर के मार्कण्डेय जायसवाल को तृतीय स्थान एवं बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर की सुश्री कुसुम चौरसिया को सांत्वना पुरस्कार प्राप्त हुआ। निर्णायक के रूप में श्री प्रियांशु श्रीवास्तव, श्री मनीष त्रिपाठी एवं श्री उपेन्द्र त्रिपाठी ने सक्रिय भूमिका निभाई। प्रतियोगिता का संयोजन श्री सूरज मिश्र ने किया।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित कम्प्यूटर प्रश्न मंच प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता

26 नवम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत वार्षिक महोत्सव के अवसर पर सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में 137 प्रतिभागियों ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर के श्री उत्तम श्रीवास्तव को प्रथम, बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर की सुश्री अनुश्री को द्वितीय तथा एम.ए तृतीय सेमेस्टर के श्री गौरव गुप्ता एवं एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की सुश्री काव्या पाण्डेय ने संयुक्त रूप से तृतीय स्थान प्राप्त किया। प्रतियोगिता के निर्णायक मण्डल में डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी, श्री अरविन्द कुमार मौर्या, श्री हरिकेश यादव उपस्थित रहे। प्रतियोगिता का संयोजन डॉ. सुबोध कुमार मिश्र ने तथा संचालन डॉ. इक्ष्वाकु प्रताप सिंह ने किया।

महाविद्यालय के वार्षिक महोत्सव के अन्तर्गत आयोजित सामान्य ज्ञान प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

महाविद्यालय के बढ़ते मूल्यपरक अकादमिक विकास की नींव का पत्थर

महाविद्यालय का

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ महाविद्यालय के शैक्षणिक प्रशासन, नवाचार एवं अकादमिक गतिविधियों का मेरूदण्ड है। महाविद्यालय की शैक्षिक गुणवत्ता, पठन–पाठन के विविध आयाम, खेलकूद, सांस्कृतिक गतिविधियों एवं अन्य क्रिया कलापों का नियामन इसी के दिशा निर्देशन में किया जाता है। आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के माध्यम से महाविद्यालय सन् 2015 ई. में नैक मूल्यांकन कराकर श्रेणी 'बी' प्रत्यायित हो चुका है। वैश्विक महामारी कोरोना के कारण विगत सत्र में महाविद्यालय नैक द्वारा पुनः मूल्यांकन नहीं करवा पाया परन्तु महाविद्यालय की यह टीम इस हेतु पूर्णतः तैयार है। आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ के दिशा–निर्देशन में इस सत्र में होने वाले कुछ कार्यक्रमों झलकियाँ प्रस्तुत हैं :-

मासिक समीक्षा बैठक

01 सितम्बर को महाविद्यालय में गत माह के प्राचार्य–शिक्षक मासिक समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक में अनुशासन, विद्यालय परिसर संस्कृति, नैक व वेबसाइट आदि विभिन्न विषयों पर विस्तृत परिचर्चा की गई। इस अवसर पर महाविद्यालय के सभी शिक्षक व प्राचार्य उपस्थित रहे।

आई.क्यू.ए.सी. द्वारा आयोजित मासिक समीक्षा बैठक में उपस्थित प्राचार्य एवं शिक्षकगण

प्राचार्य-शिक्षक बैठक

26 सितंबर को महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के अंतर्गत प्राचार्य–शिक्षक बैठक का आयोजन जगत जननी मां सीता सभागार में किया गया। बैठक में प्राचार्य एवं सभी शिक्षकों ने आपसी चर्चा–परिचर्चा के साथ–साथ बैठक को आगे बढ़ाया। बैठक में परिसर संस्कृति, आचरण–व्यवहार, गत मास की समीक्षा एवं आगामी माह की योजना के साथ–साथ परिसर संस्कृति को बनाए रखने पर विस्तार पूर्वक चर्चा हुई। बैठक की अध्यक्षता प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। इस अवसर पर सभी शिक्षक उपस्थित रहे।

आई.क्यू.ए.सी. के अन्तर्गत आयोजित प्राचार्य-शिक्षक बैठक

एक दिवसीय कार्यशाला

15 दिसम्बर को महाविद्यालय में आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत IQAC विभाग के तत्वावधान में

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

बौद्धिक सम्पदा जागरूकता विषय पर एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। इस आयोजन के मुख्य वक्ता के रूप में श्री प्रज्ञानन्द शुक्ल, परीक्षक, व्यापार चिह्न एवं भौगोलिक संकेत प्रतिलिप्याधिकार कार्यालय, वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय भारत सरकार ने अपने विचार प्रस्तुत किये। कार्यशाला का संचालन श्री विनय कुमार सिंह, प्रस्तविकी श्री अभिषेक वर्मा तथा अध्यक्षता उपप्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी जी ने किया। इस अवसर पर महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं सहित शिक्षक उपस्थित रहे।

आई.क्यू.ए.सी. द्वारा आयोजित एकदिवसीय कार्यशाला में प्रशिक्षण देते श्री प्रज्ञानन्द शुक्ल

नैक तैयारी बैठक

11 जनवरी को महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के अंतर्गत सभी शिक्षकों के साथ एक बैठक का आयोजन भौतिकी विभाग में संपन्न हुआ। बैठक की अध्यक्षता उप प्राचार्य डॉ. विजय कुमार चौधरी ने की। बैठक में एस.एस.आर. की तैयारी एवं रिपोर्ट को भेजने पर गहन चर्चा हुई। बैठक में आई.क्यू.ए.सी. के कोऑर्डिनेटर श्री अभिषेक वर्मा द्वारा विभिन्न विभागों द्वारा भेजे जाने वाले पत्रों और उनमें डाटा भरने की प्रक्रिया के बारे में विस्तृत रूप से चर्चा की गयी। बैठक में सभी विभागों के विभागाध्यक्ष एवं नैक के सभी क्राइटेरिया के कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे।

आई.क्यू.ए.सी. के तत्वावधान में आयोजित नैक तैयारी बैठक में उपस्थित विभिन्न विभागों के प्रभारी एवं अध्यक्ष

नैक एस.एस.आर. तैयारी बैठक

30 जनवरी को महाविद्यालय के आंतरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चियन प्रकोष्ठ के अंतर्गत राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद 'नैक' के निरीक्षण के दूसरे चरण की तैयारी को लेकर जगत जननी मां सीता सभागार में एक बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव ने की। बैठक

आई.क्यू.ए.सी. के तत्वावधान में आयोजित नैक एस.एस..आर. तैयारी बैठक में उपस्थित विषय विशेषज्ञ एवं महाविद्यालय के शिक्षक

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्यचन प्रकोष्ठ (IQAC)

में नैक निरीक्षण सम्बन्धी सभी कार्य को सम्पादित करने हेतु अलग–अलग कमेटी का गठन कर सभी को उनके–उनके कायोड का आवंटन किया गया तथा तय समय के अनुसार रिपोर्ट तैयार करने का दिशा–निर्देश भी दिया गया। बैठक में नैक के परिपेक्ष में महत्वपूर्ण मुद्दे जैसे पठन–पाठन, प्रयोगशाला, लाइब्रेरी, स्पोर्ट्स, कॉलेज वेबसाइट, प्रमाणपत्र पाठ्यक्रम, तकनीकी प्रयोग आदि के विकास के लिए जरूरी कदम उठाने पर भी गहन चर्चा हुई। बैठक में क्षेत्रीय उच्च शिक्षा अधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार मिश्र, दिग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के कम्प्यूटर साइंस विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पवन पांडे, महन्त अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय, जंगल कौड़िया, गोरखपुर के वाणिज्य विभाग के सहायक आचार्य डॉ. अमरनाथ तिवारी एवं महाविद्यालय के नैक निरीक्षण के सभी क्राइटेरिया के कोऑर्डिनेटर उपस्थित रहे।

एक दिवसीय फैकल्टी डवलेपमेंट प्रोग्राम

04 फरवरी को महाविद्यालय में एक दिवसीय फैकेल्टी डवलेपमेन्ट प्रोग्राम का आयोजन किया गया। इस एक दिवसीय कार्यक्रम के अवसर पर मुख्य वक्ता के रूप में क्षेत्रीय उच्च शिक्षाधिकारी डॉ. अश्वनी कुमार मिश्रा ने अपना विचार प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में द्विग्विजयनाथ पी.जी. कॉलेज के कम्प्यूटर साइंस विभाग के सहायक आचार्य डॉ. पवन पाण्डेय तथा महन्त अवेद्यनाथ राजकीय महाविद्यालय, जंगल कौड़िया के सहायक आचार्य डॉ. अमरनाथ तिवारी भी उपस्थित रहे। इसी क्रम में महाविद्यालय में होने वाली आगामी सेमिनार एवं समावर्तन कार्यक्रमों की तैयारी के बारे में विस्तृत चर्चा परिचर्चा हुई।

आई.क्यू.ए.सी. के तत्वावधान में आयोजित एक दिवसीय फैकल्टी डवलेपमेंट प्रोग्राम में उपस्थित महाविद्यालय के शिक्षक

आगामी कार्यक्रम

समावर्तन संस्कार समारोह 2023

19 मार्च को महाविद्यालय में स्नातक एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का समावर्तन संस्कार समारोह सम्पन्न होगा।

तीसरा एकदिवसीय शिविर

26 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना का तीसरा एकदिवसीय शिविर कार्यक्रम प्रस्तावित है।

चौथा एकदिवसीय शिविर

30 मार्च को राष्ट्रीय सेवा योजना का चौथा एकदिवसीय शिविर कार्यक्रम प्रस्तावित है।

शैक्षिक भ्रमण

आगामी 2 अप्रैल को प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं सांस्कृतिक विभाग के एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों का एक शैक्षिक भ्रमण प्रस्तावित है। विभागीय शिक्षकों के साथ विद्यार्थियों का यह भ्रमण किसी ऐतिहासिक पुरास्थल जैसे- लुम्बिनी, कुशीनगर, सारनाथ, कौशाम्बी अथवा पिपरहवा में से किसी एक स्थल हेतु प्रस्तावित है।

क्षेत्रीय अध्ययन (फील्ड स्टडी)

आगामी 2 अप्रैल को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर के विद्यार्थियों का क्षेत्रीय अध्ययन (फील्ड स्टडी) प्रस्तावित है। विभागीय शिक्षकों के साथ विद्यार्थी क्षेत्रीय अध्ययन हेतु महाविद्यालय से सटे सघन वनों से आच्छादित वनटॉंगिया ग्राम जाएंगे।

क्षेत्रीय अध्ययन (फील्ड स्टडी)

आगामी 9 अप्रैल को महाविद्यालय के वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर के विद्यार्थियों का क्षेत्रीय अध्ययन (फील्ड स्टडी) प्रस्तावित है। विभागीय शिक्षकों के साथ विद्यार्थी क्षेत्रीय अध्ययन हेतु महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय, आरोग्य धाम, बालापार रोड, गोरखपुर स्थित आयुर्वेद कालेज जाएंगे।

समीक्षा बैठक

2 मई को महाविद्यालय में सत्र 2022-23 में सम्पन्न समस्त शैक्षणिक एवं गैरशैक्षणिक क्रिया कलापों की समीक्षा हेतु समीक्षा बैठक आयोजित होगी जिसमें प्राचार्य सहित महाविद्यालय के समस्त शिक्षक गतिविधियों की समीक्षा हेतु उपस्थित रहेंगे।

साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला

15 से 21 जून, 2023 तक 'अन्तर्राष्ट्रीय योग दिवस' के अवसर पर गुरु श्रीगोरक्षनाथ मन्दिर में साप्ताहिक योग शिविर एवं शैक्षिक कार्यशाला के आयोजन में महाविद्यालय के प्राचार्य-शिक्षक सहभागी होंगे।

विशिष्ट आयाम

प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा

महाविद्यालय में दिनचर्या का प्रारम्भ राष्ट्र वन्दना और ईश वन्दना के साथ सम्पन्न होता है। एक अगस्त से प्रार्थना सभा का प्रारम्भ किया जाता है। प्रत्येक कार्यदिवस को प्रात: 9:20 बजे से क्रमश: राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष/घटना की जयन्ती/ पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है तो, उस महापुरुष/घटना के सन्दर्भ में उद्‌बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमद्‌भागवत्‌गीता का हिन्दी तथा अंग्रेजी अनुवाद सहित चुने हुए श्लोकों का वाचन होता है। प्रार्थना सभा में विद्यार्थी, शिक्षक, कर्मचारी एवं प्राचार्य सम्मिलित रहते हैं।

स्वैच्छिक श्रमदान

साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम

महाविद्यालय के स्थापना काल से ही प्रत्येक सप्ताह शनिवार को महाविद्यालय में छात्र-छात्राओं, कर्मचारी, प्राध्यापक एवं प्राचार्य द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है। शनिवार को अंतिम चार कक्षाएं 40 मिनट की चलाई जाती है तथा 12.10 से 1.10 बजे तक स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन

सप्ताह में एक दिन प्राध्यापक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षायें पढ़ायी जाती है। पूर्व निर्धारित विषय पर प्रत्येक विषय में लगभग दस छात्र-छात्राओं की कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास किया जाता है। कक्षाध्यापन में विशेष तौर पर वह विषय दिये जाते हैं जो परीक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण होते हैं।

मासिक मूल्यांकन

प्रत्येक माह के अन्त में प्राध्यापक द्वारा अपने-अपने प्रश्नपत्र में छात्र-छात्राओं का लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जाता है।

प्रगति आख्या

कक्षावार प्रत्येक विद्यार्थी से सम्बन्धित समस्त शैक्षिक सूचना हेतु प्रगति आख्या प्रपत्र

विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर बेवसाइट के माध्यम से एवं लिखित रूप में प्रस्तुत

किया जाता है। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन तथा आचरण व्यवहार के अंक का उल्लेख होता है।

विद्यार्थियों को गोद लेना

प्रत्येक शिक्षक पाँच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनके शैक्षिक उन्नयन के साथ-साथ व्यक्तित्त्व विकास हेतु अलग से प्रयास करता है। गोद लिये विद्यार्थियों का पठन/पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए शिक्षक उनकी जिम्मेदारी लेते हैं।

पीपीटी के माध्यम से कक्षाध्यापन

प्रोजेक्टर युक्त कक्षायें

पठन–पाठन में अत्याधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ प्रोजेक्टर का कक्षाध्यापन में प्रयोग किया जाता है। शिक्षक अपने व्याख्यान में अधिक से अधिक पावर प्वाइंट तकनीक का उपयोग करने लगा है। बी.एड्. सहित कुछ विषयों की कक्षाओं में शत-प्रतिशत प्रोजेक्टर का प्रयोग किया जाता है।

कक्षाओं में सारांश

महाविद्यालय में प्रत्येक दिवस पढ़ाये जाने वाले प्रत्येक प्रश्न पत्र की कक्षाओं में सम्बन्धित पाठ्यक्रम का एक पृष्ठ के लिखित सारांश की छायाप्रति वितरित किया जाता है। सारांश में उस कक्षा में पढ़ाये जाने वाले पाठ्यक्रम से सम्बन्धित विषय का सार विभिन्न सन्दर्भ ग्रन्थों की सहायता से निर्मित किया जाता है।

प्रशासन में छात्र सहभाग

महाविद्यालय की विविध समितियों जैसे नियन्ता मण्डल, प्रवेश समिति, प्रयोगशाला, पुस्तकालय, छात्रा समिति आदि में छात्रसंघ के प्रतिनिधि अथवा पदाधिकारी सदस्य होते हैं। प्रयत्न किया जाता है कि महाविद्यालय के प्रशासन एवं संचालन में विद्यार्थियों का प्रत्यक्ष सहभाग हो। उनके व्यक्तित्व में निर्णय लेने की क्षमता का निरंतर विकास हो। छात्रसंघ अपने बजट का 75 प्रतिशत हिस्सा सारांश की छायाप्रति, वाटर प्यूरीफायर, प्रोजेक्टर आदि पर व्यय करता है।

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्रत्येक माह के प्रथम कार्य दिवस पर छात्रसंघ की साधारण सभा आयोजित की जाती है। साधारण सभा में सभी विद्यार्थी, शिक्षक-कर्मचारी, प्राचार्य उपस्थित रहते हैं। विद्यार्थी अपनी समस्यायें रखता है,

छात्रसंघ की साधारण सभा

प्राचार्य को समाधान देना होता है। तत्पश्चात विद्यार्थी कोई तीन करणीय संकल्प लेता है। अंत में वर्तमान के किसी भी प्रमुख मुद्दे पर परिचर्चा होती है। इस दिन कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं।

काउंसलिंग सेल

महाविद्यालय में विद्यार्थियों के लिए काउंसलिंग सेल की व्यवस्था है, जिसमें विद्यार्थियों को व्यावसायिक, सामाजिक तथा मानसिक स्तर पर होने वाली समस्याओं का समाधान परामर्शदाता के द्वारा किया जाता है। काउंसलिंग सेल के माध्यम से महाविद्यालय के अधिकाधिक संख्या में विद्यार्थी लाभान्वित होते हैं।

विमर्श एवं मानविकी का प्रकाशन

महाविद्यालय द्वारा प्रतिवर्ष महाविद्यालय के संस्थापक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज की स्मृति में आयोजित साप्ताहिक व्याख्यान माला के व्याख्यानों एवं विभिन्न विषयों के शोध पत्रों का प्रकाशन 'विमर्श' में किया जाता है। महाविद्यालय द्वारा अर्धवार्षिक शोधपत्रिका मानविकी का भी प्रकाशन होता है। दोनो शोध पत्रिकाएं ISSN युक्त हैं।

पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षायें

महाविद्यालय में प्रत्येक विषय के प्रत्येक प्रश्न पत्र की पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर जुलाई माह में प्रकाशित कर दी जाती है। कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। पाठ्यक्रम योजना की मासिक समीक्षा प्राचार्य-शिक्षक की बैठक में की जाती है।

दीवार पत्रिका

महाविद्यालय में छात्र संघ द्वारा गठित संपादक मण्डल द्वारा दीवार पत्रिका का प्रतिमाह प्रकाशन होता है। हस्तलिखित लेख, कविता, व्यंग्य, चित्र आदि का सम्पादन कर उसे प्रत्येक माह के पहले कार्य दिवस पर दीवार पत्रिका पर लगा दिया जाता है। पत्रिका में कोई भी विद्यार्थी शैक्षणिक, सामाजिक, आर्थिक अथवा अन्य विषयों पर अपना लेख छात्र संघ को दीवार पत्रिका हेतु दे सकता है।

छात्र संघ पत्रिका चेतक

दीवार पत्रिका के संकलित प्रस्तुतियों का 'चेतक' पत्रिका का प्रतिवर्ष छात्र संघ द्वारा प्रकाशन किया जाता है।

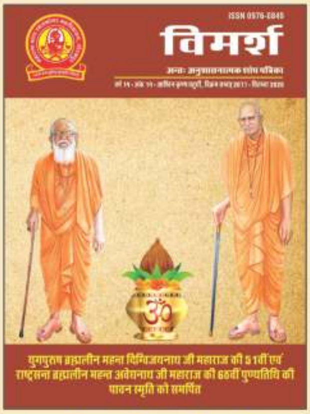

वार्षिक पत्रिका 'विमर्श'

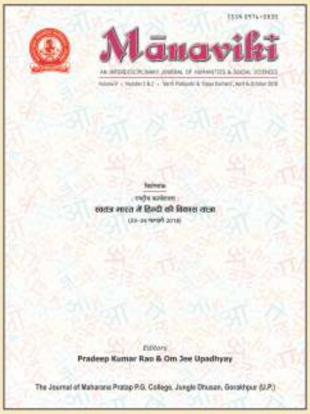

अर्द्धवार्षिक पत्रिका 'मानविकी'

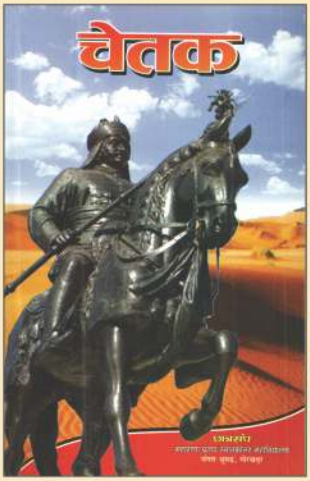

छात्रसंघ पत्रिका 'चेतक'

अन्य प्रकाशन

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़ द्वारा संगोष्ठी/व्याख्यानमाला/कार्यशाला का कार्यवृत्त/शोध पत्रों का प्रकाशन किया जाता रहा है। छात्रोपयोगी पाठ्य पुस्तक का प्रकाशन भी प्रारम्भ किया जा चुका है। महाविद्यालय के अब तक के प्रमुख प्रकाशन उल्लेखनीय है – ग्रामीण भारत का भविष्य 2006; उच्च शिक्षा की वर्तमान स्थिति : चुनौतियाँ एवं संभावनाएँ 2008; समावर्तन 2008 से अद्यतन (2019); उच्च शिक्षा की स्थिति स्ववित्तपोषित महाविद्यालयों के संदर्भ में 2010; आर्दश शिक्षक आचरण एवं व्यवहार 2011; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : एक विमर्श एवं शोध प्रविधि 2012; शैक्षिक विषयों का वर्तमान बौद्धिक परिप्रेक्ष्य : भाषा एवं एवं शोध प्रविधि 2013; वर्तमान शिक्षण प्रविधि एवं अनुभव आधारित सुधार 2014; नाथ पन्थ एवं भक्ति आन्दोलन 2015; भारतीय राष्ट्रीयता एवं संत परम्परा 2017; क्वालिटी मैनेजमेन्ट इन हायर एजूकेशन इन्स्टीट्यूशन 2017, इन्स्टीट्यूशनल स्वच्छता रैंकिंग रिपोर्ट 2017; लोकभाषा संवर्द्धन में नाथपंथ का योगदान 2019; विज्ञान में नवीन प्रवृत्तियाँ 2019; भारतीय संस्कृति का विश्व में प्रसार 2020; पाठ्यपुस्तकों में थियरी ऑफ सैम्पलिंग 2017; न्यूमेरिकल एनालिसिस 2017; डेमोग्राफिक मेथड 2017; फाइनाइट डिफरेन्सेज एण्ड इण्टरपोलेशन 2017 एन इन्ट्रोडक्शन टू जिम्नोर्स्पर्म्स एण्ड पैलियोबॉटनी 2019।

नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र

महाराणा प्रताप महाविद्यालय में महन्त अवेद्यनाथ नि:शुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन गुरू श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय के सहयोग से संचालित है। प्रत्येक बुधवार एवं बृहस्पतिवार को चिकित्सालय के चिकित्सकों द्वारा अपने स्टाफ के साथ स्वास्थ्य केन्द्र पर जंगल धूसड़ के आस–पास के गाँवों के मरीजों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण एवं नि:शुल्क दवा वितरण किया जाता है। गम्भीर मरीजों को गोरखनाथ चिकित्सालय में चिकित्सा कराने की सुविधा प्रदान की जाती है। उक्त तिथियों में नि:शुल्क एम्बुलेन्स की भी सुविधा उपलब्ध रहती है। उपचार केन्द्र के स्थापना वर्ष (2015) से अभी तक पच्चीस हजार से अधिक रोगियों की चिकित्सा की जा चुकी है।

ऑनलाइन पुस्तकालय

महाविद्यालय में पुस्तकालय इण्टरनेट पर उपलब्ध है। पुस्तकालय के डिजिटलाइजेशन की प्रक्रिया प्रारम्भ है। विश्विविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा विकसित Soul साफ्टवेयर पर पुस्तकालय की पुस्तकें दर्ज हैं। पुस्तकालय द्वारा N-List लाइब्रेरी की सदस्यता प्राप्त की गयी है जिसके माध्यम से ई–बुक्स, ई–जनरल्स की एक लाख पच्चीस हजार से अधिक पुस्तकें पढ़ने तथा दुनिया की लगभग 100 से अधिक पुस्तकालयों के उपयोग का अवसर विद्यार्थी–शिक्षकों को प्राप्त है।

विभाग द्वारा गाँव गोद लेना

महाविद्यालय के प्रत्येक विभाग को आस-पास के किसी न किसी गाँव को गोद लेकर उसमें शिक्षा, स्वास्थ्य और जन चेतना जागृत करने के लिए वर्ष में 4 बार (अगस्त माह के प्रथम रविवार, बाल्मीकि जयन्ती, फरवरी माह के प्रथम रविवार एवं परीक्षा समाप्ति के बाद के प्रथम रविवार को) सभी विभाग अपने विद्यार्थियों के साथ गोद लिए गाँव में रहते हैं।

गोद लिए गाँव में महाविद्यालय के विद्यार्थी एवं शिक्षक

निःशुल्क प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में चार निःशुल्क प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम विद्यार्थियो, ग्रामीण बच्चों एवं महिलाओं में अतिरिक्त कौशल एवं जीवन दृष्टि उत्पन्न करने के उद्देश्य से चलाए जाते हैं। ये पाठ्यक्रम स्थानीय स्तर पर रोजगार प्रदान करने तथा विद्यार्थियों में मानव जीवन-मूल्यों के प्रति भारत की महान सांस्कृतिक परम्परा, महापुरुषों कीश्रृंखला से प्रेरणा ग्रहण कर स्वयं के जीवन-मूल्य विकसित करने के उद्देश्य से संचालित है।

1. योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय द्वारा संचालित योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सिलाई-कढ़ाई एवं पेण्टिंग केन्द्र गरीब ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग का छः माह का प्रशिक्षण देकर उन्हें इस योग्य बनाता है कि वे आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर हो सकें। प्रतिवर्ष श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को एक सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरूप दिया जाता है।

निःशुल्क सिलाई कढ़ाई एवं पेण्टिंग प्रशिक्षण केन्द्र

2. राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण केन्द्र

कम्प्यूटर प्रशिक्षण के अन्तर्गत महाविद्यालय के विद्यार्थियों एवं निकटस्थ गाँवों के इच्छुक छात्र/छात्राओं को निःशुल्क छः माह का कम्प्यूटर प्रशिक्षण दिया जाता है। वर्तमान समय में प्रत्येक कार्यालय, प्रकाशन, कम्प्यूटर प्रशिक्षण हेतु प्रशिक्षित युवाओं की आवश्यकता को देखते हुए यह प्रशिक्षण दिया जाता है जिससे कि विद्यार्थी विशेषकर छात्राएँ कम्प्यूटर की दक्षता प्राप्त कर योग्यतानुसार स्थानीय बाजार में रोजगार प्राप्त कर सकें।

3. हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

हमारे महापुरुष प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम में सम्मिलित महापुरुषों के जीवन के प्रेरणाप्रद प्रसंगों को विद्यार्थियों के समक्ष रख कर, उनके बारे में अध्ययन एवं वर्तमान की समस्याओं पर उनकी भूमिका पर चिंतन के अवसर प्रदान किए जाते हैं। यह पाठ्यक्रम योग्य नागरिक गुणों का विकास करने में भी सक्षम हुआ है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. द्वितीय वर्ष में यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

4. जीवन-मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम

जीवन–मूल्य प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम में मानव जीवन के शाश्वत मूल्यों पर चर्चा–परिचर्चा, चिंतन, लेखन आदि के आधार पर समाज और राष्ट्र के लिए जीवन–मूल्य सृजन करने का प्रयत्न किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है। बी.एड्. प्रथम वर्ष यह पाठ्यक्रम अनिवार्य है।

5. ब्यूटी एवं सेल्फकेयर पाठ्यक्रम

महाविद्यालय से सटे गाँव की बालिकाओं एवं महिलाओं तथा महाविद्यालय में अध्ययन करने वाली छात्राओं के स्वावलंबन हेतु महाविद्यालय में ब्यूटी एवं सेल्फकेयर पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। इस पाठ्यक्रम में छः माह के प्रशिक्षण के उपरान्त प्रमाण–पत्र प्रदान किया जाता है। यह पाठ्यक्रम महाविद्यालय के गृहविज्ञान विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

6. राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम

महाविद्यालय में अध्ययन करने वाले विद्यार्थियों के लिए रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा छः माह का राष्ट्रीय सुरक्षा एवं आपदा प्रबंधन प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाता है। इस प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के माध्यम से विभिन्न प्राकृतिक आपदाओं जैसे- बाढ़, सूखा, भूकम्प, आगजनी की स्थिति में राहत एवं बचाव कार्य का प्रशिक्षण दिया जाता है।

स्व मूल्यांकन प्रपत्र

स्व मूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महीने के द्वितीय कार्यदिवस तक उस माह में अपने कार्यों एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा- पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्व-प्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र पर शिक्षक द्वारा

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़- गोरखपुर

शिक्षक : स्वमूल्यांकन प्रपत्र

विषय/प्रश्नपत्र........ माह-........ प्राध्यापक........

शिक्षक के मासिक दायित्व के उल्लेख हेतु स्वमूल्यांकन प्रपत्र

प्राचार्य को उपलब्ध कराना होता है। शिक्षक द्वारा दिये गए आख्या की प्राचार्य द्वारा समीक्षा कर आवश्यकतानुसार शिक्षकों से त्वरित संवाद स्थापित कर शिक्षण–अधिगम की गुणवत्ता बनाए रखने के प्रति उन्हें सावधान किया जाता है। विगत सत्र से यह प्रारूप ऑनलाइन भी भरा जाता है।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय
जंगल धूसड़, गोरखपुर
शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों में उत्तरोत्तर सुधार हेतु भरा जाने वाला शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र

निर्धारित प्रारूप–'शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र' के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर–जनवरी) विद्यार्थियों से पठन–पाठन के सन्दर्भ में फीड–बैक लिया जाता है। प्राचार्य द्वारा इसकी समीक्षा कर प्रत्येक शिक्षक से अलग–अलग वार्ता कर शिक्षण की गुणवत्ता एवं शिक्षक–विद्यार्थी सम्बन्ध का विकास सुनिश्चित किया जाता है।

मासिक ई–पत्रिका ध्येय पथ

ध्येय पथ

अपने अनवरत विकास यात्रा में महाविद्यालय ने अपने सभी घटकों के बीच निरन्तर संवाद के अनेक मंच विकसित किए हैं। मासिक पत्रिका 'ध्येय पथ' शिक्षक संघ, कर्मचारी संघ, छात्र संघ, पुरातन छात्र परिषद तथा अभिभावक संघ जैसे जीवन्त घटक समूहों के आपसी संवाद के साथ–साथ महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों की प्रस्तुति का एक माध्यम है। पत्रिका में प्रत्येक माह महाविद्यालय से सम्बन्धित प्रमुख गतिविधियों का संयोजन होता है। माह के अन्त में सभी गतिविधियों का संकलन कर उसे मासिक पत्रिका के रूप में महाविद्यालय के वेबसाइट पर प्रकाशित कर दिया जाता है।

सिविल सविर्सेज के सामान्य अध्ययन की कक्षाएं

महाविद्यालय की नित नूतन प्रयोगधार्मिता के क्रम में शैक्षिक सत्र 2016–17 से निरन्तर विद्यार्थियों के प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रति उन्मुख होने तथा भविष्य में रोजगार के अवसर प्रदान करने के उद्देश्य के निमित्त नि:शुल्क सिविल सर्विसेज सामान्य अध्ययन की कक्षाओं का सुचारू ढंग से संचालन किया जा रहा है।

मॉडल स्कूल

महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद द्वारा संचालित उत्तर प्रदेश शासन द्वारा अनुदानित महाराणा प्रताप कृषक इण्टर कालेज के कक्षा 6, 7 एवं 8 की कक्षाओं को बी.एड्. विभाग द्वारा 'मॉडल स्कूल' के रूप में विकसित किया गया है। बी.एड्. विभाग के शिक्षक एवं छात्राध्यापकों द्वारा उच्च स्तरीय पठन–पाठन का प्रयत्न प्रारम्भ किया गया है। उल्लेखनीय है कि यह प्रयोग यह बताएगा कि प्रत्येक बी.एड्. कालेज द्वारा आस–पास के

स्कूलों अथवा अपने ही कालेज में मॉडल स्कूल के रूप में विद्यालय चलाकर आस-पास की शिक्षा की कमी पूरी की जा सकती है।

आदर्श ग्राम योजना

इस सत्र से ग्राम मंझरिया, जंगल धूसड़ को प्रयोग के तौर पर आदर्श गाँव के रूप में विकसित करने का प्रयास प्रारम्भ हुआ है। इसके अन्तर्गत गाँव के सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से स्वच्छता, साक्षरता, स्वास्थ्य एवं जन कल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने की परिकल्पना के साथ कार्य प्रारम्भ किया गया। बी.एड्. विभाग द्वारा यह परियोजना सफलता पूर्वक चलाई जा रही है।

आदर्श ग्राम में स्वास्थ्य शिविर

वाई-फाई युक्त परिसर

शिक्षा की गुणवत्ता में निरन्तर प्रगति एवं उसमें इन्टरनेट का व्यापक उपयोग हेतु महाविद्यालय परिसर वाई-फाई युक्त करा दिया गया। 30 जनवरी 2018 से ही यह सुविधा महाविद्यालय परिसर में सभी शिक्षकों-विद्यार्थियों को निःशुल्क उपलब्ध करा दी गई है।

सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना

वर्तमान सत्र 2022-23 से गोद लिए गए विद्यार्थियों, छात्रसंघ के कक्षा प्रतिनिधियों, राष्ट्रीय सेवा योजना एवं छात्रावास को एक समूह मानकर सामूहिक व्यक्तित्त्व विकास योजना की परिकल्पना लागू की गई। यह अनिवार्य किया गया कि छात्रावास के सभी विद्यार्थी गोद लिए जाएं एवं राष्ट्रीय सेवा योजना में लिए जाएं। राष्ट्रीय सेवा योजना में शेष रिक्त स्थानों पर गोद लिए गए विद्यार्थी ही सम्मिलित किए जाएं। इससे एक विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास पर शिक्षक, राष्ट्रीय सेवा योजना, छात्रसंघ एवं छात्रावास की चार इकाई कार्य करेंगी।

वेबसाइट

महाविद्यालय के पास अपनी अद्यतन वेबसाइट है। महाविद्यालय की समस्त सूचना एवं विद्यार्थियों के विषय में सम्पूर्ण जानकारी, विद्यार्थियों की प्रगति आख्या एवं पाठ्यक्रम योजना बेवसाइट पर उपलब्ध रहती है। प्रत्येक विद्यार्थी अपने से सम्बन्धित किसी भी प्रकार की जानकारी अपने आई.डी. नम्बर के द्वारा वेबसाइट पर प्राप्त कर सकता है।

शिक्षक ब्लॉग

महाविद्यालय की वेबसाइट पर महाविद्यालय के समस्त शिक्षकों का अपना ब्लॉग है। शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित प्रश्नपत्रों के विभिन्न टापिक्स के पावर प्वाइंट स्लाइड को ब्लॉग पर अपलोड करते

रहते हैं। इसके अतिरिक्त शिक्षक अपने शोधपत्र भी समय-समय पर अपने ब्लॉग पर डालते रहते हैं जहाँ से सम्बन्धित विद्यार्थी उसे देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकता है। विद्यार्थियों को पाठ्य सामाग्री उपलब्ध कराने का यह सशक्त माध्यम है।

वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान महाविद्यालय के कुछ विशिष्ट आयाम

वर्तमान सत्र में महाविद्यालय ने वैश्विक महामारी कोविड-19 के दौरान पठन-पाठन, महाविद्यालय ने प्रशासन एवं अपने नैसर्गिक सामाजिक दायित्वों के संदर्भ में कुछ विशिष्ट आयाम स्थापित किये हैं। कोविड-19 के दौरान सेनेटाइजर एवं मास्क का निर्माण, कक्षाओं का नियमित सेनेटाइजेशन, आन लाइन कक्षाओं का संचालन, आन लाइन एवं ऑफ लाइन कक्षाओं का एक साथ संचालन कर महाविद्यालय ने एक नया प्रतिमान प्रस्तुत किया है जिसकी कुछ झलकियाँ आप सभी के समक्ष हैं :-

मास्क बनातीं कोरोना वॉरियर्स

सेनेटाइजर बनाते कोरोना वॉरियर्स

समावर्तन संस्कार समारोह

महाविद्यालय स्नातक एवं स्नातकोत्तर की शिक्षा पूर्ण कर रहे विद्यार्थियों के लिए अपने स्थापना काल से प्रतिवर्ष समावर्तन संस्कार समारोह आयोजित करता है। समावर्तन संस्कार का हिन्दू जीवन दर्शन के मानव जीवन के षोडश संस्कारों में महत्वपूर्ण स्थान है। समावर्तन संस्कार के माध्यम से विद्यार्थियों को भारतीय जीवन मूल्य का सम्मान करने, योग्य नागरिक बनने, जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ-साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वहन करने के साथ-साथ देश की राष्ट्रीय एकता और अखण्डता का अक्षुण्ण बनाये रखने की शपथ दिलायी जाती है। साथ ही समावर्तन उपदेश के माध्यम से उन्हें अपने दायित्वों के निर्वहन हेतु प्रेरित किया जाता है। पन्द्रहवां समावर्तन संस्कार समारोह 19 मार्च 2023 को सम्पन्न हो रहा है।

समावर्तन संकल्प लेती महाविद्यालय की छात्राएं

वार्षिक योजना विवरण

महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर में 01 जुलाई 2022 ई. से सप्तदिवसीय शिक्षक- कार्यशाला एवं वार्षिक-योजना बैठक प्रारम्भ हुई। प्रात: 9 बजे से 1 बजे तक चलने वाली कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक 7 जुलाई 2022 को सम्पन्न हुई। प्राचार्य डॉ. प्रदीप कुमार राव की अध्यक्षता में सम्पन्न कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक में विचारार्थ निम्न विषय प्रस्तुत किए गए-

1. शैक्षिक पंचांग
2. दायित्त्वसह कार्य विभाजन
3. शिक्षक आचार संहिता
4. प्रवेश
5. परीक्षा
6. समय-सारणी
7. पठन-पाठन
8. पुस्तकालय-वाचनालय
9. प्रयोगशाला
10. कक्षाध्यापन में नए प्रयोग
11. प्रार्थना सभा

सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक के उद्घाटन सत्र में उपस्थित महाविद्यालय के प्राचार्य एवं समस्त शिक्षक

12. विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा-
    - (क) पाठ्यक्रम योजना
    - (ख) विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन
    - (ग) मासिक मूल्यांकन
    - (घ) शिक्षक प्रतिपुष्टि- प्रपत्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन
    - (ङ) शिक्षक स्वमूल्यांकन
    - (च) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान
    - (छ) गोद लिए गए विद्यार्थी
    - (ज) गोद लिए गए गाँव
    - (झ) मासिक मूल्यांकन
13. प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम
    - (क) जीवनमूल्य
    - (ख) हमारे पूर्वज
    - (ग) निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग
    - (घ) निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण
    - (ङ) आपदा और राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन
    - (च) ब्यूटी एवं सेल्फ केयर
14. निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र
15. क्रीड़ा
16. छात्रसंघ
17. राष्ट्रीय सेवा योजना
18. एन.सी.सी.
19. रोवर्स रेंजर
20. वेबसाइट/फेसबुक/ट्यूटर/यूट्यूब
21. तकनीकी प्रसार
22. कार्यालय
23. NAAC/AISHE
24. महत्त्वपूर्ण आयोजन-
    - (क) 13 अगस्त भारत विभाजन की पूर्व संध्या (व्याख्यान)
    - (ख) 15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस समारोह
    - (ग) राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला
    - (घ) साप्ताहिक पुण्यतिथि समारोह
    - (ङ) युवा महोत्सव/वार्षिक महोत्सव
    - (च) संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद)
    - (छ) भारत-भारती पखवारा (12 जनवरी-26 जनवरी)
    - (ज) गणतन्त्र दिवस समारोह
    - (झ) सरस्वती पूजा (बसन्त पंचमी)
    - (ण) समावर्तन संस्कार-समारोह
    - (झ) आजादी का अमृत महोत्सव
    - (ट) महत्वपूर्ण प्रकल्प - 1. मिशन शक्ति
      2. उन्नत भारत अभियान
25. वार्षिक बजट
26. अन्य किसी के सुझाव पर

सप्तदिवसीय शिक्षक कार्यशाला एवं वार्षिक योजना बैठक की कुछ झलकियाँ

वार्षिक योजना बैठक में उपर्युक्त विषयों पर विचार-विमर्श कर एक मत से निम्नांकित निर्णय लिए गए–

1. **शैक्षिक पचांग** – महाविद्यालय का शैक्षिक पंचांग पाँच भागों से मिलकर बनाया गया–

भाग 01 – महाविद्यालय के प्रमुख कार्यक्रम गतिविधियाँ एवं समय-सारणी

भाग 02 – विभागीय कार्ययोजना एवं कार्यक्रम

भाग 03 – क्रीड़ा गतिविधियाँ

भाग 04 – राष्ट्रीय सेवा योजना का वार्षिक विवरण

भाग 05 – प्रमुख अवकाश। शैक्षिक पंचांग निम्नवत है

भाग-1 : वार्षिक तिथिक्रम – महत्वपूर्ण कार्यक्रम

08 जुलाई, 2022	कक्षारम्भ स्नातक तृतीय सेमेस्टर, स्नातक तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर
04 जुलाई	स्वामी विवेकानन्द पुण्यतिथि पर पौधरोपड़
01 अगस्त	कक्षारम्भ स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर
13 अगस्त	भारत विभाजन की पूर्व संध्या पर व्याख्यान
15 अगस्त	स्वतंत्रता दिवस समारोह
16 अगस्त	प्रयोगशालाएं प्रारम्भ
29-31 अगस्त	छात्रसंघ चुनाव
22 अगस्त	आपदा प्रबन्धन और राष्ट्रीय सुरक्षा – प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम प्रारम्भ
23-29 अगस्त	राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक व्याख्यान-माला
04 सितम्बर	ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह उद्घाटन कार्यक्रम (श्रीगोरखनाथ मंदिर)
13 सितम्बर	युगपुरुष ब्रह्मलीन महन्त दिग्विजयनाथ एवं राष्ट्रसंत ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि कार्यक्रम (महाविद्यालय में)
13 सितम्बर	शिक्षक संघ चुनाव
14 सितम्बर	हिन्दी दिवस

14 सितम्बर	ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ एवं ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ स्मृति साप्ताहिक श्रद्धांजलि समारोह समापन कार्यक्रम - (श्रीगोरखनाथ मन्दिर परिसर में)
20 सितम्बर	महाराणा अग्रसेन जयन्ती- व्याख्यान
23 सितम्बर (अश्विनकृष्ण त्रयोदशी)	योगिराज बाबा गम्भीरनाथ स्मृति व्याख्यान
26 सितम्बर	कर्मचारी संघ चुनाव
02 अक्टूबर	महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती पर महाविद्यालय के सभी शिक्षकों, कर्मचारी, गोद लिए गए विद्यार्थियों द्वारा स्वच्छता अभियान, गोद लिए गए विद्यार्थियों की बैठक, महाविद्यालय के त्रयमासिक शिक्षक, प्राचार्य समीक्षा बैठक)
15-16 अक्टूबर	राष्ट्रीय संगोष्ठी, शिक्षा संकाय
31 अक्टूबर	वल्लभ भाई पटेल/आचार्य नरेन्द्र देव जयन्ती-अभिरूचिकारी व्याख्यान
07 नवम्बर	विपिन चन्द्रपाल जयन्ती- अभिरूचिकारी व्याख्यान
08 नवम्बर	गुरु नानक जयन्ती- व्याख्यान (पूर्व संध्या)
22-28 नवम्बर	वार्षिक महोत्सव (महाविद्यालय)
24 नवम्बर	गुरु तेग बहादुर शहीद दिवस पर व्याख्यान (पूर्व संध्या)
04-10 दिसम्बर	संस्थापक सप्ताह समारोह (शिक्षा परिषद के सभी संस्थाओं के स्तर पर)
06 दिसम्बर	डॉ. बी.आर. अम्बेडकर महापरिनिर्वाण दिवस पर व्याख्यान (पूर्व संध्या)
16 दिसम्बर	विजय दिवस समारोह-अभिरूचिकारी व्याख्यान (3) (विषय - वर्तमान समय में 16 दिसम्बर, 1971 का स्त्रातजिक मूल्यांकन) डॉ. रमाकान्त दूबे
12-26 जनवरी	भारत-भारती पखवारा
26 जनवरी	गणतन्त्र दिवस समारोह/बसन्त पंचमी - मां सरस्वती पूजन
05 फरवरी	माघपूर्णिमा- संत रविदास जयन्ती - अभिरूचिकारी व्याख्यान (4) (विषय- सन्त रविदास का सामाजिक सरोकार) डॉ. आरती सिंह (पूर्व संध्या)
17-18 मार्च	राष्ट्रीय संगोष्ठी, कला संकाय
19 मार्च	समावर्तन संस्कार समारोह

प्रार्थना सभा के कार्यक्रम

अगस्त

तिथि	दिवस	कार्यक्रम
1	सोमवार	लोकमान्य तिलक महाप्रयाण दिवस
2	मंगलवार	नागपंचमी (अवकाश)
3	बुधवार	मैथिलीशरण गुप्त जयन्ती
4	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक- 01, 02
5	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ प्रथम अध्याय, श्लोक- 21, 22, 44
6	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
7	रविवार	अवकाश
8	सोमवार	भारत छोड़ो आन्दोलन
9	मंगलवार	मोहर्रम (अवकाश)/काकोरी काण्ड
10	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
11	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 13, 14, 15, 16
12	शुक्रवार	रक्षाबन्धन (अवकाश)/अमर शहीद बन्धु सिंह बलिदान दिवस (पूर्व संध्या)
13	शनिवार	अहिल्याबाई होलकर पुण्यतिथि/साप्ताहिक योगाभ्यास भारत विभाजन की पूर्व संध्या
14	रविवार	अवकाश
15	सोमवाद	स्वतन्त्रता दिवस/महर्षि अरविन्द जयन्ती
16	मंगलवार	रामकृष्ण परमहंस पुण्यतिथि 1886/ अटल स्मृति दिवस
17	बुधवार	मदनलाल धींगरा बलिदान दिवस
18	गुरुवार	श्रीकृष्ण जन्माष्टमी (अवकाश)
19	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 18, 20, 23, 24
20	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
21	रविवार	अवकाश
22	सोमवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 25, 26, 27
23	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक- 28, 33, 34, 35
24	बुधवार	राजगुरु जयन्ती
25	गुरुवार	रास बिहारी बोस पुण्यतिथि
26	शुक्रवार	रानी पद्मिनी जौहर दिवस

तिथि	दिवस	कार्यक्रम
27	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
28	रविवार	अवकाश
29	सोमवार	राष्ट्रीय खेल दिवस/मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती
30	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 36, 37, 38
31	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ द्वितीय अध्याय, श्लोक– 42, 43, 44
		सितम्बर
1	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 45, 46
2	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 47, 48
3	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
4	रविवार	अवकाश
5	सोमवार	डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जयन्ती/शिक्षक दिवस
6	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 54, 55, 56
7	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 62, 63, 64
8	गुरुवार	पुण्यतिथि समारोह/विश्व साक्षरता दिवस
9	शुक्रवार	अनन्त चतुर्दशी (अवकाश)/भारतेन्दु हरिश्चन्द्र जयन्ती
10	शनिवार	गोविन्द बल्लभ पन्त जयन्ती/साप्ताहिक योगाभ्यास
11	रविवार	रविवार/महादेवी वर्मा पुण्यतिथि/आचार्य विनोबा भावे जयन्ती
12	सोमवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 66, 67, 68
13	मंगलवार	जतिनदास शहीदी दिवस
14	बुधवार	हिन्दी दिवस
15	गुरुवार	एम. विश्वेश्रैया जयन्ती (इन्जीनियर्स डे)
16	शुक्रवार	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस
17	शनिवार	चेहल्लुम (अवकाश)/साप्ताहिक योगाभ्यास/विश्वकर्मा जयन्ती
18	रविवार	अवकाश
19	सोमवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वितीय अध्याय, श्लोक– 70, 71, 72
20	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक– 25, 26
21	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक– 27 29, 30
22	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक– 33, 34

तिथि	दिवस	कार्यक्रम
23	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 36, 37
24	शनिवार	भिकाजी कामा जयन्ती/साप्ताहिक योगाभ्यास
25	रविवार	रविवार/पितृविसर्जन/पं. दीनदयाल उपाध्याय जयन्ती/सतीश धवन जयन्ती
26	सोमवार	ईश्वरचन्द्र विद्यासागर जयन्ती
27	मंगलवार	राष्ट्रीय पर्यटन दिवस/राजाराम मोहन राय पुण्यतिथि
28	बुधवार	सरदार भगत सिंह जयन्ती
29	गुरुवार	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 38, 41
30	शुक्रवार	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, तृतीय अध्याय, श्लोक- 42, 43
		अक्टूबर
1	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/एनी बेसेंट जयन्ती
2	रविवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/महात्मा गांधी जयन्ती एवं लाल बहादुर शास्त्री जयन्ती
3	सोमवार	दशहरा (अवकाश)
4	मंगलवार	दशहरा (अवकाश)
5	बुधवार	दशहरा (अवकाश)
6	गुरुवार	दशहरा अवकाश/मेघनाथ शाहा जयन्ती
7	शुक्रवार	गुरु गोविन्द सिंह पुण्यतिथि/दुर्गा भाभी जयन्ती
8	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/वायुसेना दिवस/मुंशी प्रेमचन्द्र स्मृति दिवस
9	रविवार	रविवार/बारावफात/महर्षि वाल्मीकि जयन्ती
10	सोमवार	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 05, 06, 07
11	मंगलवार	जयप्रकाश नारायण जयन्ती
12	बुधवार	राम मनोहर लोहिया पुण्यतिथि
13	गुरुवार	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 08, 11, 12
14	शुक्रवार	श्रीमद्भगवतगीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 13, 16, 17
15	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम जयन्ती
16	रविवार	अवकाश
17	सोमवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 18, 25, 26
18	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 27, 28
19	बुधवार	स्वामी महावीर निर्वाण दिवस

तिथि	दिवस	कार्यक्रम
20	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 29, 30, 34
21	शुक्रवार	आजाद हिन्द फौज स्थापना दिवस, दीपावली (अवकाश)
22	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/अज़फाक उल्ला खां जयन्ती (अवकाश)
23	रविवार	रविवार
24	सोमवार	दीपावली (अवकाश)/ संयुक्त राष्ट्र संघ स्थापना दिवस
25	मंगलवार	दीपावली (अवकाश)
26	बुधवार	गोवर्धन पूजा (अवकाश)
27	गुरुवार	भैयादूज/जतिन्द्रनाथ दास जयन्ती (अवकाश)
28	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 35, 36
29	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
30	रविवार	रविवार/होमी जहाँगीर भाभा जयन्ती
31	सोमवार	छठ पूजा (अवकाश)/राष्ट्रीय एकता दिवस/सरदार बल्लभाई पटेल जयन्ती/इन्दिरा गांधी पुण्यतिथि
		नवम्बर
1	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्थ अध्याय, श्लोक- 40, 41, 42
2	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
3	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक- 08, 09, 10
4	शुक्रवार	कार्तिक एकादशी (अवकाश)/वासुदेव बलवन्त फड़के जयन्ती
5	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
6	रविवार	रविवार/महात्मा ज्योतिबा फूले जयन्ती
7	सोमवार	विपिनचन्द्र पाल/सी.वी. रमन जयन्ती
8	मंगलवार	गुरु नानक जयन्ती (अवकाश)
9	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक- 15, 16, 17
10	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक- 18, 19, 20
11	शुक्रवार	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस
12	शनिवार	मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि
13	रविवार	रविवार
14	सोमवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचम अध्याय, श्लोक- 24, 25, 26
15	मंगलवार	आचार्य विनोबा भावे पुण्यतिथि/विरसा मुण्डा जयन्ती

तिथि	दिवस	कार्यक्रम
16	बुधवार	राष्ट्रीय प्रेस दिवस/वीरांगना उदा देवी शहीदी दिवस
17	गुरुवार	लाला लाजपत राय बलिदान दिवस
18	शुक्रवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 01, 04, 15
19	शनिवार	रानी लक्ष्मीबाई जयन्ती/साप्ताहिक योगाभ्यास
20	रविवार	रविवार
21	सोमवार	महात्मा ज्योतिबा फूले पुण्यतिथि
22	मंलगवार	झलकारी बाई जयन्ती
23	बुधवार	जगदीश चन्द्र बोस पुण्यतिथि
24	गुरुवार	गुरु तेगबहादुर (शहीद दिवस) अवकाश
25	शुक्रवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक 37, 38, 39
26	शनिवार	राष्ट्रीय संविधान दिवस/साप्ताहिक योगाभ्यास
27	रविवार	अवकाश
28	सोमवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक 40, 42, 43
29	मंगलवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 43, 44
30	बुधवार	जगदीश चन्द्र बोस जयन्ती
		दिसम्बर
1	गुरुवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 45, 46
2	शुक्रवार	राष्ट्रीय प्रदूषण नियन्त्रण दिवस
3	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/डॉ. राजेन्द्र प्रसाद जयन्ती
4	रविवार	रविवार/शोभायात्रा
5	सोमवार	शोभायात्रा (अवकाश)
6	मंगलवार	डॉ. भीमराव अम्बेडकर पुण्यतिथि (अवकाश)
7	बुधवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, षष्ठम अध्याय, श्लोक- 46, 47
8	गुरुवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक- 01, 02
9	शुक्रवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक- 03, 06
10	शनिवार	पुरस्कार वितरण (सस्थापक समारोह)/अन्तर्राष्ट्रीय मानव अधिकार दिवस
11	रविवार	रविवार
12	सोमवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक, 07, 12

तिथि	दिवस	कार्यक्रम
13	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तम अध्याय, श्लोक- 14, 16, 17
14	बुधवार	राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस
15	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टम अध्याय, श्लोक- 01, 05
16	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टम अध्याय, श्लोक- 27, 28
17	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/राजेन्द्र लाहिड़ी बलिदान दिवस
18	रविवार	रविवार
19	सोमवार	रोशन सिंह, रामप्रसाद बिस्मिल, अशफाक उल्ला खाँ बलिदान दिवस
20	मंगलवार	वीर छत्रसाल पुण्यतिथि
21	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 01, 03
22	गुरुवार	राष्ट्रीय गणित दिवस (श्रीनिवास रामानुजन जयन्ती)
23	शुक्रवार	किसान दिवस (चौधरी चरण सिंह जयन्ती)
24	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
25	रविवार	रविवार/क्रिसमस/मदनमोहन मालवीय पुण्यतिथि
26	सोमवार	फतेह सिंह/जोरावर सिंह बलिदान दिवस
27	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 06, 09
28	बुधवार	सुमित्रा नन्दन पन्त स्मृति दिवस
29	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 16, 17
30	शुक्रवार	महर्षि रमण जयन्ती
31	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
		जनवरी
1	रविवार	रविवार/शान्ति स्वरूप भटनागर स्मृति दिवस
2	सोमवार	श्रीमद्भगवतगीता पाठ- नवम अध्याय, श्लोक-18, 26, 27
3	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, नवम अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
4	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, दशम अध्याय, श्लोक- 1, 2, 3
5	गुरुवार	गुरु गोविन्द सिंह जयन्ती
6	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, दशम अध्याय, श्लोक- 35, 36, 37
7	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास
8	रविवार	रविवार

तिथि	दिवस	कार्यक्रम
9	सोमवार	हर गोविन्द खुराना जयन्ती
10	मंगलवार	विश्व हिन्दी दिवस
11	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, दशम अध्याय, श्लोक- 38, 39
12	गुरुवार	स्वामी विवेकानन्द जयन्ती (राष्ट्रीय युवा दिवस)
13	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
14	शनिवार	मकर संक्रान्ति/साप्ताहिक योगाभ्यास/अवकाश
15	रविवार	अवकाश
16	सोमवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 15, 20
17	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 51, 52, 53
18	बुधवार	महादेव रानाडे जयन्ती
19	गुरुवार	महाराणा प्रताप स्मृति दिवस
20	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, एकादश अध्याय, श्लोक- 54, 55
21	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/मौनी अमावस्या (अवकाश)
22	रविवार	रविवार (शहीद रोशन सिंह जयन्ती) पूर्व संध्या
23	सोमवार	नेताजी सुभाषचन्द्र बोस जयन्ती
24	मंगलवार	राष्ट्रीय बालिका दिवस (बुढ़वा मंगल)
25	बुधवार	राष्ट्रीय मतदान दिवस
26	गुरुवार	गणतन्त्र दिवस/बसन्त पंचमी
27	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
28	शनिवार	साप्ताहिक योगाभ्यास/लाला लाजपतराय जयन्ती
29	रविवार	रविवार
30	सोमवार	महात्मा गाँधी पुण्यतिथि
31	मंगलवार	मेजर सोमनाथ जयन्ती
		फरवरी
1	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 05, 06, 07
2	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 10, 11
3	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 12, 13
4	शनिवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, द्वादश अध्याय, श्लोक- 14, 16, 17 (मो.अली जन्मदिवस अवकाश)

तिथि	दिवस	कार्यक्रम
5	रविवार	रविवार/रविदास जयंती
6	सोमवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्रयोदश अध्याय, श्लोक - 01, 02
7	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्रयोदश, श्लोक- 19, 20, 21
8	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, त्रयोदश श्लोक- 31, 33, 34
9	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, श्लोक- 01, 03
10	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, श्लोक- 05, 10, 12
11	शनिवार	पंडित दीनदयाल उपाध्याय पुण्यतिथि
12	रविवार	रविवार
13	सोमवार	राष्ट्रीय महिला दिवस (सरोजनी नायडू जन्मदिवस)
14	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, श्लोक- 13, 14, 15
15	बुधवार	महर्षि दयानन्द सरस्वती जयन्ती
16	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, चतुर्दश, श्लोक- 15, 16
17	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, पंचदश अध्याय, श्लोक- 17, 18, 19
18	शनिवार	रामकृष्ण परमहंस जयंती/महाशिवरात्रि अवकाश
19	रविवार	रविवार/शिवाजी जयन्ती
20	सोमवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
21	मंगलवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक- 06, 07
22	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक- 12, 13, 14
23	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, षोडश अध्याय, श्लोक- 23, 24
24	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 01, 02, 03
25	शनिवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 05, 06, 07
26	रविवार	रविवार/वीर सावरकर पुण्यतिथि
27	सोमवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 10, 11, 12
28	मंगलवार	राष्ट्रीय विज्ञान दिवस/डॉ. राजेन्द्र प्रसाद पुण्यतिथि
		मार्च
1	बुधवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 20, 21, 22
2	गुरुवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, सप्तदश अध्याय, श्लोक- 25, 27
3	शुक्रवार	श्रीमद्भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक- 05, 06, 07

तिथि	दिवस	कार्यक्रम
4	शनिवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक– 08, 09, 10
5	रविवार	रविवार
6	सोमवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक– 11, 12, 18, 19
7	मंगलवार	होली (अवकाश)
8	बुधवार	अन्तर्राष्ट्रीय महिला दिवस
9	गुरुवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक– 20,28, 29, 30
10	शुक्रवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक– 38, 39
11	शनिवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक– 44, 45, 46
12	रविवार	रविवार
13	सोमवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक– 71, 72
14	मंगलवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक– 73, 74, 75
15	बुधवार	श्रीमद्‌भगवत गीता पाठ, अष्टादश अध्याय, श्लोक– 76, 77

भाग–2 : विभागीय कार्य योजना

योजना बैठक में यह तय किया गया कि प्रत्येक विभाग पूर्व की भाँति अपने विभाग की वार्षिक कार्य–योजना बनाए। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रखते हुए बनायी जायेगी। विभागीय रपट नैक मूल्यांकन के अनुरूप अद्यतन रखी जायेगी। विभागीय शिक्षकों का बायोडाटा अद्यतन किया जाता रहे। विद्यार्थियों की प्रगति–रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन किया जाय। प्रगति–रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा, तदोपरान्त उनके बारे में अपने प्रयत्न की रूपरेखा बनायी जायेगी।

विभाग द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थी का पूर्ण विवरण एवं शिक्षक के प्रयत्न से उनमें गुणात्मक सुधार का तथ्यात्मक विवरण रखा जाएगा। गोद लिए गए विद्यार्थियों के विकास की स्पष्ट योजना बनायी जायेगी। विभागीय पुस्तकालय, प्रयोगशाला का अनवरत विकास किया जाएगा। विभागवार कार्ययोजना निम्नवत् हैं –

गणित एवं सांख्यिकी विभाग

1. **पाठ्यक्रम योजना** – विभाग द्वारा सत्र 2022–23 की पाठ्यक्रम योजना बना कर वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। विभाग द्वारा 08 जुलाई 2022 से बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर एवं बी.एस–सी. तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ होगी तथा 01 अगस्त से बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ होगी।
2. **पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य** – पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य यह है कि छात्र–छात्राओं को यह पहले से यह पता होना चाहिए की किस दिन विभाग के किस शिक्षक का व्याख्यान है, तथा उस दिन कौन–सा टॉपिक कक्षा में पढ़ाया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना में कक्षाध्यापन व मासिक मूल्यांकन अंकित रहता है, जिससे विभागीय छात्रों को पहले से पता रहता है कि किस दिन उस माह में कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन होगा।
3. **मासिक मूल्यांकन** – सत्र 2022–23 में प्रतिमाह के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा, मासिक मूल्यांकन में उस माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जायेंगे।

मासिक मूल्यांकन तिथि – गणित

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि							
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.एस.–सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	31	26	28	NA	NA	NA	27
बी.एस.–सी. तृतीय सेमेस्टर	26	29	30	NA	12	NA	NA	25
बी.एस.–सी. तृतीय वर्ष	26	29	30	16	25	13	27	NA

मासिक मूल्यांकन तिथि – संख्यिकी

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि							
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.एस.–सी. प्रथम सेमेस्टर	–	26	28	17	NA	NA	NA	25
बी.एस.–सी. तृतीय सेमेस्टर	28	31	26	28	NA	NA	NA	24
बी.एस.–सी. तृतीय वर्ष	26	29	30	15	23	NA	21	13

4. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – विभागीय शिक्षकों द्वारा प्रतिमाह, ऑनलाइन स्वमूल्यांकन प्रपत्र महाविद्यालय के वेबसाइट पर भरा जाता है। जिसमें शिक्षक गत माह में अपने द्वारा पढ़ाये गये कुल कक्षा व्याख्यान, अपने द्वारा कराये गये कक्षाध्यापन, तथा विभाग द्वारा कराये गये मासिक मूल्यांकन की जानकारी भर कर सबमिट करते है। यह स्वमूल्यांकन प्रपत्र प्रतिमाह महाविद्यालय वेबसाइट शिक्षक के ब्लाग पर माह के प्रथम कार्यदिवस पर आनलाईन सबमिट किया जाता है तथा विभाग में उसका प्रिन्ट आउट सुरक्षित रखा जाता है।

5. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** – विभाग द्वारा प्रति सप्ताह छात्र–छात्राओं से कक्षाध्यापन कराया जाता है, इस प्रक्रिया में कक्षाध्यापन की तिथि से 05–06 दिन पूर्व छात्र–छात्राओं को विषय आवंटित कर दिया जाता है, तथा कक्षाध्यापन की तिथि पर उनसे कक्षाध्यापन कराकर उन्हे श्रेणी प्रदान किया जाता है। इस कक्षाध्यापन की प्रक्रिया से छात्र–छात्राओं में विषय वस्तु को समझने एवं प्रस्तुत करने का प्रशिक्षण दिया जाता है।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन तिथि – गणित

कक्षा	कक्षाध्यापन							
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.एस.–सी. प्रथम सेमेस्टर	–	5,16,14	7,19,26	7,14	7	NA	NA	11, 20
बी.एस.–सी. तृतीय सेमेस्टर	12,19	3,11,22	5,15,23	12,19	3,12	NA	NA	11, 20
बी.एस.–सी. तृतीय वर्ष	12,19	3,11,22	5,15,23	12	1,10,17	2	5,12,19	NA

साप्ताहिक कक्षाध्यापन तिथि – सांख्यिकी

कक्षा	कक्षाध्यापन							
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.एस.–सी. प्रथम सेमेस्टर	–	8,19	2,12,21	10	01,10	NA	NA	NA
बी.एस.–सी. तृतीय सेमेस्टर	14,21	5,16,24	7,19	7,14	7,15	NA	NA	NA
बी.एस.–सी. तृतीय वर्ष	16,26	5,19	10,22	NA	1,14	3	2,11	13

6. **कक्षाध्यापन में नूतन प्रयोग** – सत्र 2021–22 में विभाग द्वारा कक्षाध्यापन में नूतन प्रयोग किया गया, इस प्रयोग में कक्षाध्यापन की तिथि से 05–06 दिन पूर्व विषय आवंटित करके विद्यार्थियों से उस विषय से सम्बन्धित एक सारांश बनवाया गया। इस सारांश की सहायता से विद्यार्थी अपना कक्षाध्यापन करेगें तथा कक्षाध्यापन के पश्चात शिक्षक उस सारांश का मूल्यांकन करके मूल प्रति छात्रों को वापस कर देगें तथा फोटो कापी शिक्षक अपने पास सुरक्षित रखेगें। इस प्रक्रिया से विद्यार्थी की लेखन शैली एवं दिये गये विषय को प्रस्तुत करने की शैली का विकास होगा। विभाग सत्र 2022–23 में इस नूतन प्रयोग को जारी रखेगा।

7. **गोद लिए गए गांव** – गणित एवं संख्यिकी विभाग द्वारा धोधड़ा एवं केवटहिया गांव को गोद लिया गया है।

   उद्देश्य – धोधड़ा एवं केवटहिया गांव के साथ विभाग का आत्मीय संबंध विकसित करना, उनसे सीखना, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा पर्यावरण, सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन–जागरण कर जागरूक करना।

8. **गोद लिए गए विद्यार्थी** – विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा 5 विद्यार्थी गोद लिया जाता है। इन विद्यार्थियों के

पठन–पाठन एवं आचरण व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी संबंधित शिक्षक की होती है।

उद्देश्य – विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

कार्यपद्धति – सत्र के आरम्भ में विभाग के शिक्षकों द्वारा अपनी–अपनी कक्षाओं से 5–5 विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। विद्यार्थियों को गोद लेते समय यह ध्यान रखा जाता है कि इसमें विद्यार्थी या तो राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्य हो या छात्रवास में रह रहे हो या कक्षा प्रतिनिधि हो।

शिक्षक	गोद लिए गये छात्र
1. श्रीकान्त मणि त्रिपाठी	1. आशीष शर्मा (बी.एस–सी. तृतीय भाग) 2. श्वेता राय (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 3. अमरेश चौधरी (बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर) 4. अंकित मिश्रा (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 5. अनूप कुमार सिंह (बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर) 6. कृष्णा सिंह (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर)
2. श्री पप्पु गुप्ता	1. प्रिती सिंह (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 2. आशुतोष निष्ठाद (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 3. प्रेम निषाद (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 4. आशुतोष सिंह (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 5. कुसुम चौरसिया (बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर)
3. डॉ. अरूण राव	1. शनि वर्मा (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 2. नेहा शर्मा (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 3. कपीश कुमार सिंह (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 4. अनूप कुमार सिंह (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 5. आनन्द सिंह (बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर)
4. श्री काली शंकर पाण्डेय	1. अभिषेक गुप्ता (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 2. प्रांजल गुप्ता (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 3. हषिता यादव (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 4. मधु (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर) 5. हर्ष श्रीवास्तव (बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर)

9. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग में शिक्षकों के व्यक्तिगत विकास एवं उनके पठन–पाठन के तरीके में सुधार के लिए विभाग द्वार प्रतिवर्ष (सत्र) दो बार छात्रों से प्रतिपुष्टि प्रपत्र सितम्बर एवं अप्रैल माह में भरवाया जाता है। विभाग प्रभारी द्वारा इस प्रपत्र को सुरक्षित रखा जाता है, इस प्रपत्र को विभाग प्रभारी द्वारा पढ़ कर विभागीय शिक्षकों के व्यक्तित्व विकास एवं पठन–पाठन के तरीके में आवश्यकता अनुसार सुधार के सन्दर्भ में वार्तालाप किया जाता है।

10. **नि:शुल्क चिकित्सा केन्द्र** – महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् द्वारा संचालित गुरु गोरक्षनाथ हास्पिटल की सहायता

से महाविद्यालय परिसर में नि:शुल्क चिकित्सा केन्द्र का संचालन होता है। इस केन्द्र पर सप्ताह में दो दिन बुधवार एवं गुरुवार को चिकित्सक चिकित्सा केन्द्र पर बैठते हैं। इस केन्द्र पर महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं, शिक्षक, कर्मचारियों को उपचारात्मक सलाह व दवाईयाँ दी जाती है तथा महाविद्यालय के आस-पास के ग्राम वासियों को भी उपचारात्मक सलाह व दवाईयाँ दी जाती है।

विभाग अपने कक्षा में छात्र-छात्राओं को नि:शुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में जागरूक करता रहता है कि यदि आप लोगो को स्वास्थ्य से सम्बन्धित कोई भी समस्या हो तो आप इस चिकित्सा केन्द्र पर अवश्य सम्पर्क करे, तथा आप अपने घर के आस-पास के गरीब एवं आर्थिक कमजोर वर्ग के लोगों को भी इस निशुल्क चिकित्सा केन्द्र के बारे में बताऐं जिससे कि वो इस चिकित्सा केन्द्र का लाभ ले सकें।

11. **वेबसाइट, फेसबुक** - महाविद्यालय प्रशासन अपने सूचनाओं को छात्र-छात्राओं तक पहुँचाने के लिए प्रतिदिन महाविद्यालय प्रशासन अपनी वेबसाइट को अद्यतन करता रहता है तथा फेसबुक पर भी सूचनाओं को अद्यतन करता रहता है। विभाग अपनी सूचनाएं एवं विभागीय कार्यक्रम (विशेष व्याख्यान, कार्यशाला) की सूचना एवं कार्यक्रम की जानकारी छात्र-छात्राओं तक पहुचाने के लिए महाविद्यालय के वेबसाइट एवं फेसबुक का उपयोग करता है।

12. **पुस्तकालय** - विभाग अपने स्तर पर एक पुस्तकालय का गठन किया है। जिसमें यदि किसी छात्र को पुस्तक की आवश्यकता होती है तो विभाग उस छात्र का नाम, आई.डी. नोट करके पुस्तक दे देता है। वह पुस्तक छात्र को तीन दिन के अन्दर विभाग को वापस करना होता है। महाविद्यालय प्रशासन द्वारा केन्द्रिय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। विभाग के शिक्षक प्रतिदिन पुस्तकालय में एक घण्टी बैठे, विभाग अपने स्तर पर ये सुनिश्चित करता है।

13. **नैक** - विभाग नैक को सहयोग करता है नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी द्वारा समय-समय पर माँगे गये सभी प्रपत्रों को विभाग तय समय-सीमा से पहले नैक प्रभारी एवं आई.क्यू.ए.सी. प्रभारी को उपलब्ध करा देता है।

14. **विभागीय दायित्व विभाजन** - विभाग में सभी शिक्षक अपने दायित्वो का निर्वहन जिम्मेदारी के साथ करते है। विभाग द्वारा सत्र 2022-23 में निम्न दायित्व विभाग के निम्न शिक्षकों को दिया गया हैं।
    1. कक्षा संचालन, पठन-पाठन, पाठ्यक्रम योजना को शत प्रतिशत लागू कराना, विभागीय कार्यक्रम, गोद लिए ग्राम शिक्षक प्रतिपुष्ठ प्रपत्र - श्रीकान्त मणि त्रिपाठी
    2. कक्षाध्यापन का रिकार्ड रखना, प्रगति आख्या, नैक एवं आई.क्यू.ए.सी. सम्बन्धित प्रपत्र, विभागीय शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र रख रखाव - डॉ. अरूण राव
    3. विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा प्रश्न पत्र, विभागीय पुस्तकालय, पुस्तकों की सूची जनरलस की सूची - श्री काली शंकर पाण्डेय
    4. प्रगति आख्या, विभागीय पूर्व विद्यार्थी, मासिक मूल्यांकन रिकार्ड - श्री पप्पु कुमार गुप्ता

15. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** - परिसर अनुशासन में विभाग के शिक्षक अनुशासन मण्डल का सहयोग करते है। विभाग के शिक्षक ये सुनिश्चित करते है। वे महाविद्यालय परिसर में जहाँ पर भी हो वहाँ पर अनुशासन बनाये रखे। विभाग अपने अगल-बगल कमरों के आस-पास एवं गलियारें में अनुशासन के प्रति जबाब देह है। विभागीय स्तर पर इसे सुनिश्चित किया गया है।

16. **शिक्षण विधियाँ–**

1. **व्याख्यान-विधि–** विभागीय शिक्षकों द्वारा इस विधि ने व्याख्यान के माध्यम से विषय वस्तु को छात्र-छात्राओं के समक्ष रखा जाता है।
2. **पॉवर प्वांइट प्रस्तुतीकरण–** विभागीय शिक्षकों द्वारा इस विधि का प्रयोग गणितीय ज्यामिति एवं गणित विषय के जटिल प्रश्नों को आसानी से छात्रों को समझाने के लिए उपयोग में लाया जाता है।
3. **प्रोजेक्ट विधि–** विभाग द्वारा इस विधि का प्रयोग स्नातक अन्तिम वर्ष में किया जाता है। इस विधि में छात्र अपने गणित विषय के पाँच प्रश्न–पत्रों में से प्रत्येक प्रश्न पत्र से दो अति महत्वूपर्ण प्रश्न को लिखते है तथा उसका मूल्यांकन विभागीय शिक्षकों से करते है।

17. **शिक्षक आचार संहिता में विभाग की भूमिका–** शिक्षक आचार संहिता सत्र 2022–2023 हेतु महाविद्यालय प्रशासन द्वारा सर्वसम्मति से अद्यतन की गयी है। विभागीय शिक्षक, महाविद्यालय प्रशासन द्वारा अद्यतन शिक्षक आचार संहिता का यथा संभव शत: प्रतिशत पालन करेगें।

18. **प्रार्थना सभा में विभाग की भूमिका–** महाविद्यालय के दिनचर्या की शुरूआत प्रार्थना सभा से होती है। जिसमें सोमवार से शुक्रवार तक राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, ईशवन्दना, सरस्वती वन्दना और साथ में महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान होता है। प्रार्थना सभा का समय प्रतिदिन 09.20 से 09.40 तक होता है। शनिवार के दिन प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। विभागीय शिक्षक प्रतिदिन प्रार्थना सभा में उपस्थित रहते है तथा विभाग अपने छात्रों को प्रेरित करता है कि वे प्रार्थना सभा में समय से उपस्थित रहे।

वनस्पति विज्ञान

1. **प्रार्थना सभा** – विभाग के शिक्षक दैनिक दिनचर्चा का प्रारम्भ एक अगस्त से प्रत्येककार्य दिवस को प्रात: 09:20 बजे से क्रमश: राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं प्रार्थना के साथ पूर्व की भाँति करेंगे। प्रार्थना सभा में श्रीमद्‌भगवत गीता के श्लोकों के वाचन एवं विशेष दिवस होने वाले उद्‌बोधन में प्रतिभाग करेंगे यथा ओजोन संरक्षण दिवस (16 सितम्बर, 2022)।
2. **पाठ्‌यक्रम योजना** – विषय के पाठ्‌य को तिथिवार शिक्षक के नाम, व्याख्यान संख्या, प्रश्नपत्र एवं शीर्षक को सत्रारम्भ के पहले तैयार कर महाविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाता है। इसका पूर्णत: पालन किया जाता है जिससे पाठ्‌यक्रम समय से पूर्ण हो जाता है। विद्यार्थियों को पहले से पता होता है कि किस दिन किस शिक्षक के द्वारा किस पाठ्‌य को पढ़ाया जायेगा जिससे वे कक्षा में तैयार होकर आयेगें।

   सत्र 2022–23 हेतु सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सम्पूर्ण पाठ्‌यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्‌यक्रम योजना को अद्यतन उद्धृत कर दिया गया है।
3. **वनस्पति विज्ञान सैद्धान्तिक कक्षाएँ प्रारम्भ**

   स्नातक प्रथम वर्ष – प्रथम सेमेस्टर – 01 अगस्त 2022

   स्नातक द्वितीय वर्ष – तृतीय सेमेस्टर एवं तृतीय वर्ष – 08 जुलाई, 2022

   प्रायोगिक कक्षाएँ (स्नातक प्रथम सेमेस्टर, तृतीय सेमेस्टर एवं स्नातक तृतीय वर्ष) – 16 अगस्त, 2022
4. आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत 29 जुलाई को खाद्य संरक्षण पर विभाग द्वारा व्याख्यान एवं वाद विवाद

प्रतियोगिता का आयोजन

5. ग्राम्य-दर्शन कार्यक्रम सत्र में चार (अवकाश के दिन) बार निम्नवत प्रस्तावित है:
प्रथम - 07 अगस्त 2022 द्वितीय - 09 अक्टूबर 2022
तृतीय - 05 फरवरी 2023 चतुर्थ - 07 मई 2023

6. **कक्षाध्यापन** - एक सप्ताह में पढ़ाये गये विषय-वस्तु से सम्बन्धित किसी एक प्रकरण पर विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है जिससे विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति, चिन्तनशीलता, संवाद-कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत विकास होता है। शिक्षक विद्यार्थियों का मूल्यांकन करते हैं, ग्रेड देते हैं एवं प्रगति-आख्या में दर्ज करते हैं। एक कक्षाध्यापन के समय ही अगले कक्षाध्यापन हेतु विद्यार्थियों के नाम एवं उनसे पूछकर पाठ्यक्रम आवंटित कर दिया जाता है।

कक्षा	कक्षाध्यापन							
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.एस.-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	6	5, 19	13	–	NA	NA	NA
बी.एस.-सी. तृतीय सेमेस्टर	13,20,27	4,13	3,13,22	12	NA	NA	–	–
बी.एस.-सी. तृतीय वर्ष	13,20,27	4,13,22	6,16,23	11	23	7,15	4,11,19	8,15

7. **मासिक मूल्यांकन** - विद्यार्थियों में व्यवहारगत परिवर्तन को जानने हेतु प्रत्येक माह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से विश्वविद्यालयीय सैद्धान्तिक परीक्षा के प्रारूप पर प्रश्न देकर लिखित परीक्षा कराया जायेगा, उसे मूल्यांकित किया जायेगा एवं उसे प्रगति आख्या में दर्ज किया जायेगा। इसके आधर पर चयनित कमजोर एवं कुशाग्र विद्यार्थियों का उपचारात्मक कक्षा पर विशेष ध्यान दिया जायेगा।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन							
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.एस.-सी. प्रथम वर्ष, प्रथम सेमेस्टर	NA	29	28	NA	–	NA	NA	NA
बी.एस.-सी. द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर	NA	29	29	19	NA	NA	NA	NA
बी.एस.-सी. तृतीय वर्ष	NA	29	29	18	–	NA	28	NA

8. **प्रगति-आख्या** - प्रगति-आख्या में कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण-व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इससे विद्यार्थियों के गुण योग्यता का परिमाणात्मक आकलन कर दर्ज किया जाता है एवं इसका विश्लेषण हर माह करके प्राचार्य जी से हस्ताक्षरित करा लिया जायेगा।

9. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - यह प्रपत्र विभाग के शिक्षक द्वारा स्वयं द्वारा निर्मित योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक स्वमूल्यांकन कर प्रत्येक माह की 8 तारीख तक कार्यालय में जमा कर दिया जायेगा अथवा वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जायेगा।

10. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - यह प्रपत्र विभाग के प्रत्येक शिक्षक अपने व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन में सुधार हेतु

छात्रों द्वारा सत्र में दो बार यथा- जनवरी एवं फरवरी माह में विद्यार्थियों द्वारा अपनी-अपनी प्रतिपुष्टि प्राप्त किया जायेगा, सुधार किया जायेगा एवं वेबसाइट पर अपलोड किया जायेगा।

11. **शिक्षण विधियाँ** - वनस्पतिविज्ञान विभाग में दोनों शिक्षकों द्वारा निम्न शिक्षण विधियाँ अपनायी जाती हैं-

1. **व्याख्यान विधि** - इस विधि के अन्तर्गत शिक्षक विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं तार्किक रूप से विषय-वस्तु प्रकटन हेतु इस विधि का प्रयोग करते हैं और इस वर्ष भी करेंगे। इसके लिए श्यामपट्ट पर चित्र बनाकर, विषय-वस्तु पर बने चार्ट एवं मॉडल की सहायता से तथ्यों को समझाया जायेगा।
2. **पावर प्वाइण्ट प्रस्तुतीकरण** - पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरण पर शिक्षक द्वारा तैयार पी.पी.टी. प्रस्तुत कर व्याख्या की जायेगी। इस कार्य हेतु प्रोजेक्टर युक्त कक्षा का उपयोग किया जायेगा।
   वनस्पति विज्ञान प्रयोगशाला एवं विक्रम साराभाई कक्ष में प्रोजेक्टर लगा हुआ है। जहाँ प्रोजेक्टर की सुविधा नहीं होती है वहाँ महाविद्यालय के मोबाइल प्रोजेक्टर का इस्तेमाल किया जायेगा।
3. **प्रश्नोत्तर विधि** - कक्षा-शिक्षण के दौरान विभागीय शिक्षक के द्वारा छात्रों की पूर्ण सक्रिय सहभागिता प्रश्नोत्तर तकनीकी द्वारा कराकर शिक्षण-प्रक्रिया को बोधगम्य, प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण बनाया जाता है।
4. **कर के सीखना** - विभागीय शिक्षक पाठ्यक्रम पढ़ाने के साथ ही सम्बन्धित प्रायोगिक कार्य विद्यार्थियों से पूरा कराकर यह सुनिश्चित करेंगे कि विद्यार्थी पाठ को अच्छी तरह से समझ सकें एवं उनमें रुचि जाग्रत हो।

12. **विभागीय कार्यक्रम**

1. **पोस्टर प्रतियोगिता (16.09.2022)** - पाठ्यक्रम के अलग-अलग पाठ अलग-अलग विद्यार्थियों में आवंटित कर एक प्रतियोगिता आयोजित करायी जायेगी जिसमें विद्यार्थी स्वस्थ प्रतिस्पर्धात्मक तरीके से निर्धारित पाठ्यविषय पर पोस्टर बनाएँगे एवं उसकी व्याख्या भी करेंगे। इन विद्यार्थियों को विभाग द्वारा प्रमाण-पत्र भी दिया जायेगा।
2. **विज्ञान प्रदर्शनी (28.02.2023)** - अलग-अलग पाठ्यविषय पर विद्यार्थियों में मॉडल एवं क्रियात्मक मॉडल आवंटित किया जाता है जिसका निर्माण विद्यार्थियों द्वारा कराया जायेगा एवं वे उसकी व्याख्या भी करेंगे। प्रतिभागियों को विभाग प्रमाण-पत्र प्रदान करेगा।
3. **शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता (22.09.2022)** - विद्यार्थियों को अलग-अलग पाठ्यविषय आवंटित किया जायेगा जिस पर पावर प्वाइण्ट बनाकर वे पाठ को समझाने का प्रयास करेंगे। शिक्षक उनका मूल्यांकन करेंगे। प्राचार्य या उपप्राचार्य पर्यवेक्षक होंगे एवं विभाग प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र जारी करेगा।
4. **ग्राम्य-भ्रमण** - विभाग को आवंटित ग्राम- शेखवानिया में शिक्षक एवं विद्यार्थी भ्रमण करेंगे तथा एकपृष्ठीय प्रश्नों के आधार पर पाठ के अनुप्रयोग वाले विषयों पर सर्वेक्षण कर ज्ञानार्जन करेंगे।
   ग्राम्य-दर्शन कार्यक्रम सत्र में चार (अवकाश के दिन) बार निम्नवत प्रस्तावित है:
   प्रथम - 07 अगस्त 2022 द्वितीय - 09 अक्टूबर 2022
   तृतीय - 05 फरवरी 2023 चतुर्थ - 07 मई 2023
5. **सरस्वती भ्रमण** - आसपास के गाँवों में शिक्षक एवं विद्यार्थी जायेंगे एवं अपने पाठ्यविषय से सम्बन्धित पाठों को उनके वासस्थान एवं प्राकृतिक स्वरूप में अध्ययन करेंगे, उपयोगी सामग्रियों को

एकत्रित करेंगे, हरबेरियम बनायेंगे एवं चीजों को पहचानना सीखेंगे।

सरस्वती भ्रमण हेतु कक्षा एवं दिवस -

बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर - 07 नवम्बर, 2022

बी.एस-सी. द्वितीय, तृतीय सेमेस्टर - 24 अगस्त, 2022

बी.एस-सी. तृतीय - 29 दिसम्बर, 2022, 07 जनवरी, 2023

6. **सम्भावित अतिथि**
   1. डॉ. शोभित श्रीवास्तव, सहायक आचार्य, वनस्पति विज्ञान विभाग, एशियन इन्टरनेशनल विश्वविद्यालय, सैमसंग, इम्फाल, मणिपुर।
   2. डॉ. संदीप सिंह, वरिष्ठ वैज्ञानिक, गुरु गोरक्षनाथ कृषि विज्ञान केन्द्र, पीपीगंज, गोरखपुर
   3. डॉ. सी.ओ. सैमुअल, वनस्पति विज्ञान, सेण्ट एण्ड्रयूज कॉलेज, गोरखपुर
   4. डॉ. नीरज श्रीवास्तव, वनस्पति विज्ञान विभाग, सेण्ट एण्ड्रयूज कालेज, गोरखपुर
   5. डॉ. के. सुनीता, वनस्पति विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

7. **वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित विशिष्ट व्याख्यानः**

डिजिटल टैक्सोनॉमी (ई-फ्लोरा) - 07.09.2022

डाटा इंट्रो एवं डाइग्राम - 23.09.2022

8. **वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम :** वर्तमान सत्र 2022-23 में निम्नवत हैं-

पोस्टर प्रतियोगिता - 16.09.2022

शोध-व्याख्यान प्रतियोगिता - 22.09.2022

विज्ञान प्रदर्शनी - 28.02.2023

9. **गोद लिये विद्यार्थी** - विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थी गोद लिया जाता है जिसके अन्तर्गत शिक्षक - गोद लिये विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करते हैं। उनके आचरण व्यवहार, उनके पढ़ाई एवं उनके समस्याओं के निराकरण का प्रयास इस सत्र में भी पूर्व की तरह करेंगे।

शिक्षक	गोद लिये विद्यार्थी			
	क्र.सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	आई.डी.
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव (नामांकन पश्चात प्रथम सेमेस्टर से दो विद्यार्थी लिय जायेंगे।)	1.	वैष्णवी पाण्डेय	बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष	BSCMPPGBY210001
	2.	शिल्पी गौड़	बी.एस-सी. तृतीय वर्ष	BSC2020210010
	3.	ऋषिकान्त विश्वकर्मा	बी.एस-सी. तृतीय वर्ष	BSC2020210033
	4.	स्नेहिल सिंह	बी.एस-सी. प्रथम वर्ष	BSCMPPGBBY220014
	5.	मोहन चौरसिया	बी.एस-सी. प्रथम वर्ष	BSCMPPGBBY220044
डॉ. अखिलेश कुमार गुप्ता	1.	पूजा राय	बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष	BSCMPPGBY210003
	2.	अनूप चौहान	बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष	BSCMPPGBY210005

	3.	प्रिया प्रजापति	बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष	BSCMPPGBY210009
	4.	हर्षिता कुमारी	बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष	BSCMPPGBY210019
	5.	पवन कुमार साहनी	बी.एस-सी. द्वितीय वर्ष	BSCMPPGBY210041

10. **गोद लिये गाँव** - वनस्पति विज्ञान विभाग द्वारा शेखवानिया गाँव गोद लिया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों के साथ ग्राम भ्रमण कर विभिन्न समसामयिक सामाजिक मुद्दों पर एक पृष्ठीय प्रश्नों द्वारा सर्वेक्षण एवं जागरुक बनाना है। इस सत्र भी पूर्व की भाँति चार अवकाश के दिन शिक्षक-विद्यार्थी साथ जायेगें एवं सर्वेक्षण तथा जागरुक बनाने का कार्य करेंगे। इसकी तिथियाँ 07 अगस्त 2022, 09 अक्टूबर 2022, 05 फरवरी, 2023 तथा 07 मई 2023 प्रस्तावित है।
11. **शिक्षक ब्लाग** - महाविद्यालय के वेबसाइट पर विभाग के शिक्षक का अपना-अपना ब्लाग है जिसपर शिक्षक द्वारा पढ़ाये जाने वाले प्रश्न पत्रों के टॉपिक का पावर प्वाइन्ट प्रस्तुतिकरण दर्ज है जहाँ से विद्यार्थी देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकते हैं। सत्र 2022-23 में इसे सी.बी.सी.एस पाठ्यक्रम के अनुरूप अद्यतन किया जायेगा। शिक्षक इसके द्वारा विद्यार्थियों को पाठ्य सामग्री उपलग्ध कराते हैं।
13. **पाठ्य सारांश** - विभाग के शिक्षक द्वारा कक्षाध्यापन के एक पृष्ठिय सारांश को अपने ब्लाग पर अपलोड करेंगे जिसे विद्यार्थी देख, पढ़ एवं डाउनलोड कर सकेंगे। सारांश में पाठ्य के मुख्य बिन्दू समावेषित रहेंगे।
14. **विभागीय पुस्तकालय** - विभिन्न प्रकाज़कों द्वारा आवंटित स्पेसिमेन पुस्तक विभाग में रखे गये है जिसे दैनिक आधार पर विद्यार्थियों को जारी किया जाता। इसके अलावें केन्द्रिय पुस्तकालय के वनस्पति विज्ञान के पुस्तकों की सूची विभाग में विद्यार्थियों को देखने के लिए उपलब्ध है।
15. **वनस्पति विज्ञान पाठ्यक्रम पूर्ण** - स्नातक सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक एवं तृतीय सेमेस्टर 15 नवम्बर, 2022 तक पूर्ण तथा स्नातक तृतीय वर्ष का 15 फरवरी, 2023 तक पूर्ण कर लिया जाएगा।
16. **विभागीय प्रायोगिक परीक्षा** - विश्वविद्यालयीय सैद्धान्तिक परीक्षा के पूर्व करा लिया जायेगा।
17. **उपचारात्मक कक्षाएँ** - 7 एवं 9 नवम्बर, 2022 प्रथम सेमेस्टर
    14 एवं 15 नवम्बर, 2022 तृतीय सेमेस्टर
    11 एवं 15 फरवरी, 2023 बी.एस-सी. तृतीय

विभाग के दोनो शिक्षकों द्वारा शोध पत्र प्रकाशित करवाना।

रसायन विज्ञान विभाग

1. **प्रार्थना सभा** - महाविद्यालय की दिनचर्या का प्रारम्भ प्रार्थना सभा से शुरू होता है। प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से शुरू होने वाली प्रार्थना सभा में प्रत्येक कार्य दिवस को प्रातः 09:20 बजे से क्रमशः राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ होती है। तिथि विशेष पर यदि किसी महापुरुष की जयन्ती/पुण्यतिथि/स्मृति दिवस होती है, तो उसके सन्दर्भ में उद्बोधन होता है। शेष दिवसों पर श्रीमदभगवत गीता के श्लोकों का अनुवाद सहित वाचन होता है। प्रार्थना सभा में रसायन विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक सम्मिलित होते हैं, तथा अपने विद्यार्थियों को इसमें सम्मिलित होने हेतु प्रेरित करते हैं
2. **पाठ्यक्रम योजना** - सत्र के प्रारम्भ में ही विभाग द्वारा स्नातक व स्नातकोत्तर की सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक

पाठ्यक्रम योजना की सॉफ्ट कॉपी तैयार करके महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड करा दिया जाता है। पाठ्यक्रम योजना की हार्ड कॉपी विभाग में सुरक्षित रखा जाता है। विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित स्नातक तथा स्नातकोत्तर के अद्यतन पाठ्यक्रम की हार्ड कॉपी भी विभाग में सुरक्षित रखा गया है

3. **कक्षा संचालन** – महाविद्यालय द्वारा निर्धारित समय सारणी के अनुसार स्नातक तथा स्नातकोत्तर रसायन विज्ञान की कक्षाएं संचालित की जाती हैं

   * बी. एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 08 जुलाई, 2022
   * बी. एस-सी. भाग-तीन की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 08 जुलाई, 2022
   * एम. एस-सी. तृतीय सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 08 जुलाई, 2022
   * बी. एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 01 अगस्त, 2022
   * एम. एस-सी. प्रथम सेमेस्टर की सैद्धान्तिक कक्षाएं प्रारम्भ – 01 अगस्त, 2022
   * प्रायोगिक कक्षाएं प्रारम्भ – 16 अगस्त, 2022

4. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन–**

   प्रत्येक सप्ताह में पढ़ाये गए पाठ्यक्रम से सम्बन्धित टॉपिक पर पूर्व निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है, जिससे विद्यार्थियों की चिन्तनशीलता, अभिव्यक्ति, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का उत्तरोत्तर विकास होता है। इस सत्र (2022-23) की कक्षाध्यापन तिथियाँ कक्षावार निम्नवत हैं –

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि					
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	–	11	13	–	03	–	–
बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	14, 21	05,16	03,13,22	11	02	–	–
बी.एस-सी. भाग-तीन	14,20	05,16	03,13,22	11	02,11,18	01	02,09,13,20
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	–	08,19	06,16	01,13	05	–	–
एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	14,21	05,16	03,13,22	11	02	–	–
	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई			
बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	11, 20	11, 21	6	16			
बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	11, 20	11, 21	6	16			
एम.एस-सी द्वितीय सेमेस्टर	11, 20	11, 21	6	16			
एम.एस-सी चतुर्थ सेमेस्टर	11, 20	11, 21	6	16			

5. **मासिक मूल्यांकन–**

   प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले सम्भावित प्रश्नों के आधार पर विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन होता है। इससे विद्यार्थियों में पाठ्यक्रम के प्रति रूचि, ग्राह्यता एवं दक्षता का पता चलता है। इस सत्र में होने वाले मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ कक्षावार निम्नवत हैं–

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	–	25	26	17	15	–	–
बी.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	28	24	29	18	11	–	–
बी.एस-सी. भाग-तीन	28	24	29	18	28	09	28
एम.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	–	26	24	20	14	–	–
एम.एस-सी. तृतीय सेमेस्टर	28	24	29	18	11	–	–
	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई			
बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	27	28	–	23			
बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	27	28	–	23			
बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	27	28	–	23			
बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	27	28	–	23			

6. **प्रगति आख्या** - इसके अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा के विद्यार्थियों की मासिक प्रगति रिपोर्ट भरी जाती है, जिससे विद्यार्थियों की कक्षा में उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन में प्राप्त अंक, कक्षाध्यापन में उपस्थिति आदि विवरण ऑनलाइन/ऑफलाइन भरा जाता है। वर्तमान सत्र में भी यह योजना यथावत लागू रहेगी।
7. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - यह महाविद्यालय के शिक्षकों के स्वमूल्यांकन की विशेष तकनीकी है, जिसमें शिक्षकों द्वारा प्रत्येक माह की 10 तारीख तक पिछले माह का स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा जाता है। इस प्रपत्र में शिक्षकों द्वारा तैयार की गयी योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, दायित्व, आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। वर्तमान सत्र में भी यह योजना लागू रहेगी।
8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - यह महाविद्यालय की महत्वपूर्ण योजनाओं में से एक है, जो महाविद्यालय की स्थापना काल से ही लागू है। इसके अन्तर्गत प्रत्येक सत्र में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। प्रपत्र में प्राप्त फीडबैक (सुझावों/कमियों) को जानकर विभाग के शिक्षक आवश्यकतानुसार सुधार करने का प्रयास करते हैं।
9. **स्वैक्षिक श्रमदान** - यह हमारे महाविद्यालय का अभिन्न एवं महत्वपूर्ण हिस्सा है, जिसमें प्राचार्य, शिक्षक एवं विद्यार्थी स्वैक्षिक रूप से श्रमदान करते हैं। यह कार्यक्रम प्रत्येक शनिवार को मध्यावकास स्थगित करके, पठन-पाठन को अप्रभावित रखते हुये किया जाता है। इसके अन्तर्गत राष्ट्रीय सेवा योजना द्वारा चयनित स्थानों पर निर्धारित सहयोगियों के साथ साफ-सफाई का कार्य किया जाता है। रसायन विज्ञान विभाग के कुछ शिक्षक व विद्यार्थी इसमें अपनी सक्रिय सहभागिता करते हैं। यह योजना वर्तमान सत्र में भी यथावत लागू रहेगी।
10. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा** - महविद्यालय के स्थापना काल से ही पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पष्ठचात् फरवरी माह में विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न कराई जाती है। विभाग के शिक्षकों द्वारा विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है तथा उत्तर पुस्तिकाओं का मूल्यांकन किया जाता है और मूल्यांकित उत्तर पुस्तिकाएं विद्यार्थियों को दिखायी जाती हैं। पिछले सत्र में कोविड-19 के कारण विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा

आयोजित नहीं की जा सकी, परन्तु इसके महत्वपूर्ण प्रश्न विद्यार्थियों को उपलब्ध कराये गये।

11. **रिमेडियल (उपचारात्मक) कक्षाएं**- पाठ्यक्रम पूर्ण होने के पष्ठचात् रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा उपचारात्मक कक्षाएं चलायी जाती हैं, जिसमें परीक्षा के महत्वपूर्ण प्रश्नों के सम्बन्ध में विस्तृत चर्चा की जाती है तथा विद्यार्थियों को सही व सटीक उत्तर लिखने के लिए समझाया जाता है।

12. **कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप** - रसायन विज्ञान विभाग द्वारा प्रत्येक कक्षा का अलग-अलग कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप बनाया गया है, जिसका उपयोग ऑनलाइन कक्षा पढ़ाने के लिए लिंक भेजने हेतु तथा महाविद्यालय व विभाग की आवश्यक सूचनाएं विद्यार्थियों तक पहुँचाने हेतु किया जाता है। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

13. **विभागीय पुस्तकालय**- महाविद्यालय की केन्द्रीय पुस्तकालय के अतिरिक्त रसायन विज्ञान विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय की सुविधा उपलब्ध है। इसमें विभाग के शिक्षकों के साथ-साथ विद्यार्थियों को भी पुस्तक पढ़ने की सुविधा प्रदान की जाती है।

14. **विभागीय बैठक** - विगत सत्र से प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में विभागीय शिक्षकों की मासिक बैठक की योजना बनाई गयी है। इस बैठक में विभागाधयक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक माह किये गये पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले माह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु विचार विमर्श्ठ होता है। 29 अप्रैल, 2022 की बैठक में सर्वसम्मति से विभागीय शिक्षकों के दायित्व का निर्धारण किया गया।

15. **गोद लिए गये विद्यार्थी**- रसायन विज्ञान विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पाँच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। इसके अन्तर्गत शिक्षक अपने गोद लिये गये विद्यार्थियों के सम्पूर्ण व्यक्तित्व विकास का प्रयास करते हैं। रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास, पठन-पाठन एवं उनके समस्याओं के निराकरण का प्रयास इस सत्र में भी पूर्ववत जारी रहेगा।

विगत सत्र में रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षकों द्वारा गोद लिये गये विद्यार्थियों का विवरण निम्नवत है -

शिक्षक	गोद लिए गये विद्यार्थी	कक्षा	आई.डी.	मोबाईल नं.
डॉ. शिवकुमार बर्नवाल	1. आयुष नाथ तिवारी	बी.एस-सी. भाग-तीन	BSC2020210007	6299095694
	2. सुनिधि सिंह	बी.एस-सी. भाग-तीन	BSC2020210086	9140094696
	3. सुमन यादव	बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	MPPGBMS210028	9026114476
	4. अंशिका सिंह	बी.एस-सी. प्रथम सेमे.	MPPGBBY220052	9369330585
	5. पुष्पान्जलि कु. राय	एम.एस-सी. तृतीय सेमे.	MPGMGY210006	9336374249
डॉ. राम सहाय	1. राजेश यादव	बी.एस-सी. भाग-तीन	BSC2020210128	8090812390
	2. राजलक्ष्मी गोयल	बी.एस-सी. भाग-तीन	BSC2020210099	9455869987
	3. विपिन रौनियार	बी.एस-सी. भाग-तीन	BSC2020210096	7237935220
	4. शिवम कुमार	बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	MPPGBMS210008	9935542873
	5. अर्चना यादव	बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	MPPGBMS210020	9651432204
	6. साक्षी गुप्ता	बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	MPPGBMS210018	9793150988

श्रीमती प्रियंका मिश्रा	1. अंकित निषाद	बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	MPPGBMS210036	9519064351
	2. प्रिती यादव	बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	MPPGBMS210002	6392040597
	3. सीमा गौतम	बी.एस-सी. द्वितीय सेमे.	MPPGBBY220079	9696419013
	4. पल्लवी मिश्रा	बी.एस-सी. द्वितीय सेमे.	MPPGBBY220106	7985775282
	5. कंचन सिंह	बी.एस-सी. द्वितीय सेमे.	MPPGBBY220018	8417047381
श्रीमती दिव्या दूबे	1. अभिजीतमणि उपाध्याय	बी.एस-सी.द्वितीय सेमे.	MPPGBBY220070	7752972846
	2. मनसा चौहान	बी.एस-सी.द्वितीय सेमे.	MPPGBBY220074	6307194025
	3. अभिषेक कुमार	बी.एस-सी.द्वितीय सेमे.	MPPGBBY220029	738115229
	4. प्रदुम यादव	बी.एस-सी.द्वितीय सेमे.	MPPGBBY220020	6394215488
	5. रूपमती निषाद	बी.एस-सी.द्वितीय सेमे.	MPPGBBY220017	8726752041

16. **गोद लिया गया गाँव** - रसायन विज्ञान विभाग द्वारा रामपुर गाँव गोद लिया गया है। इसका उद्देश्य शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता तथा विभिन्न सरकारी योजनाओं के प्रति गाँव के लोगों को जागरूक करना है। इस सत्र में भी पूर्व की भांति रसायन विज्ञान विभाग के शिक्षक, विद्यार्थियों के साथ गोद लिये गये रामपुर गाँव के भ्रमण पर जायेंगे तथा जनजागरूकता का कार्य करेंगे। इस सत्र में गांव भ्रमण की प्रस्तावित तिथियां निम्न है-

07 अगस्त, 2022   09 अक्टूबर, 2022
12 फरवरी, 2023   07 मई, 2023

17. **प्रस्तावित विभागीय कार्यक्रम-**

क्रमांक	कार्यक्रम का नाम	तिथि	संयोजक
1	ग्राम्य दर्शन	07 अगस्त, 2022	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
2	विशिष्ट व्याख्यान	13 अगस्त, 2022	डॉ. रामसहाय
3	विशिष्ट व्याख्यान	21 सितम्बर, 2022	डॉ. राम सहाय
4	विशिष्ट व्याख्यान	29 सितम्बर, 2022	डॉ. शिव कुमार बर्नवाल
5	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातकोत्तर स्तर)	30 सितम्बर, 2022	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
6	ग्राम्य दर्शन	09 अक्टूबर, 2022	श्रीमती प्रियंका मिश्रा
7	विशिष्ट व्याख्यान	14 अक्टूबर, 2022	श्रीमती दिव्या दूबे
8	विशिष्ट व्याख्यान	03 नवम्बर, 2022	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
9	व्याख्यान प्रतियोगिता (स्नातक स्तर)	25 नवम्बर, 2022	डॉ. राम सहाय
10	विज्ञान प्रदर्शनी	30 जनवरी, 2023	श्रीमती प्रियंका मिश्रा
11	ग्राम्य दर्शन	12 फरवरी, 2023	डॉ. शिवकुमार बर्नवाल
12	विशिष्ट व्याख्यान	14 फरवरी, 2023	डॉ. राम सहाय
13	विज्ञान क्विज (राष्ट्रीय विज्ञान दिवस)	28 फरवरी, 2023	डॉ. मनीष त्रिपाठी
14	ग्राम्य दर्शन	07 मई, 2023	श्रीमती दिव्या दूबे

विशिष्ट व्याख्याताओं की सूची:-

1.	प्रो. सुधा यादव	अध्यक्ष, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2.	डॉ. एच.सी. गुप्ता	उपाचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
3	डॉ. आलोक श्रीवास्तव	आचार्य, रसायन विज्ञान, महात्मा गांधी पी.जी. कालेज, गोरखपुर
4.	डॉ. मो. राशिद तनवीर	उपाचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, सेंट एंड्रयूज कालेज, गोरखपुर
5.	डॉ. नागेन्द्र नाथ यादव	सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, नेरिस्ट, ईटानगर, अरुणांचल प्रदेश
6.	डॉ. गीता सिंह	सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दी. द. उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
7	डॉ. सत्यनारायण	सहायक आचार्य, पर्यावरण विज्ञान विभाग, एम.एम.एम. यू.टी., गोरखपुर
8	डॉ. सन्तोष कुमार सिंह	सहायक आचार्य, रसायन विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय, राजकीय, सैदाबार, प्रयागराज

नोट :- कार्यकर्मो की तिथियों, विषय एवं अतिथि में परिस्थितिजन्य परिवर्तन सम्भव।

Physics Department - Annual Plan (2022-23)

1. **All classes through ICT based Education -** The department this year plans to cover all the Theory and Practical Classes based on university syllabus through ICT based Education. All the classes will be held through ICT based tools such as PPT, Lap top and Pend drives. The department will also show simulations of Practical's through Audio/Visual methods in Practical classes.

2. **Monthly Evaluation-** The department plans to take monthly evaluation of students in last week of every month starting from July for IIIrd Sem and IIIrd Year and from July for Ist Sem. The aim of monthly evaluation is to help the students grasp the concepts taught during the month and perform better in their final Examinations. The students are categorized according to their skill on the basis of monthly evaluation. They are then tutored accordingly so that their education may not hinder. Those who are weak learner are given attention to identify weak points and exercises are given them to remove the weakness. The total marks allotted for monthly evaluation is 35 which includes 30 marks for performance in test and 5 marks for behaviour of student in class.

   Schedule of Monthly Evaluation:-

CLASS	MONTHLY EVALUATION									
	Jul.	Aug.	Sept.	Oct.	Dec.	Jan.	Feb.	Mar.	April	May
B Sc I/II Sem	NA	29	30	29	–	–	28	31	–	27
B Sc III/IV Sem	NA	27	29	29	–	–	28	31	–	27
B Sc III	NA	27	27	30	25	14	25	05	–	–

3. **Cultivation fo Research Habit amnong Faculty and students -** The department this year plans to publish at least one research paper by each faculty. The department this year also plans to send department students and faculties in various SemiNArs and Presentations for their active participation.

4. **Pre declared Teaching Plans -** Teaching plans of each subject/paper are prepared, reviewed and fiNAlized date-wise keeping in view holidays and working days. The teaching plan is then uploaded on college website. Students will get teaching plan from the following website address.

S No	Class	Theory /Practical	Web address
1	B Sc I/II Sem	Theory	MPM_PathyaKramYojna_49581695.pdf
2	B Sc I/IISem (P)	Practical	MPM_PathyaKramYojna_00166284.pdf
3	B Sc III/IV Sem	Theory	MPM_PathyaKramYojna_73596458.pdf
4	B Sc III/IV Sem (P)	Practical	MPM_PathyaKramYojna_03425303.pdf
5	B Sc III	Theory	MPM_PathyaKramYojna_68635714.pdf
6	B Sc III	Practical	MPM_PathyaKramYojna_14185109.pdf

The main aim of pre declared Teaching plan is that the students be aware of what the concern faculty is going to teach in todays class. If he/she knows this thing, then they can come prepared for lecture and can get better understanding of subject. They also feel more confident while attending the lectures. The lecture of UG first year will start on 01st August and second and third year starts on 08th June in the current academic session.

5. **Remedial Classes for students -** The department will organize remedial classes after Pre-University Examinations in the month of Nov for Ist and IIIrd Sem and in February for IIIrd Year, with the aim of clearing doubts and difficulties of students and preparing them for final Examinations.

6. **Teachers Feedback Form (Sikshak Pratipushti Prapatra) -** The department plans to take feedback from students, two times in the current academic session. The feedback will be taken on prescribed format available on the website of the college. The first feedback will be taken in the month of September and second in the month of January. The Teachers feedback form is available at the following web address www. mpm.edu.in/Hindi/ShikshakPratiPusti.aspx

   The Teachers feedback form is part of our regular effort to maintain quality instruction. Our faculty Use responses to these questions to become better teachers.

7. **Use of ICT in teaching (PPT) -** The department this year plans to take all theory classes on projector only. The faculty members have already prepared their PPT's for teaching purpose which covers complete syllabus of the subject. Projectors are already installed in all classes as well as in the lab. To maintain an uninterrupted power supply during classes, an online generator is also being installed in the campus.

   The main aim and advantages of teaching through PPT are as follows:-

   i) Ease of Use For Students and Teachers
   ii) Facilitates Effective E-learning
   iii) Develops Confidence In Students
   iv) Promotes Interactive Study
   v) Development of In-depth Knowledge
   vi) Increased Attention Span Of Students

8. **Updating Teachers Blog-** The teachers blog contains PPT's, Video lectures and Research papers which are being prepared by teachers of department. The department plans to update the blog of teachers on college website so that maximum benefit of blog may be taken college students. The teachers blog helps the students in the following ways :-

   - Promotes autonomous learning by providing opportunities for students to take more control of their learning
   - Motivates students to become better readers and writers.
   - Promotes discussion among students.
   - Encourages the use of the Internet and the Web among students

   The current status of teachers blog are as follows

Current Blog status					
S.No.	Name of Faculty	Type of e content on college website	PPT	Video	Research Paper
1.	Abhishek verma		27+14+15 Total - 56	13	04
2.	Dr Shailendra Kumar Thakur		11	00	00

The students can access the blogs of teachers through the following web address

1. Blog of Abhishek verma **www.(mpm.edu.in)/Hindi/FacultyLectures.aspx?c=Lecture**
2. Blog of Dr S K Thakur **www.(mpm.edu.in)/Hindi/FacultyLectures.aspx?c=Lecture**

9. **Class Teaching by Students -** After every Vth class the students will be given chance to present their lecture in front of students of class. The main objective of this methodology of teaching is to make students self-confident and make them able to put their views in front of other people. At least 10 students take the class lectures on previously assigned topics.

Schedule of Class Teaching for students This Year

CLASS	CLASS TEACHING SCHEDULE								
	Jul.	Aug.	Sept.	Oct.	Jan.	Feb.	Mar.	Apr.	May
B Sc I/II Sem	NA	08,19,26	05,15,23	15,28	–	11,20, 27	11,21,28	06	16,23
B Sc III/IV Sem	14,21,28	04,11,22,30	10,20,27	8,15,29	–	10,20,27	11,21,28	06	16,27
B Sc III	20,28	12,21	06,13,29	01,30	16,15,25	02,13,20,27	05	–	–

The main aim of Class Teaching is to help students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

10. **Progress Report-** The monthly progress report of each student is prepared by the teacher, summarised by the department and is uploaded on the faculty login of college website so that any guardian can see the activities of his ward in the college. Such monthly reports collectively form the annual report of the student. These are aNAlysed as a parameter of successive qualitative development of the student and efforts for further development are tried to do. The main advantages of progress report are as follows

- Through Progress report, the faculties communicates the progress and performance of the students to help them know where they stand and make necessary improvement.
- The students as well their parents can check marks obtained, class attendance and class teaching done by their wards

The progress report of students can be seen on the following web address

www.mpm.edu.in Hindi/akhya.aspx

11. **Students Adoption by Faculties -** The faculty members of the department will adopt 5 students and look after their overall academic and personality development aspect of students. They will play the role of parents and help the students excel in moral as well professional field. Each teacher makes a complete record of all the adopted students which includes complete biodata, academic records, family background and photograph etc.

The main of this scheme is to develop a harmonious relation with the adopted student which in turns builds a confidence on teachers in students. It was also decided that an adopted student should also be either a member of NSS, a student representative or residing in college hostel. The reason behind this step is that the student must be simultaneously acted by these three to develop to their academic as well personality. Once adopted by a teacher he/she should remain adopted by same teacher till course completion.

Regular counselling session has been provided to the adopted students by concerned faculties. After this scheme is being implemented it is observed that most of the students who were adopted by concerned faculties have developed their personality to a considerable level.

Students currently Adopted by faculties

S No	Name of student	Mobile Number	Class	Adopted by
1	Aditya Prajapati	9161836458	B Sc III	Abhishek Verma
2	Suhani Singh	9653071171	B Sc III	Abhishek Verma
3	Soni Gupta	8381914548	B Sc III	Abhishek Verma
4	Sanjana	9621502457	B Sc II	Abhishek Verma

12. **Swachik Shramdaan-** Teachers and students participates (optional) in swachik shramdaan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that laborer's are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

    Apart from this, shramdaan provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness & benefits the body in so many ways.

13. **Visit to village** - Two Villages Bhagwanpur and Haripur were adopted by the department to uplift the Educational and Socio-Economic status of the villagers.

    The Department will organize camps/visits in these villages four times in year at these pre-determined dates.

    07 August, 2022   23 October, 2022

    26 Feburary, 2023   06 May, 2023

    All the faculty members along with adopted students will participate in the village visit program. The Department organizes the camps in the following broad areas to develop the village community:-

    - Education and literacy
    - Sanitation
    - Health
    - Village development Schemes of Government
    - Mid-day meal
    - Awareness about AIDS
    - Awareness about pure drinking water
    - Encephalitis and Japanese Fever

14 **Upgradation of Lab and IT facilities in department -** The department currently has the following Lab facilities for their students

- The department has 02 spacious laboratories with all necessary equipments, where 06 labs in three year degree course can be performed.
- The department has spacious classrooms fitted with LCD projectors to conduct PPT classes.
- The labs are performed in the areas of
    - General physics
    - Electronics
    - Electricity
    - Optics
    - Laser

  The department this year plans to expand the Lab area of Optics Lab keeping in view of the changed syllabus of University. The department this year plans to purchase new instruments in order to cover all practical's prescribed in university syllabus irrespective of minimum number of practical's prescribed by university. The department also plans to repair all the those instruments which are malfunctioning.

15 **Teaching Methods/Pedagogy-** The department faculties adopts following teaching methods while teaching the students:

- Pre-declared Teaching Plan: - Pre-prepared and pre-declared teaching-plan on website of the College.

The teaching plan of each subject is prepared and uploaded on the website prior to the commencement of classes. This makes the students aware what is going to be taught in class on that day. So he/she comes prepared for the lecture.

- *Abstract of Lecture :-* Lecture abstract is made available to each student of the class through teacher's blog. This helps the students in getting a better and clear understanding and command on the topic. The faculty is also benefitted through this method.
- *PPT presentation :-* The department encourages teachers to have maximum number of classes through Power Point slides.
- *Class Teaching by Students :-* The main aim of Class Teaching is to help students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and aNAlytical ability.
- *Monthly Evaluation :-* Monthly tests in each paper of each subject, evaluation, answers shown to students indicating their weakness and strength.
- *Group Discussion :-* Group work is an effective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.

16. **Guest Lectures-** Guest lectures help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lectures can be used to make classes more approachable and appealing to students.

S No	Date	Event	Topic	Guest Speaker
1.	01st Nov 2022	Special lecture	A pathway to limited energy resources: Fusion Energy	Dr. Shintoo Kumar, Physics Department, DDU Gorakhpur University Gorakhpur

17. **Workshop-** Workshops hold great importance in life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking.

S No	Date	Event	Topic	Participants
1.	15th Dec 2022	Workshop	IPR Awareness Mission	All the students of B Sc Physics
2	01st Nov 2022	Workshop	Basic Statistical Tools in Research and Data Analysis	All the students of B Sc Physics

18. **Competitions**

    1. **Poster making competition -** Poster making contest aims for the students to use their knowledge, understanding and awareness in creating their visuals (posters) to raise other students or people's knowledge, understanding and awareness about the significant theme, topic or question whenever and wherever they go.

S No	Date	Event	Topic	Participants
1.	27th February 2023	Poster Making	Current topics of Physics	All the students of B Sc Physics

19. **Value Added Course** - The department plans to offer one value added course of at least 30 hours duration during the current academic session. The dates and timing's will be decided after consultation with the expert.

20. **Lab Manuals -** The department faculties have already prepared B Sc I year Lab manual's. The lab manuals

of second year and third year will be prepared in the current academic year.

21. **Participation in Morning Prayer-** Morning Prayer is an integral part of our college culture. All the faculties and students, like previous years will participate in the morning prayers

22. **Participation in NSS/ Rover's rangers -** The college scheme's NSS and Rovers rangers are of great importance in overall personality development of the students.. They are also part of our collective personality development scheme. The department will encourage the students to take part in NSS and rover rangers.

23. **Sending data to UP government digital library -** The faculties of department have more then 100 e content on UP govt digital library in previous year. The department faculties the year will also send econtent to UP government digital library.

24. **Role and Responsibilities in college schemes -** The Respected Principal Sir in Annual planning meeting, after consultation with faculty members, distributes responsibilities to faculty members of all departments. The department faculties have been allotted following responsibilities in current session.

S No	Name of faculty member	Responsibility
1	Abhishek Verma	NAAC, IQAC and related work
2	Dr S K Thakur	....

The faculties of department willingly will give their best performance do the work assigned to them in stipulated time.

25. **Departmental Responsibilities**

Dr Shailendra Kumar Thakur	**Abhishek Verma**
• Preparation of Lesson Plans • Repair and Purchase. Of lab equipment's in association with Lab Assistant Satyam Ji. • Preparation and mainteNAnce of III year what'sapp group and passing all information to the group. • Progress report of IIIrd Sem and III year. • Conduction of Special lecture, Poster, Quiz competition and Workshop and report preparation. • Research and Development. • Village visit and report. • Laboratory Instruction preparation. • Media coverage of all departmental programs and its reporting in news papers.	• Preparation of Annual report of department. • Future Planning Report of department. • ICT infrastructure development. • E content development. • College You tube- video uploading. • Preparation and maintenance of I Sem and III Sem what's app group and Passing all information to the group. • Progress report of I Sem and III sem. • Updating of Blogs. • Preparation of Lab manuals. • Conduction of Special lecture, workshop and technical paper presentation and report preparation. • NAAC and IQAC information.

भूगोल विभाग

भूगोल विभाग की विभागीय योजना का निर्माण विद्यार्थियों की प्रगति–रिपोर्ट में दर्ज उपस्थिति, मासिक मूल्यांकन, कक्षाध्यापन, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा, विश्वविद्यालय परीक्षा के विवरण के साथ आचरण एवं व्यवहार का भी मूल्यांकन करके प्रगति–रिपोर्ट के आधार पर विद्यार्थियों की समीक्षा के पश्चात् उनके बारे में अपने प्रयत्नों की

रूपरेखा बनायी गयी है। व्याख्यान, संगोष्ठी, कार्यशाला, प्रतियोगिताएं इत्यादि की वार्षिक योजना, पाठ्यक्रम योजना को ध्यान में रख कर बनायी गयी है। आरम्भ से ही भूगोल विभाग का शैक्षणिक उद्देश्य सकारात्मक, विकासात्मक, सुरुचिपूर्ण, अभिनवगामी आदि विविध आयामों से परिपूर्ण रहा है। इन उद्देश्यों की पूर्णता हेतु विभाग के सभी शिक्षक प्रतिबद्ध है। भूगोल विभाग की कार्ययोजना का मर्म सदैव वास्तविकता के धरातल पर खरा उतरना है। कार्ययोजना केवल 'पन्नों पर नहीं वरन् धरातल पर' विभाग का धयेय है।

1. **विभागीय कार्य विभाजन** - 6, 7, 8 जून 2022 को विभागीय कार्यो का वर्तमान सत्र में कुज़लता पूर्वक संचालन सुनिश्चित करने के उद्देश्य से एक बैठक सम्पन्न हुई जिसमें सर्वसम्मति से विभागीय शिक्षकों के दायित्व को निर्धारित किये गये। दायित्व वितरण का कार्य विभाग की शिक्षिका डॉ. शालू श्रीवास्तवा ने किया-

1. **डॉ. विजय कुमार चौधरी**
   - विभागीय बैठकों का आयोजन
   - समय-सारणी तैयार करना
   - पठन पाठन
   - तकनीकी प्रसार
   - विभागीय रिपोर्ट तैयार करना
   - शैक्षणिक भ्रमण यात्र
   - पाठ्यक्रम योजना निर्माण
   - फैकल्टी डेवेलपमेंट प्रोग्राम का आयोजन
   - विभागीय योजना

2. **डॉ. शालू श्रीवास्तवा**
   - विभागीय स्वच्छता
   - विभागीय कार्य निरीक्षण
   - बी.ए./बी.ए-सी. तृतीय वर्ष की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
   - पूरक पाठ्यक्रम
   - महाविद्यालय स्तरीय सेमीनार आयोजन
   - स्वमूल्यांकन प्रपत्र तैयारी में सहयोग एवं एकत्र करना
   - साप्ताहिक व्याख्यान आयोजन-स्नातकोत्तर स्तर (प्रत्येक शनिवार सातवीं घंटी में)
   - विभागीय कार्य विभाजन
   - महत्वपूर्ण भौगोलिक तिथियों का आयोजन
   - नैक / आई क्यू ए सी सूचनाएं
   - विभागीय रिपोर्ट
   - बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम बेसिक का प्रोजेक्ट/असाइनमेंट (GEO101)

3. **डॉ. नीलम गुप्ता**
   - प्रयोगशाला एवं प्रयोगशाला उपकरण रख-रखाव (प्रयोगशाला सहायक के साथ)
   - शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाना
   - नवाचार एवं मौलिक प्रयोग
   - स्नातकोत्तर (प्रथम एवं अन्तिम वर्ष) प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
   - पाठ्यक्रम संकलन पाठ्य पुस्तकों की सूची
   - मानचित्र कार्यशाला
   - मैप ड्राइंग प्रतियोगिता
   - पाठ्य पुस्तकों की सूची अद्यतन करना
   - विभागीय पुस्तकालय
   - नैक/ आई क्यू ए सी सूचनाएं
   - शिक्षक बायोडाटा
   - विभागीय ब्लांग आख्या
   - विभागीय गतिविधियाँ एवं कार्यक्रम

- बी.ए./बी.ए–सी. द्वितीय वर्ष, तृतीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
- बी.ए./बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर, असाइमेंट एवं प्रोजेक्ट (GEO 106)
- बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम वर्ष/प्रथम सेमेस्टर ग्रुप संयोजन

4. **श्री अरविन्द कुमार मौर्य**
   - सेमेस्टर प्रतिदर्श प्रश्नपत्र विशिष्ट व्याख्यान आयोजन
   - विभागीय पूर्व विद्यार्थी
   - दायित्व सह कार्य रिपोर्ट
   - भूगोल प्रदर्शनी
   - लैब मैन्युअल
   - स्वैच्छिक श्रमदान प्रोत्साहन
   - बी.ए./बी.ए–सी. प्रथम वर्ष की प्रगति आख्या तैयार करना एवं विश्लेषण
   - अभिगृहित ग्राम रिपोर्ट
   - भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता
   - बी.ए./बी.ए–सी. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों का पंजीकरण
   - समाचार लेखन
   - नैक/ आई क्यू ए सी सूचनाएं
   - बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम वर्ष, प्रथम एवं द्वितीय सेमेस्टर प्रोजेक्ट एवं असाइमेंट (GEO 102/104)

❖ उपरोक्त कार्यो के अतिरिक्त विभाग एवं विभाग समीप के अनुशासन का दायित्व सभी शिक्षकों का होगा।

2. **सत्रारम्भ**
   - 08 जुलाई से स्नातक व स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
   - 08 जुलाई से स्नातक तृतीय वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
   - 01 अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
   - 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।

3. **समय–सारणी** – स्नातकोत्तर कक्षाओं की समय–सारणी (सैद्धान्तिक एवं प्रयोगात्मक) विभागाध्यक्ष द्वारा अद्यतन कर लिया गया है। समय–सारणी बनाते समय गत–सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण कर लिया गया है। जबकि स्नातक कक्षाओं की समय–सारणी का निर्माण महाविद्यालय द्वारा गठित समिति करती है।

4. **प्रायोगिक कक्षाएं** – स्नातक एवं स्नाकोत्तर कक्षाओं की प्रयोगिक कक्षाएं 16 अगस्त से प्रारम्भ होंगी। विभिन्न कक्षाओं का लैब वर्क 20 दिसम्बर तक पूर्ण करके फील्ड वर्क कराया जायेगा। स्नातक तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों द्वारा तीन दिवसों तक सामाजिक–आर्थिक सर्वेक्षण कराकर रिपोर्ट तैयार करायी जायेगी। यदि स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों का शैक्षणिक भ्रमण कोविड–19 महामारी के कारण नहीं जा पायेगा तो द्वितीय आंकड़ों के आधार पर प्रोजेक्ट तैयार कराया जायेगा।

5. **पठन–पाठन** – विभाग का ध्येय 'पन्नों पर नहीं वरन् धरातल पर' है। इस लिए पठन–पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो सके। पाठ्यक्रम योजना का शतप्रतिशत पालन की पूर्व की भाँति लागू रहेगा। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार 30 जनवरी तक सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम को पूर्ण कर लिया जायेगा। यदि किन्हीं कारणों से 30 जनवरी तक किसी कक्षा के किसी प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो पायेगा तो सम्बन्धित शिक्षक प्राचार्य से अनुमति के आधार पर अतिरिक्त कक्षा पढ़ाकर पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे।

6. **विभागीय पुस्तकालय** – विभागीय पुस्तकालय प्रभारी द्वारा विभागीय पुस्तकों का रख–रखाव एवं विद्यार्थियों में आवंटन किया जायेगा। वर्तमान सत्र के लिए आवश्यकतानुसार नये लेखकों की पुस्तकों की व्यवस्था किया जायेगा।

7. **प्रयोगशाला** – प्रयोगशाला अद्यतन रखी जायगी। प्रयोगशाला की स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जायगी। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला हेतु आवश्यक उपकरण एवं अन्य सामग्री का क्रय करने के लिए माँग पत्र प्रयोगशाला प्रभारी के माध्यम से प्राचार्य के पास भेजा जायेगा। प्रयोगात्मक उपकरणों को भण्डार पंजिका में दर्ज किया जायेगा। भण्डार पंजिका की जाँच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में मार्च माह में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से कराया जायेगा।

8. **कक्षाध्यापन में अभिनव प्रयोग** – कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रुप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, मानचित्र, मॉडल, इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। सभी कक्षाएं प्रोजेक्टर के माध्यम से चलेंगी। सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के वेबसाइट के शिक्षक ब्लॉग अपलोड किया जायेगा। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो विद्यार्थियों के लिए उपयोगी होगा उसे भी विभागीय शिक्षक अपने-अपने ब्लॉग पर डालेंगे। विभाग में प्रतिमाह कम से कम एक व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के शीर्षक पर कराया जायेगा। अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अर्न्तगत भूगोल विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जायेगा। प्रत्येक कक्षा में विभागीय शिक्षकों द्वारा अनौपचारिक बातचीत के क्रम में अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्ठिट के सन्दर्भ में की जायेगी।

9. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** – साप्ताहिक कक्षाध्यापन उद्देश्य विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना है। कक्षाध्यापन हेतु सत्रारम्भ के प्रथम दिन अर्थात् कक्षाध्यापन से 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा विषय कक्षा में तय करके घोषित कर दिया जायेगा। कक्षाध्यापन के लिए विद्यार्थियों की तैयारी कक्षा के बाहर करायी जायेगी। कक्षाध्यापन के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर कक्षाध्यापन कराया जायेगा। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जायेगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा न हो जायं। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों का विवरण विभागीय शिक्षकों द्वारा उन्हें 10 अंक के पूर्णांक में अंक देने के साथ रखा जायेगा। कक्षाध्यापन में छात्र-छात्राओं को अपना विषय वस्तु ठीक तरह से प्रस्तुत करने के लिए प्रेरित किया जायेगा। सत्र 2022-2023 में साप्ताहिक कक्षाध्यापन की तिथियाँ निम्नवत् हैं-

कक्षा	कक्षाध्यापन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस-सी प्रथम से	NA	19	15,23	12	2	-	-
बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय से	14,21	5, 16	2,12,21	10	01	-	-
एम.ए. प्रथम सेमेंस्टर	NA	8, 17	1,19,24	17	-	-	-
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	14,20,26	1,10,19	2,12,20	01,13	2	-	-
बी.ए./बी.एस-सी तृतीय वर्ष	14,20,28	5,16	2,12,21	8,15	3,14,21	-	-

10. **सारांश** – विद्यार्थियों को प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति में नहीं दी जाएगी। इसके वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग पर अपलोड पी.पी.टी. द्वारा विद्यार्थी विषय की पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं।

11. **प्रार्थना सभा** - प्रार्थना सभा में पूर्व की भांति राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्‌भगवतगीता का वाचन हेतु श्लोक चयनित करके लिपिबद्ध करके इन्हीं श्लोकों का वाचन हिन्दी, अंग्रेजी एवं संस्कृत में किया जाता है। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा में प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होता है। प्रार्थना सभा के लिए विद्यार्थियों को प्रेरित किया जायेगा।

12. **शिक्षक आचार संहिता** - वार्षिक योजना बैठक में सत्र 2022-23 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। विभाग के शिक्षकों द्वारा आचार संहिता स्वप्रेरणा को अपने-अपने उपर लागू करेगें। यद्यपि शिक्षक आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन मान्य नहीं रहेगी। शिक्षकों द्वारा स्वयं आचार संहिता का पालन न करने पर आचार संहिता उस शिक्षक पर स्वत: लागू हो जाएगी।

13. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र विद्यार्थियों द्वारा भरा जाने वाला एक प्रपत्र है। विद्यार्थियों के अभिमत शिक्षक के व्यक्तित्त्व विकास का माध्यम बनते हैं। वर्ष में दो बार (सितम्बर-दिसम्बर) विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक अपने बारे में शिक्षक-प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाते हैं। इस प्रपत्र के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करते हैं।

14. **शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार-विमर्श कर सर्वसम्मति से यह प्रारूप प्रतिवर्ष लागू होता है। विभागीय शिक्षकों द्वारा जुलाई से जनवरी माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा जायेगा। जो शिक्षकों द्वारा प्रतिमाह स्वमूल्यांकन करके स्व-विकास का सशक्त माध्यम बनता है।

15. **पाठ्यक्रम योजना** - विभाग द्वारा प्रत्येक प्रश्नपत्र की वार्षिक पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य समय से (30 जनवरी तक) पाठ्यक्रम पूर्ण करना है तथा विद्यार्थी को पहले से पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा। वार्षिक पाठ्यक्रम योजना को दिनांक, शिक्षक का नाम, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ 3-2-1 के सिद्धान्त पर तैयार किया गया है। जिसको महाविद्यालय की बेवसाइट पर अपलोड कर दिया गया है।

16. **गोद लिए गए विद्यार्थी** - विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच विद्यार्थियों को गोद लिया जाता है। गोद लिए गये विद्यार्थियों के पठन-पाठन एवं आचरण-व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी गोद लिए शिक्षक की होती है। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करेंगे। ये विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी या कक्षा प्रतिनिधि में से ही होते हैं। स्नातक पूर्ण कर चुके विद्यार्थियों के रिक्त स्थानों पर स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जायेगा।

गोद लिए गये विद्यार्थियों की सूची

डॉ. विजय कुमार चौधरी

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	सुधीर सिंह	एम.ए. प्रथम वर्ष	8423404604
2	शिवानन्द निष्ठाद	एम.ए. प्रथम वर्ष	8795409287
3	प्रतिमा सिंह	एम.ए. प्रथम वर्ष	8418901805

नोट - वर्तमान सत्र में बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम वर्ष से विद्यार्थियों को गोद लिया जायेगा।

डॉ. शालू श्रीवास्तव

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	अंशिका गुप्ता	बी.ए. द्वितीय वर्ष	9580722125
2	बबली रावत	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	9670942358
3	करिश्मा रावत	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	9125532040
4	ज्योति यादव	बी.ए. तष्टतीय वर्ष	6307635513
5	खुशबू कुमारी	बी.ए. चतुर्थ वर्ष	9572617703
6	निशा	बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर	9118062481

नोट - वर्तमान सत्र में स्नातक तृतीय वर्ष की तीनों छात्राओं के उत्तीर्ण हो जाने के पश्चात् 01 स्थान रिक्त हो जाएगा। सत्र 2022-23 में प्रथम वर्ष से छात्र-छात्राओं को गोद लिया जाएगा।

डॉ. नीलम गुप्ता

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	अर्चना चौहान	बी.ए. भाग तीन	9696239220
2	संगम	बी.ए. भाग तीन	9889986252
3	वर्षा पाठक	बी.ए. भाग तीन	7318447103
4	आरोषी	बी.ए. भाग तीन	9518438664
5	सोनी चौधरी	बी.ए. भाग तीन	6392966080

श्री अरविन्द कुमार मौर्य

क्रम सं.	छात्र/छात्रा का नाम	कक्षा	मो. नं.
1	श्री विनय कुमार	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	8576006235
2	कुमारी सुमन विश्वकर्मा	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	8881441145
3.	कुमारी रितिका वर्मा	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	8858165852
4.	सचिन	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	7607766011

नोट - वर्तमान सत्र से बी.ए. प्रथम वर्ष के विद्यार्थियों को गोद लिया जाएगा।

17. **गोद लिए गया गाँव** - भूगोल विभाग द्वारा जंगल औराही गाँव को गोद लिया गया है। विभाग तथा महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सीखाना इसका प्रमुख उद्देश्य है। विभाग द्वारा जंगल औराही गाँव का सामाजिक-आर्थिक सर्वेक्षण कराकर सम्पूर्ण विवरण रखा जायेगा। गाँव में जन-जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करेगा। इस सत्र में चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी (12 अगस्त 2022, 22 अक्टूबर 2022, 12 फरवरी 2023 एवं 25 अप्रैल 2023) गाँव में जाएंगे।

18. **मासिक मूल्यांकन** – सत्र 2022–23 में माह के अन्तिम सप्ताह में पूर्व निर्धारित तिथि पर मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा। अगस्त माह में मासिक मूल्यांकन वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के माध्यम से सम्पन्न कराया जायेगा। जिसमें प्राप्त सर्वोच्च अंकों के आधार पर प्रत्येक कक्षा में कक्षा प्रतिनिधि चुने जायेंगे। वर्तमान सत्र के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न–पत्र बनाकर 6 भागों (अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी का मासिक मूल्यांकन) में बराबर–बराबर विभक्त कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है। 30 अंक के 6 मासिक मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक विषय के 180 अंक पर मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक माह 5 अंक आचरण एवं व्यवहार पर शिक्षक द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार पूरे सत्र में 30 अंक आचरण व्यवहार के होंगे। मासिक मूल्यांकन के इन्हीं प्रश्नों पर विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न होती है। वर्तमान सत्र में यह व्यवस्था पूर्ववत् लागू रहेगी। जिनकी तिथियाँ निम्न हैं–

कक्षा	मासिक मूल्यांकन						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम सेमे.	NA	26	30	29	11	–	–
बी.ए./बी.एस–सी. द्वितीय सेमे.	NA	24	28	17	10	–	–
एम.ए. प्रथम सेमेस्टर	NA	24	30	29	–	–	–
एम.ए. तृतीय सेमेस्टर	NA	25	26	19	15	–	–
बी.ए./बी.एस–सी तृतीय वर्ष	NA	24	28	28	19	29	21

19. **छात्रसंघ** – अगस्त माह में मासिक मूल्यांकन के आधाार पर कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव प्रत्येक कक्षा में किया जायेगा। चुने गये कक्षा प्रतिनिधियों में से छात्रसंघ के पदाधिकारियों का चुनाव विद्यार्थियों के द्वारा मतदान के माध्यम से होगा।

20. **राष्ट्रीय सेवा योजना** – विभाग के प्रत्येक शिक्षक के द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों में से अधिकांश विद्यार्थी राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक होते हैं। श्रम एवं समाज के प्रति उत्तरदायी बनाने के लिए स्वयं सेवकों को प्रेरित किया जायेगा।

21. **वेबसाइट/शिक्षक ब्लॉग** – विभाग की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन कर दिया गया है तथा अन्य विभागीय सूचनाओं को भी समय–समय पर वेबसाइट पर अपडेट किया जाता रहेगा। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के लिए शिक्षकों के ब्लॉग पर सभी व्याख्यान की पी.पी.टी. बनाकर अपलोड किया जायेगा साथ ही अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री को भी ब्लॉग पर अपलोड किये जायेंगे।

22. **तकनीकी प्रसार** – विभागीय शिक्षकों द्वारा लैपटॉप, प्रोजेक्टर, स्मार्ट क्लास, स्काइप, जूम एप आदि का उपयोग किया जाता रहेगा। आवश्यकतानुसार इसका विद्यार्थियों में प्रसार भी किया जायेगा।

23. **नैक/ आई क्यू ए सी** – नैक/ आई क्यू ए सी से सम्बन्धित सभी सूचनाओं को विभागीय शिक्षकों द्वारा नैक/ आई क्यू ए सी प्रभारी को समय से उपलब्ध कराया जायेगा।

महत्वपूर्ण विभागीय कार्यक्रम

1. **विशिष्ट व्याख्यान**

क्रम	माह	तिथि	अतिथि	विषय
1.	अगस्त	08.08.2022	प्रो. शिवाकांत सिंह	बाढ़ : कारण, परिणाम एवं निदान
2.	सितम्बर	20.09.2022	प्रो. सत्यप्रकाश लाल श्रीवास्तव	भूगोल : अध्ययन का महत्व एवं भावी जीवन में उपयोगिता
3.	नवम्बर	21.11.2022	डॉ. अंकित सिंह	भारतीय जनसंख्या : समस्या या संसाधन
4.	दिसम्बर	12.12.2022	डॉ. प्रमोद कुमार	संसाधन उपयोगिता एवं भविष्य के संसाधन
5.	जनवरी	10.01.2023	डॉ. स्वर्णिमा सिंह	समुन्द्र : संसाधन एवं उपयोगिता
6.	फरवरी	20.02.2023	श्री भूपेन्द्र कुमार यादव	भारतीय कृषि पर जलवायु का प्रभाव
7.	मार्च	20.03.2023	डॉ. रूचिका सिंह	भारत का पड़ोसी देशों से संबंध

2. **पोस्टर प्रतियोगिता** – पर्यावरणीय मुद्दों एवं घटनाओं के प्रति गहरी रूचि उत्पन्न करने के लिए विभाग द्वारा 18 अक्टूबर, 2022 को पोस्टर प्रतियोगिता आयोजन किया जायेगा जिसमें भूगोल विषय के स्नातक एवं स्नातकोत्तर दोनों कक्षा के विद्यार्थी सम्मिलित होगें।

3. **भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता** – सीखने का स्तर हमेशा शिक्षण विधियों पर केन्द्रित होता है। इसको ध्यान में रखते हुये भौगोलिक क्विज प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। इस प्रतियोगिता का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थियों में नवीन प्रविधि के माध्यम से भौगोलिक ज्ञान की अभिवृद्धि करना है। इस प्रतियोगिता का प्रथम चरण–05 अक्टूबर, 2022 को आयोजित किया जायेगा। प्रथम चरण में 30–30 वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के आधार पर 08 श्रेष्ठतम विद्यार्थियों का चयन करके 04 टीमें बनायी जायेंगी। प्रतियोगिता के द्वितीय चरण का आयोजन 10 अक्टूबर, 2022 होगा, जिसमें 20 प्रश्नों के आधार पर विजेता टीम का चयन होगा।

4. **शैक्षणिक भ्रमण** – एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर का शैक्षणिक भ्रमण दिनांक 16 दिसम्बर, 2022 से 18 दिसम्बर, 2022 तक (बनारस एवं विन्ध्याचल) सफलतापूर्वक सम्पन्न हुआ। बी.ए. तृतीय वर्ष की शैक्षिक भ्रमण यात्रा दिनांक 24 फरवरी से 04 मार्च 2023 (उत्तराखण्ड) तक सम्पन्न होगी।

5. **मैप ड्राइंग प्रतियोगिता** – विद्यार्थियों में स्वस्थ प्रतियोगिता विकसित करने उद्देश्य से गतवर्ष की भाँति इस सत्र में भी मैप ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजन 22 मार्च, 2023 को किया जायेगा।

6. **महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार** – भूगोल विभाग अपने स्थापना सत्र से ही महाविद्यालय स्तरीय सेमिनार का आयोजन करता आ रहा है। इस सत्र में भी 23 फरवरी, 2023 होगा।
   नोट : कार्यक्रमों की तिथियों, विषय एवं अतिथि में परिस्थितिजन्य परिवर्तन सम्भव।

7. **मानचित्र कार्यशाला** – स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के विद्यार्थियों द्वारा भारत एवं विश्व मानचित्र पर अगल–अलग पक्षों यथा पर्वत, पठार, नादियां, लौह अयस्क, गेंहू, उद्योग, जनसंख्या घनत्व आदि का प्रदर्शन।

8. **भूगोल प्रदर्शनी** – इसके अंतर्गत भूगोल से सम्बन्धित मॉडल, आरेख रेखाचित्र आदि का प्रदर्शन।
9. **महत्वपूर्ण भौगोलिक तिथियों में परिचयात्मक व्याख्यान** – इसके अन्तर्गत महत्वपूर्ण भौगोलिक तिथियों यथा पृथ्वी दिवस, पर्यावरण दिवस, वन संरक्षण दिवस, ओजोन दिवस आदि के बारे में संक्षिप्त व्याख्यान प्रस्तुत किया जायेगा।
10. **फैकल्टी डेवेलपमेण्ट प्रोग्राम** – इस प्रोग्राम का उद्देश्य बदलते शैक्षणिक प्रवेश में शिक्षकों को अद्यतन रखने हेतु शैक्षिक समुदाय को एक व्यापक व व्यवहारिक दृष्टिकोण प्रदान कराना है। यह भारतीय ज्ञान तंत्र की समकालीन शिक्षा एवं अभ्यास पर आधारित होगा।

प्राणि विज्ञान विभाग

1. **पाठ्यक्रम योजना** – प्राणि विज्ञान विभाग, महाविद्यालय के प्रारम्भिक काल से पाठ्यक्रम योजना बनाता रहा है, पाठ्यक्रम योजना का उद्देश्य –
   - निर्धारित समय में पाठ्यक्रम सुव्यवस्थित ढंग से पूर्ण होना।
   - विद्यार्थियों को पूर्व से ही मालूम होता है कि किस दिनांक को किस अध्यापक द्वारा कौन–सा शीर्षक पढ़ाया जाना है। वार्षिक पाठ्यक्रम योजना को दिनांक, शिक्षक का नाम, प्रश्न पत्र शीर्षक एवं व्याख्यान संख्या के अनुसार तैयार किया जाता रहा है। इस पाठ्यक्रम योजना को महाविद्यालय के वेबसाइट पर अपलोड किया जाता रहा है। गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी पाठ्यक्रम योजना बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड किया चुका है।
2. **शिक्षक ब्लॉग** – प्राणि विज्ञान विभाग के सभी शिक्षक अपने–अपने पढ़ाये जाने वाले शीर्षक का पी.पी.टी. बनाकर अपने–अपने ब्लाग पर अपलोड विगत वर्षो से करते आ रहे है। इसे वर्तमान सत्र में भी अद्यतन किया जायेगा। जिसे छात्र डाउनलोड कर पढ़ते है। विभाग के सभी शिक्षक अपना बायोडाटा भी अपने ब्लाग पर अपलोड कर चुके हैं।
3. **कक्षा संचालन** – गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी ऑफ लाइन (आवश्यकता होने पर ऑनलाइन) कक्षा पी.पी.टी. के माध्यम से पाठ्यक्रम योजना के अनुसार पढ़ाया जायेगा। बी.एस–सी. भाग एक, प्रथम सेमेस्टर की कक्षा 1 अगस्त, 2022, बी.एस–सी. भाग दो तृतीय सेमेस्टर की कक्षा 8 जुलाई, 2022 तथा बी.एस–सी. भाग तीन की कक्षा 8 जुलाई 2022 से संचालित होगी। बी.एस–सी. भाग एक, दो एवं तीन की प्रायोगिक कक्षाएं 16 अगस्त, 2022 से संचालित होगी।
4. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** – विभाग आपने प्रारम्भिक काल से छात्रों के द्वारा कक्षाध्यापन कराता रहा है। एक सप्ताह में 5 व्याख्यान अध्यापक पढ़ाते हैं तथा 6वां कक्षा छात्र पढ़ाता है। इसका उद्देश्य छात्रों के अन्दर से घबराहट, डर, झिझक, संकोच को दूर करना तथा आत्मविश्वास पैदा करना होता है, जिससे किसी भी साक्षात्कार में अपनी बात को सहजतापूर्वक एवं निर्मिकतापूर्वक रख सकें। इस योजना के अन्तर्गत विभाग द्वारा 5 दिन पहले ही अगले कक्षाध्यापन के लिए 10 छात्रों के नाम और शीर्षक बता दिया जाता है। एक बार कक्षाध्यापन करा चुके छात्रों को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जाता जब तक सभी छात्र एक चक्र पूर्ण नहीं कर लेते। यह योजना वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

कक्षा	कक्षाध्यापन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	5,16	3,13,22	2,11	–	–	–
बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	12,19,26	3,11	1,10,20	8,15	09	–	–
बी.एस-सी. तृतीय वर्ष	12,19,26	3,11,22	5,15	1,13	5,14,21	8	2,9,17

5. **मासिक मूल्यांकन** – विभाग अपने प्रारम्भिक काल से ही महीने के अन्त में मासिक मूल्यांकन कराता रहा है। विभाग वर्तमान महीने में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम से ही प्रश्न देता है। मासिक मूल्यांकन का उद्देश्य छात्रों को पाठ्यक्रम के अनुसार तैयार कराना होता हैं जिससे वे विश्वविद्यालय की परीक्षा में अच्छे अंक प्राप्त कर सकें। मासिक मूल्यांकन में वही प्रश्न दिये जाते है। जो विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा का प्रश्न होता है। विभाग सत्र की तरह वर्तमान सत्र में भी लागू करेगा।

कक्षा	मासिक मूल्यांकन तिथि						
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर	NA	24	22	18	–	–	–
बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	NA	22	27	29	–	–	–
बी.एस-सी. तृतीय वर्ष	NA	29	24	20	29	NA	24

6. **विभागीय पुस्तकालय** – विभाग अपने स्तर से पुस्तकालय का संचालन करता रहा है। गत वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी विभागीय पुस्तकालय संचालित होगी। विभागीय पुस्तकालय से छात्रों को पुस्तक दी जाती है, जिसे छात्र पढ़कर उसी दिन विभाग में जमा कर देता है। पुस्तक के लेन-देन के लिए विभाग में रजिस्टर रखा गया।

7. **छात्र संघ (कक्षा प्रतिनिधि) चुनाव** – महाविद्यालय अपने प्रारम्भिक काल से ही छात्र संघ का चुनाव कराता रहा है, महाविद्यालय में छात्रसंघ का उद्देश्य–
   - महाविद्यालय के पठन-पाठन में सहयोग करना।
   - महाविद्यालय की अन्य गतिविधियों में योगदान एवं सहयोग करना।
   - महाविद्यालय के अन्य समितियों जैसे अनुशासन समित, प्रयोगशाला समिति, क्रीड़ा इत्यादि में सहयोग करना।

8. **कार्यपद्धति** – महाविद्यालय के छात्र संघ के विभिन्न पदों पर केवल वही विद्यार्थी चुनाव लड़ सकते हैं, जो किसी न किसी विषय के कक्षा प्रतिनिधि चुने गये हों। इसी क्रम में वर्तमान सत्र में प्राणि विज्ञान विभाग कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव अगस्त महीने के अन्त में करेगा। कक्षा प्रतिनिधि कक्षा का सबसे सर्वश्रेष्ठ होनहार एवं नियमित छात्र होता है। इसके लिए विभाग दस वस्तुनिष्ठ प्रश्न देकर परीक्षा कराता है। जिसमें से प्रत्येक प्रश्न 3 नम्बर का होता है तथा 5 नम्बर आचरण एवं व्यवहार पर होता है। जो छात्र सबसे अधिक अंक प्राप्त करता है एवं नियमित होता है उसे ही कक्षा प्रतिनिधि चुना जाता है। यह योजना वर्तमान सत्र में लागू रहेगा।

9. **प्रगति आख्या** – महाविद्यालय के प्रारम्भिक काल से ही विभाग छात्रों की प्रगति आख्या बनाता आ रहा है।

प्रगति आख्या में छात्रों का पठन-पाठन, साप्ताहिक कक्षाध्यापन, उपस्थिति, मासिक, मूल्यांकन एवं आचरण व्यवहार का उल्लेख होता है। विभाग प्रगति आख्या के आधार पर विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास के तरफ अग्रसर करने का प्रयास करता है। विगत वर्षों की भांति वर्तमान सत्र में भी प्रगति आख्या यथावत लागू रहेगा।

10. **शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - विभागीय शिक्षकों द्वारा प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर प्राचार्य के पास जमा किया जाता रहा है। गत वर्ष से स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन भरा गया था। इसे वर्तमान सत्र में किया जायेगा। स्वमूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से विभागीय शिक्षक स्वमूल्यांकन पर सुधार करते रहते है।

11. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - विगत सत्रों से छात्रों के द्वारा प्रत्येक सत्र में दो बार प्रत्येक शिक्षक का प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाता रहा है। प्रत्येक शिक्षक का सितम्बर एवं दिसम्बर माह में छात्रों के द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाता रहा। वर्तमान सत्र में भी इस योजना को यथावत लागू किया जायेगा।

12. **गोद लिए गांव** - प्राणि विज्ञान विभाग द्वारा लक्ष्मीपुर गांव को गोद लिया गया है।

    उद्देश्य - लक्ष्मीपुर गांव के साथ विभाग का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, सरकार की विभिन्न योजनाओं के बारे में ग्रामवासियों को अवगत कराना, स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण एवं सामाजिक कार्य के प्रति जागरूक करना।

    कार्य पद्धति - गत सत्रों से विभाग के शिक्षक एवं छात्र प्रत्येक सत्र में चार बार ग्राम्य दर्शन करते रहे है। ग्रामवासियों को विभिन्न तरह के संक्रामक रोगों से बचाव शराब के सेवन से हानि, छोटे बच्चों को स्कूल भेजने के प्रति जागरूक करना इत्यादि के प्रति सचेत किया जाता रहा। वर्तमान सत्र में इसे लागू किया जायेगा।

13. **गोद लिए गये विद्यार्थी** - विभाग में विगत सत्रों से यह योजना लागू है। इस योजना के अन्तर्गत विभाग के प्रत्येक शिक्षक पांच-पांच विद्यार्थियों को गोद लेते हैं, जिनकी सम्पूर्ण जिम्मेदारी विभाग के सम्बन्धित शिक्षक की होती है। इस योजना का उद्देश्य यह है कि गोद लिए गये विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास में सम्बन्धित शिक्षक का महत्वपूर्ण योगदान हो।

    सत्र के आरम्भ मे विभाग के शिक्षक अपनी-अपनी कक्षाओं से 5-5 विद्यार्थी को गोद लेते है। गोद लिए गए छात्र या तो राष्ट्रीय सेवा योजना के सदस्य है, या छात्रावासी हो या कक्षा प्रतिनिधि हों। इस योजना को वर्तमान सत्र में यथावत लागू रहेगा।

शिक्षक का नाम	गोद लिए गये विद्यार्थी
डॉ. रघुवीर नारायण सिंह	1. अन्नपूर्णा दूबे, बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर 2. यादव राजवीर, बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर 3. मुन्जेश पटेल, बी.एस-सी. भाग तीन 4. अविनाश शर्मा, बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर 5. आयुष कुमार, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर
डॉ. शिव कुमार	1. पूजा गुप्ता, बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर 2. 2. प्रीति गुप्ता, बी.एस-सी. चतुर्थ सेमेस्टर 3. नम्रता सिंह, बी.एस-सी. भाग तीन 4. शिवम कुमार, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर 5. आकांक्षा मौर्या, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर 6. आयशा, बी.एस-सी. प्रथम सेमेस्टर

14. **विभागीय साप्ताहिक शिक्षक बैठक** – विभाग में प्रतिमाह किये गये पठन–पाठन (सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक कक्षा) से सम्बन्धित गतिविधियाँ, नवाचार आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की योजना के कियान्यवन हेतू प्रत्येक शनिवार को विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में साप्ताहिक विभागीय शिक्षक बैठक सम्पन्न होती रहती है। इसे वर्तमान सत्र में यथावत लागू किया जायेगा।

15. **विभागीय मासिक समीक्षा बैठक** – प्रत्येक महीने के अन्त में विभाग की सभी शिक्षकों की समीक्षा बैठक होती है तथा अगले महीने की योजना पर विचार किया जाता है। इसे वर्तमान सत्र में लागू किया जायेगा।

16. **कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप** – प्राणि विज्ञान विभाग ने गत सत्रों की भांति इस सत्र में भी बी.एस–सी. भाग एक, दो एवं तीन का कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप बनाएगा। जिसका प्रयोग छात्रों को सूचना से अवगत कराना होगा। ऑनलाइन कक्षा पढ़ाने के लिए लिंक भेजने में प्रयोग होगा।

17. **तकनीकी प्रसार** – विभागीय शिक्षकों द्वारा गत सत्रों में लैपटाप, प्रोजेक्टर, जूम एप आदि के माध्यम छात्रों को पढ़ाया गया। विभागीय शिक्षकों द्वारा शत प्रतिशत पी.पी.टी. के माध्यम से पढ़ाया गया। इस योजना को वर्तमान सत्र में यथासम्भव लागू करने का प्रयास किया जायेगा।

18. **विभागीय कार्यक्रम** –

व्याख्यान

क्र.सं.	दिनांक	शीर्षक	मुख्य वक्ता
1.	29.09.2022	ह्रदय रोग से बचाव	प्रो. दिनेश कुमार सिंह, पूर्व विभागाध्यक्ष प्राणि विज्ञान विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

शोध व्याख्यान

क्र.सं.	कक्षा	दिनांक	संयोजक
1.	बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर	24.02.2023	डॉ. शिव कुमार
2.	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर	20.02.2023	डॉ. शिव कुमार
3.	बी.एस–सी. तृतीय वर्ष	20.01.2023	डॉ. आर.एन. सिंह

विज्ञान प्रदर्शनी

क्र.सं.	कक्षा	दिनांक	संयोजक
1.	बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर	25.02.2023	डॉ. शिव कुमार
2.	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर	26.09.2022	डॉ. शिव कुमार
3.	बी.एस–सी. तृतीय वर्ष	19.01.2023	डॉ. आर.एन. सिंह

Computer Science Department

1. **Lesson Plan -** Computer Science Dept. teaches according to the lesson plan. This year our department try 100% lecture delivered in PPT and Smart Board use. This year dept. will try to complete the syllabus according to lesson plan & on time. Extra classes will be managed during the working days & hours.
2. **Monthly Evaluation -** Monthly Evolution help Lectures to assess that revealed or the taught portion of the month was understood by the students before it's too late. Evaluation shows that how many have failed to grasp a particular chapter & a lecturer can re teach it. If a few are confused, the lecturer can provide individualized help. It also help students to get ready for the examinations & to know their weak points. Last year 35% students participated in the monthly evaluation. This year monthly evaluations are held on:

CLASS	MONTHLY EVALUATION SCHEDULE						
	July	August	September	October	November	December	January
B.Sc. Ist Semester	NA	26	24	28	NA	NA	NA
B.Sc. IIIrd Semester	28	24	29	18	NA	NA	NA
B.Sc. IIIrd year	28	24	29	18	26	NA	25

3. **Workshop, Training and Competition** - Training, workshops hold great importance of life of a student. They are platforms not only to learn new aspects, others perspectives and latest information, but also a good way of networking. There are many benefits which one get from attending these first being confidence then networking, information and motivation.
   - As we know that confidence is very important for everyone at each stage of life, which somewhere a science student (who has not taken part in any stage activity or any debate but has a good academic record) lacks as he or she did not have many opportunities to speak in front of audience. So, by attending these types of seminars and conferences and interacting with the leaders of their field or by presenting a poster in conference boosts up the confidence of a student which helps him or her during an interview.
   - Networking is an important part of any individual life. In workshops students and teachers from different institutions take part. Meeting new people and making new friends can help the student to take guidance and encourage new way of thinking. If a student wants to continue his or her career in scientific research, then meeting people related to it in conferences can be very beneficial as there are many scientists who attend these conferences.

Workshop

15th Sept 2022	Learning Powerpoint and Website usage

Training

10th Oct 2022	Statistical tool with research and data analysis
11th Oct 2022	Soul Software Training

Competitions

Competitions offer a chance for participants to gain substantial experience, showcase skills, analyze and evaluate outcomes and uncover personal aptitude. Competitions also encourage students to adopt innovative techniques and develop their ideas and skills.

25th Nov 2022	Computer Quiz Competition

4. **Feedback from the students-** Dept. will take feedback of students on prescribed format twice in a year i.e. in the month of September & January to improve the teaching methodology & to know what are the expectations of the students from the class & college. Last year 100% regular students had filled feedback form.

5. **Adopted Students -** Each & every dept. of the college adoptes five students to look after their academic & personality development. An emotional & sentimental relationship is developed just like parents & child. Though the dept. is always in contact with the adopted students, but this year dept. will try to sit together at least once in month with the adopted students in a group. Maximum students participate in the Swaikchik Shramdan & takes part either in N.C.C., N.S.S. or Rover Rangers too.

6. **Adopted village Badi Jamunia visit -** Beautiful scenes of nature, fresh-air, hospitable people, quiet & peaceful life-all these things are the real beauty of a village. This time Dept. has decided to introduce the students to the villagers with a new perspective. Dept. will visit the village just as a picnic spot where students will not only observe the natural way of life but also will be inspired for the community social works. Dept. will visit adopted village in the month of:

   26 February 2023

   All the students of the department support & participate in the visits & camps organised by the dept..

7. **Teaching Methodology**
   - Chalk & talk
   - Power-Point Presentation
   - Real time question
   - Story Writing
   - Book Reading
   - Group Discussion
   - Problem solving sessions

8. **Library** - Dept. visits & spends at least half an hour to forty minutes in the library everyday & promotes students too to visit library & provides them lists of books to access some supplementary books.

   Dept. has its departmental library too but very few books are available in the departmental library as Dept. is attached to central library.

9. **Value added Course -** "Rashtrasant Mahant Avaidyanath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course"

   Rashtrasant Mahant Avaidya nath Nihshulk Computer Prashikshar Certificate course is organised by Maharana Pratap P.G. College, Jungle Dhusar for the poor students from nearby villages free of cost on the basis of first come first serve. This course is designed for three-month period so that our students can get knowledge about the basics of the computer.

10. **Objective-** Our objective is to serve the knowledge and interest to the poor students who have actually not enough infrastructure and condition to afford the computer classes which is very important for today's era

11. **Methodology -** This course is conducted in the college computer lab. Through this offline method student had got the real environment of the class so that they can take all the practical's directly on the latest computers.

12. **Programmed Outcomes -** After this certification course our students well cleared the concept of Basic of computer, Microsoft word, MS paint, Microsoft excel and the basic of internet. After this programmed all the students get the course certificate from our college

13. **Self assessment -** Dept. fills & submits self assessment form each & every months last day with the progress report of the student's online. It allows us to create critical reflective practice in our own actions. It strengthens & awares about the responsibilities over own work & increased control & ownership of our professional development.

14. **Blog-** Last year dept. had uploaded Departmental report 100% of syllabus of B.Sc. I, II III Year & B.A. I year on the blog.

15. **Plantation Participation-** Dept. had participated in the plantation program since its establishment but as the campus is already overflowed by the greenery so from this year Dept. will provide 4-6 plants to the adopted students & inspire them to plant & take care of these plants at their home, field or neighborhood.

16. **Contribution in other fields-** Our Department Tack Care the all activity regarding Information Technology and also our department plan Job Fair for all students of Our College.

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग

1. **विभागीय कार्य योजना का उद्देश्य** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा निर्धारित किये गये लक्ष्यों को एक लिखित एवं क्रमबद्ध रूप में प्रस्तुत करना जिससे कि सत्र की समाप्ति पर इसका विश्लेषण एवं मूल्यांकन किया जा सके और विभाग को और ज्यादा समृद्ध बनाया जा सके।

2. **पाठ्यक्रम योजना** – पूर्व वर्षों की भाँति इस सत्र की पाठ्यक्रम योजना निर्धारित समय के अन्दर तैयार कर वेबसाइट पर अपलोड करवा दी गयी है जिसमें स्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएँ 01 अगस्त से प्रारम्भ होकर 15 नवम्बर, 2022 तक पूर्ण हो रही हैं। स्नातक तृतीय सेमेस्टर की कक्षा भी 08 जुलाई 2022 से प्रारम्भ हो रही है। स्नातक तृतीय वर्ष की कक्षाएं 08 जुलाई से प्रारम्भ हो रही है। वेबसाइट पर अपलोड की गयी पाठ्यक्रम योजना उपरोक्त तिथियों से संचालित होंगी।

3. **मासिक मूल्यांकन** – मासिक मूल्यांकन का उद्देश्य विद्यार्थियों में अध्ययन के स्तर को परखना और उसमें सुधार करना है। पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रत्येक माह मासिक मूल्यांकन कराया जायेगा, परन्तु परिस्थितिवश तिथियों में परिवर्तन होने पर मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ भी संचालित पाठ्यक्रम योजना के अनुसार परिवर्तित रहेंगी। मासिक मूल्यांकन के सभी प्रश्न विश्वविद्यालय की परीक्षा में पूछे गये प्रश्नों के आधार पर होंगे।

मासिक मूल्यांकन की घोषित तिथियाँ :

कक्षा	मासिक मूल्यांकन							
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.ए./बी.एस–सी. प्रथम सेमे.	लागू नहीं	26	28	17	10	–	–	–
बी.ए./बी.एस–सी. तृतीय सेमे.	28	25	29	18	11	–	–	–
बी.ए./बी.एस–सी. तृतीय	28	26	30	20	30	12	30	13

4. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** – साप्ताहिक कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थियों में विषय की समझ को विकसित करने के साथ-साथ अभिव्यक्ति के गुणों को विकसित करना है। पिछले सत्रों की भाँति इस सत्र में भी साप्ताहिक कक्षाध्यापन निर्धारित किया जा चुका है। इस सत्र में यह प्रयास रहेगा कि लगभग सभी विद्यार्थियों को कक्षाध्यापन का कम से कम दो अवसर अवश्य प्राप्त हो और विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास हो सके। कक्षाध्यापन से दो या तीन दिन पूर्व कक्षाध्यापन के विषय और विद्यार्थियों के नाम की घोषणा कक्षा में कर दी जायेगी जिससे कि विद्यार्थी उन विषयों को भलीभांति तैयार कर लें। संचालित पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कक्षाध्यापन का कार्य संचालित किया जायेगा।

साप्ताहिक कक्षाध्यापन की घोषित तिथियाँ :

कक्षा	साप्ताहिक कक्षाध्यापन							
कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.ए./बी.एस-सी. प्रथम सेमे.	लागू नहीं	8,19	2,12,21	10	1	–	–	–
बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय सेमे.	14,21	6,16	1,13,22	11	2	–	–	–
बी.ए./बी.एस-सी. तृतीय वर्ष	14,21	6,19	6,16,24	13,20	7,15,22	12	3,10,18	6

5. **विशिष्ट व्याख्यान** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की यह परम्परा रही है कि हर सत्र में विशेष तिथियों पर विशिष्ट व्याख्यान आयोजित करता रहा है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को विषय से सम्बन्धित नित नवीन आयामों और तत्कालीन प्रासांगिकता के बारे में अवगत कराना है। पूर्व सत्रों की भाँति इस सत्र में भी विशिष्ट व्याख्यान की तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं।

विशिष्ट व्याख्यान विवरण:

तिथि	विषय	मुख्य अतिथि
1) 26 जुलाई 2023	कारगिल दिवस	डॉ. करूणेन्द्र सिंह, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग, बापू पी.जी. कालेज, पीपीगंज, गोरखपुर
2) 08 अक्टूबर 2022	वायुसेना दिवस	श्री हरिकेश यादव, राजनीतिशास्त्र विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
3) 14 फरवरी 2023	पुलवामा शहीद दिवस	श्री रमाकान्त दूबे, रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

6. **विभागीय प्रदर्शनी/रक्षा प्रदर्शनी** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग प्रत्येक सत्र में एक रक्षा प्रदर्शनी का आयोजन करता रहा है। इस सत्र में भी 04 मार्च 2023 को रक्षा प्रदर्शनी की तिथि निर्धारित की गयी है। इस प्रदर्शनी का उद्देश्य विद्यार्थियों में विभिन्न रक्षा उपकरणों के विषय में विशेष जानकारी एवं उसके निर्माण कला में रुचि विकसित करना होता है। इस प्रदर्शनी में अतिथियों को भी आवंटित किया जाता है जिनके निर्णय के अनुसार श्रेष्ठ प्रदर्शन वाले विद्यार्थियों को प्रमाणपत्र दिया जाता है।

7. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – शिक्षकों को अपने शिक्षण विधि, विषय ज्ञान, सामाजिक व्यवहार, आचरण आदि के उत्तरोत्तर विकास एवं सुधार के लिए प्रत्येक सत्र में दो बार सितम्बर और दिसम्बर में विद्यार्थियों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाता है। इन प्रपत्रों के विश्लेषण के आधार पर शिक्षक अपने में बदलाव लाने का प्रयास करते हैं। प्रत्येक सत्र की भाँति इस सत्र में भी शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरा जाना विभागीय कार्ययोजना का एक हिस्सा है जिसे पूरा किया जायेगा। और इसका विश्लेषण कर शिक्षकों के उत्तरोत्तर विकास पर ध्यान दिया जायेगा।

8. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रयोग एवं ब्लॉग** – महाविद्यालय एवं विभाग अपने नवीन तकनीकी प्रयोगों के लिए जाना जाता है। इस सत्र में विभाग ने सम्पूर्ण पाठ्यक्रम का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया है। इस सत्र में विभाग द्वारा समस्त कक्षाएँ प्रोजेक्टर पर चलाये जाने की योजना है। साथ

ही समय-समय पर विद्यार्थियों को अध्ययन सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए व्हाट्सएप तथा अन्य माध्यमों का प्रयोग भी किया जायेगा। इस सत्र में प्रयास रहेगा कि पठन-पाठन की आधुनिक, व्यावहारिक एवं प्रभावकारी तकनीकों और पद्धतियों को अधिक से अधिक प्रयोग में लाने का प्रयास किया जायेगा।

9. **प्रयोगशाला नियमावली** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग की प्रयोगशाला नियमावली निर्धारित की गयी है जिसके तहत विद्यार्थियों को प्रयोगशाला में अपना प्रायोगिक कार्य प्रारम्भ करने से पहले इस नियमावली से अवगत कराया जाता है ताकि कोई दुर्घटना न हो सके। इस सत्र में भी प्रयोगशाला नियमावली अद्यतन कर दी गयी है। फिर भी किसी नवीन उपकरण के प्रयोग होने पर इस नियमावली को अद्यतन किया जायेगा।

10. **गोद लिये गये विद्यार्थी** – रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा कम से कम 05 विद्यार्थियों को गोद लेने की परम्परा रही है। प्रति वर्ष की भाँति इस वर्ष भी विद्यार्थियों को गोद लिया जायेगा। गोद लिये जाने का कार्य अगस्त माह में पूरा कर लिया जायेगा। गोद लिये गये विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास के लिए उनके साथ नियमित संवाद किया जायेगा और उनको सभी प्रकार के सम्भव सहायता उपलब्ध करवाये जायेंगे जिससे कि उनका सम्पूर्ण विकास सम्भव हो सके। विभाग के शिक्षक श्री रमाकान्त दूबे द्वारा गोद लिये गये सभी विद्यार्थी गत सत्र में उत्तीर्ण हो चुके है इसलिए उनके द्वारा नये विद्यार्थियों को गोद लिया जायेगा। डॉ. अभिषेक सिंह द्वारा गोद लिये गये विद्यार्थियों की सूची की निम्न लिखित है :-

नाम	कक्षा	मोबाइल नं.
धनन्जय यादव	बी.एस-सी. भाग तीन	8840874258
वीर प्रताप सिंह	बी.एस-सी. भाग तीन	8303667318
यश वर्मा	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	6393853217
प्रतिभा गुप्ता	बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	9305624012
डॉ. वन्दना सिंह	बी.एस-सी. द्वितीय सेमेस्टर	6307806404

11. **गोद लिये गये गाँव** – श्री रमाकान्त दूबे द्वारा गोद लिए गए विद्यार्थियों की सूची –

नाम	कक्षा	मोबाइल नं.
प्रदुयमन यादव	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	9532152209
सुनील सहानी	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	7852863554
गिरिजेश कुमार राय	बी.ए. चतुर्थ सेमेस्टर	9334353927
विकास राजभर	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	8933818794
निधि सिंह	बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर	7755058326

रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा महाविद्यालय से लगभग 3 किमी. दूरी पर लालगंज एवं मीरगंज गाँव को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लेने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जन-जागरूकता कार्यक्रम को संचालित करना एवं सरकारी योजनाओं को ग्रामीण लोगों तक सुलभ बनाना है। इस वर्ष गोद लिये गये गाँवों में विद्यार्थियों के भ्रमण एवं जागरूकता के लिए चार तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन

विभाग द्वारा 07 अगस्त 2022, 09 अक्टूबर 2022, 27 फरवरी 2023 और 29 मई 2022 की तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। विशेष परिस्थितियों में इन तिथियों में परिवर्तन भी किया जा सकता है। जागरूकता का विषय परिस्थितियों एवं आवश्यकताओं के अनुसार निर्धारित किया जायेगा।

12. **विभागीय पुस्तकालय** - रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग में एक विभागीय पुस्तकालय की व्यवस्था की गयी है जिसमें विषय से सम्बन्धित सन्दर्भ-ग्रन्थों का संग्रह है। विभाग से विद्यार्थियों को केवल विभाग में बैठकर पढने के लिये पुस्तकें दी जाती हैं। विभागीय पुस्तकालय का अधिकतर प्रयोग शिक्षकों द्वारा किया जाता है। इसके अलावा विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिये महाविद्यालय का केन्द्रीय ग्रन्थालय का प्रयोग नियमित रूप से किया जाता है।
13. **आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबंधन प्रमाणपत्र कार्यक्रम** - वर्तमान सत्र में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन विषय से प्रमाणपत्र कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है। इसका उद्देश्य विद्यार्थियों को प्राकृतिक एवं मानव निर्मित विभिन्न प्रकार की आपदाओं के विषय में विशिष्ट जानकारी प्रदान करना एवं उससे निपटने के लिये उन्हें शिक्षित एवं प्रशिक्षित करना है। साथ ही राष्ट्रीय सुरक्षा पर पड़ने वाले इनके प्रभावों का भी विश्लेषण करना है। इस प्रमाणपत्र कार्यक्रम की विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर ली गयी है और इसे महाविद्यालय की वेबसाइट पर भी अपलोड किया जा चुका है। इसकी कक्षायें 16 अगस्त 2022 से लेकर 15 फरवरी 2023 तक संचालित की जायेंगी। कक्षा संचालन के बाद विद्यार्थियों की परीक्षा ली जायेगी जिसके परिणाम के आधार पर उन्हे प्रमाणपत्र वितरित किया जायेगा। 06 फरवरी, 2023 एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन होना सुनिश्चित है।
14. **एन.सी.सी** - महाविद्यालय में विगत वर्षों से संचालित एन.सी.सी. का प्रभार विभाग के शिक्षक श्री रमाकान्त दूबे को सौंपा गया। चूंकि एन.सी.सी के अधिकतर कार्यक्रम एन.सी.सी. कार्यालय के निर्देशानुसार सुनिश्चित एवं आयोजित किये जाते है फिर भी महाविद्यालय के कार्यक्रमों में एन.सी.सी. की मजबूत भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक कार्ययोजना तैयार की गयी है जिसका विस्तृत विवरण एन.सी.सी. प्रभारी के पास उपलब्ध है।
15. **स्वच्छता एवं विद्युत विभाग** - वर्तमान सत्र में स्वच्छता एवं विद्युत विभाग का प्रभार विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह को दिया गया है। इस स्वच्छता एवं विद्युत विभाग के कार्यक्रमों का विस्तृत विवरण तैयार किया जा चुका है।
16. **पुनीत सागर अभियान** - दिनांक 19 फरवरी, 2023 को रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के विद्यार्थियों और प्राध्यापकों द्वार पुनीत सागर अभियान के अन्तर्गत जंगल धूसड़ स्थित पोखरे की सफाई का कार्य करवाया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य भूगर्भिक जलस्रोत को स्वच्छ रखने हेतु लोगों के अन्दर जागरूकता पैदा करना था।

गृह विज्ञान विभाग

A. विभागीय योजना

1. **पाठ्यक्रम योजना** - सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबसाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम के सैद्धान्तिक एवं प्रायोगिक पाठ्य योजना को अद्यतन उद्धरित किया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य है कि पठन-पाठन का कार्य नियमित व सुचारू रूप से महाविद्यालय के शैक्षणिक पंचाग में निर्धारित दिवस के अनुरूप पूर्ण किया जा सके।

2. **कक्षा अध्यापन** – एक सप्ताह में पढ़ाये गये विषयवस्तु से सम्बन्धित किसी एक प्रकरण पर छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है, जिससे छात्राओं के मौखिक अभिव्यक्ति, चिन्तनशीलता, संवाद कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत विकास होता है।

3. **मासिक मूल्यांकन** – छात्राओं में वांछित व्यवहारगत परिवर्तन को जानने हेतु प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय–वस्तु से सम्बन्धित संरचनात्मक मूल्यांकन का प्रारूप तैयार किया जाता है। जिसमें बहुविकल्पीय एवं निबन्धात्मक प्रश्नों द्वारा छात्राओं के उपलब्धि एवं योग्यता का परिणात्मक आंकलन किया जाता है।

4. **प्रगति आख्या** – प्रगति आख्या में कक्षा के प्रत्येक छात्रा के कक्षागत गतिविधियों एवं आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इसमें छात्राओं के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक तथा गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।

5. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – इस प्रपत्र में शिक्षक द्वारा तैयार की गई योजना, उपयोगिता, क्रियान्वयन, वांछनीय दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। यह प्रपत्र प्रत्येक शिक्षक द्वारा प्रत्येक माह के 08 तारीख तक स्वयं भरकर जमा करना होता है।

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तिव एवं पठन–पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है जो छात्राओं द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में अपनी प्रतिपुष्टि के रूप में दर्ज करायी जाती है। सत्र के अन्त में दोनों माह की प्रतिपुष्टियों की विभागाध्यक्ष द्वारा समीक्षा की जाती है।

7. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह के शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान करने का भी प्रकल्प है। जिसके अन्तर्गत छात्राओं एवं शिक्षिकों द्वारा सहभाग किया जाता है ताकि महाविद्यालय से कार्य करने वाले चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों, शिक्षकों एवं प्राचार्य के मध्य समानता का भाव उत्पन्न हो सके।

8. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक** – विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक बुधवार को पठन–पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ, शिक्षण व्यूह रचना आदि विषयों की समीक्षा कर आगत सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साप्ताहिक बैठक होता है।

9. **पूर्व विश्वविद्यालय परीक्षा प्रश्न पत्र** – विभागीय स्तर पर सम्भावित प्रश्न पत्र तैयार कर छात्राओं को विश्वविद्यालय परीक्षा के लिए तैयार करना तथा उनके अधिगम कठिनाइयों एवं कमियों को इंगित करके सुधार लाना।

10. **निःशुल्क सिलाई–कढ़ाई प्रशिक्षण** – योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र वर्तमान में गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालित है। इस निरौपचारिक शिक्षा का उद्देश्य महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर रोजगार सृजन के अवसर प्रदान करना है। इसके अन्तर्गत ग्रामीण महिलाओं एवं छात्राओं को सिलाई–कढ़ाई एवं पेंटिंग का 06 माह तक निःशुल्क प्रशिक्षण दिया जाता है। प्रशिक्षणोपरान्त फरवरी माह में लिखित एवं प्रायोगिक परीक्षा के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर प्रशिक्षणार्थियों को पुरस्कृत कर प्रमाण पत्र प्रदान किया जाता है।

11. **गोद लिया गया गाँव** – गृह विज्ञान विभाग द्वारा 'नवका टोला' गाँव अधिगृहित किया गया है जो कि छोटी रेतवईयाँ धोधडा गाँव के समीप है। छात्राएँ तथा ज़िक्षिकाएँ साथ में निर्धारित तिथि एवं समय पर गाँव में जाकर वहाँ के लोगों से वार्तालाप करके उनकी समस्याओं, को जानना का प्रयास करती हैं, जिससे छात्राओं का सर्वांगीण विकास हो सके।

12. **गोद लिये गये विद्यार्थी** – महाविद्यालय की परम्परा अनुसार प्रत्येक शिक्षक महाविद्यालय के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेते हैं और उनके व्यक्तित्व विकास पर विशेष ध्यान व सहयोग देते है।

13. **नैक** – नैक एक संस्थान है जो भारत के उच्च शिक्षा तथा अन्य शिक्षा संस्थानों का आंकलन तथा प्रत्यायन का कार्य करती है जिसके अन्तर्गत हमारे महाविद्यालय में विभिनन प्रकार की शैक्षणिक एवं कौशल सम्बन्धी गतिविधियों को संचालित करके गुणवत्ता का मूल्यांकन किया जाता है एवं महाविद्यालय के नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर मांगे गए प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराया जाता है।

14. **एन.एस.एस. एवं एन.सी.सी.** – महाविद्यालय में एन.एस.एस, एन.सी.सी. जैसे प्रकल्पों का भी प्रावधान है जिसके तहत विभाग की लगभग 10 छात्राएँ एन.एस.एस. में तथा 5-6 छात्राएँ एन.सी.सी. में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही हैं। विभाग द्वारा छात्राओं को अधिक से अधिक इन प्रकल्पों में प्रतिभाग करने हेतु प्रोत्साहित किया जाता है और आगे भी निरन्तर रूप से किया जाता रहेगा।

15. **गोद लिये गये विद्यार्थी**

1. **शारदा रानी**	:	कृति गौंड	(बी.ए तृतीय वर्ष)
		कीर्ति रानी वर्मा	(एम.ए. द्वितीय वर्ष)
		कु. नेहा	(एम.ए. द्वितीय वर्ष)
		रानी	(बी.ए तृतीय वर्ष)
		निशा कुमारी	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
		सोनी विश्वकर्मा	(बी.ए. प्रथम वर्ष)
2. **सुश्री स्मिता दूबे**	:	गरिमा त्रिपाठी	(एम.ए. द्वितीय वर्ष)
		क्षिप्रा रानी	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
		ज्योति	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
		प्रियंका	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
		वेदांती विश्वकर्मा	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
		बेबी गुप्ता	(एम.ए. द्वितीय वर्ष)
3. **सुश्री रीतिका त्रिपाठी**	:	अम्बिका सिंह	(एम.ए. द्वितीय वर्ष)
		निशा विश्वकर्मा	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
		आकांक्षा चौहान	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
		स्मिता सिंह	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
		सल्लिमु निज़ा	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
4. डॉ. नेहा कौशिक	:	कुमारी नेहा	(बी.ए. द्वितीय वर्ष)
		अंकिता दूबे	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
		अनीशा विश्वकर्मा	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
		मनीषा वर्मा	(एम.ए. प्रथम वर्ष)
		दीक्षा मिश्रा	(एम.ए. द्वितीय वर्ष)

5. डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव :	संजना सहानी	(बी.ए. द्वितीय वर्ष) एन.सी.सी.
	ज्योति सहानी	(बी.ए. द्वितीय वर्ष) एन.सी.सी.
	अंशिका सिंह	(बी.ए. तृतीय वर्ष)
	रूबी भारती	(बी.ए. द्वितीय वर्ष)
	दीपशिखा सिंह	(बी.ए. द्वितीय वर्ष)

16. **विभागीय पुस्तकालय** – छात्राओं की तत्कालिक पुस्तकीय समस्याओं के समाधान हेतु विभागीय पुस्तकालय का भी प्रकल्प है, जिसके अन्तर्गत गृह विज्ञान विषय के पाँचों शाखाओं की कुल 15 पुस्तकें हैं। इसके अतिरिक्त नेट/जे.आर.एफ तथा टीईटी/सीटीईटी जैसे प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्राओं को प्रोत्साहित करने व तैयारी हेतु भी पुस्तिकाओं की व्यवस्था है।

17. **विभागीय कार्यभार** – विभागीय कार्यो को नियमित व सुचारू रूप से चलाने के लिए इस सत्र में विभाग की सभी शिक्षिकाओं को बराबर कार्यभार वितरित किया गया है जिससे कि शिक्षण–प्रशिक्षण एवं अन्य कार्यक्रमों में गुणवत्ता की कमी न आये। इस विभागीय कार्यभार की प्रणाली को आगे भी उतरोत्तर उद्धित किया जाता रहेगा।

18. **प्रयोगशाला सहायिका** – गृह विज्ञान प्रयोगशाला की उचित देखभाल व सुचारू कार्य संचालन के लिए लैब सहायिका का भी प्रावधान है। जिनका मुख्य कार्य लैब सम्बन्धित सामग्रियों, सफाई और व्यवस्था की देख–रेख करना है।

B. शिक्षण–विधियाँ

शिक्षण–विधि	सत्र 2022–23 में प्रस्तावित लक्ष्य
1. रीयल टाइम कम्युनिकेशन	इस विधि में ई–लर्निंग प्लेटफॉर्म पर वीडियो कॉन्फ्रेन्सिंग के माध्यम से जीवन्त कक्षा संचालन एवं छात्राओं से संवाद स्थापित किया जाता है। दि. 16.07.22 को बी.ए. तृतीय सेमेस्टर – सुश्री स्मिता दूबे दि. 21.08.22 को बी.ए. प्रथम सेमेस्टर – सुश्री रीतिका त्रिपाठी दि. 18.09.22 को एम.ए. प्रथम सेमेस्टर – सुश्री शारदा रानी
2. पॉवर प्वाइण्ट प्रस्तुतीकरण	इस विधि में प्रोजेक्टर विधि द्वारा पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरणों पर तैयार पी.पी.टी. का प्रस्तुतीकरण कर शिक्षक द्वारा किया जायेगा।
3. व्याख्यान विधि	विगत सत्रों की भाँति शिक्षक विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, क्रमिक एवं तार्किक रूप से विषय–वस्तु का प्रकटन करने हेतु व्याख्यान विधि का प्रयोग करेंगे।
4. योजना या प्रोजेक्ट विधि	इस विधि के तहत प्रत्येक छात्रा को प्रत्येक विषय का टॉपिक दिया जायेगा, जिस पर वह स्वयं हल निकालकर असाइनमेण्ट बनायेंगी, जिससे उनकी समस्या समाधान की तात्कालिक कौशल का विकास होगा।
5. सहभागी विधि	कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षिकाएँ छात्राओं की पूर्ण सक्रिय सहभागिता कराकर शिक्षण प्रक्रिया को प्रभावशाली व उद्देश्यपूर्ण बनायेंगी।
6. समावेशी शिक्षा	कक्षा में शारीरिक, बौद्धिक, मानसिक, सामाजिक, सांस्कृतिक आदि विशिष्ट

	जरूरतों वाली छात्राओं को ध्यान में रखते हुए उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने का सम्भावित प्रयास किया जाता है।
7. प्रदर्शन विधि	गृहविज्ञान एक व्यावहारिक विषय है जिसे केवल व्याख्यान विधि द्वारा पढ़ाना पर्याप्त नहीं है। अतः प्रदर्शन विधि द्वारा किसी संरचना, कार्य, प्रणाली, तथ्य, प्रक्रिया विधि को स्पष्ट किया जाता है जिससे छात्राएं निरिक्षण परीक्षण, अनुकरण आदि द्वारा जटिल प्रक्रिया का सरलता से बोध करती है।
8. करके सीखना	स्मृति का स्थान मस्तिष्क में नहीं वरन् शरीर के अवयवों में होता है। अतः गृह विज्ञान शिक्षण में छात्राओं को विभिन्न कार्यो को प्रत्यक्ष रूप से सीखने का अवसर प्रदान किया जाता है।
9. अन्वेषण/शोध विधि	एम.ए. द्वितीय वर्ष की छात्राओं में अन्वेषण एवं शोध की भावना के विकास हेतु उनके समक्ष एक समस्या प्रकट की जाती हैं। जिसके समाधान हेतु उनमें प्रेक्षण, चिंतन, तार्किकता की क्षमता का विकास होता है। इसमें शिक्षक की भूमिका मार्गदर्शक की तरह होती है।
10. शैक्षिक भ्रमण	बी.ए. अन्तिम वर्ष एवं एम.ए. की छात्राओं को पाठ्यक्रम सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जाता है। यह छात्राओं के लिए रोचक गतिविधियों में से एक है।
11. ग्रामीण भ्रमण	छात्राओं को ग्रामीण परिवेश के जीवन शैली, मनोवृत्ति, रोजगार, चुनौतियां, अवसर आदि पर विचार, चिंतन, मनन करने का अवसर दिया जाता है।

C. कार्यशाला एवं व्याख्यान

जुलाई 2022

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
28.07.2022	3 Days "Campaign on save soil"	गृह विज्ञान विभाग

अगस्त 2022

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
01.08.2022	'विश्व स्तनपान सप्ताह' समापन कार्यक्रम Step up for Breast feeding	संयोजक - डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव
03.08.2022	पोस्टर प्रतियोगिता (स्तनपान)	सुश्री शारदा रानी
04.08.2022	निबन्ध प्रतियोगिता विषय-नवजात शिशु के लिए स्तनपान एवं कोलेस्ट्रम	सुश्री रीतिका त्रिपाठी
05.08.2022	Food Competition Sub – Lactating women & Diet	सुश्री स्मिता दूबे

06.08.2022	'विश्व स्तनपान सप्ताह' (विशिष्ट व्याख्यान) विषय - कामकाजी महिलाओं हेतू स्तनपान प्रबन्धन	डॉ. रीता मिश्रा, गायनोकोलॉजिस्ट (प्रगति मैटर्निटी हास्पिटल)
11.08.2022	आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत हर घर तिरंगा विषय पर निबंध, स्लोगन तथा पेंटिंग प्रतियोगिता	डॉ. सांत्वना श्रीवास्तव

सितम्बर 2022

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
01.09.2022	'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' उद्घाटन कार्यक्रम	श्रीमती शिप्रा सिंह
02.09.2022	विशिष्ट व्याख्यान Nutritional Fundamentals for our Body, Mind and Soul	डॉ. कनक लता मिश्रा, अध्यक्ष गृह विज्ञान विभाग, सेंट जोसफ कालेज फॉर वीमन, सिविल लाइन्स, गोरखपुर
03.09.2022	Nutritious "laddoo making competition"	सुश्री स्मिता दूबे
05.09.2022	Two Days Workshop on Diet plan	सुश्री शारदा रानी
06.09.2022	Two Days Workshop on Diet plan	सुश्री शारदा रानी
07.09.2022	'राष्ट्रीय पोषण सप्ताह' समापन कार्यक्रम फूड विदाउट फायर प्रतियोगिता	सुश्री रीतिका त्रिपाठी
22.09.2022	तीन दिवसीय कार्यशाला विषय–इलेक्ट्रिक सिलाई मशीन, ड्राफ्टिंग एवं कटिंग प्रशिक्षण	सुश्री शारदा रानी

अक्टूबर 2022

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
16.10.2022	विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर शोध व्याख्यान प्रतियोगिता विषय - वर्तमान परिप्रेक्ष्य में जैविक खाद्य पदार्थों की उपयोगिता	–

जनवरी 2023

दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
02.01.2023	Winter specials Disease Based food Competition	सुश्री रीतिका त्रिपाठी
24.01.2023	दो दिवसीय कार्यशाला विषय - लई एण्ड डाई	सुश्री शारदा रानी
24.01.2023	राष्ट्रीय बालिका दिवस के अवसर पर शपथ ग्रहण समारोह	सुश्री रीतिका त्रिपाठी

फरवरी 2023		
दिनांक	कार्यक्रम	मुख्य वक्ता/अतिथि
20.02.2023	सेमिनार विषय – किशोरियों के पोषण स्तर पर उनकी खाद्य आदतों का प्रभाव	डॉ. अपूर्वा त्रिपाठी
24.02.2023	ब्यूटी एण्ड सेल्फ केयर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम परीक्षा	डॉ. अपूर्वा त्रिपाठी
28.02.2023	विशिष्ट व्याख्यान विषय – Plants and Their Important Role in Soil Conservation	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव, अध्यक्ष, वनस्पति विज्ञान विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
28.02.2023	योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र की परीक्षा	सुश्री शारदा रानी

नोट : उपरोक्त कार्यक्रमों में तिथि समय अथवा अतिथि में सम्भावित परिवर्तन किया जा सकता है। (Save soil Compaign के अन्तर्गत Terrace Forming workshop (3 days) मार्च/अप्रैल में कार्यदिवस तिथि आने के बाद निर्धारित होगा)

D. कक्षाध्यापन की तिथियाँ

	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. (प्रथम)	NA	8,20,29	8,27	8,18	NA	13	NA	11,20,27	13,22,29	8	17,24
बी.ए. (द्वितीय)	23,30	6,14	1,8,15	4,18	NA	7,15,22	NA	11,20,27	13,20,29	8	17,24
बी.ए. (तृतीय)	19,26	3,16	7,16,26	8,20	23	1,14	6,13,21	11,20,27	–	–	–
एम.ए. (प्रथम)	NA	NA	12,21	1,16	1	7,15	NA	11,20,27	13,22,29	8	17,24
एम.ए. (द्वितीय)	16,23, 30	8,18, 26	3,10, 20,27	8,15, 29	NA	NA	NA	11,20, 27	13,20, 29	8	17,24

E. मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ

	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. (प्रथम)	NA	26	30	29	NA	NA	NA	28	31	–	30
बी.ए. (द्वितीय)	31	24	28	17	NA	NA	NA	28	31	–	30
बी.ए. (तृतीय)	NA	24	28	28	19	29	21	28	31	–	30
एम.ए. (प्रथम)	NA	24	30	29	NA	NA	NA	28	31	–	30
एम.ए. (द्वितीय)	NA	25	26	19	NA	NA	NA	28	31	–	30

नोट – विशिष्ट परिस्थितियों में उपरोक्त कार्यक्रमों की तिथि, समय एवं अतिथि में परिवर्तन किया जा सकता है।

ब्यूटी एण्ड सेल्फ केयर

महाविद्यालय में 'ब्यूटी एण्ड सेल्फ केयर त्रैमासिक प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम' का गृह विज्ञान विभाग द्वारा संचालन किया जा रहा है।

1. **उद्देश्य** – वर्तमान समय में महिलाओं व छात्राओं को आत्मनिर्भर व सशक्त बनाने के उद्देश्य से इस पाठ्यक्रम का गृह विज्ञान विभाग द्वारा सत्र 2021–22 से संचालन किया जा रहा है। ताकि छात्राएं रोजगार कौशल को विकसित करके अपने व अपने परिवार को आर्थिक रूप से मजबूती तथा अच्छा स्वास्थ्य प्रदान कर सकें।
2. **संचालन विधि** – ब्यूटी एण्ड सेल्फ केयर प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम 1 अक्टूबर से प्रारम्भ होकर 15 जनवरी तक पूर्ण करा लिया जायेगा। इसकी कक्षाएं सोमवार से मंगलवार तक सातवीं घण्टी में गृह विज्ञान प्रयोगशाला में संचालित की जायेंगी। पाठ्यक्रम पूर्ण होने पर जनवरी माह के अन्त तक सैद्धान्तिक व प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित होंगी। जिसमें सर्वश्रेष्ठ अंक प्राप्त करने वाली छात्रा को महाविद्यालय के समावर्तन समारोह में मुख्य अतिथि द्वारा पुरस्कृत किया जायेगा।

प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग

1. **उद्देश्य** – इतिहास का सम्बन्ध समय से है और समय शाश्वत सत्य है। विभाग का उद्देश्य अपने विभागीय विद्यार्थियों को कल, आज और सम्भावित कल की संस्कृति, सभ्यता, परम्परा, ज्ञान–विज्ञान, लोक कला के साथ–साथ तत्कालीन स्थितियों–परिस्थितियों आदि का शिक्षण व ज्ञान देकर वर्तमान की प्रगतिशीलता और समय की सातत्य डोर से उन्हें बाँधे रखना है।
2. **पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षा संचालन** – नियोजित रूप से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में पाठ्यक्रम योजना प्रत्येक विभागों द्वारा बनायी जाती है। इस पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को कार्यदिवसों के अनुरूप बाँट दिया जाता है। सत्र के प्रथम तीन महीने 3+2+1 की योजना पर अर्थात 03 दिन एक प्रश्नपत्र, 02 दिन दूसरा प्रश्नपत्र तथा 01 दिन कक्षाध्यापन/मासिक मूल्यांकन कक्षा का संचालन होता है। अगले तीन महीने 2+3+1 की योजना के अनुरूप कक्षा संचालित होती है। पाठ्यक्रम योजना में विभाग के किस कार्यदिवस में किस शिक्षक को कौन सा टापिक पढ़ाना है, यह पूर्व निर्धारित रहता है इस प्रकार पाठ्यक्रम योजना बनाने का उद्देश्य स्पष्ट तौर पर सत्र भर पूर्व योजना–पूर्ण योजना के सिद्धान्त पर अनुशासित रूप से कक्षाओं का संचालन करना है। प्रतिवर्ष की ही भांति विभाग द्वारा इस सत्र (2022–23) की पाठ्यक्रम योजना मई माह में ही बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस सत्र में बी.ए. भाग दो एवं बी.ए. तृतीय सेमेस्टर की कक्षा विभाग द्वारा 8 जुलाई से ही प्रारम्भ कर दी गई है। 1 अगस्त से बी.ए. प्रथम सेमेस्टर एवं एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ हो जायेगी। 6 फरवरी से बी.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ तथा एम.ए. द्वितीय सेमेस्टर की कक्षाओं का संचालन प्रारम्भ होगा। विभागीय पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध होने के साथ–साथ विभाग के विद्यार्थियों को भी कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से दे दी जाएगी।
3. **कक्षाध्यापन** – विद्यार्थियों में सम्प्रेषण क्षमता तथा अभिव्यक्ति कौशल के विकास के उद्देश्य से विभाग द्वारा

सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वारा कक्षा का संचालन कराया जाता है, जिसे हम महाविद्यालय प्रशासन की भाषा में विद्यार्थी कक्षाध्यापन कहते है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षक प्रत्येक कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के बढ़ते क्रम में 05/10 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें कक्षाध्यापन का शीर्षक स्वेच्छा से चुनने को कहता है। विद्यार्थी शीर्षक न चुन सके तो शिक्षक शीर्षक देता है। तत्पज्चात समय की उपलब्धता के आधार पर उनका व्याख्यान शीर्षक प्रस्तुतिकरण योग्य तैयार करवाता है तथा स्वयं 05 दिन कक्षा में पढ़ाने के उपरान्त छठवे दिन निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराता है। कक्षाध्यापन के दौरान शिक्षक प्रस्तुतीकरण देने वाले विद्यार्थी का विश्लेषण कर उसे ग्रेड देता है तथा अपने प्रगति आख्या में उक्त विद्यार्थी के खाते में कक्षाध्यापन दर्ज कर लेता है। साथ ही साथ विद्यार्थी के कक्षाध्यापन के कमजोर पक्षों को मजबूत बनाने हेतु दिशा–निर्देश भी देता है इस सत्र में प्रस्तावित कक्षाध्यापन की तिथियाँ अग्रलिखित है।

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	अप्रैल	मई
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	11	1,10,20	05,15	9	NA	NA	NA	NA	NA
बी.ए. तृतीय सेमे.	16,23	08, 19	06,16	1,13	5	NA	NA	NA	NA	NA
बी.ए. तृतीय वर्ष	15,22,29	06,16	05,23	12	3,12,19	05	07,16	08	NA	NA
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	08,17	02,12,21	10	01,10	NA	NA	NA	08,17	02,12,21
बी.ए. द्वितीय सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	14	01,14,23	11,18
एम.ए. द्वितीय सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	14	01,14,23	11,18
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	14	01,14,23	11,18

4. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक मास के अन्त में विद्यार्थियों की विषय–ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन निर्धारित प्रश्न–पत्रों/प्रारूपों के आधार पर किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न–पत्र उसी माह में पढ़ाये गये विषय–वस्तुओं के आधार पर ही निर्मित होंगे। अगस्त से जनवरी माह तक पूछे गए मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जाएेंगे। इस सत्र में प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ अग्रलिखित हैं–

कक्षा	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	मई
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	22	27	29	15	NA	30	NA	NA	NA
बी.ए. तृतीय सेमे.	30	26	24	20	15	NA	30	NA	NA	NA
बी.ए. तृतीय वर्ष	NA	25	30	19	28	14	31	15	NA	NA
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	24	28	17	15	NA	NA	NA	NA	NA
बी.ए. द्वितीय सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	22	31	25
एम.ए. द्वितीय सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	22	31	25
बी.ए चतुर्थ सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	27	31	25

5. **प्रगति आख्या** – प्राचीन इतिहास विषय की प्रत्येक कक्षा में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों की कक्षा में कुल उपस्थिति, उनका आचरण-व्यवहार, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन में उनका प्रदर्शन इत्यादि का विवरण प्रत्येक माह, माह के अन्त में ऑनलाइन प्रगति आख्या में संकलित किया जायेगा। सत्र के अन्त में इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

6. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** – विभागीय शिक्षक द्वारा प्रतिमाह ऑनलाइन शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग के अन्तर्गत अपलोड कर दिया जाएगा। जिसका एक प्रिंट आउट शिक्षक अपने पास भी विभाग में रखेगा। इस शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र में शिक्षक अपनी गत मास की मासिक गतिविधियों यथा- किस कक्षा में कितना व्याख्यान पढ़ाये, कितने कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन कराए, कितने दिन महाविद्यालय विलम्ब से आये, कितने दिन महाविद्यालय से समय से पूर्व चले गये, दिये गये उत्तदायित्वों का निर्वहन कैसे किया, महाविद्यालय के योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कैसे सहभाग किया, इत्यादि का विवरण दर्ज होगा। सत्र के अन्त में शिक्षक द्वारा इस स्वमूल्यांकन प्रपत्र का विश्लेषण कर आने वाले सत्र में परिलक्षित कमियों, दोषों का निवारण भी किया जायेगा।

7. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – इस प्रपत्र के माध्यम से शिक्षक अपने व्यवहार, आचरण, शिक्षण विधि, विषय ज्ञान एवं सम्प्रेषण कौशल का मूल्यांकन विद्यार्थियों द्वारा सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में कराता है। वर्तमान सत्र में भी यदि परिस्थितियाँ अनुकूल रहीं तो सितम्बर एवं दिसम्बर माह में यह प्रपत्र भरवाया जायेगा। साथ ही प्रपत्र में प्राप्त नकारात्मक बिन्दुओं पर आत्मचिन्तन एवं आत्मविश्लेषण कर भविष्य में उसे सुधारने का प्रयास किया जायेगा।

8. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रों में भी सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। इस सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित यथासम्भव सम्मिलित रहेगा।

9. **शिक्षण विधियाँ** – पाठ्य विषय को ग्राह्य एवं रुचिकर बनाने के उद्देश्य से कक्षाओं में विविध शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग किया जायेगा। कुछ प्रमुख प्रविधियाँ निम्नवत् हैं:

   1. व्याख्यान विधि द्वारा शिक्षण
   2. प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा शिक्षण
   3. समूह परिचर्चा विधि द्वारा शिक्षण
   4. पॉवर-प्वाइण्ट विधि द्वारा शिक्षण
   5. प्रोजेक्टर के प्रयोग द्वारा शिक्षण
   6. मानचित्रों द्वारा शिक्षण
   7. वंशावली चार्टों द्वारा शिक्षण
   8. ऑडियो-वीडियो (दृश्य-श्रव्य) विधि द्वारा शिक्षण
   9. प्रदर्शन विधि द्वारा (मुद्रा प्रदर्शन बोर्ड) शिक्षण
   10. शैक्षिक भ्रमण विधि द्वारा शिक्षण

   उपर्युक्त शिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ-साथ उनमें तार्किकता के सृजन, चिन्तन, बौद्धिकता, विषयग्राह्यता और तकनीकी कुशलता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस सत्र में भी विगत वर्ष की ही भांति विभाग द्वारा सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम योजनानुसार समस्त प्रश्नपत्रों का पी.पी.टी. बनाकर सभी कक्षाओं को प्रोजेक्टर से पढ़ाने की योजना है।

10. **विभागीय कार्यक्रम** – विगत सत्रों की ही भाँति इस सत्र में भी विभाग द्वारा विभाग एवं महाविद्यालय स्तर पर कुछ कार्यक्रम कराने की योजना है। इनमें से कुछ कार्यक्रम परम्परागत स्वरूप पर होंगे, जबकि कुछ नवीन प्रयोगों पर आधारित। विभाग द्वारा इस सत्र में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की सम्भावित सूची निम्नवत् है।

अ. अतिथि व्याख्यान

क्र.सं.	तिथि	विषय	वक्ता
1.	08 अगस्त, 2022	भारतीय संस्कृति के विविध आयाम	प्रो. राजवन्त राव, आचार्य एवं पूर्व अध्यक्ष, प्राचीन इतिहास, पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर
2.	09 जनवरी, 2023	पृथ्वी पर मानव की उत्पत्ति एवं पाषाण काल भारतीय प्रागैतिहास के विशेष सन्दर्भ में	डॉ. विनोद कुमार, पी.डी.एफ. फेलो भारतीय इतिहास अनुसंधान परिषद्

ब. निबन्ध लेखन प्रतियोगिता - यह प्रतियोगिता 27 सितम्बर, 2022 को आयोजित होगी।

स. वंशावली चार्ट एवं मानचित्र निर्माण प्रतियोगिता - यह प्रतियोगिता 12 अक्टूबर, 2022 को आयोजित होगी।

11. **ग्राम्य-दर्शन** - प्राचीन इतिहास, पुरातत्त्व एवं संस्कृति विभाग द्वारा महाविद्यालय से सटे ग्राम- छोटी रेतवहियाँ को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लिये जाने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जागरूकता, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संचालित कर उन्हें भी समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर देना है। इस वर्ष विभाग द्वारा गोद लिये गाँव छोटी रेतवहियाँ में विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण एवं जनजागरूकता के लिए 4 बार जाया जाएगा।

12. **गोद लिए गए विद्यार्थी** - विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक 5 विद्यार्थियों को गोद लेता है। गोद लिये गये विद्यार्थी प्रायः प्रथम वर्ष के होते हैं। विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों के पठन-पाठन से लेकर समग्र जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सम्बन्धित विभागीय शिक्षक की होती है। गोद लिये विद्यार्थी एवं सम्बन्धित शिक्षक का सम्बन्ध पिता-पुत्र/पिता-पुत्री के समान होता है। शिक्षक समय-समय पर अपने गोद लिये गये विद्यार्थी के साथ उन्मुक्त वार्ता करता है, उनकी समस्याओं को सुनता है तथा यथाशक्ति उसका निराकरण करता है। वर्तमान सत्र में मेरे द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम सेमेस्टर से 5 विद्यार्थियों को गोद लिया जाएगा।

13. **विभागीय पुस्तकालय** - विभाग ने केन्द्रीय ग्रन्थालय के अतिरिक्त अपने स्तर पर एक विभागीय पुस्तकालय का प्रबन्ध किया है। विभागीय पुस्कालय में वर्तमान समय में 110 पुस्तकें हैं। विभाग के पास इन पुस्तकों की सूची उपलब्ध है। विभाग अपने स्तर पर विषय के विद्यार्थियों को निश्चित नियमों के अन्तर्गत पुस्तक निर्गत करता है। विभाग के शिक्षक स्वयं यथासम्भव प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में जाते है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते है।

14. **वेबसाइट/फेसबुक** - महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए अपने वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का उपयोग करता है। विभाग भी अपनी सूचनाओं को विभागीय विद्यार्थियों को साप्रेषित करने के लिए कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के अतिरिक्त महाविद्यालय की वेबसाइट एवं फेसबुक पेज का भी उपयोग करता है।

15. **छात्रसंघ/नैक/एन.सी.सी/एन.एस.एस. में विभाग की भूमिका** - विभाग समय-समय पर महाविद्यालय के विविध शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रकल्पों तथा छात्रसंघ, नैक, एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी अपना योगदान देता है। छात्रसंघ प्रभारी द्वारा निर्गत सूचनाओं को अपने कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के द्वारा विभाग विद्यार्थियों में

सम्प्रेषित करता है। नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर विभाग से मांगे गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराता है एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी प्रतिभाग करने के लिए विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

16. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** – परिसर अनुशासन को बनाए रखने में विभाग महाविद्यालय के नियन्ता मण्डल का पूर्ण सहयोग करता है। विभाग के शिक्षक महाविद्यालय परिसर में जहाँ भी रहते है, अपने अगल-बगल एक निश्चित सीमा तक की अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध एवं जवाबदेह होते है। विभाग के आस-पास के अनुशासन व्यवस्था की भी पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय शिक्षक की होती है।

17. **समय-सारणी** – महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय-सारणी उपलब्ध कराया जाता है। समय-सारणी के अन्तर्गत बी.ए. भाग एक, दो की प्रतिदिन एक-एक कक्षा जब की बी.ए. भाग तीन की सोमवार-मंगलवार दो-दो तथा शेष दिन एक-एक कक्षा संचालित होती है। विभाग द्वारा समय-सारणी का शत-प्रतिशत पालन किया जाता है।

18. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रसार एवं शिक्षक ब्लाग** – विभाग कक्षाओं के पठन-पाठन में नित्य नूतन प्रयोग करता रहता है। साथ ही साथ विभाग पठन-पाठन की बहुधा नवीन तकनीकों का भी समावेशन कक्षाओं में करता है। विभाग के शिक्षक विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते है। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षक अपने ब्लाग पर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यसामाग्री भी समय-समय पर अपलोड करते चलते है। सत्र 2022-23 में विभाग की यह योजना है कि समस्त कक्षाओं के समस्त प्रश्नपत्रों का सम्पूर्ण पी.पी.टी बनाकर ब्लाग पर अपलोड कर दिया जाए। वर्तमान समय में विभागीय शिक्षक के ब्लाग पर 05 पी.पी.टी. कंटेन्ट, 11 शोध पत्र, 6 नोट्स, सत्र 2020-21 के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के 07 प्रश्नपत्रों सहित अपना अद्यतन आयोडाटा अपलोड है। आगे इस ब्लाग को और अधिक समृद्ध करने की योजना है।

19. **शिक्षक-आचार संहिता** – महाविद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षक आचार संहिता लागू है जिसका विभाग के द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाता रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा।

20. **शैक्षिक देशाटन** – इस वर्ष विभाग के विद्यार्थियों हेतु एक शैक्षिक देशाटन (निकट के ऐतिहासिक स्थल पर) की योजना है। इस योजनान्तर्गत विभाग के चुनिंदा विद्यार्थियों को एक दिन के टूर पर ले जाया जाएगा।

राजनीतिशास्त्र विभाग

विभागीय योजनाएँ

1. **पाठ्यक्रम योजना** – सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वेबासाइट पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम की पाठ्य योजना अद्यतन उद्धत की जाती है जिसमें तिथिवार प्रश्नपत्र से सम्बन्धित शीर्षक का उल्लेख होता है इसकी सहायता से विद्यार्थी कक्षा में ऑने से पहले मानसिक रूप से तैयार रहता है। सत्र 2022-2023 की पाठ्यक्रम योजना के अनुसार बी.ए. द्वितीय सेमेस्टर, बी.ए. तृतीय सेमेस्टर एवं तृतीय वर्ष, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर वर्ष की कक्षाएँ 08 जुलाई से प्रारम्भ हो चुकी हैं जबकि बी.ए. (प्रथम सेमेस्टर) एवं एम.ए. (प्रथम सेमेस्टर) की कक्षाएँ 01 अगस्त से प्रारम्भ होंगी।

   इसके साथ ही सी.बी.सी.एस./सेमेस्टर प्रणाली में शैक्षिक सत्र को दूसरी छमाही में सम-सेमेस्टर की कक्षाएं चलनी है। जिसमें बी.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएं 01 फरवरी से 30 मई तक चलेंगी। विभाग के

सभी कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है।

2. **कक्षाध्यापन** – विषय में किसी प्रश्न-पत्र में पढ़ाये गये पिछले पाँच व्याख्यानों के आधार पर प्रत्येक छठें दिन विद्यार्थी द्वारा कक्षाध्यापन किया जाता है। इससे विद्यार्थियों की मौखिक अभिव्यक्ति, चिन्तनशीलता, संवाद-कौशल, विश्लेषण क्षमता आदि का सतत विकास होता है। आगामी सत्र में होने वाले कक्षाध्यापन का तिथिवार उल्लेख निम्न सूची में है-

कक्षाध्यापन	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	08,19	07,19,26	07,17	21	3, 15	-	-	-	-	-
बी.ए. द्वितीय सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	10,17,24	11,21,28	8	17,24
बी.ए. तृतीय सेमे.	20,28	06,17,25	6,16,24	13,20	5,14	5, 14	-	-	-	-	-
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	11,16,25	13,22,27	6	16,24
बी.ए. तृतीय वर्ष	20,28	10,24	19,28	28	9,18	12	4,12	11,20			
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	8,17	3,12, 20,27	7,13,20	3,11	5,12	-	-	-	-	-
एम.ए. द्वितीय सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	10,17,25	11,21,27	8	17,24
एम.ए.तृतीय सेमे.	23,30	3,10, 19,26	5,13, 18,28	8,17,28	7,14	5, 14	-	-	-	-	-
एम.ए. चतुर्थ सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	11,17,24	13,21,28	6	16,24

3. **मासिक मूल्यांकन** – विद्यार्थियों में वांछित व्यवहारगत परिवर्तन को जानने हेतु प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तु से सम्बन्धित संरचनात्मक मूल्यांकन का प्रारूप तैयार किया जाता है जिसमें बहुविकल्पी एवं निबन्धात्मक प्रश्नों द्वारा विद्यार्थियों की उपलब्धि एवं योग्यता का परिमाणात्मक आकलन किया जाता है। आगामी सत्र में होने वाले मासिक मूल्यांकन का तिथिवार उल्लेख निम्न सूची में है-

मासिक मूल्यांकन	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	27	30	28	NA	-	-	-	-	-	-
बी.ए. द्वितीय सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	27	31	NA	27
बी.ए. तृतीय सेमे.	30	27	30	29	NA	-	-	-	-	-	-
बी.ए. तृतीय वर्ष	230	NA	5	12	29	NA	16	5,16	-	-	-
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	28	29	NA	30
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	24	27	20	-	-	-	-	-	-	-
एम.ए. द्वितीय सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	27	31	NA	27
एम.ए. तृतीय वर्ष	30	27	30	29	-	-	-	-	-	-	-
एम.ए. चतुर्थ सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	28	29	NA	30

4. **प्रगति-आख्या** - इसमें कक्षा के प्रत्येक विद्यार्थी की कक्षागत गतिविधियों यथा कुल कार्यदिवसों में विद्यार्थी की उपस्थिति, कक्षाध्यापन की संख्या, मासिक मूल्यांकन एवं कक्षा में उसके आचरण-व्यवहार का माहवार संकलन होता है। इससे विद्यार्थियों के गुण, योग्यता एवं विशेषता के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक उपलब्धि की जानकारी प्राप्त होती है।

   गत सत्र बी.ए. एवं एम.ए. प्रथम वर्ष का ऑफलाइन एवं बी.ए. (द्वितीय एवं तृतीय वर्ष) तथा एम.ए. द्वितीय वर्ष की प्रगति आख्या ऑनलाइन भरा गया था परन्तु इस सत्र इसे पूरी तरह से ऑनलाइन भरा जाएगा।

5. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** - यह शिक्षक के आत्म मूल्यांकन से सम्बन्धित प्रपत्र है जिसमें शिक्षक को स्वप्रेरणा से किये गये। कोई कार्य, किसी अन्य शिक्षक का सहयोग करना, अन्य किन्ही शिक्षकों का सहयोग लेना, कितने कार्य दिवस पर विलम्ब से आये, कितने कार्यदिवस पर समय से पूर्व गये इत्यादि बातों का उल्लेख किया जाता है। यह प्रपत्र शिक्षक द्वारा स्वयं प्रत्येक माह की 08 तारीख के भीतर ऑनलाइन दर्ज करना होता है।

   इससे शिक्षक द्वारा तैयार की गयी योजना, कियान्वयन, दायित्व आदि का गुणात्मक मूल्यांकन होता है। राजनीतिशास्त्र विभाग, महाविद्यालय की इस योजना का परिपालन इस सत्र भी करेगा।

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - यह प्रपत्र शिक्षकों के व्यक्तित्व एवं पठन-पाठन में निरन्तर सुधार से सम्बन्धित है जो विद्यार्थियों द्वारा सत्र में दर्ज कराया जाता है।

   इस सत्र में इसे सितम्बर एवं जनवरी माह में दर्ज कराया जाएगा।

7. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक** - विभागाध्यक्ष की अध्यक्षता में प्रत्येक शनिवार को पठन-पाठन एवं अन्य सभी विभागीय गतिविधियों की समीक्षा कर आगत सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु साप्ताहिक बैठक किया जाएगा।

8. **शिक्षक ब्लाग** - महाविद्यालय की वेबसाइट पर प्रत्येक शिक्षक का ब्लाग बना हुआ है जिसमें शिक्षक अपने व्याख्यानों के क्रम में अपलोड करता है इसमें शिक्षक द्वारा स्वयं तैयार किया गया पी.पी.टी. किसी प्रतिष्ठित पत्रिका में छपा लेख या कोई शोध पत्र शामिल होता है।

   इस सत्र में विभाग के प्रत्येक शिक्षक के प्रत्येक व्याख्यान की पठन-पाठन सामग्री ब्लाग पर आवश्यक रूप से अपलोड की जाएगी।

9. **विभागीय पुस्तकालय** - विभाग से सम्बन्धित ऐसे विद्यार्थी, जो पुस्तकों को खरीदने में सक्षम नहीं है अथवा अधिकाधिक पुस्तकों के अध्ययन में रूचि रखते हैं उनके लिए विभाग में कुछ पुस्तकें व पत्रिकाएं रखी गयी है इच्छुक विद्यार्थी से कुछ जानकारी लिखित रिकार्ड में रखते हुए उन्हे पुस्तकें आवंटित कर दी जाती है। विभाग में पुस्तक उपलब्ध न होने पर उन्हें केन्द्रीय पुस्तकालय से पुस्तकें दिलाने का प्रयास किया जाता है।

   इस सत्र में विभागीय पुस्तकालय के पुस्तकों की संख्या में आवश्यक वृद्धि करने का प्रयास किया जाएगा।

10. **गोद लिए गये विद्यार्थी** - शिक्षक द्वारा अपनी कक्षा के कुछ (लगभग पाँच विद्यार्थी) ऐसे विद्यार्थी जिनकी कक्षा में गतिविधियां कुछ असमान्य हों यथा किसी गतिविधि में रूचि न रखना, कक्षा में लगातार अनुपस्थित रहना, को शिक्षक द्वारा गोद लिया जाता है ताकि ऐसे विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके। विभाग के शिक्षकों द्वारा गये विद्यार्थियों की सूची-

शिक्षक	गोद लिए गये विद्यार्थी			
	नाम	कक्षा	आई.डी.संख्या	मोबाइल नं.
श्री हरिकेश यादव	रूपम चौधरी	बी.ए. तृतीय वर्ष	B.A.2020210106	7394927206
	प्रिया जायसवाल	बी.ए. तृतीय वर्ष	B.A.2020210326	6386464577
	मो. इशराफिल शाह	बी.ए. तृतीय वर्ष	B.A.2020210252	8382943298
	रितेश कुमार सिंह	बी.ए. तृतीय वर्ष	B.A.2020210339	8709919680
	शिवम यादव	बी.ए. तृतीय वर्ष	B.A.2020210331	7991991405
डॉ. सलिल कुमार पाण्डेय	विष्णु पटेल	बी.ए. भाग दो	MPPGA5210056	9118284518
	विकास निषाद	बी.ए. भाग दो	MPPGBA5220124	9129094700
	अशीष कुमार पाण्डेय	बी.ए. भाग एक	MPPGBA5220610	7070106495
	मनीषा भारद्वाज	बी.ए. भाग एक	MPPGBAS220547	8601450286
	निशा भारद्वाज	बी.ए. भाग एक	MPPGBAS220548	8601450286
श्री अभिनव त्रिपाठी	विजयनाथ प्रसाद	बी.ए. भाग दो	MPPGBA220455	9554938165
	सुजीत सिंह	बी.ए. भाग दो	MPPGBAS220594	9695360056
	सत्यजीत कशवाहा	बी.ए. भाग दो	MPPGBAS220580	7080516079
	विनीता	बी.ए. भाग दो	MPPGBAS220273	9569306598
	कल्पना	बी.ए. भाग दो	MPPGBAS220511	9369198867

11. **गोद लिए गया गाँव** – संस्थागत सामाजिक दायित्वों के निर्वहन हेतु राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा ककरहिया ग्राम अधिगृहित किया गया है। विभाग द्वारा अधिगृहित ग्राम का वर्ष में लगभग चार बार भ्रमण किया जाता है इस भ्रमण के माध्यम से ग्रामवासियों को उनके नागरिक अधिकारों, कर्त्तव्यों, सरकार द्वारा चलायी गयी विभिन्न योजनाएँ, आदि के विषय में जागरूक किया जाता है।

    इस सत्र में राजनीतिशास्त्र विभाग द्वारा निम्न तिथियों पर ग्राम भ्रमण/ ग्राम्य दर्शन की योजना है–

    1. 14 अगस्त 2022 – रविवार
    2. 16 अक्टूबर 2022 – रविवार
    3. 26 फरवरी 2023 – रविवार
    4. 28 मई 2023 – रविवार

शिक्षण विधियाँ

1. **व्याख्यान विधि** – शिक्षक द्वारा विविध प्रकरणों, तथ्यों को समझाने, तार्किक रुप से विषयवस्तु का प्रकटन करने हेतु पारंपरिक विधि 'व्याख्यान विधि' का प्रयोग किया जाएगा।
2. **पॉवर-प्वाइण्ट प्रस्ततीकरण** – इस विधि में प्राजेक्टर द्वारा पाठ्यक्रम के विभिन्न प्रकरणों पर तैयार पीपीटी का प्रस्तुतीकरण कर शिक्षक द्वारा व्याख्या की जाएगी।
3. **सहभागी विधि** – कक्षा शिक्षण के दौरान शिक्षक, विद्यार्थियों की पूर्ण सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित कर शिक्षण-प्रक्रिया को प्रभावशाली एवं उद्देश्यपूर्ण बनाया जाएगा।

4. **ऑनलाइन शिक्षण** – विगत सत्र कोरोना महामारी के कारण शासनानुदेशों का पालन करते हुए कक्षा में कुल पंजीकृत विद्यार्थियों के अधिकतम एक तिहाई विद्यार्थियों की सहभागिता सुनिश्चित की जा सके इसके लिए ऑनलाइन शिक्षण (जूम/गूगल मीटींग एप) का प्रयोग किया गया। आगामी सत्र में यदि आवश्यकता हुई तो पुनः इस विधि का प्रयोग किया जाएगा।

कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी, अन्य विभागीय कार्यक्रम

जुलाई

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
11.07.2022	सोमवार	10:30 से 11:20 बजे	जनसंख्या विस्फोट एवं खाद्य सुरक्षा	व्याख्यान	वक्ता डॉ. विजय कुमार चौधरी

अगस्त

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
16.08.2022	मंगलवार	10:00 से 11:20 बजे	वाद-विवाद प्रतियोगिता	व्याख्यान	–

सितम्बर

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
27.09.2022	मंगलवार	11:20 से 12:10 बजे	निबन्ध लेखन प्रतियोगिता	–	–

अक्टूबर

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
24.10.2023	सोमवार	11:20 से 12:10 बजे	नई-विश्व व्यवस्था एवं संयुक्त राष्ट्र संघ	व्याख्यान	श्री अनूप कुमार पाण्डेय
31.10.2023	सोमवार	11:20 से 12:10 बजे	राष्ट्र निर्माण में सरदार पटेल की भूमिका	व्याख्यान	श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी

नवम्बर

दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
25.11.2022	शुक्रवार	01:50 से 02:40 बजे	एकजूट! सक्रियता महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ हिंसा को समाप्त करने के लिए	व्याख्यान	डॉ. भावना पाण्डेय
25.11.2022	शनिवार	01:50 से 02:40 बजे	भारतीय संविधान: मूल्य एवं आदर्श	व्याख्यान	श्री अभिषेक त्रिपाठी

दिसम्बर					
दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
09.12.2022	शुक्रवार	01:50 से 02:40 बजे	गरिमा, स्वतंत्रता और सभी के लिए न्याय	व्याख्यान	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय
जनवरी					
दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
25.01.2023	बुधवार	01:50 से 02:40 बजे	वोटिंग बेमिसाल हैं, मैं अवश्य वोट देता हूँ	व्याख्यान	श्री अनूप पाण्डेय
फरवरी					
दिनांक	दिन	समय	विषय	कार्यक्रम	प्रस्तावित वक्ता
26.02.2023	रविवार	11:00 से 01:30 बजे	मिलेट्स : विश्व के भविष्य के लिए समग्र समाधान	फील्ड सर्वे	–

नोट : उपर्युक्त विभागीय कार्यक्रमों के समय, तिथियों एवं व्याख्याताओं में तत्कालीन परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन संभव है।

अर्थशास्त्र विभाग

गत सत्र 2021-22 के अनुभवों एवं उपलब्धियों के आधार पर वर्तमान सत्र में निम्न बिन्दुओं पर योजनाएं बनायी जा रही है-

1. **पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाएं** - अर्थशास्त्र विषय की पाठ्यक्रम योजना जुलाई माह से पूर्व बनाकर दे दिया जायेगा जिससे कि जुलाई माह से पूर्व वेबसाइट पर अपलोड किया जा सके। जिसका उद्देश्य विद्यार्थियों तक दिनांक के आधार पर सम्पूर्ण पाठ्यक्रम को तिथिवार बाटकर उपलब्ध कराना विद्यार्थी सत्र के प्रारम्भ में ही यह जान सकता है कि किस तिथि को किस शिक्षक द्वारा किस शीर्षक पर पढ़ाया जायेगा। जिससे वह उस शीर्षक को पहले ही घर पर पढ़कर तैयार होकर कक्षा में बैठेगा। वर्तमान सत्र में कक्षा संचालन शत-प्रतिशत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार किया जायेगा। इसकी प्रति वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है।
2. **ऑफलाईन सहित ऑनलाईन कक्षा संचालन** - शिक्षक द्वारा पूर्व निर्धारित शीर्षक पर व्याख्यान/पी.पी.टी. सहित कक्षा का संचालन किया जायेगा।
3. **प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं** - पठन-पाठन में आधुनिक तकनीकों के प्रयोग के साथ-साथ प्रोजेक्टर का कक्षा व्याख्यान में प्रयोग किया जायेगा जिससे कि अधिक से अधिक प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं चलाई जा सकें।
4. **साप्ताहिक कक्षाध्यापन** - सप्ताह में एक दिन शिक्षक की उपस्थिति में छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षा पढ़ाया जायेगा सभी विद्यार्थी पूर्व निर्धारित विषय पर कक्षाध्यापन में सहभागिता का प्रयास करेंगे। कक्षाध्यापन में विशेषतौर पर वे शीर्षक दिये जायेगे जो विद्यार्थियों के वार्षिक परीक्षा के दृष्टिकोण से महत्वपूर्ण है। साप्ताहिक कक्षाध्यापन के माध्यम से विद्यार्थी के अन्दर कक्षा में सबके सामने खड़े होकर अपनी बात कहने की क्षमता

विकसीत करना है। वर्तमान सत्र में भी इसे शत-प्रतिशत लागू किया जायेगा।

प्रत्येक माह में निर्धारित साप्ताहिक कक्षाध्यापन की तिथि :

कक्षा	कक्षाध्यापन							
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	छ।	10,20	13	01	NA	NA	NA	11,21
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	13	10,20	13	01	NA	NA	NA	11,21
बी.ए. तृतीय वर्ष	12,19	03,18	01,10,20	08,14	07,15	01,09	10,18	06, 13

5. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक माह के अन्त में विभाग के शिक्षक द्वारा विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में आने वाले प्रश्नों का माहवार वितरित कर लिखित परीक्षा विधि से मूल्यांकन किया जायेगा। जिससे कि विद्यार्थी का सभी प्रश्न पत्र जो सम्भावित तौर पर विश्वविद्यालय परीक्षा में आने वाले हैं पहले ही तैयार हो सके। मासिक मूल्यांकन के दौरान उत्तर लिखने के शैली के साथ-साथ लिखावट भी सुन्दर होता है।

प्रत्येक माह में निर्धारित मासिक मूल्यांकन की तिथि :

कक्षा	मासिक मूल्यांकन							
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी
बी.ए. प्रथम सेमेस्टर	छ।	24	29	18	11	NA	NA	27
बी.ए. तृतीय सेमेस्टर	26	30	23	19	NA	NA	NA	27
बी.ए. तृतीय वर्ष	26	22	27	28	22	03	27	28

6. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – स्वमूल्यांकन प्रपत्र द्वारा अगले महिने के प्रथम सप्ताह के अन्त तक उस माह में अपने कार्यो एवं सम्पूर्ण दायित्वों का विवरण यथा-पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षाध्यापन, विद्यार्थियों द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन, विभिन्न कार्यक्रमों में योगदान, निर्धारित दायित्वों का निर्वहन, स्वप्रेरणा से किये गये कार्य इत्यादि का उल्लेख निर्धारित प्रपत्र में ऑनलाईन भरकर प्राचार्य को उपलब्ध कराया जायेगा। स्वमूल्यांकन प्रपत्र के माध्यम से शिक्षक पिछले महीने की पूरी गतिविधि को जानकर अपने आचरण व्यवहार तथा समय की महत्ता को समझते हुए उसे सुधारने का प्रयास करेंगे।

7. **प्रगति आख्या** – विद्यार्थियों के समस्त गतिविधियों का विवरण प्रगति आख्या के माध्यम से प्रति माह तैयार कर वेबसाईट के माध्यम से प्रस्तुत किया जायेगा। प्रगति आख्या में प्रत्येक छात्र की माहवार उपस्थिति, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन के साथ-साथ आचरण-व्यवहार के अंको का उल्लेख किया जायेगा। प्रगति आख्या किसी विद्यार्थी द्वारा सम्पूर्ण माह में किये गये गतिविधियों का संकलन होता है जिसे देखकर विद्यार्थियों में सुधार हेतु कार्य किया जायेगा।

8. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – महाविद्यालय द्वारा निर्धारित प्रारूप- "शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र" के माध्यम से वर्ष में दो बार (सितम्बर-जनवरी) विद्यार्थियों से पठन-पाठन के सन्दर्भ में फीडबैक लिया जायेगा। विद्यार्थियों द्वारा प्राप्त सुझावों को यथा सम्भव शिक्षक, प्राचार्य के निर्देशानुसार लागू करने का प्रयास किया जायेगा।

9. **उपचारात्मक कक्षाएं**- विभाग के विद्यार्थियों के लिए आवश्यकतानुसार समय-समय पर विषय सम्बन्धी

समस्याओं के निवारण हेतु उपचारात्मक कक्षाएं चलायी जायेंगी।

10. **पूरक पाठ्यक्रम** - पाठ्यक्रम के अतिरिक्त वर्तमान आर्थिक दशाओं, प्रणालियों एवं मौद्रिक एवं उसकी विशेषताओं के साथ-साथ उन सभी अंगों की चर्चा की जायेगी जिनका सम्बन्ध प्रत्यक्ष अथवा अप्रत्यक्ष रूप से विद्यार्थियों के कल्याण से है।

11. **विभागीय लाइब्रेरी** - प्रत्येक वर्ष की भांति सत्र 2022-23 में भी विद्यार्थियों को सेन्ट्रल लाइब्रेरी के अतिरिक्त विभागीय लाइब्रेरी से पुस्तक उपलब्ध कराया जायेगा।

12. **स्वैच्छिक श्रमदान** - विभाग के शिक्षक प्रत्येक वर्ष की भांति वर्तमान सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान में भाग लेंगे।

13. **विद्यार्थियों को गोद लेना** - गत सत्र में, पांच विद्यार्थियों को गोद लेकर उनका उन्नयन करने का प्रयास किया गया जिसमें एक विद्यार्थी तृतीय वर्ष के होने के कारण अब महाविद्यालय से बाहर चला जायेंगे। इसलिए वर्तमान सत्र में बी.ए. प्रथम वर्ष से एक अन्य विद्यार्थी का चयन किया जायेगा जिससे कि विद्यार्थियों की संख्या पांच हो सके। गोद लिये गये विद्यार्थियों का पठन-पाठन एवं अन्य समस्याओं का समाधान करते हुए पूरी जिम्मेदारी के साथ उनके व्यक्तित्व विकास हेतु प्रयास किया जायेगा।

क्र.सं.	नाम/आई.डी. नं.	विषय	कक्षा	मोबाईल
1.	सपना गुप्ता, बी.ए.2020210180	भूगोल, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	बी.ए. भाग तीन	7390073315
2.	वर्षा साहनी, बी.ए.2020210023	समाजशास्त्र, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	बी.ए. भाग तीन	8381993721
3.	नसरीन बानो, बी.ए.2020210341	मनोविज्ञान, प्रा.इतिहास, अर्थशास्त्र	बी.ए. भाग तीन	9662948980
4.	विनय प्रताप सिंह	समाजशास्त्र, अंग्रेजी, अर्थशास्त्र	बी.ए. चतुर्थ सेमे.	6392446515

14. **शिक्षक ब्लाग**- विभाग के शिक्षक का शत-प्रतिशत पावर-प्वाइंट ब्लाग पर अपलोड है साथ ही साथ किताबों व शोध पत्रों की साफ्ट कापी अलग से उपलब्ध करायी गयी है। वर्तमान सत्र में शोध पत्रों के साथ-साथ अन्य पुस्तकों की सूची भी अपलोड किया जायेगा जिससे कि विद्यार्थियों को आसानी से पाठ्य-सामग्री उपलब्ध हो सके।

15. **विभाग द्वारा गोद लिये गये गाँव**- गत सत्र की भांति वर्तमान सत्र में भी विभाग के विद्यार्थियों के साथ अपने गोद लिये गये गांव (ककरहियां) में चार बार जनजागरूक कार्यक्रमों का आयोजन किया जायेगा।

16. **विभागीय रपट** - विभागीय योजनाओं के क्रियान्वयन सम्बन्धी अनुभवों, उपलब्धियों सहित गत सत्र 2022-23 का विभागीय रपट ब्लाग पर उपलब्ध है तथा वर्तमान सत्र का विभागीय रपट जुलाई 2023 के पूर्व ब्लाग पर अपलोड कर दिया जायेगा।

विभागीय कार्यक्रम -

27 सितम्बर, 2022 - व्याख्यान प्रतियोगिता

30 सितम्बर, 2023 - विशिष्ट व्याख्यान

01 मार्च, 2023 - भाषण प्रतियोगिता

हिन्दी विभाग

1. **समय सारणी/कक्षा संचालन** – विभाग में सभी कक्षाएं समय सारणी के अनुसार संचालित की जाती हैं।
2. **पाठ्यक्रम योजना** – पाठ्यक्रम योजना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके अन्तर्गत पूरे सत्र में होने वाले शिक्षण कार्य की रूप रेखा प्रस्तुत की जाती है। बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, एम.ए. तृतीय सेमेस्टर एवं बी.ए. तृतीय वर्ष की कक्षाएं 08 जुलाई से पाठ्यक्रम योजना में प्रारम्भ होती है बी.ए. प्रथम सेमेस्टर एवं एम.ए. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 अगस्त से चलती है। बी.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर तथा एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएं 06 फरवरी, 2023 से पाठ्यक्रम योजना से प्रारम्भ होती है। बी.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर तथा एम.ए. द्वितीय वं चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षाएं 06 फरवरी, 2023 से पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रारम्भ होती है। इस योजना का उद्देश्य है कि पाठ्यक्रम का कोई भी भाग न छूटे और समय से पाठ्यक्रम पूर्ण हो जाय। साथ ही प्रतिदिन के कक्षा विवरण से विद्यार्थियों को अवगत करा सकें।
3. **कक्षाध्यापन** – इसके अन्तर्गत सप्ताह भर पढ़ाये गये व्याख्यान से कोई भी भाग विद्यार्थी तैयार कर 05 से 07 मिनट कक्षा संचालन करता है। इसकी तैयारी हेतु प्रथम कक्षाध्यापन दिवस पर ही 10 छात्रों का विषय के साथ नामांकन करते है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थी का हिचक दूर करके, अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना है।

कक्षा	कक्षाध्यापन									
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	05,16,24	07,19	07,14	07	–	–	–	–	–
बी.ए. द्वितीय सेमे.	–	–	–	–	–	–	–	9,16	3,16	3,13,20
बी.ए. तृतीय सेमे.	12,19	03,11,22	05,15,23	12	03	–	–	–	–	–
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	–	–	–	–	–	–	–	9,16	3,16	3,13,20
बी.ए. तृतीय वर्ष	12,19	03,11,22	05,15,23	12	09	05	06, 13	1,9	–	–
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	05,16,24	07,19	07,14	07	–	–	–	–	–
एम.ए. द्वितीय सेमे.	–	–	–	–	–	–	–	11,20	11,21	6,16,23
एम.ए. तृतीय सेमे.	12,19	03,11	01,10,20	08,15	09	–	–	–	–	–
एम.ए. चतुर्थ सेमे.	–	–	–	–	–	–	–	11,20	11,21	6,16,23

4. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक महीने में पढ़ाये गये व्याख्यान से 03 या 04 प्रश्न देकर विद्यार्थियों को 50 मिनट की कक्षा में मासिक मूल्यांकन कराया जाता है। इसका उद्देश्य विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न पत्र को विभाजित कर उपलब्ध करा देना एवं विश्वविद्यालय परीक्षा हेतु पूर्व तैयारी करा देना है।

कक्षा	मसिक मूल्यांकन									
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	31	28	–	–	–	–	–	–	–
बी.ए. द्वितीय सेमे.	–	–	–	–	–	–	–	24	25	27

बी.ए. तृतीय सेमे.	26	29	18	–	–	–	–	–	–	–
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	–	–	–	–	–	–	–	24	25	27
बी.ए. तृतीय वर्ष	26	29	19	14	21	15	–	–	–	–
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	31	28	–	–	–	–	–	–	–
एम.ए. द्वितीय सेमे.	–	–	–	–	–	–	–	27	28	30
एम.ए. तृतीय सेमे.	26	27	29	–	–	–	–	–	–	–
एम.ए. चतुर्थ सेमे.	–	–	–	–	–	–	–	27	28	30

5. **प्रगति आख्या** – इसके अन्तर्गत पढ़ाये गये व्याख्यानों की संख्या, छात्र उपस्थिति की संख्या, कक्षाध्यापन का श्रेणी, मासिक मूल्यांकन का अंक, आचरण, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं विश्वविद्यालय परीक्षा विवरण दिया जाता है। इस योजना का उद्देश्य छात्र के पठन–पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण कर सुधारात्मक सुझाव देना है।

6. **विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा** – विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के तर्ज पर आगामी परीक्षा का सम्भावित प्रश्नों के प्रश्नपत्र बनाकर, परीक्षा कराकर परिणाम घोषित करते हैं। जिसका उद्देश्य विश्वविद्यालय परीक्षा की पूर्व तैयारी कराना है।

7. **विभागीय कार्यक्रम** – **विषय**

- 08 अगस्त, 2022 — विशिष्ट व्याख्यान 'साहित्य की पठ्नीयता'
- 09 सितम्बर, 2022 — नवोदित काव्य गोष्ठी
- 14 सितम्बर, 2022 — विशिष्ट व्याख्यान द्धहिन्दी विभागत्र 'हिन्दी दिवस'
- 25 नवम्बर, 2023 — उदीयमान कवि गोष्ठी
- 10 जनवरी, 2023 — विशिष्ट व्याख्यान द्धअन्तर्राष्ट्रीय हिन्दी दिवसत्र
- 13 जनवरी, 2023 — हिन्दी निबन्ध प्रतियोगिता
- 16 जनवरी, 2023 — हिन्दी भाष्राण प्रतियोगिता
- 21 फरवरी से 02 मार्च, 2023 — दसदिवसीय कार्यशाला–भाषा शिक्षण एवं व्याकरण (प्रमाण पत्र)
- 24 दिसम्बर, 2022 — विशिष्ट व्याख्यान भक्ति काल स्वर्ण काल
- 25 फरवरी, 2023 — हिन्दी व्याख्यान प्रतियोगिता

नोट– प्रत्येक माह में एक या दो व्याख्यान अतिथि शिक्षक पढ़ाये, विभाग इसका प्रयास करेगा।

सम्भावित व्याख्याताओं की सूची –

1. प्रो. कमलेश गुप्त
2. प्रो. वाई.पी. सिंह
3. प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह
4. डॉ. आद्या प्रसाद द्विवेदी
5. डॉ. विजयानन्द त्रिपाठी
6. प्रो. अरविन्द त्रिपाठी
7. प्रो. प्रत्यूष दूबे
8. प्रो. रामदरश राय
9. डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय
10. प्रो. दीपक प्रकाश त्यागी

नोट – उपर्युक्त कार्यक्रम में निर्धारित तिथि एवं अतिथि में समय एवं विशेष परिस्थिति के अनुसार परिवर्तन हो सकता है।

8. **शिक्षण विधि** - विभाग सामान्यत: निम्नलिखित शिक्षण विधियों का प्रयोग किया जाता है।

1. संवाद विधि	2. प्रश्नावली विधि
3. श्यामपट्ट विधि	4. पी.पी.टी. विधि

9. **पुस्तकालय** - विभागीय शिक्षक अध्ययन/अध्यापन हेतु पुस्तकालय में अद्यतन रहते हैं तथा विद्यार्थियों को भी प्रेरित किया जाता है। शिक्षक प्रतिदिन पुस्तकालय का उपयोग करते है एवं उपस्थिति पंजिका पर हस्ताक्षर करते हैं। विभाग में विभागीय पुस्तकालय भी है जिससे विद्यार्थियों को समय-समय पर अध्ययन हेतु पुस्तकें उपलब्ध करायी जाती हैं।

10. **तकनीकी प्रसार** - विगत सत्रों में पी.पी.टी. पर कक्षाएं चली हैं इस सत्र में स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग किया जायेगा। वेबसाइट के अन्तर्गत ब्लाग पर सारांज़, नोट्स, शोध पत्र, व्याख्यान उपलब्ध कराया जायेगा।

11. **गोद लिए विद्यार्थी** - प्रत्येक शिक्षक स्नातक एवं परास्नातक कक्षाओं से 5-5 विद्यार्थी को गोद लेता है। इस सत्र में - **डॉ. आरती सिंह** द्वारा गोद लिए गऐ विद्यार्थियों के नाम -

1. प्रांजल शर्मा	मो. नं. 8840320956
2. किरन यादव	मो. नं. 9838482699
3. तारकेश्वर पाण्डेय	मो. नं. 9026182301
4. शब्या प्रजापति	मो. नं. 9555366186
5. खुशबू निषाद	मो. नं. 8467079609

नोट - तीन नये विद्यार्थियों को गोद लेना है।

डॉ. सुधा शुक्ला द्वारा गोद लिए गऐ विद्यार्थियों के नाम -

1. काजल मद्धेशिया	मो. नं. 9026119646
2. प्रिया सिंह	मो. नं. 8175984680
3. ज्ञानेन्द्र पाण्डेय	मो. नं. 9877854251
4. प्रवीण शुक्ल	मो. नं. 6307599214
5. अनामिका सिंह	मो. नं. 9569853454
6. कमलेश निषाद	मो. नं. 8887622505
7. मनीषा मद्धेशिया	मो. नं. 7388263560
8. शालिनी शर्मा	मो. नं. 8299465774
9. सुनैना प्रजापति	मो. नं. 9198337712

विद्यार्थियों को गोद लेने का उद्देश्य अभिभावक के रूप में व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहना, उनकी समस्या सुनना एवं उचित समाधान करना, रचनात्मक कार्यों के साथ विभाग एवं महाविद्यालय की गतिविधियों में सहभाग के लिए प्रेरित करना एवं स्वच्छता तथा अनुशासन बनाये रखना है।

12. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - प्रत्येक सत्र में दो बार सितम्बर एवं जनवरी माह में शिक्षक उन्नयन हेतु विद्यार्थियों द्वारा सम्बन्धित शिक्षक द्वारा अवलोकन भरा जाता है।

13. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** – महीने के प्रथम कार्यदिवस में शिक्षक द्वारा भरा जाता है और विभाग में सुरक्षित रहता है। वर्तमान सत्र में यह योजना यथावत रहेगा।

14. **फीड बैक (पृष्ठ पोषण) कक्षाएं** – 15-20 फरवरी 2023 इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों की उनकी कमियों गलतियों तथा त्रुटियों से अवगत कराया जाता है। ताकि विद्यार्थी उन्हें सुधार सकें। साथ ही इस प्रक्रिया में छात्रों की अच्छी विशेषताएं, अच्छा कार्य, उनके गुणों तथा उनकी अच्छाईयों का भी विवरण दिया जाता है ताकि वे आगे भी अपने व्यवहारों में प्रदर्शित कर सकें।

15. **प्रार्थना सभा** – महाविद्यालय में प्रार्थना सभा प्रत्येक दिन 09:25 से 09:40 तक आयोजित की जाती है। जिसमें विभाग के शिक्षक और विद्यार्थी अनिवार्य रूप से उपस्थित होते हैं। महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रार्थना सभा प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से 30 जनवरी तक सम्पन्न की जाती है इसका उद्देश्य राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना, भगवत् गीता उपदेश के माध्यम से राष्ट्रप्रेम एवं भक्तिभावना का भाव जागृत करना है तथा प्रत्येक कार्यदिवस में पड़ने वाले महापुरुषों की जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि पर उद्बोधन के माध्यम से प्रेरित किया जाता है।

16. **स्वैच्छिक श्रमदान** – इसके अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलती हैं। 1 घण्टे 10 मिनट के समय में हम श्रमदान करते हैं। इस योजना में प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी समूह भाव से कार्य करते हैं। विभाग के शिक्षक विद्यार्थी इस योजना में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं। इस कार्यक्रम के माध्यम से श्रम के प्रति झिझक (संकोच) दूर करना एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक रहने की प्रेरणा दी जाती है।

17. **ग्राम्य दर्शन** – विभाग पूरे सत्र में निम्नलिखित चार तिथियों में विद्यार्थियों के साथ ग्राम्य दर्शन हेतु जायेगा।
- 07 अगस्त, 2022
- 09 अक्टूबर, 2022
- 05 फरवरी, 2023
- 07 मई, 2023

इस योजना के अन्तर्गत विभाग क शिक्षक गोद लिए गाँव का दर्शन करने विद्यार्थियों के साथ जाते हैं। ग्रामवासियों को शिक्षक स्वच्छता, स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करते हैं। समय-समय पर डॉक्टर के सहयोग से स्वास्थ्य परीक्षण कर उचित सलाह दी जाती है।

18. **सोशल मीडिया** – महाविद्यालय के वेबसाइट के अन्तर्गत फेसबुक, यू-ट्यूब, व्हाट्सएप पर विभाग की सभी सूचनाओं एवं कार्यक्रमों का प्रसारण किया जाता है। इसका उद्देश्य है कि विद्यार्थी इस माध्यम से सूचनाएं प्राप्त करें एवं विभिन्न प्रकार की गतिविधियों से लाभान्वित हों।

19. **निःशुल्क चिकित्सा** – महाविद्यालय में 'प्रत्येक सप्ताह में दो दिन चिकित्सा शिविर' आयोजित किया जाता है। महाविद्यालय के प्रयास पर डॉक्टर आते हैं और उनके द्वारा महाविद्यालय के शिक्षक, कर्मचारी, परिचर एवं विद्यार्थियों का स्वास्थ्य परीक्षण होता है। साथ ही आस-पास के ग्रामवासियों को भी इस सुविधा का लाभ मिलता है।

20. उपरोक्त के अतिरिक्त आचार संहिता का पालन करना, महाविद्यालय में अनुशासन बनाये रखना, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना, बिजली पानी बचत करना, परिसर में सौहार्द पूर्ण वातारण बनाये रखना आदि के लिए शिक्षक द्वारा समय पर प्रेरणा दी जाती है।

21. विशेष उपलब्धियां –
- संभावित राष्ट्रीय संगोष्ठी
- शिक्षक-शोधपत्र
- अन्य प्रयास

मध्यकालीन एवं आधुनिक इतिहास

उद्देश्य – इतिहास का सम्बन्ध समय से है और समय शाश्वत सत्य है। विभाग का उद्देश्य अपने विभागीय विद्यार्थियों को कल, आज और सम्भावित कल की संस्कृति, सभ्यता, परम्परा, ज्ञान–विज्ञान, लोक कला के साथ–साथ तत्कालीन स्थितियों–परिस्थितियों आदि का शिक्षण व ज्ञान देकर वर्तमान की प्रगतिशीलता और समय की सातत्य डोर से उन्हें बाँधे रखना है।

विभागीय योजनाएँ : 2022–23

1. **पाठ्यक्रम योजनानुसार कक्षा संचालन** – नियोजित रूप से विश्वविद्यालय द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम पढ़ाने के उद्देश्य से महाविद्यालय में पाठ्यक्रम योजना प्रत्येक विभागों द्वारा बनायी जाती है। इस पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कक्षा हेतु निर्धारित पाठ्यक्रम को कार्यदिवसों के अनुरूप बाँट दिया जाता है। सत्र के प्रथम तीन महीनें 3+2+1 की योजना पर अर्थात 03 दिन एक प्रश्नपत्र, 02 दिन दूसरा प्रश्नपत्र तथा 01 दिन कक्षाध्यापन/मासिक मूल्यांकन कक्षा का संचालन होता है। अगले तीन महीने 2+3+1 की योजना के अनुरूप कक्षा संचालित होती है। पाठ्यक्रम योजना में विभाग के किस कार्यदिवस में किस शिक्षक को कौन सा टापिक पढ़ाना है, यह पूर्ण निर्धारित रहता है इस प्रकार पाठ्यक्रम योजना बनाने का उद्देश्य स्पष्ट तौर पर सत्र भर पूर्व योजना–पूर्ण योजना के सिद्धान्त पर अनुशासित रूप से कक्षाओं का संचालन करना है। प्रतिवर्ष की ही भांति विभाग द्वारा इस सत्र (2022–23) की पाठ्यक्रम योजना मई माह में ही बनाकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है। इस सत्र में बी.ए. तृतीय सेमेस्टर, बी.ए. भाग तीन की कक्षा विभाग द्वारा 08. 07.2022 से ही प्रारम्भ कर दी गई है। 01 अगस्त से बी.ए. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ हो जायेगी। विभागीय पाठ्यक्रम योजना महाविद्यालय के वेबसाइट पर उपलब्ध होने के साथ–साथ विभाग के विद्यार्थियों को भी कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के माध्यम से दी जा चुकी है।
2. **कक्षाध्यापन (उद्देश्य)** – विद्यार्थियों में सम्प्रेषण क्षमता तथा अभिव्यक्ति कौशल के विकास के उद्देश्य से विभाग द्वारा सप्ताह में एक दिन विद्यार्थियों द्वारा कक्षा का संचालन कराया जाता है, जिसे हम महाविद्यालय प्रशासन की भाषा में विद्यार्थी कक्षाध्यापन कहते है। इस व्यवस्था के अन्तर्गत शिक्षक प्रत्येक कक्षा में उपस्थित विद्यार्थियों के अनुक्रमांक के बढ़ते क्रम में 05/10 विद्यार्थियों का चयन कर उन्हें कक्षाध्यापन का शीर्षक स्वेच्छा से चुनने को कहता है। विद्यार्थी शीर्षक न चुन सके तो शिक्षक शीर्षक देता है। तत्पज़्चात समय की उपलब्धता के आधार पर उनका व्याख्यान शीर्षक प्रस्तुतिकरण योग्य तैयार करवाता है तथा स्वयं 05 दिन कक्षा में पढ़ाने के उपरान्त छठवें दिन निर्धारित विद्यार्थियों द्वारा कक्षाध्यापन कराता है। कक्षाध्यापन के दौरान शिक्षक प्रस्तुतीकरण देने वाले विद्यार्थी का विश्लेषण कर उसे ग्रेड देता है तथा अपने प्रगति आख्या में उक्त विद्यार्थी के खाते में कक्षाध्यापन दर्ज कर लेता है। साथ ही साथ विद्यार्थी के कक्षाध्यापन के कमजोर पक्षों को मजबूत बनाने हेतु दिशा–निर्देश भी देता है इस सत्र में प्रस्तावित कक्षााध्यापन की तिथियाँ अग्रलिखित हैं।

कक्षा	कक्षाध्यापन										
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	13,23	2,12,21	10	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA
बी.ए. द्वितीय सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	11,20,27	13,22	08	17,24

बी.ए. तृतीय सेमे.	16,23	8,20	6,16	1,13	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	8,20	6,16	1,13	28	NA	NA	NA	NA	NA	NA
एम.ए. द्वितीय सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	11,20,27	11,21	07	17,24
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	11,20,27	11,21	07	18,05
बी.ए. तृतीय वर्ष	18,25	1,10,20	7,19	7,28	28	9	10,18	2,9	NA	NA	NA
एम.ए. तृतीय सेमे.	14,21,28	5,16	3,13,22	11	28	NA	NA	NA	NA	NA	NA
एम.ए. चतुर्थ सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	13,21	13,22	08	18,25

3. **मासिक मूल्यांकन** – प्रत्येक मास के अन्त में विद्यार्थियों की विषय-ग्राह्यता का मूल्यांकन करने के उद्देश्य से प्रत्येक कक्षा में मासिक मूल्यांकन निर्धारित प्रश्न-पत्रों/प्रारूपों के आधार पर किया जायेगा। मासिक मूल्यांकन के प्रश्न-पत्र उसी माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तुओं के आधार पर ही निर्मित होंगे। अगस्त से जनवरी माह तक पूछे गए मासिक मूल्यांकन के प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में पूछे जाऐंगे। इस सत्र में प्रस्तावित मासिक मूल्यांकन की तिथियाँ अग्रलिखित हैं-

कक्षा	मासिक मूल्यांकन										
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	NA	28	17	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA
बी.ए. द्वितीय सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	28	31	NA	30
बी.ए. तृतीय सेमे.	NA	26	24	20	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	26	24	20	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA
एम.ए. द्वितीय सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	27	29	NA	30
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	27	29	NA	30
बी.ए. तृतीय वर्ष	NA	27	26	28	30	NA	25	NA	NA	NA	NA
एम.ए. तृतीय सेमे.	NA	24	28	18	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA
एम.ए. चतुर्थ सेमे.	NA	NA	NA	NA	NA	NA	NA	28	31	NA	30

4. **प्रगति आख्या** – मध्यकालीन इतिहास विषय की प्रत्येक कक्षा में पढ़ रहे समस्त विद्यार्थियों की कक्षा में कुल उपस्थिति, उनका आचरण-व्यवहार, कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन में उनका प्रदर्शन इत्यादि का विवरण प्रत्येक माह, माह के अन्त में ऑनलाइन प्रगति आख्या में संकलित किया जायेगा। सत्र के अन्त में इसका विश्लेषणात्मक अध्ययन भी किया जाएगा।

5. स्व-मूल्यांकन प्रपत्र – विभागीय शिक्षक द्वारा प्रतिमाह ऑनलाइन शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरकर महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग के अन्तर्गत अपलोड कर दिया जाएगा। जिसकी एक प्रिंट आउट शिक्षक अपने पास और एक विभाग में रखेगा। इस शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र में शिक्षक अपनी गत मास की मासिक गतिविधियों यथा- किस कक्षा में कितना व्याख्यान पढ़ाये, कितने कक्षाध्यापन एवं मासिक मूल्यांकन कराए, कितने दिन महाविद्यालय विलम्ब से आये, कितने दिन महाविद्यालय से समय से पूर्व चले गये, दिये गये

उत्तदायित्वों का निर्वहन कैसे किया, महाविद्यालय के योजनाओं एवं कार्यक्रमों में कैसे सहभाग किया, इत्यादि का विवरण दर्ज होगा। सत्र के अन्त में शिक्षक द्वारा इस स्वमूल्यांकन प्रपत्र का विश्लेषण कर ऑने वाले सत्र में परिलक्षित कमियों, दोषों का निवारण भी किया जायेगा।

6. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – आत्ममूल्यांकन एवं सुधारात्मक प्रवृत्ति हेतु छात्र/छात्राओं द्वारा दिसम्बर/जनवरी के किसी भी कार्यादिवस छात्र /छात्राओं की अधिकतम संख्या को देखते हुए उनसे पूर्व निर्धारित प्रोफार्मा पर शिक्षक अभिमत लिया जाएगा।

7. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय में संचालित स्वैच्छिक श्रमदान प्रकल्प में विभाग द्वारा विगत सत्रों में भी सक्रिय सहभाग किया जाता रहा है। इस सत्र में भी स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में विभाग अपने शिक्षकों एवं विद्यार्थियों सहित यथासम्भव सम्मिलित रहेगा।

8. **शिक्षण विधियाँ** – पाठ्य विषय को ग्राह्य एवं रुचिकर बनाने के उद्देश्य से कक्षाओं में विविध शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग किया जायेगा। कुछ प्रमुख प्रविधियाँ निम्नवत् हैं: –

- व्याख्यान विधि द्वारा शिक्षण
- समूह परिचर्चा विधि द्वारा शिक्षण
- प्रोजेक्टर के प्रयोग द्वारा शिक्षण
- वंशावली चार्टों द्वारा शिक्षण
- प्रदर्शन विधि द्वारा (मुद्रा प्रदर्शन बोर्ड) शिक्षण
- प्रश्नोत्तरी विधि द्वारा शिक्षण
- पॉवर–प्वाइण्ट विधि द्वारा शिक्षण
- मानचित्रों द्वारा शिक्षण
- ऑडियो–वीडियो (दृश्य–श्रव्य) विधि द्वारा शिक्षण
- शैक्षिक भ्रमण विधि द्वारा शिक्षण

उपर्युक्त शिक्षण विधियाँ विद्यार्थियों के मानसिक विकास के साथ–साथ उनमें तार्किकता के सृजन, चिन्तन, बौद्धिकता, विषयग्राह्यता और तकनीकी कुशलता को विकसित करने में सहायक सिद्ध होंगी। इस सत्र में भी विगत वर्ष की ही भांति विभाग द्वारा सभी कक्षाओं के पाठ्यक्रम योजनानुसार समस्त प्रश्नपत्रों का पी.पी.टी. बनाकर सभी कक्षाओं को प्रोजेक्टर से पढ़ाने की योजना है।

विभागीय कार्यक्रम

विगत सत्रों की ही भाँति इस सत्र में भी विभाग द्वारा विभाग एवं महाविद्यालय स्तर पर कुछ कार्यक्रम कराने की योजना है। इनमें से कुछ कार्यक्रम परम्परागत स्वरूप पर होंगे, जबकि कुछ नवीन प्रयोगों पर आधारित। विभाग द्वारा इस सत्र में आयोजित किये जाने वाले कार्यक्रमों की सम्भावित सूची निम्नवत् है।

आजादी के अमृत महोत्सव के अन्तर्गत – विशिष्ट व्याख्यान/अतिथि व्याख्यान :-

दिनांक	विषय	वक्ता
19.07.2022	भारतीय स्वतंत्रा संग्राम : शहीद मंगल पाण्डेय	श्री अभिषेक त्रिपाठी, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
23.07.2022	आजाद जी के विचारों की प्रासंगिकता वर्तमान परिप्रेक्ष्य में	डॉ. विजय कुमार चौधरी, उप प्राचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
08.08.2023	भारतीय संस्कृति के विविध आयाम	प्रो. राजवंत राव, प्राचीन इतिहास पुरातत्व एवं संस्कृति विभाग, पूर्व अध्यक्ष, दीनदयाल उपाध्याय गोरखपुर विश्वविद्यालय, गोरखपुर

08.08.2023	क्रान्तिकारी आंदोलन के द्वितीय चरण का साहयिक कदम – काकोरी घटना	श्री अनूप कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
17.08.2023	मदन लाल ढींगरा स्मृति दिवस	डॉ. अर्चना गुप्ता, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
09.09.2022	हिन्दुस्तान रिपब्लिक एसोशिएसन गठन दिवस	श्री अनूप कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
13.09.2022	जतिन दास शहीदी दिवस	श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
27.09.2022	भारतीय पुर्नजागरण तथा राजा राम मोहन राय	डॉ. मणिभूषण तिवारी, उपनगर आयुक्त नगर निगम, गोरखपुर
17.10.2022	अवध किसान सभा	डॉ. अर्चना गुप्ता, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
20.10.2022	अशफाक उल्ला खां	श्री अनूप कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
28.10.2022	भारतीय रियासतों के विलय में सरदार बल्लभ भाई पटेल का योगदान	श्री अनूप कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
16.11.2022	गुरु तेग बहादुर एवं विरांगना उदा देवी का बलिदान	श्री अनूप कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
28.11.2022	सामाजिक समरसता एवं महात्मा ज्योतिबा राव फूले	डॉ. अर्चना गुप्ता, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
07.12.2022	बाघा जतिन्द्रदास : क्रांतिकारी ऑनदोलन के प्रणेता स्रोत के रूप में	श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
17.12.2022	काकोरी के नायक : राजेन्द्रनाथ लाहिड़ी	श्री जितेन्द्र कुमार प्रजापति, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
19.12.2022	गोवा मुक्ति दिवस तथा काकोरी के नायक	श्री अनूप कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
30.01.2023	महात्मा गांधी शहीदी दिवस	श्री हरिकेश यादव, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
04.02.2023	चौरी–चौरा की घटना के प्रभाव	श्री उपेन्द्र मणि त्रिपाठी, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
07.02.2023	शचीन्द्र नाथ सान्याल का बंदी जीवन	श्री अनूप कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर
16.02.2023	प्रथम स्वतन्त्रा संग्राम और तात्या टोपे	श्री अभिषेक त्रिपाठी, सहायक आचार्य, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

नोट – कार्यक्रम से सम्बन्धित तिथि, व्याख्याता एवं व्याख्यान शीर्षक सम्भावित है। विष्ठाम परिस्थितियों में इनमें परिवर्तन सम्भव है।

1. **शोध व्याख्यान प्रतियोगिता** – विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति क्षमता एवं सम्प्रेषण कौशल के विकास हेतु एक विभाग स्तरीय व्याख्यान प्रतियोगिता के आयोजन की भी योजना है। यह प्रतियोगिता 02 मार्च, 2023 दिन–गुरूवार को प्रस्तावित है। समय एवं परिस्थिति को ध्यान में रखते हुए इस आयोजन की तिथि एवं प्रारूप में भी परिवर्तन सम्भव है।

2. **ग्राम्य-दर्शन** – इतिहास विभाग द्वारा महाविद्यालय से सटे ग्राम- भट्ठा चौराहा, जंगल धूसड़ को गोद लिया गया है। गाँव को गोद लिये जाने का उद्देश्य गाँवों में विभिन्न प्रकार के जागरूकता, शैक्षिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों को संचालित कर उन्हें भी समान रूप से आगे बढ़ने का अवसर देना है। इस वर्ष विभाग द्वारा गोद लिये गाँव छोटी रेतवहियाँ में विद्यार्थियों द्वारा भ्रमण एवं जनजागरूकता के लिए 4 तिथियाँ निर्धारित की गयी हैं। ये 4 तिथियाँ हैं–
   - 09 अगस्त 2022
   - 02 अक्टूबर 2022
   - 26 फरवरी 2023
   - 29 मई 2023

   नोट – विषम परिस्थितियों में इन तिथियों में भी परिवर्तन सम्भव है।

3. **गोद लिए गए विद्यार्थी** – विद्यार्थियों के समग्र व्यक्तित्व विकास के लिए विभाग का प्रत्येक शिक्षक 5 विद्यार्थियों को गोद लेता है। गोद लिये गये विद्यार्थी प्रायः प्रथम सेमेस्टर के होते हैं। विभाग द्वारा इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन से लेकर समग्र जिम्मेदारी एवं जवाबदेही सम्बन्धित विभागीय शिक्षक की होती है। गोद लिये विद्यार्थी एवं सम्बन्धित शिक्षक का सम्बन्ध पिता–पुत्र/पिता–पुत्री के समान होता है। शिक्षक समय–समय पर अपने गोद लिये गये विद्यार्थी के साथ उन्मुक्त वार्ता करता है, उनकी समस्याओं को सुनता है तथा यथाज़क्ति उसका निराकरण करता है। वर्तमान सत्र में श्री अनूप कुमार पाण्डेय द्वारा 05 विद्यार्थी गोद लिये गये हैं जो सभी प्रथम सेमेस्टर के विद्यार्थी हैं तथा पिछले वर्ष से ही मेरे गोद में है। इन विद्यार्थियों का विवरण अग्रलिखित है।

शिक्षक	गोद लिए गये विद्यार्थी			
	नाम	कक्षा	आई.डी.संख्या	मोबाइल नं.
अनूप कुमार पाण्डेय	भानु प्रताप सिंह	बी.ए. तृतीय सेमे.	ठौ210673	7070808088
	कृष्ण कुमार भारती	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220315	9415233306
	अंकित कुमार	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220185	8808706116
	आकाश गुप्ता	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220307	6386872565
	वीरू कुमार निषाद	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220139	8881136206
उपेन्द्र मणि त्रिपाठी	आलोक चौहान	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220540	8726300432
	कुन्दन कुमार श्रीवास्तव	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220133	9792828549
	प्रिंस कुमार सिंह	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220212	7870978930
	राकेश प्रजापति	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220009	9380954397
	वीरू निषाद	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220087	9026125787

शिक्षक	गोद लिए गये विद्यार्थी			
	नाम	कक्षा	आई.डी.संख्या	मोबाइल नं.
डॉ. अर्चना गुप्ता	अमेरिका निषाद	बी.ए. तृतीय सेमे.	ठौ220335	9026823824
	निमिष सिंह	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220473	9129440234
	कंचन यादव	एम.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220002	9935520596
	व्यास साहनी	एम.ए. प्रथम सेमे.	ठौ22008	8112785834
	शीलू मिश्रा	बी.ए. प्रथम सेमे.	ठौ220082	7054970992

4. **विभागीय पुस्तकालय** - विभाग ने केन्द्रीय ग्रन्थालय के अतिरिक्त अपने स्तर पर एक विभागीय पुस्तकालय का प्रबन्ध किया है। विभागीय पुस्कालय में वर्तमान समय में 110 पुस्तकें हैं। विभाग के पास इन पुस्तकों की सूची उपलब्ध है। विभाग अपने स्तर पर विषय के विद्यार्थियों को निश्चित नियमों के अन्तर्गत पुस्तक निर्गत करता है। विभाग के शिक्षक स्वयं यथासम्भव प्रतिदिन केन्द्रीय पुस्तकालय में जाते है तथा अन्य विद्यार्थियों को भी प्रेरित करते है।

5. **वेबसाइट फेसबुक** - महाविद्यालय प्रशासन अपनी सूचनाओं को विद्यार्थियों तक पहुँचाने के लिए अपने वेबसाइट तथा फेसबुक पेज का उपयोग करता है। विभाग भी अपनी सूचनाओं को विभागीय विद्यार्थियों को साप्रेषित करने के लिए कक्षा व्हाट्सअप ग्रुप के अतिरिक्त महाविद्यालय की वेबसाइट एवं फेसबुक पेज का भी उपयोग करता है।

6. **छात्रसंघ/नैक/एन.सी.सी/एन.एस.एस. में विभाग की भूमिका** - विभाग समय-समय पर महाविद्यालय के विविध शैक्षिक एवं प्रज़ासनिक प्रकल्पों तथा छात्रसंघ, नैक, एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी अपना योगदान देता है। छात्रसंघ प्रभारी द्वारा निर्गत सूचनाओं को अपने कक्षा व्हाट्सएप ग्रुप के द्वारा विभाग विद्यार्थियों में सम्प्रेषित करता है। नैक प्रभारी द्वारा समय-समय पर विभाग से मांगे गए शैक्षिक एवं प्रशासनिक प्रपत्रों को भरकर उपलब्ध कराता है एन.सी.सी. तथा एन.एस.एस. में भी प्रतिभाग करने के लिए विभाग अपने विद्यार्थियों को प्रोत्साहित करता रहेगा।

7. **परिसर अनुशासन में विभाग की भूमिका** - परिसर अनुशासन को बनाए रखने में विभाग महाविद्यालय के नियन्ता मण्डल का पूर्ण सहयोग करता है। विभाग के शिक्षक महाविद्यालय परिसर में जहाँ भी रहते है, अपने अगल-बगल एक निश्चित सीमा तक की अनुशासन व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध एवं जवाबदेह होते है। विभाग के आस-पास के अनुशासन व्यवस्था की भी पूर्ण जिम्मेदारी विभागीय शिक्षक की होती है।

8. **समय-सारणी** - महाविद्यालय प्रशासन द्वारा विभाग को समय-सारणी उपलब्ध कराया जाता है। समय-सारणी के अन्तर्गत बी.ए. प्रथम, द्वितीय सेमेस्टर की प्रतिदिन एक-एक कक्षा जब की बी.ए. भाग तीन की सोमवार-मंगलवार दो-दो तथा शेष दिन एक-एक कक्षा संचालित होती है। विभाग द्वारा समय-सारणी का शत-प्रतिशत पालन किया जाता है।

9. **पठन-पाठन, तकनीकी प्रसार एवं शिक्षक ब्लाग** - विभाग कक्षाओं के पठन-पाठन में नित्य नूतन प्रयोग करता रहता है। साथ ही साथ विभाग पठन-पाठन की बहुधा नवीन तकनीकों का भी समावेशन कक्षाओं में करता है। विभाग के शिक्षक विभिन्न शिक्षण प्रविधियों का प्रयोग करते है। इसके अतिरिक्त विभाग के शिक्षक

अपने ब्लाग पर विद्यार्थियों के लिए उपयोगी पाठ्यसामाग्री भी समय-समय पर अपलोड करते चलते है। सत्र 2022-23 में विभाग की यह योजना है कि समस्त कक्षाओं के समस्त प्रश्नपत्रों का सम्पूर्ण पी.पी.टी बनाकर ब्लाग पर अपलोड कर दिया जाए। वर्तमान समय में विभागीय शिक्षक के ब्लाग पर 05 पी.पी.टी. कंटेन्ट, 11 शोध पत्र, 6 नोट्स, सत्र 2021-22 के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के 07 प्रश्नपत्रों सहित अपना अद्यतन आयोडाटा अपलोड है। आगे इस ब्लाग को और अधिक समृद्ध करने की योजना है।

10. **शिक्षक-आचार संहिता** - महाविद्यालय में शिक्षकों के लिए शिक्षक आचार संहिता लागू है जिसका विभाग के द्वारा कड़ाई से अनुपालन किया जाता रहा है और आगे भी किया जाता रहेगा।

शिक्षाशास्त्र

1. **विशिष्ट व्याख्यान** - सत्रारम्भ के पहले दूसरे दिन - विषय परिचय, कार्यपद्धति, भाषा परिसर संस्कृति।
2. **विभागीय योजनाएँ** -

- पाठ्यक्रम योजना - महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ्-योजना अद्यतन उद्धारित कर दी जाती है।
- पठन-पाठन - प्रत्येक माह में 30% कक्षायें प्रोजेक्टर (PPT) पर संचालित करने की योजना है।
- कक्षाध्यापन - प्रत्येक सप्ताह में कक्षाध्यापन महाविद्यालय के छात्र/छात्राओं के अभिमुखीकरण हेतु एक अनूठी योजना है जिसका प्रयोग पाठ्यक्रम योजना के अनुसार कराया जाता है। यह योजना इस सत्र भी सउद्देश्य चलती रहेगी।
- मासिक मूल्यांकन - प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में पढ़ाये गये पाठ्यक्रम के आधार पर बहुविकल्पीय, विस्तृत उत्तरीय 30 अंक का प्रश्न बनाकर छात्र/छात्राओं को दिया जाता है।
- शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र - प्रत्येक सत्र में दो बार छात्र/छात्राओं से शिक्षक के मूल्यांकन हेतु प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण विधि का मूल्यांकन करना है।
- शिक्षक स्वमूल्यांकन - विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा हर माह की 10 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाईन भरा जाता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक द्वारा स्वयं का आन्तरिक मूल्यांकन करना है।
- प्रगति आख्या - बी.ए. में शिक्षाशास्त्र विषय पढ़ रहे विद्यार्थी की एक सत्र की सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियां, आचरण व्यवहार का माहवार संकलन किया जाता है यह प्रत्येक सत्र में ऑनलाईन/ऑफलाईन तैयार किया जाता है।
- पुस्तकालय - विभागीय शिक्षक अध्ययन/अध्यापन हेतु पुस्तकालय में अद्यतन रहते हैं तथा छात्र/छात्राओं को इसके लिए प्रेरित किया जाता है। पुस्तकालय की आवागमन पंजिका पर शिक्षक हस्ताक्षर करते है यह योजना वर्तमान सत्र में भी चले

इसका प्रयास किया जायेगा।

- गोद लिए गये विद्यार्थी - विभाग में प्रत्येक शिक्षक द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थियों के जन्म दिवस के अवसर पर पौधरोपण कार्य महाविद्यालय के अतिरिक्त व्यक्तिगत आधार पर चिन्हित स्थान पर सुनिश्चित कराना।
- स्वैच्छिक श्रमदान - विभाग के शिक्षकों के द्वारा स्वैच्छिक श्रमदान किया जाता है तथा छात्र/छात्राओं को इसके लिए प्रेरित किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्रों में सहनशीलता, विनमता को विकसित करना।
- यूट्यूब/फेसबुक - इस सत्र में यूट्यूब चैनल द्वारा छात्र/छात्राओं को पाठ्य सामग्री उपलब्ध कराने का प्रयास किया जायेगा।
- शिक्षक ब्लॉग - महाविद्यालय की वेबासाइट पर शिक्षाशास्त्र विभाग की सभी शिक्षकों का व्याख्यान शत प्रतिशत पी.पी.टी. के रूप में अपलोड करने की योजना है। इस सत्र में ब्लॉग पर विषय सारांश को ब्लॉग पर डालने का प्रयास किया जायेगा।

3. **शिक्षण विधियाँ-**

- व्याख्यान विधि - शिक्षण विधियों में व्याख्यान के बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। बी.ए. की कक्षाओं में शिक्षक व्याख्यान विधि का प्रयोग करते है।
- प्रोजेक्टर युक्त कक्षाएं - इस सत्र में अधिकांशतः कक्षाएं पावर प्वाइट पर लेने की योजना है।
- उपचारात्मक अनुदेशन - मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती उस विषय पर पुनः उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है।

4. **व्याख्यान, अतिथि व्याख्यान**

- 21 सितम्बर - अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना और शिक्षा (विशिष्ट व्याख्यान)
- 23 सितम्बर - UNESCO (विशिष्ट व्याख्यान)

5. **अन्य विभागीय कार्यक्रम**

- 06 जुलाई, 2022 - वन महोत्सव सप्ताह पर वृक्षारोपण कार्यक्रम
- 11 जुलाई, 2022 - निबन्ध प्रतियोगिता जनसंख्या दिवस पर (जनसंख्या विस्फोट मानव जाति पर संकट)
- 21 सितम्बर, 2022 - अन्तर्राष्ट्रीय सद्भावना और शिक्षा (विशिष्ट व्याख्यान)
- 23 सितम्बा, 2022 - राष्ट्र के प्रति विद्यार्थियों का कर्तव्य (भाषण प्रतियोगिता)
- 23 सितम्बर, 2022 - यूएनईएससीओ की शिक्षा में भूमिका (अतिथि व्याख्यान)
- 24 सितम्बर, 2022 - बढ़ती जनसंख्या सिकुड़ते संसाधन (निबन्ध प्रतियोगिता)
- 11 नवम्बर, 2022 - राष्ट्रीय शिक्षा दिवस पर विशिष्ट व्याख्यान

	सेमेस्टर	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर
कक्षाध्यापन	I	NA	5, 19	25	26	31
मासिक मूल्यांकन	I		2, 6	2, 9	29	15

	सेमेस्टर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल
कक्षाध्यापन	II	4,10,17	2,8,14,21	9,15,23	6
मासिक मूल्यांकन	II	24	28	29	15

बी.ए. तृतीय वर्ष	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी
कक्षाध्यापन	12,19	3,11,22	6,16	1,13	5,14,21	8	7,16,24
मासिक मूल्यांकन	26	29	24	20	29	30	30

	सेमेस्टर	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर
कक्षाध्यापन	III	12,19	3,11,22	5,15,23	12	2,11
मासिक मूल्यांकन	III	26	29	30	19	15

नोट - उपर्युक्त कार्यक्रम की तिथि/अतिथि के सन्दर्भ में समय एवं परिस्थिति के आधार पर परिवर्तन हो सकता है। यह सभी कार्यक्रम विभाग द्वारा प्रस्तावित है।

Department of English Literature

Departmental Action Plan

1. **Classes according to time table -** College has allotted II period for the B.A. I Semester in Chhatrapati Shivaji kaksh, V period for B.A. III year in Swami Dayanand Sarswati & Dept. will take all the classes at the allotted time in the allotted kaksh. VII B.A. IIIrd Sem in Kautilaya kaksha IV, 1st Sem Kshatrapati Shiva ji is Minor Period.

2. **Lesson Plan -** Dept. teaches according to the lesson plan. Though last year dept. was not able to continue classes according to the lesson plan due to covid-19. Last year 104 working days for B.A. I year & 117 working days for B.A. IIyear & III year were available but dept. had taken 112 classes in B.A. I year, 154 classes in B.A. II year & 139 classes in B.A. final year.

   This year classes of B.A. IIIrd Sem and B.A. IIIrd year 8th July, 2022 have been started from 16th June 2021 & dept. will try to complete the syllabus according to lesson plan & on time. Extra classes will be managed during the working days & hours.

3. **Class Teaching -** After every fifth working day, sixth day's classes are taken by the students which help in personality & academic development of the students. The team of class teaching is declared on the previous class teaching day. Class teaching help them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skill and analytical ability. Lecturer helps them to be ready with their allotted topic. Each & every student is provided an opportunity to participate in class-teaching according their ascending I.D. No. Last year more than 24 students out of 30 in I year, 5 students out of 9 in II year & 8 out of 8 regular students in III year had participated. This year dept. will try to achieve that more than 70% participation of students.

   This year's class teaching schedule is:

CLASS	CLASS TEACHING SCHEDULE							
	July	August	September	October	November	December	January	Febuary
B.A. I	NA	NA	4, 15, 23	25	11	7, 22	10, 16	NA
B.A. II	22,29	5,12,22	7,14	3,10	8,17	2,14,21	5,12,20	4,13,19
B.A. III	NA	NA	7,14	3,10	8,17	2,14,21	5,12,20	4,13,19

4. **Monthly Evaluation -** In the last week of the month, monthly evaluation is scheduled as it help Lectures to assess that revealed or the taught portion of the month was understood by the students before it's too late. Evaluation shows that how many have failed to grasp a particular chapter & a lecturer can reteach it. If a few are confused, the lecturer can provide individualized help. It also help students to get ready for the examinations & to know their weak points. Last year 30% students participated in the monthly evaluation. This year dept. will try to assure participation of every regular student. This year monthly evaluations are held on:

CLASS	MONTHLY EVALUATION SCHEDULE							
	July	August	September	October	November	December	January	Febuary
B.A. I	NA	NA	23	26	28	30	NA	NA
B.A. II	NA	NA	22	25	25	29	31	–
B.A. III	29	30	22	25	25	29	31	–

5. **Power-point classes -** This year Dept. has decided to take Maximum as sequi semester of topic classes on projector through ppt presentation too. Though dept. has uploaded the complete syllabus of B.A. I, II &III year on the Departmental Blog in the notes form last year. Department will ask students to access the blog. The students who want to take the benefit of power point class as well as notes online they have to access the blog of the department.

6. **Teaching Methodology**
   - Chalk & talk
   - Explanation Method
   - Group Discussion
   - Competition
   - Book Reading
   - Participatory Method
   - Real time question
   - Power-Point
   - Class Teaching
   - Problem solving sessions

7. **Guest Lectures**

"Something different than the usual always seems interesting!"

Guest lectures & workshops enhances the educational experience of the students. It provides them opportunity to learn new, when students are guided by the professors or the guest lectures they learn a ton, with such aim Dept. has planned to organise guest lectures workshop for the students on:

Date	Topic	Lecturer
24-02-2023	Gaming effect on Language and Communication	Dr. Neelam Dubey, MMMUT, Gorakhpur

8. **Proposed Subject Experts**
   - Prof. Alok, H.O.D., Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
   - Prof. Ajay Shukla, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
   - Prof. Shikha Singh, Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University, Gorakhpur
   - Dr. Anugrah Tiwari, Associate prof. Dept. of English Lit., St. Andrews College, Gorakhpur
   - Dr. Pankaj Kumar Singh, Asst.Prof. Dept. of English Lit., DDU Gorakhpur University
   - Dr. Sudheer Narayan Singh, H.O.D Department of Huminites & Management Science, MMMUT,

Gorakhpur

- Dr. Rajesh Srivastava, Asst.Prof. Dept. of English Lit., Govt. P.G.College, Dhara, Kushinagar.
- Date & Guest can be changed according to the current situation & avaibility of the guest lecturer.

9. **Competitions -** Competition not only promotes, improved teamwork & collaboration & enhances social emotional learning, but also develops academic heroes, beneficial peer comparisons & increase intrinsic motivation. So to bring all these, Dept. will organise some competitions as:

Date	Competition	Topic
24-08-2022	Exhibition	Indian Cultural Heritage
21-11-2022	English Speech	National Education Policy And self-Relian-india
24-01-2023	Story-writing competition	Picture will be given
04-02-2023	English speech Compitition	Role of Youth in Climate Change
24-02-2023	Extempore	————

Last year due to covid-19 very few students were regular & so only 30% of students had participated. This year dept. will try to train the students for the proper use of technology so they can participate even online & will inspire all the students to participate.

10. **Problem Solving class & Remedial Class -** V Period will be declared as Problem solving class for the Students of B.A I, II & III year. The period of 15th Feb-24th Feb will be declared as remedial class after pre-university examination to clear their doubts & to discuss their writing skill to get more marks.

11. **Shikshak Pratipusthi Prapatra -** This year too Dept. will take feedback of students on prescribed format twice in a year i.e. in the month of September & January to improve the teaching methodology & to know what are the expectations of the students from the class & college. Last year 100% regular students had filled feedback form.

12. **Self-assessment & progress report -** Dept. fills self-assessment form each & every month's last day with the progress report of the students' online. It allows us to create critical reflective practice in our own actions. It strengthens & aware about the responsibilities over own work & increase control & ownership of our professional development.

    This year too dept. will continue and try to submit both either on the last day of the month or the first day of the upcoming month as dept. has done since 2006.

13. **Value added Course -** Dept. had conducted spoken classes free of cost since 2007-2019 but due to Covid-19 last year (session 2020-2021) Dept. had postponed the scheme. This year dept. will try to conduct spoken classes from Nov 21-Feb 22.

14. **Library -** Dept. visits & spends at least half an hour to forty minutes in the library everyday & promotes students too to visit library & provide them lists of books to access some supplementary books.

    Dept. has its departmental library too but very few books are available in the departmental library as Dept. is attached to central library.

15. **Blog -** Last year dept. had uploaded Departmental report, one research paper & 100% of syllabus of B.A. I, II & III year and Pre-University Question Papers on the blog which is provided by the college on the college website. This year dept. will try to upload all the research paper on the blog.

16. **Swachik Shramdaan -** Dept. along with 60% students of the dept. participate in swachik shramdaan to develop the habit of cleanliness & to make Students feel that labourers are in no way inferior to us & not any job is inferior than the other one.

    Apart from this shramdaan provides our mind the pleasure of satisfaction, our personality of idealness &

benefits the body in so many ways.

Though last year due to covid 19 swachik shramdaan was suspended. I hope this year situation will be normal & Dept. will again participate in swachik shramdaan.

समाजशास्त्र विभाग

1. **विशिष्ट व्याख्यान** - समाजशास्त्र विभाग द्वारा विशिष्ट व्याख्यान का आयोजन दिनांक 28.02.2023 प्रस्तावित विषय - "महिला उद्यमिता एवं विकास"। विशिष्ट अतिथि डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय, सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, नेशनल पी.जी. कालेज, बड़हलगंज, गोरखपुर।
2. **शोध व्याख्यान/वाद-विवाद प्रतियोगिता** - समाजशास्त्र विषय के छात्र/छात्राओं में शोध अभिरूचि बढ़ाने हेतु शोध व्याख्यान/वाद–विवाद प्रतियोगिता दिनांक 16.08.2022 को आयोजित किया गया।
3. **अतिथि व्याख्यान**– समाजशास्त्र विषय के छात्र–छात्राओं हेतु प्रत्येक माह में गत सत्र की भाँति अतिथि व्याख्यान पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रस्तावित है।
4. **अतिथि व्याख्यान हेतु प्रस्तावित अतिथियों के नाम - दिनांक**
   - श्री विवेकानन्द, (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, दिग्विजय नाथ पी.जी. कालेज, गोरखपुर) 20.09.2022
   - प्रवासी भारतीय दिवस पर व्याख्यान कार्यक्रम का आयोजन दिनांक - 09.01.2023 को आयोजित किया गया।
   - डॉ. मनीष कुमार पाण्डेय (सहायक आचार्य, समाजशास्त्र विभाग, नेशनल पी.जी. कालेज, बड़हलगंज, गोरखपुर) 28.02.2023
5. **कक्षाध्यापन** - विद्यार्थी के व्यक्तित्व विकास के लिए साप्ताहिक कक्षाध्यापन महाविद्यालय की अत्यन्त महत्वाकांक्षी योजना है। विभाग द्वारा पाठ्यक्रम योजना के अनुसार सप्ताह में पाँच दिन के कक्षा के उपरान्त छठे दिन साप्ताहिक कक्षाध्यापन विद्यार्थियों द्वारा कराया जाता है जिसमें पाँच से छ: दिन पहले विद्यार्थियों को 'शीर्षक' उपलब्ध करा दिया जाता है एवं निर्धारित तिथि को कक्षाध्यापन कराया जाता है। विद्यार्थी तैयार किये गये शीर्षक को निर्धारित समय में पूर्ण करता है। कक्षाध्यापन का उद्देश्य विद्यार्थियों के मन से झिझक एवं डर को दूर कर उनके अभिव्यक्ति क्षमता का विकास करना है।
6. **कक्षाध्यापन सूची** -

कक्षा	कक्षाध्यापन										
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	8,19	6,16	1,13	5	-	-	-	-	-	-
बी.ए. द्वितीय सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	11,20	11,21	06	16,,23
बी.ए. तृतीय सेमे.	14,21	5,16	3,13,22	11	2	-	-	-	-	-	-
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	11,20	11,21	06	16,23
बी.ए. तृतीय वर्ष	14,21	5,16,24	7,19	7,14	7,15,22	9	3,10,18	4		.	

एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	8,19	3,12,20	7,13	3	-	-	-	-	-	-
एम.ए. द्वितीय सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	11ए20	11,21	06	16,23
एम.ए. तृतीय सेमे.	14,20	3,10,19	5,13,22	8,11	5	-	-	-	-	-	-
एम.ए. चतुर्थ सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	11,20	11,21	06	16,23

7. **मासिक मूल्यांकन** - विभाग द्वारा प्रत्येक माह में पाठ्यक्रम योजना के अनुसार पढ़ाये गये व्याख्यान से दीर्घउत्तरीय 3 (तीन) एवं बहुविकल्पीय आधारित प्रश्न देकर विद्यार्थियों को निर्धारित कक्षा की घण्टी में जमा करके उसका मूल्यांकन किया जाता है और सभी विद्यार्थियों को उनके अंक बता दिये जाते हैं एवं उसका विवरण प्रगति आख्या पर अंकित कर दिया जाता है।

8. **मासिक मूल्यांकन सूची** -

कक्षा	मासिक मूल्यांकन										
	जुलाई	अगस्त	सितम्बर	अक्टूबर	नवम्बर	दिसम्बर	जनवरी	फरवरी	मार्च	अप्रैल	मई
बी.ए. प्रथम सेमे.	NA	26	24	20	14	-	-	-	-	-	-
बी.ए. द्वितीय सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	27	28	NA	31
बी.ए. तृतीय सेमे.	28	24	29	18	11	-	-	-	-	-	-
बी.ए. चतुर्थ सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	27	28	NA	31
बी.ए. तृतीय वर्ष	28	31	26	28	30	-	27	27	-	-	-
एम.ए. प्रथम सेमे.	NA	24	27	20	11	-	-	-	-	-	-
एम.ए. द्वितीय सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	27	28	NA	31
एम.ए. तृतीय सेमे.	26	26	28	28	14	-	-	-	-	-	-
एम.ए. चतुर्थ सेमे.	-	-	-	-	-	-	-	27	28	NA	31

9. **ग्राम्य दर्शन** - इस योजना के अन्तर्गत विभाग के शिक्षक गोद लिए गए गाँव का भ्रमण करने विद्यार्थियों के साथ जाते हैं। ग्रामीणों को स्वास्थ्य, शिक्षा, सरकारी योजनाओं के प्रति ग्रामीणों को जागरूक किया जाता है। गत वर्ष की भाँति विभाग इस वर्ष निर्धारित कार्यक्रमों के साथ ग्रामीणो में जागरूकता के कार्यक्रम प्रस्तावित तिथियॉ के अनुसार करेगा।

ग्राम्य दर्शन की प्रस्तावित तिथियाँ-

1. 07 अगस्त, 2022 (माह का प्रथम रविवार)
2. 09 अक्टूबर, 2022 (महर्षि वाल्मिकी जयन्ती)
3. 19 फरवरी, 2023 (संत रविदास जयन्ती)
4. 07 मई, 2023 (माह का प्रथम रविवार)

10. **कार्यशाला** - वर्तमान सत्र में विभाग द्वारा सप्तदिवसीय कार्यशाला "विश्व विरासत सप्ताह" का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम 19 नवम्बर, 2022 से 25 नवम्बर, 2022 तक आयोजित किया गया है।

11. **पाठ्यक्रम योजना** – विभाग द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम योजना के अनुसार सभी कक्षाएं संचालित होती हैं। विगत वर्षों में 16 जुलाई से स्नातक द्वितीय, तृतीय एवं परास्नातक अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ हो जाती रही है, तथा 1 अगस्त से स्नातक एवं स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ होती हैं। वर्तमान सत्र में 08 मई से बी.ए. तृतीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर एम.ए. तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ हो चुकी है तथा स्नातक प्रथम सेमेस्टर एवं परास्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 अगस्त से संचालित होंगी। वर्तमान सत्र में बी.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर तथा एम.ए. द्वितीय एवं चतुर्थ सेमेस्टर की कक्षायें दिनांक 06 फरवरी 2023 से अद्यतन संचालित हो रही है।

12. **समय-सारणी** – विभाग की कक्षायें पूर्णतः समय-सारणी के अनुसार संचालित होती हैं।

13. **पठन-पाठन** – समाजशास्त्र विभाग में सामान्यतः निम्नलिखित शिक्षण विधियों से पठन-पाठन कराया जाता है–
    - व्याख्यान विधि
    - प्रश्नोत्तर विधि
    - समूह चर्चा
    - प्रोजेक्टर (PPT)

14. **पुस्तकालय** – विभागीय शिक्षक अध्ययन हेतु पुस्तकालय में जाते हैं एवं विभागीय विद्यार्थियों को खाली घण्टी में पुस्तकालय में जाकर पढ़ने के लिए प्रेरित करते है। पुस्तकालय के पंजिका पर आते व अध्ययन के उपरान्त समय लिखकर हस्ताक्षर किया जाता है।

15. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग द्वारा प्रत्येक सत्र में सितम्बर एवं जनवरी माह में शिक्षक उन्नयन हेतु विद्यार्थियों के सुझावों के आधार या शिक्षक मूल्यांकन सुधार करता है।

16. **शिक्षक स्वमूल्यांकन** – विभाग के प्रत्येक शिक्षक द्वारा हर माह 10 तारीख तक शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र भरा जाता है जिसमें शिक्षक के आने जाने का समय, किसी कार्यक्रम में स्वप्रेरणा से सहयोग, सम्बन्धित दायित्व निर्वहन आदि बातों का उल्लेख किया जाता है।

17. **यूट्यूब/फेसबुक/सोशल मीडिया** – विभाग द्वारा महाविद्यालय के महत्वपूर्ण कार्यक्रमों एवं आयोजनों का जो महाविद्यालय यूट्यूब व फेसबुक के माध्यम से सीधा प्रसारण होता है, विद्यार्थियों के कक्षा समूह पर लिंक भेजकर सम्बन्धित आयोजनों एवं कार्यक्रमों से जुड़ने के लिए प्रेरित करता है।

18. **तकनीकी प्रसार** – विगत सत्र में प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाएं विभाग के शिक्षकों द्वारा चलाई गई है। इस सत्र में सभी कक्षाएं प्रोजेक्टर पर पढ़ाने की योजना है। महाविद्यालय के वेबसाइट पर शिक्षक ब्लॉग पर विभाग के शिक्षकों द्वारा पी.पी.टी. अपलोड कर दिया गया है। जिसका उपयोग विद्यार्थी कभी भी डाउनलोड करके पढ़ सकते है।

19. **प्रगति आख्या** – इसके अन्तर्गत पढ़ाये गये व्याख्यानों की संख्या, छात्र उपस्थिति, कक्षाध्यापन, मासिक मूल्यांकन का अंक, आचरण व्यवहार, विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा एवं विश्वविद्यालय परीक्षा के अंकों का विवरण भरा जाता है। इस योजना का उद्देश्य विद्यार्थी के पठन-पाठन की गतिविधियों का निरीक्षण का सुझाव देना है। इस सत्र से प्रगति आख्या पूर्णतः ऑनलाईन भरी जा रही है।

20. **विश्वविद्यालय पूर्व-परीक्षा** – इसके अन्तर्गत विश्वविद्यालय परीक्षा के मानक पर प्रश्नों को बनाकर आगामी परीक्षा की तैयारी के लिए उसे विभिन्न खण्डों में विभक्त कर मासिक मूल्यांकन के प्रश्नों का स्वरूप दे दिया जाता है जिससे विद्यार्थी आगामी परीक्षा के लिए अच्छे से तैयार हो सके। यद्यपि वर्ष में 02 बार मिडटर्म एवं इण्ड टर्म परीक्षा के कारण विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा आयोजित नहीं हो रही है। फिर भी विभाग विद्यार्थियों का परीक्षा हेतु महत्वपूर्ण प्रश्नोत्तर हल करवाता है।

21. **गोद लिए गये विद्यार्थी** - विभाग का प्रत्येक शिक्षक प्रथम वर्ष के पाँच विद्यार्थियों को गोद लेता है।

गोद लिए गए विद्यार्थियों का विवरण

शिक्षक : **डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय**	शिक्षक : **श्री रितेन्द्र नाथ पाण्डेय**	शिक्षक : **डॉ. भावना पाण्डेय**
रजनीश कुमार	शिवम गुप्ता	आशुतोष
संजना सिंह	मन्धया प्रजापति	शिवनाथ
नीलेश सिंह	विश्वजीत शर्मा	मो. साजिद
विनय कुमार गुप्ता	प्रियंका	सावित्री
अमित कुमार गुप्ता	पंकज चौहान	रिमझिम

विद्यार्थियों को गोद लेने का उद्देश्य अभिभावक के रूप में व्यक्तिगत रूप से जुड़े रहना, उनकी समस्या जानना एवं उचित समाधान करना, सामूहिक, रचनात्मक कार्यो के साथ ही विभाग एवं महाविद्यालय के कार्यक्रमों में सक्रिय रूप से सहभाग के लिए प्रेरित करना, एवं स्वच्छता तथा अनुशासन को बनाये रखना। उपर्युक्त विद्यार्थियों का इस सत्र में स्नातक पूर्ण हो रहा है। वर्तमान सत्र में नये विद्यार्थियों का चयन कर लिया जायेगा।

22. **पृष्ठ पोषण (फीड बैक) कक्षाएं (15-28 फरवरी 2023)** - इसके अन्तर्गत विद्यार्थियों की त्रुटियों आदि से अवगत कराया जाता है ताकि विद्यार्थी उन्हे सुधार सके साथ ही इस प्रक्रिया में छात्रों की अच्छी विशेषताए, अच्छे कार्य एवं उनके गुणो व अच्छाइयों के बारे में बात करके उन्हे उससे अवगत कराया जाता है।

23. **प्रार्थना सभा** - महाविद्यालय में प्रार्थना सभा प्रत्येक दिन 09:25 से 09:40 तक आयोजित की जाती है जिसमें विभाग के शिक्षक अनिवार्य रूप से उपस्थित होते है साथ ही विभाग के सभी विद्यार्थियों को प्रार्थना सभा में उपस्थित होने के लिए प्रेरित करते है। महाविद्यालय की परम्परानुसार प्रार्थना सभा प्रत्येक सत्र में 01 अगस्त से 30 जनवरी तक सम्पन्न की जाती है इसका उद्देश्य राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना, गीता उपदेश के माध्यम से राष्ट्रप्रेम एव भक्ति भावना का भाव जागष्टत करना है तथा प्रत्येक कार्यदिवस में पड़ने वाले महापुरुषों की जन्मतिथि एवं पुण्यतिथि तथा अन्य महत्वपूर्ण दिवसों पर उद्बोधन के माध्यम से प्रेरित किया जाता है।

24. **स्वैच्छिक श्रमदान** - इसके अन्तर्गत सप्ताह के प्रत्येक शनिवार को कक्षाएं 40 मिनट की चलती है। इस दिन 01 घण्टे 10 मिनट के समय में महाविद्यालय के शिक्षो एवं विद्यार्थियों के साथ विभाग के सभी शिक्षक स्वैच्छिक श्रमदान करते है। इसका उद्देश्य स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है।

25. **नि:शुल्क चिकित्सा** - महाविद्यालय में प्रत्येक सप्ताह में दो दिन चिकित्सा शिविर का आयोजन होता है। विभाग के शिक्षकों द्वारा महाविद्यालय के आस-पास के गांवो में स्वास्थ्य लाभ हेतु विद्यार्थियों को प्रेरित किया जाता है।

26. **राष्ट्रीय सेवा योजना** - महाविद्यालय की स्थापना काल से ही यह योजना लागू है। विभाग के शिक्षक श्री बृजभषण लाल वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी के रूप में अपने दायित्व का निर्वहन कर रहे है। साथ ही विभाग के शिक्षक समाजशास्त्र विषय के विद्यार्थियों को सदस्यता ग्रहण करने के लिए प्रेरित करते है।

27. **रोवर्स रेंजर्स** – महाविद्यालय में गत वर्ष की भांति यह योजना लागू है विभाग के शिक्षक श्री बृजभूषण लाल रोवर्स रेंजर्स प्रभारी के रूप में इस सत्र में अपना दायित्व का निर्वहन कर रहे है।

27. **राष्ट्रीय संगोष्ठी** – विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी आयोजित करने की योजना है।

28. उपर्युक्त के अतिरिक्त शिक्षक आचार संहिता का पालन करना, महाविद्यालय में अनुशासन बनाये रखना, स्वच्छता पर विशेष ध्यान देना, बिजली पानी की बचत, परिसर संस्कृति के अनुरूप शिक्षक, विद्यार्थी आचरण/व्यवहार बनाये रखना आदि के लिए शिक्षक द्वारा समय-समय पर प्रेरणा दी जाती है।

नोट– उपर्युक्त कार्यक्रम की तिथि/अतिथि के सन्दर्भ में समय एवं विशेष परिस्थिति के आधार पर परिवर्तन हो सकता है। यह सभी कार्यक्रम विभाग द्वारा प्रस्तावित है।

Psychology Department

The annual departmental plan of the psychology department has been prepared keeping in mind the personal, educational, behavioral and social Up lift mint of the students. For this work, after reviewing the progress report of the students, the efforts of the teachers regarding them have been outlined. The annual plan for lectures, seminars, workshops, competitions etc. is made keeping in mind the curriculum plan.

Since its inception, the educational objective of the Department of Psychology has been full of various dimensions like positive, developmental, interesting, innovative etc. All the teachers of the department are committed to fulfill these objectives. The heart of the action plan of the Department of Psychology is always to come true to the ground of reality. Departmental action plan of Psychology Department are –

Departmental Action Plans

1. **Start of the Session -** After the completion of the admission process, it has been decided to conduct the third semester and third year classes from July 08th. Classes for the first semester of graduation have started from 01th August.

2. **Time Table -** Every class in the college is conducted according to the time table, the class of psychology will also be conducted according to the time table.

3. **Practical Classes -** The practical classes for the undergraduate classes will start from August 16. Field work will be done after completing the laboratory work of third year classes by December 30.

4. **Laboratory -** The laboratory will be kept updated. The cleanliness and safety of the laboratory will be ensured. For the purchase of necessary equipment and other materials for the laboratory, the demand letter will be sent to the principal through the laboratory in-charge. Experimental equipment will be entered in the store register, the test and verification of the storage register will be done by the laboratory in-charge and principal in the month of March at the end of the session.

5. **Teaching – Learning Process -** It will be the goal of the department that the teaching-learning can be effective and of high quality. According to the syllabus plan, the syllabus of all classes will be completed by February 15, if due to any reason the syllabus of any question paper of any class will not be completed by February 15, then the concerned Teachers will complete the syllabus by teaching additional classes on the basis of the permission of the principal.

6. **Course Plan -** Under this scheme the course plan is made well before the start of academic session and it is made open to everyone on the website of the college. In course plan the title and theme of the theory as well as practical classes are declared for everyday and students are well aware of it before coming to the college. In this session it was also uploaded on website.

7. **Innovations in Class Teaching -** The use of smart boards, projectors, charts, models, etc., as aids in

classroom teaching, will continue as in the previous sessions. All classes will be conducted through projectors. The lectures of all the question papers will be prepared and uploaded on the teacher blog of the college website. Apart from this, the departmental teachers will also put other text materials which will be useful for the students on their own blogs. Efforts will be made to provide information about other subjects to the students of psychology subject under the inter-disciplinary method. In each class, in the order of informal conversation by the departmental teachers, discipline, nation, society and college will be discussed in the context of life vision.

The following teaching methods will be used by Department of Psychology in classroom teaching:

- **Teaching Methods**

i. **Live Classes :** E–Learning platform will be used in which live class conduct and interaction with students will be done through video conferencing.

ii. **Power Point Presentation :** In this method, the class will be conducted with the help of projector by presenting the PPT prepared on various topics of the syllabus.

iii. **Lecture / Explanation Method :** Like in the previous sessions, the teachers will use the method of lectureè; Explanation to explain the various topics, facts and explain the contents in sequential and logical manner.

iv. **Participatory Method :** The teaching process is made effective and purposeful by making full active participation of teacher – student during class.

v. **Inclusive education technique :** In the classroom, possible efforts are made to integrate the students with the mainstream keeping in view the specific needs of the students such as physical, intellectual, cognitive and socio – cultural etc.

vi. **Learning by doing :** By doing learning, complex tasks can be learned easily, so in psychology teaching, students are provided with the opportunity to learn by doing different tasks directly.

vii. **Group Discussion :** Group work is an effective and powerful way of learning. It motivates students to think, communicate, understand, exchange ideas and make decisions. It allows students to teach and learn from others.

viii. **Class Teaching :** Class Teaching helps students in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability.

8. **Weekly Class Teaching -** In this scheme every 6th day of the class is attributed to the class teaching made by the students. Class Teaching helps them in continuous development of verbal expression, thinking, communication skills and analytical ability. For class teaching, on the first day of the beginning of the session i.e. 5 days before the class teaching, the names and subjects of the students teaching the class will be decided and declared in the class. Preparation of students for classroom teaching will be done outside the classroom. On the day of class teaching, one by one the students will be taught the class on a predetermined topic. The students who have taught the class will not be given a second chance until one cycle of all the students is completed. The details of the students teaching the class will be kept by the departmental teachers with giving those marks in round of 10 marks. In class teaching, students will be motivated to present their subject matter properly.

Like previous years, this year also this scheme will continue.

9. **Weekly Class Teaching Dates**

CLASS	CLASS TEACHING							
	July	Aug.	Sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Jan.	Feb.
B.A./B.Sc. Semester I	NA	11	06,20	18	09	NA	NA	NA
B.A./B.Sc. Semester III	14,21	05,16,24	07,19	07,14	09	NA	NA	NA
B.A./ B.Sc. III	14,21	05,16	01,10,20	08,15	09,16	01	04,11,19	06,13

10. **Summary of the Lesson -** Students will not be given a photocopy of their lecture in every class by the teacher. As an alternative arrangement, students can get the course material of the subject through PPT uploaded on the teacher blog of the college website.

11. **Monthly Evaluation (Assessment) -** Last days of class teaching of every month is scheduled as monthly test to evaluate the academic performance of the students. In order to know the desired behavioral changes of the students, a structural assessment is designed on the subject matter taught in each month, in which quantitative assessment of student's achievement and ability is done by multiple choice and essay type questions. Like previous years, this year also this scheme will continue.

12. **Monthly Assessment Dates**

CLASS	MONTHLY ASSESSMENT							
	July	Aug.	Sept.	Oct.	Nov.	Dec.	Jan.	Feb.
B.A./B.Sc. Semester I	NA	25	29	00	09	NA	NA	NA
B.A./B.Sc. Semester III	28	30	26	28	15	NA	NA	NA
B.A./ B.Sc. III	28	24	27	29	23	12	28	15

12. **Progress Report -** It is a record of the activities of students. Basically the records of the students that are maintained in progress report are attendance of the student, participation in class teaching and monthly evaluation, their character and behavior in the class and college premises, performance in pre-university exam and university exam etc. This scheme will be applicable in this session like every session. Progress report will be uploaded on the website by 10th of every month.

13. **Analysis of Progress Report -** The analysis of Progress Report is made every year at the end of the session. It is annexed with Progress Report. Through this report the performance of entire classes and achievement are analyzed and it becomes the base of our performance for upcoming academic session.

14. **Self-Assessment Report -** SAR is a technique of self-evaluation by the faculty members. All faculty members follow it. SAR of every month is submitted by the 8th day of the next month. This SAR is the gist of duties and responsibilities performed by faculty members. It also includes the innovation, if any, made individually or in collaboration with other faculty members. It is a means of evaluation of continuous progress in the performance. SAR is observed by the Principal of the college. From previous session SAR is filled online at the college website. In this session it will also continue

15. **Faculty Feedback Report -** It is a technique to get the response from the students about the faculty members. In this process the students are given a particular form to fill about the academic performance and personal conduct of the faculty. Through this technique the faculty members improves their depth of knowledge and social behavior. This activity is performed twice in a year (September & January) and the copy of it is kept in the office for the observation by the Principal.

16. **Adopted Students -** It is the scheme in which every faculty member is expected to adopt five students at least. These students belong to NSS, hostel, Rover Rangers, and class representatives. The faculty

members are expected to monitor and interact with them regularly and help them in personality development. The adopted students of Dr. Venkat Raman are –

1. Arachna Sahini	B,A. III Semester	Class Representative
2. Sushma Kumari	B,A. III Semester	N.S.S.
3. Jyoti Sahni	B,A. III Semester	N.S.S.
4. Sonu Nishad	B,A. III Semester	N.S.S
5. Upendra Kumar	B,A. III Semester	N.S.S

Dr. Amit Kumar Tripathi –

1. Mamta Mishra	B,A. III Semester	NCC
2. Anand RAJ	B,A. III Semester	
3. Aakansha	B,A. III Semester	N.S.S.
4. Vishwajeet Ajay Mirakale	B.Sc . III Semester Bio	N.S.S
5. Shivani Maddheshia	B,A. III Semester	N.S.S.

17. **Adopted Village -** To interact with local people and to develop public relation all faculty of the department adopt a village nearby the college and they visit there frequently. The Department of Psychology has adopted the villages Chhoti Jamunahiya which are about 3km. away from the college. Department are expected to understand the life and problems of the villagers and, if possible, do something better for them. The villagers are also made aware of government schemes so that they can get the maximum benefits. In this session, village tour is proposed to be held on August 7, October 23, February 26 and May 28.

18. **Village Tour schedule**

August 2022

Date	Day	Time	Program
07-08-2022	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

October 2022

Date	Day	Time	Program
23-10-2022	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

February 2023

Date	Day	Time	Program
19-02-2023	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

May 2023

Date	Day	Time	Program
28-05-2023	Sunday	10:00 A.M. onwards	Village Tour

19. **Voluntary Contribution of Labour -** In this activity the faculty members and students contribute their labour for cleanliness and making eco-friendly environment of the college. This scheme is voluntary and performed on every weekend. It continues for one and half an hour on every weekend. In this session also this scheme will continue as before.

20. **Remedial Course -** At the end of academic session remedial course is conducted to enhance the proper understanding of the subjects and allied themes. In this course the focus is given on those students who join the college late. Their unattended course is completed and their doubts are made clear. Exam related doubts are also made clear to the students. In this session these classes are proposed from 20th to 25th February 2023.

21. **Remedial Classes Dates**

Date	Day	Time	Program
20-02-2023	Monday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
21-02-2023	Tuesday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
22-02-2023	Wednesday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
23-02-2023	Thursday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
24-02-2023	Friday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class
25-02-2023	Saturday	10:00-11:30 A.M	Remedial Class

22. **Departmental Blog -** From last two years departmental blogs are being updated by the department. Every faculty members has been given their user id and password to update the blogs. On the blogs audio-visual study materials like PPT, PDF, Doc., YouTube clips are made available to the students. On the departmental blogs more than 150 PPT and PDF study materials are available for the students. They can also access the research papers of the faculty members. It will be updated from time to time in this session also.

23. **Alumni -** Department of Psychology keeps the record of pass-out students and tries to remain in contacts with them. The department is having a list of such students and it is updated every year. The existing and new students get benefits due to the presence of old students, so this scheme will continue to run smoothly in this session as well.

24. **Guidance and Counselling Services -** The Department will arrange the service of Guidance and Psychological Counselling for College Students, Faculty and Staff. The aims of guidance and counselling programs are to assist individuals to develop the ability to understand them, to solve their own problems, and to make appropriate adjustments to their environment. The objectives of guidance programme students are :

    i) Help students to make appropriate choice of course(s) in accordance with their abilities and interest.

    ii) Help them to plan their career based on the choice of course.

    iii) Make them aware of various job opportunities related to various courses.

25. **Training of Counselling skills -** Counseling skills training will be arranged for the students of psychology department. It help them to become a good counselor in future.

26. **Discipline -** The teachers of psychology department will take the responsibility of discipline around the psychology department.

27. **Library -** According to the plan of the college, every teacher will make good use of his free time in the library to increase his talent and stay updated. In this regard every faculty of the department studies sitting in the library and registers their presence on the library register, this sequence will be continued by the faculty of the department this year as well.

28. **NAAC & IQAC -** The department will continue to make available the records sought by NAAC from time to time.

29. **Prayer Meeting -** Every day a prayer meeting is organized in the college from 9:20 am to 9:40 am, in

which the teachers of the department compulsorily participate; this scheme will be applicable this year also.

30. **E-Content on Government Digital Library -** The e-content was uploaded on the digital library by thefaculty member of psychology department in the last session which will be applicable in this session also.

31. **Uses of Smart Board -** Like the previous session, in this session also the smart board will be used by the faculty of the department for teaching work.

32. **Workshop & Lectures -** Guest lecturers help students improve their learning in a more interactive, topic specific way. These can be very helpful not only for the students, but can also contribute to the teacher's knowledge and practices. Guest lecturers can be used to make classes more approachable and appealing to students. In workshop by learning about new topics and meeting leaders in their field student feels encouraged and motivated. Listening to any prominent personality in workshop helps the student to gain information about their way of work or how things take place.In this regard Department of Psychology has planned several workshops and guest lecturers in this session.

Date	Day	Time	Program
10-10-2022	Monday	12:00-01:00 PM	Poster Competition

List of Expected Guest of Workshop, Invited Lecture and Lecture Competition

1.	Dr. Sheela Singh	Associate Professor (Retd.) Digvijinath P.G. College, Gorakhpur
2.	Prof. Aubhuti Dubey	Professor, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur
3.	Prof. Dhanjay Kumar	Professor, D.D.U. Gorakhpur University, Gorakhpur
4.	Dr. Sushil Tiwari	Associate Professor (Retd.) St. Andrew's College, Gorakhpur
5.	Dr. Premlata Verma	Associate Professor (Retd.) Bapu P. G. College, Pipiganj, Gorakhpur
6.	Dr. Vivek Shahi	Assistant Professor, Digvijinath P.G. College, Gorakhpur
7.	Dr. Vinod Gupta	Assistant Professor, D.A.V.P.G. College, Gorakhpur
8.	Dr. Abhay Pratap Singh	Assistant Profesor, Akhilbhagya P.G. College, Ranapar, Gorakhpur

Note : It is possible to change the dates, time and name of Gust of the above departmental programs according to the current circumstances.

वाणिज्य विभाग

प्रस्ताविकी– "स्वदेश, स्वधर्म, स्वतंत्रता और स्वाभिमान के लिए सर्वस्व न्योछावर करने वाले राष्ट्रनायक परमवीर महाराणा प्रताप का उज्ज्वल प्रदीप्त चरित्र हमारा आदर्श है। शिक्षा परिषद और महाविद्यालय को राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप के नाम पर स्थापित करने के पीछे यही स्पष्ट उद्देश्य और प्रयोजन है कि महाराणा प्रताप स्नातकोतर महाविद्यालय में अध्ययन करने वाला युवा आधुनिक ज्ञान-विज्ञान एवं कला की कालोचित शिक्षा ग्रहण करने के साथ-साथ अपने देश और समाज के प्रति सहज निष्ठा और अटूट श्रद्धा को प्राप्त करे।

शैक्षिक दृष्टि से अत्यन्त पिछड़े पूर्वी उत्तर प्रदेश के केन्द्र गोरखपुर के ग्रामीण अंचल की क्षेत्रीय आवश्यकताओं एवं राष्ट्रीय शिक्षा नीति अनुरुप छात्र-छात्राओं में नेतृत्व एवं प्रज्ञासनिक कुशलता के विकास एवं रोजगार प्राप्त करने हेतु सुयोग्य बनाने के उद्देश्य से स्थापना काल से वाणिज्य विभाग, महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़

बी.काम, तीन वर्षीय पाठ्यक्रम एवं सत्र 2015-16 से एम.काम. दो वर्षीय पाठ्यक्रम संचालित कर रहा है। अतः वर्तमान सत्र 2022-23 में उपरोक्त उद्देश्यों की पूर्ती हेतु विस्तृत विभागीय कार्यक्रम एवं माहवार कार्ययोजना अधोवर्णित है।

माहवार विभागीय कार्यक्रम एवं कार्य योजना

जुलाई, 2022

28 जुलाई, 2022	कार्यशाला
संयोजक	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
प्रशिक्षक	श्री चन्दन ठाकुर
विषय	सी.बी.सी.एस. प्रणाली आधारित प्रायोगिक कोर्स परीक्षा केन्द्रित कार्यशाला
29 जुलाई, 2022	विचार गोष्ठी
विषय	अन्तर्राष्ट्रीय बाघ दिवस (बाघों का संरक्षण)
संयोजक	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. भाग तीन
कक्षाध्यापन तिथि	12,13,14,19,20,21	15,16,18,20,21,29,30	12,13,14,19,20,21
मासिक मूल्यांकन तिथि	26,27,28	–	27,28,29

अगस्त, 2022

8 अगस्त, 2022	वीर सैनिकों को समर्पित राखी प्रदर्शनी
संयोजक	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. प्रथम सेमेस्टर	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. भाग तीन
कक्षाध्यापन तिथि	5,6,8, 16,17,19	5,6,8,16,17, 19,20,22,23	11,13, 16,17,19	1,6,8	5,6,8, 16,17,19
मासिक मूल्यांकन तिथि	24,25,26	27	–	11,13,20,25,26	24,25,26

सितम्बर, 2022

21 सितम्बर, 2022	विद्यार्थी अभिग्रहण
संयोजक	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
विषय	आधुनिक गुरुकुल मान्यता के अन्तर्गत विद्यार्थी अभिग्रहण कार्यक्रम
29 सितम्बर, 2022	कार्यशाला
संयोजक	श्री नन्दन शर्मा
व्याख्यानदाता	श्री अभिषेक श्रीवास्तव (पूर्व छात्र-महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर)
विषय	कम्पनी का समामेलन एवं पंजीयन

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. प्रथम सेमेस्टर	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. भाग तीन
कक्षाध्यापन तिथि	3,5,6,13, 16,19,20,21	7,10,12, 19,20,21	3,5,6	1,2,7, 13,15	3,5,6,13, 15,16,22,23
मासिक मूल्यांकन तिथि	26,27,28	1,2,26,27,28	20,21,22,23,24	20,21,26,30	24,29,30

अक्टूबर, 2022

20 अक्टूबर, 2022	व्यापार मेला
संयोजक	1. श्री अर्पन तिवारी (बी.काम. भाग तीन) 2. सुश्री रमा शुक्ला (बी.काम. भाग तीन)

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. प्रथम सेमेस्टर	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. भाग तीन
कक्षाध्यापन तिथि	7,8,10, 14,15,17	7,8,10, 14,15,17	8,10,11, 12,13	8,10	01,11,12, 13,14,15,17
मासिक मूल्यांकन तिथि	28,29	28,19,30	29	1,14,19,20	28,29

नवम्बर, 2022

29 नवम्बर, 2022	कृषि विकास व रोजगार कार्यक्रम
संयोजक	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
स्थान	तिनकोनिया नं.-02

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. प्रथम सेमेस्टर	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर	बी.काम. भाग तीन
कक्षाध्यापन तिथि	7,9,10,15	5,7,9,14,15	–	5,11,15	7,9,10, 15,10,17
मासिक मूल्यांकन तिथि	01	–	1,2,3,5	–	22,23,25

दिसम्बर, 2022

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	01,02,09,12,13
मासिक मूल्यांकन तिथि	–

जनवरी, 2023	
14 जनवरी, 2023	विशिष्ट व्याख्यान
संयोजक	भारत कुमार
व्याख्यान दाता	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
विषय	श्रीमद्‌भगवत गीता का व्यवसाय प्रबन्धन एवं उद्यमिता विकास में प्रयोग

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	3,4,5,10,11,12,18,19,20
मासिक मूल्यांकन तिथि	25,27,28

फरवरी, 2023	
11 फरवरी, 2023	स्वास्थ्य शिविर
संयोजक	सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
स्थान	तिनकोनिया नं. 02
25 फरवरी, 2023	विशिष्ट व्याख्यान
संयोजक	श्री चन्दन ठाकुर
विषय	ई–कामर्स का ग्रामीण क्षेत्र में विस्तार व चुनौतियां
व्याख्यान कर्ता	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल, असिस्टेंट प्रोफेसर, वाणिज्य विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कोर्स/पाठ्यक्रम	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर
कक्षाध्यापन तिथि	3,4,5,10,11,12,18,19,20
मासिक मूल्यांकन तिथि	25,27,28

मार्च, 2023	
5 मार्च, 2023	अभिरूचि व्याख्यान
संयोजक	श्री चन्दन ठाकुर
व्याख्यानदाता	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
विषय	हम और हमारा सामाजिक उत्तरदायित्व एक चर्चा।
25 मार्च, 2023	विशिष्ट अतिथि व्याख्यान
संयोजक	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ला
विषय	भारत की राष्ट्रीय कामर्स नीति एक चर्चा।
अतिथि	हर्षदेव वर्मा, असिस्टेंट प्रोफेसर, कम्प्यूटर साइंस, दी.द.उ. गोरखपुर विश्वविद्यालय

	अप्रैल, 2022
16 अप्रैल, 2023	स्नातक स्तर शोध व्याख्यान प्रतियोगिता
17 अप्रैल, 2023	परास्नातक स्तर शोध व्याख्यान प्रतियोगिता
संयोजक	श्री नन्दन शर्मा

1. **पाठ्यक्रम योजना** – सत्रारम्भ में महाविद्यालय की वार्षिक योजना निर्धारण बैठक में विभाग द्वारा संचालित पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित शैक्षिक कार्यदिवस ज्ञात होते ही विस्तृत पाठ्यक्रम योजना निर्धारित कर दी जाती है। पाठ्यक्रम योजना के अन्तर्गत प्रत्येक कार्यदिवस में प्रत्येक पाठ्यक्रम में दैनिक व्याख्यान का शीर्षक व संख्या विषय वार उपलब्ध होता है। विद्यार्थी इस योजना में वार्णित शीर्षक का पूर्व अभ्यास कर व्याख्यान में उपस्थित होता है फलस्वरूप ज्ञान अर्जन सहज हो जाता है।

   यह योजना महाविद्यालय की वेवसाइट ॒एउचउण्मकनण्पद पर अपलोड कर दी गई है। विद्यार्थी इसे कभी भी देखकर इसका अनुसरण कर सकते है।

2. **कक्षाध्यापन** – प्रत्येक पाठ्यक्रम/कक्षा में एक सप्ताह में एक विषय के पांच व्याख्यान पूर्ण होने पर छठवें दिवस उस सप्ताह में पढ़े गयेäीष्ठार्क/पाठ पर विद्यार्थियों द्वारा अपने सहपाठियों एवं विषय शिक्षक के समक्ष कक्षाध्यापन किया जाता है। विद्यार्थी द्वारा कक्षाध्यापन के दिन शिक्षक भी इस भूमिका में उपस्थित रहते है। इस विधि से विद्यार्थियों में अर्जित ज्ञान की मौखिक अभिव्यक्ति व सम्प्रेषण कौशल के रूप में व्यक्तित्व विकास के आयाम प्राप्त करने में समर्थन मिलता है।

   विद्यार्थियों को एक सप्ताह पूर्व ही पाठ्यक्रम योजना अनुसार शीर्षक तय कर दिये जाते है। विद्यार्थियों को चक्राक्रमानुसार कक्षाध्यापन का अवसर दिया जाता है परिणाम स्वरूप प्रत्येक विद्यार्थी को कक्षाध्यापन का अवसर प्राप्त होता है। पाठ्यक्रम योजना अनुसार प्रत्येक पाठ्यक्रम/कक्षा की माहवार कक्षाध्यापन तिथियाँ तालिका में उल्लेखित है जिसके अनुसार वर्तमान सत्र में विद्यार्थी कक्षाध्यापन विभाग द्वारा संचालित किया जाएगा।

3. **मासिक मूल्यांकन** – विस्तृत पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रत्येक माह के अन्त में प्रत्येक विषय/प्रश्नपत्र में उस माह में पढ़ाए गये अध्याय आधारित प्रश्नों के माध्यम से विद्यार्थियों का मासिक मूल्यांकन किया जाता है। मासिक मूल्यांकन में पूछे गये प्रश्न विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में दिए जाने वाले प्रश्नपत्र का अध्याय आधारित भाग होता है।

4. **मासिक मूल्यांकन परिणाम** – माह के अन्त में प्रत्येक विषय/प्रश्नपत्र का मासिक मूल्यांकन–परिणाम महाविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध ऑनलाइन प्रगति आख्या पर दर्ज कर दिया जायेगा। इस प्रगति आख्या को विद्यार्थी एवं उनके अभिभावक कभी भी देख कर स्थिति जान सकते है।

5. **स्व-मूल्यांकन प्रपत्र** – प्रत्येक माह के पांचवे कार्यदिवस पर विभाग के शिक्षकों द्वारा स्वयं द्वारा किये गए गत मासिक कार्यों के विषय में मूल्यांकन किया जाता है। इसमें पठन–पाठन की सामान्य समीक्षा के अतिरिक्त स्वप्रेरणा से महाविद्यालय एवं महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद एवं समाज के प्रति किये गये कार्यों का भी उल्लेख किया जाएगा। वर्तमान सत्र में यह प्रपत्र कालेज वेबसाइट के माध्यम से जनसामान्य को समर्पित होगा।

6. **प्रगति आख्या** – प्रत्येक माह में स्व–मूल्यांकन प्रपत्र दर्ज करने के साथ ही विद्यार्थियों की कक्षावार

प्रगति–आख्यामहाविद्यालय की वेबसाइट पर दर्ज कर दी जाएगी। प्रगति आख्या में प्रत्येक माह में शिक्षक व्याख्यान संख्या, विद्यार्थियों को व्याख्यान में उपस्थिति, साप्ताहिक कक्षाध्यापन में विद्यार्थी की सहभागिता एवं उनके आचरण व्यवहार से सम्बन्धित प्राप्तांक एवं मासिक मूल्यांकन में उसका प्रदर्शन दर्ज किया जायेगा प्रगति आख्या देखकर विद्यार्थियों के अभिभावक घर बैठे ही अपने पाल्यों की प्रगति की समीक्षा कर सकते हैं।

7. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** – विभाग द्वारा छात्रों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाएगा। इस सत्र में यह प्रपत्र महाविद्यालय की वेबसाइट के माध्यम से भरवाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। इस प्रपत्र में विद्यार्थियों द्वारा दी गई सूचना का प्रयोग शिक्षक अपने व्यक्तित्व में उतार कर अपनी कमियों को दूर करेंगे एवं अपनी–अपनी शिक्षण शैली का परिमार्जन करेंगे।

8. **गोद लिये गये छात्र** – वाणिज्य विभाग द्वारा पंजीकष्टत छात्रों को गोद लेने की परम्परा विकसित की गई है विभाग का प्रत्येक शिक्षक न्यूनतम पांच विद्यार्थी को गोद लेता है। इस हेतु शिक्षकों द्वारा गोद लिए गये विद्यार्थी के सभी अकादमिक सामाजिक एवं व्यक्तिगत गतिविधियों एवं सूचनाओं को जाना जाता है और संवाद के माध्यम से सुधार एवं सम्बल प्रदान करने के दृष्टिकोण से उचित मार्गदर्शन किया जाता रहा है। इस वर्ष में भी सभी शिक्षकों द्वारा विद्यार्थियों को गोद लेने की प्रक्रिया 05 सितम्बर तक पूर्ण कर ली जाएगी। विभाग में शिक्षक श्री नन्दन शर्मा द्वारा गोद लेने हेतु पांच स्थान रिक्त है।

9. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम** – वाणिज्य विभाग द्वारा मूल्य परक प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम संचालित किया जाएगा जिसका विवरण निम्न है–

   - **कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम - विवरण** – इस पाठ्यक्रम में बी.काम. भाग एक एवं दो के पंजीकृत विद्यार्थी आवेदन द्वारा प्रवेश पा सकेंगे। इसकी प्रशिक्षण अवधि 40 घंटे होगी, जिसमें सामान्य कम्प्यूटर उपयोग से सम्बन्धित पाठ्यक्रम तय करके प्रशिक्षण दिया जाएगा और परीक्षा द्वारा मूल्यांकन करके प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

     नोट– प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम में सीटों की उपलब्धता सीमित की जा सकती है एवं आवश्यक परिचालन शुल्क भी निर्धारित किया जाएगा।

   - **कार्यालय प्रशिक्षण प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम- विवरण** – इस पाठ्यक्रम में बी.काम. भाग एक, दो व तीन एवं एम.काम. प्रथम व अन्तिम वर्ष के चयनित एवं पंजीकृत विद्यार्थी प्रवेश पा सकेगें। इस पाठ्यक्रम की न्यून्तम अहर्ता कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण–पत्र पाठ्यक्रम उत्तीर्ण अथवा अन्यत्र से कम्प्यूटर प्रशिक्षण प्रमाण पत्र होगी। इस पाठ्यक्रम की अवधि 30 घंटे होगी जिसमें विद्यार्थियों को वास्तविक कार्यालयी कार्यों को करने का व्यवहारिक प्रशिक्षण दिया जाएगा। परीक्षण द्वारा योग्य विद्यार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया जाएगा।

10. **स्वैच्छिक श्रमदान** – महाविद्यालय द्वारा निर्धारित साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान के साथ–साथ वाणिज्य विभाग द्वारा गोद लिए गये गांव जंगल तिनकोनिया नं. 02 में साप्ताहिक स्वच्छता, स्वास्थ्य और शैक्षिक अभियान संचालित किया जाएगा। इसका उद्देश्य गोद लिए ग्राम में जीवन स्तर से जुड़ी समस्या का पता करके उत्थान हेतु सकारात्मक प्रयास करना

11. **उपचारात्मक कक्षा** – विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा परिणाम घोषित होने के उपरान्त 18 से 22 फरवरी तक उपचारात्मक कक्षाएं सम्बन्धित विषय अध्यापकों द्वारा संचालित की जाएगी।

12. **विभागीय पूर्व छात्र सम्मेलन** – वाणिज्य विभाग द्वारा 05 मई 2022 में पूर्व छात्र सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक-आर्थिक पर्यावरण में हो रहे परिवर्तन एवं उसमें छात्र उपयोगी नये विकसित आयोमों की जानकारी प्राप्त कर उसे अध्ययन-अध्यापन विधियों में शामिल करना प्रमुख रहेगा।
13. **शिक्षण विधियाँ** – वाणिज्य विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में अग्रलिखित शिक्षण विधियां अपनाई जाएगी जिसका संक्षिप्त स्वरूप वर्णित है।
    - **प्रोजेक्ट विधि** – इस विधि के अन्तर्गत कक्षा व्याख्यान से सम्बन्धित महत्वपूर्ण एवं विस्तृत बिन्दुओं को पी.पी.टी. एवं पी.डी.एफ. प्रस्तुती के माध्यम से व्याख्या की जाएगी।
    - **व्याख्यान विधि** – इस विधि में दैनिक पाठ्यक्रम योजना अनुसार अध्याय शीर्षक पर विभिन्न श्रोतों से पूर्व में व्याख्यान तैयार कर छात्रों के समक्ष इसकी व्याख्या की जाएगी।
    - **सामूहिक चर्चा (केस स्टडी) विधि** – इस विधि में विद्यार्थियों के समक्ष महत्वपूर्ण शीर्षक तय कर उन्हें इस पर जानकारी एकत्र करने को निर्देशित किया जाएगा और प्रत्येक सहभागी छात्रों को विद्यार्थी कक्षाध्यापन के समय अपना पक्ष रखने को कहा जाएगा। इस विधि का उद्देश्य विद्यार्थियों में तर्क क्षमता एवं समस्या की समीक्षा करने की योग्यता का विकास करना होगा।
14. **मासिक शिक्षक बैठक** – वाणिज्य विभाग द्वारा वर्तमान सत्र में प्रत्येक माह के अंतिम कार्यदिवस में विभागीय बैठक कर गत माह में किये गए कार्यों की समीक्षा के साथ-साथ आगामी माह में सम्पन्न होने वाले कार्यों की समीक्षा एवं निष्पादन योजना तय कर दी जाएगी।
15. **शिक्षक ब्लॉग** – सभी शिक्षों के द्वारा विषय से सम्बन्धित व्याख्यान के समानान्तर सामग्री को पी.पी.टी. व पी.डी.एफ. रूप में शिक्षक ब्लाग पर कक्षा व्याख्यान विषय सामग्री सारांज़ के रूप में महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया जाएगा।
16. **स्मार्ट बोर्ड व कॉलेज यूट्यूब चैनल** – प्रत्येक शिक्षक के द्वारा इस सत्र में कम-से-कम 5 कक्षा स्मार्ट बोर्ड पर संचालित करने का प्रयास किया जायेगा व स्मार्ट बोर्ड की संचालित कक्षा को संरक्षित कर कॉलेज के यूट्यूब चैनल पर अपलोड करना और विद्यार्थियों को चैनल से जुड़ने के लिए प्रेरित किया जाएगा।
17. **शैक्षिक भ्रमण** – बी.कॉम. व एम.कॉम. के विद्यार्थियों को पाठ्यक्रम सम्बन्धित स्थल पर भ्रमण कर वास्तविक ज्ञान प्राप्त करने का अवसर दिया जायेगा। शैक्षिक भ्रमण तिथि परिस्थिति अनुसार तय की जाए।

बी.एड्. विभाग

विभागीय कार्य योजना –

प्रस्तावना – शिक्षा पूर्ण मानव क्षमता को प्राप्त करने एवं न्यायसंगत और न्यायपूर्ण समाज के विकास और राष्ट्रीय विकास को बढ़ावा देने के लिए मूलभूत आवश्यकता है। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा तक सार्वभौमिक पहुंच प्रदान करना वैश्विक मंच पर सामाजिक न्याय और समानता, वैज्ञानिक उन्नति, राष्ट्रीय एकीकरण और सांस्कृतिक संरक्षण के संदर्भ में सतत् प्रगति और आर्थिक विकास की कुंजी है। शिक्षक शिक्षा वह उचित माध्यम है, जिससे देश की समृद्धि प्रतिभा और संसाधनों का सर्वोत्तम विकास और संवर्द्धन व्यक्ति समाज, राष्ट्र और विश्व की भलाई के लिए किया जा सकता है। आने वाली पीढ़ी को आकार देने वाले शिक्षकों की एक टीम के निर्माण में शिक्षक शिक्षा की भूमिका महत्त्वपूर्ण है। शिक्षकों को तैयार करना एक ऐसी प्रक्रिया है जिसके लिए बहु-विषयक दृष्टिकोण और ज्ञान की

आवश्यकता के साथ ही साथ, बेहतरीन मेंटरों के निर्देशन में मान्यताओं और मूल्यों के निर्माण के साथ उनके अभ्यास की भी आवश्यकता होती है।

इस सन्दर्भ के आलोक में बी.एड्. विभाग 2022–23 की विभागीय योजना प्रस्तुत है।

आगामी सत्र हेतु विभागीय योजनाएँ -

A) सत्रारम्भ के प्रथम सप्ताह - कार्यशाला

विषय - कार्यपद्धति, भाषा परिसर संस्कृति

B) विभागीय योजनाएँ

1. **प्रार्थना सभा**- प्रार्थना सभा महाविद्यालय की आत्मा है। यह प्रत्येक शैक्षिक दिवस 9:20 से 9:40 तक होता है। इसमें विभाग के प्रत्येक शिक्षक-विद्यार्थी सकारात्मक भाव से उपस्थित होकर प्रार्थना, वन्दना के साथ अपने दिन की शुरुआत करते हैं। इस सत्र में प्रार्थना सभा प्रभारी बी.एड्. विभाग की सहायक आचार्य सुश्री दीप्ती गुप्ता हैं। श्रीमद्भगवत गीता के महत्वपूर्ण श्लोकों का पाठ बी.एड्. के शिक्षकों द्वारा किया जाता है। जो इस सत्र में लागू रहेगा।
2. **समय-सारणी**- महाविद्यालय में प्रत्येक कक्षाएं समय-सारणी के अनुसार चलती हैं, जिसमें बी.एड्. विभाग की अपनी समय-सारणी के अनुसार कक्षाएं चलेंगीं।
3. **महाविद्यालय ब्लाग** - महाविद्यालय के वेबसाइट पर सभी शिक्षक के ब्लाग हैं। जिसमें सभी शिक्षक अपने विषय से सम्बन्धित कन्टेंट अपडेट करते हैं। जिसे विद्यार्थी या अन्य कोई भी देख-पढ़ सकते हैं। इसका उद्देश्य तकनीकी के माध्यम से अतिरिक्त कन्टेंट उपलब्ध कराना है। जिससे अनौपचारिक रुप से भी पाठ्यक्रम का अध्ययन किया जा सके, यह इस सत्र में भी लागू रहेगा।
4. **राज्य स्तरीय डिजिटल लाइब्रेरी** - डिजिटल लाइब्रेरी पर ई-कंटेन्ट महाविद्यालय द्वारा पिछले सत्र में सभी शिक्षकों ने अपने ई-कंटेंट अपलोड किये थे, जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
5. **स्मार्ट बोर्ड का प्रयोग**- महाविद्यालय प्रत्येक सत्र में तकनीकी के क्षेत्र में नवाचार करता है, जिससे शिक्षक-छात्र के अधिगम का विकास हो। इस उद्देश्य के साथ इस सत्र में स्मार्ट बोर्ड के संचालन का प्रयोग प्रत्येक शिक्षक द्वारा किया जाएगा।
6. **पुस्तकालय-वाचनालय** - महाविद्यालय की योजनानुसार प्रत्येक शिक्षक अपने रिक्त समय का सदुपयोग एवं ज्ञान के विकास के लिए पुस्तकालय में जाते हैं, और वहाँ आवागमन पंजिका पर उपस्थिति दर्ज करते हैं। विभाग के द्वारा प्रत्येक सत्र बी.एड्. विषय की पुस्तकें पुस्तकालय को दान की जाती हैं। छात्राध्यापकों को भी पुस्तकालय में पुस्तक दान करने के लिए प्रेरित किया जाता है। छात्रों को अध्ययन हेतु डिजिटल प्लेटफार्म उपलब्ध कराने हेतु शिक्षक द्वारा गोद लिए गये छात्रों को एन-लिस्ट से जोड़ा गया है, जिससे कि महाविद्यालय के ऑनलाइन लाइब्रेरी से जुड़कर अध्ययन कर सकते हैं। जो इस सत्र में भी लागू है।
7. **पाठ्यक्रम योजना** - महाविद्यालय की वेबसाइट पर सत्र के प्रारम्भ में सम्पूर्ण वार्षिक पाठ योजना उद्धरित कर दी जाती है। इसका उद्देश्य सम्पूर्ण पाठ्यक्रम योजना बनाकर पूर्व नियोजित ढंग से कक्षा का संचालन किया जा सके। छात्र वार्षिक पाठ योजना से प्रत्येक कार्य दिवस में पढ़ाये जाने वाले विषय से परिचित हो सके।

8. **नवआगन्तुक छात्राध्यापकों का स्वागत** - प्रतिवर्ष बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों द्वारा बी.एड्. प्रथम वर्ष नवागन्तुक छात्राध्यापकों को तिलक लगाकर एवं रक्षासूत्र बाँधकर स्वागत किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्राध्यापकों को आत्मीयता का बोध कराने व परिसर संस्कृति से परिचित कराना है, जो इस सत्र में भी करने की योजना है।
9. **मासिक मूल्यांकन** - प्रत्येक माह में पढ़ाये गये विषय-वस्तु से सम्बन्धित प्रश्नपत्र माह के अन्तिम सप्ताह में तैयार करके छात्रों की अधिगम उपलब्धि का परीक्षण किया जाता है। प्रश्न पत्र में निर्धारित पूर्णांक के आधार पर बहुविकल्पीय/निबन्धात्मक परीक्षा ली जाती है। इसके द्वारा छात्राध्यापकों के सतत् एवं व्यापक मूल्यांकन की अवधारणा को पूरा करने का प्रयास किया जाता है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
10. **प्रगति आख्या** - बी.एड्. में पढ़ रहे सभी छात्राध्यापकों की एक सत्र की सम्पूर्ण कक्षागत गतिविधियां, आचरण व्यवहार का माहवार संकलन होता है। जिसका उद्देश्य छात्राध्यापकों के परिमाणात्मक एवं गुणात्मक मूल्यांकन कर छात्राध्यापकों का सुधारात्मक विश्लेषण करना। इस सत्र में भी लागू रहेगा।
11. **स्वमूल्यांकन प्रपत्र** - प्रत्येक माह के प्रथम सप्ताह में शिक्षक स्व-मूल्यांकन प्रपत्र जमा होता है। जिसका उद्देश्य शिक्षक स्वयं की कार्यपद्धति का मूल्यांकन एवं विश्लेषण करें। यह कार्यपद्धति इस सत्र में भी लागू रहेगा।
12. **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र** - इस सत्र में दो बार सितम्बर एवं दिसम्बर माह में प्रत्येक शिक्षक का छात्राध्यापकों द्वारा शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवाया जाता है। इस प्रपत्र का उद्देश्य छात्रों द्वारा दिये गये प्रतिपुष्टि के आधार पर शिक्षक द्वारा अपने शिक्षण प्रविधियों में सुधार के प्रयास किये जाते हैं। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
13. **प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम** - मानवीय मूल्यों के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु बी.एड्. विभाग में जीवन मूल्य एवं हमारे पूर्वज पाठ्यक्रम चलाये जाते हैं, जिसमें सनातन मूल्यों, भारतीय संस्कृति एवं सामाजिक-सांस्कृतिक नवाचार लाने सामाजिक कुरीतियों को दूर करने में महती भूमिका निभाने वाले महान पूर्वजों के बारे में अध्ययन-अध्यापन किया जाता है तथा उसके पूर्ण होने के पश्चात छात्राध्यापकों में व्यवहारगत मूल्यों में परिवर्तन हुआ, इसके लिए निबन्धात्मक परीक्षा करायी जाती है एवं उत्तीर्ण छात्राध्यापकों को प्रमाण-पत्र दिये जाते हैं।
14. **मिशन मंझरिया** - 2022-23 में "एक विभाग-एक गाँव योजना" को पूर्ववत जारी रखते हुए महाविद्यालय से सटे ग्राम मंझरिया को शिक्षा, स्वास्थ्य, स्वच्छता के साथ-साथ तकनीकी विकास के प्रति जागरूकता के साथ-साथ केन्द्र तथा प्रदेश सरकार की योजनाओं से संतृप्त गांव बनाने का मिज़न मंझरिया प्रोजेक्ट को एक कदम और आगे बढ़ाने की योजना।
15. **स्वैच्छिक श्रमदान**- महाविद्यालय द्वारा आयोजित प्रत्येक शनिवार साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान कार्यक्रम में शिक्षक-छात्राध्यापक प्रतिभाग करते हैं। इसका उद्देश्य शिक्षकों एवं छात्राध्यापकों में श्रम की महत्ता का बोध कराना है। जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।
16. **मासिक समीक्षा बैठक**- प्रत्येक माह विभागीय स्तर पर मासिक समीक्षा की जाती है इसमें अगले माह की योजना तैयार की जाती है। इस सत्र में भी यह लागू रहेगा।
17. **साप्ताहिक शिक्षक बैठक**- प्रति सप्ताह किये गए पठन-पाठन से सम्बन्धित गतिविधियाँ नवाचार, आदि की समीक्षा एवं अगले सप्ताह की योजनाओं के क्रियान्वयन हेतु प्रत्येक शनिवार को विभागाध्यक्ष की

अध्यक्षता में साप्ताहिक शिक्षक बैठक किया जाता है। इस सत्र में भी लागू रहेगा।

18. **आजादी की ७५वीं वर्षगांठ के अन्तर्गत कार्यक्रम** - आजादी की 75वीं वर्षगांठ अमृत महोत्सव के अन्तर्गत बी.एड्. विभाग के सभी कार्यक्रम किये जाएंगे।

19. **बी.एड्. स्काउट-गाइड परिचयात्मक** - अक्टूबर माह में 10-14 अक्टूबर 2022 को पाँच दिवसीय स्काउट गाइडप्रशिक्षण प्रशिक्षण शिविर का आयोजन।

20. **छात्रसंघ**- महाविद्यालय में प्रतिवर्ष छात्रसंघ का चुनाव होता है। इसमें बी.एड्. के छात्राध्यापक प्रतिभाग करते हैं। छात्रसंघ पदाधिकारी के चयन हेतु कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव किया जाता है। इसके चयन का आधार छात्र की उपस्थिति मासिक मूल्यांकन के अंक एवं आचरण व्यवहार के आधार पर किया जाता है। जिसका उद्देश्य छात्रों में लोकतंत्र की भावना एवं नेतष्टत्व क्षमता का विकास करना है। जो इस सत्र में लागू रहेगा।

21. **नैक**- महाविद्यालय को नैक द्वारा श्रेणी बी प्रत्यायित है। रैंक में और अधिक सुधार हेतु नैक द्वारा दिये गये मानकों को पूरा करने की दिशा में इस सत्र में बी.एड्. विभाग अग्रसर है। विभाग द्वारा आई.क्यू.ए.सी. को सम्पूर्ण नवीन सूचनाएँ नियमित अंतराल पर उपलब्ध कराई जाती है।

22. **उन्नत भारत अभियान** - उन्नत भारत अभियान गाँवों को उन्नत करने की केन्द्र सरकार की एक योजना है। जिसके तहत बी.एड्. विभाग के मिशन मंझारिया में कार्य अग्रसर है।

23. **विभागीय लाइब्रेरी**- सत्र 2022-23 में विभागीय लाइब्रेरी बी.एड्. शिक्षकों के सहयोग से विकसित की गई है। जिसका उद्देश्य छात्रों के खाली समय का सद्पयोग करना है।

C) **शिक्षण विधियाँ**

1. **प्रोजेक्टरयुक्त कक्षाएॅ** - गत सत्र बी.एड्. विभाग में प्रत्येक कक्षाएँ सम्पूर्ण पावर प्वाइंट पर ली गयी। इस वर्ष भी हम एक कदम और आगे चलने का प्रयास करेंगें।

2. **व्याख्यान विधि**- शिक्षण विधियों में व्याख्यान के बिना सम्पूर्ण शिक्षण अधूरा है। हम अपनी बी.एड्. की कक्षाओं में भी व्याख्यान विधि का प्रयोग करते हैं, इस वर्ष व्याख्यान में शिक्षक-छात्र अन्त:क्रिया के प्रयोग पर अत्यधिक बल दिया जाऐगा।

3. **प्रोजेक्ट विधि** - शिक्षण अधिगम प्रक्रिया को प्रभावी बनाने हेतु बी.एड्. की सभी कक्षाओं में प्रोजेक्ट विधि का प्रयोग किया जाता है जो इस सत्र में भी लागू रहेगा।

4. **सामूहिक परिचर्चा** - बी.एड्. की प्रत्येक कक्षाओं में एक व्याख्यान पूर्ण करने के बाद उस प्रकरण पर छात्राध्यापकों द्वारा सामूहिक चर्चा की जाती है। इस सत्र में भी पूर्ण रूपेण लागू।

5. **समनुदेशन विधि**- बी.एड् सत्र की प्रत्येक सैद्धन्तिक एवं प्रयोगात्मक कार्य में एसाइनमेंट विधि का प्रयोग किया जाता है जिससे कि व्यक्तिगत शिक्षण विधियों में जो कठिनाई होती है उसको दूर किया जा सके। इस सत्र में भी लागू होगा।

6. **उपचारात्मक अनुदेशन**- मासिक मूल्यांकन परीक्षण में जिस विषय वस्तु पर अच्छी उपलब्धि नहीं दिखाई पड़ती उस विषय पर पुन: उपचारात्मक अनुदेशन किया जाता है। इस सत्र में भी लागू रहेगा।

7. **स्कूल इंटर्नशिप**- बी.एड्. द्वितीय वर्ष के छात्राध्यापकों का विद्यालयी प्रशिक्षण कार्य प्रत्येक वर्ष की भांति

कराने की योजना। इस सत्र में भी लागू रहेगा।

8. **सूक्ष्म शिक्षण**– बी.एड्. प्रथम वर्ष की कक्षाओं का प्रतिदिन सूक्ष्म शिक्षण कौशल अभ्यास। सत्रारम्भ से ही लागू होगा।
9. **ग्राम्य प्रोजेक्ट**– एक विभाग एक गांव के तर्ज पर इस वर्ष भी ग्राम विकास के लिए अग्रसर रहेंगें।
10. **शैक्षिक भ्रमण**– बी.एड्. प्रथम एवं द्वितीय वर्ष के छात्रों का किसी दर्शनीय स्थल का शैक्षिक भ्रमण। इस सत्र में परिस्थिति अनुकूल रहने पर किया जाऐगा।

D) कार्यशाला, व्याख्यान, संगोष्ठी

जुलाई-2022

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
02	शनिवार	09.40-10.30	अमृत महोत्सव के अंतर्गत पौधरोपड़	–
07	गुरूवार	11.00-11.50	मिज़न शक्ति के अंतर्गत पौधारोपड़ ग्राम मंझरिया	–
11	सोमवार	12.10-01.20	महोत्सव के अंतर्गत जनसंख्या दिवस पर शोध व्याख्यान प्रतियोगिता	–
16	शनिवार	12.10-01.00	मिशन शक्ति के अंतर्गत योग कार्यशाला	डॉ. एस.एन. शुक्ल (शारीरिक शिक्षा विभाग, महाराणा प्रताप महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर)
27-28	बुधवार-गुरूवार	10.00-3.00	मिशन शक्ति के अंतर्गत खाद्य संरक्षण कार्यशाला मिशन मंझरिया के महिलाओं के लिए	श्वेता सिंह, प्रशिक्षक, कृषि विज्ञान केन्द्र

अगस्त-2022

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
06	शनिवार	11.00-11.50	अमृत महोत्सव के अंतर्गत रविन्द्र नाथ टैगोर की पुण्यतिथि के (पूर्व संध्या)	विचार गोष्ठी
15	सोमवार	09.15-12.30	स्वतन्त्रता दिवस पर सांस्कृतिक कार्यक्रम	डॉ. राजेन्द्र भारती
29	सोमवार	11.00-11.20	अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय खेल दिवस पर शतरंज/कैरम प्रतियोगिता	बी.एड़ विद्यार्थी

सितम्बर-2022

दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
05	सोमवार	11.00-11.20	अमृत महोत्सव के अंतर्गत शिक्षक दिवस के अवसर पर व्याख्यान डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन जी की विचारधारा	प्रो. वी. रामानाथन बी.एच.यू
08	गुरूवार	11.00-11.50	अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व साक्षरता दिवस पर वाद-विवाद प्रतियोगिता	नाटक/बी.एड. विद्यार्थियों द्वारा

14	बुधवार	12.00–12.50	अमृत महोत्सव के अंतर्गत हिन्दी दिवस के अवसर पर "हिन्दी भाषा के विकास की आवश्यकता"	विचार गोष्ठी
16	शुक्रवार	11.00–11.50	अमृत महोत्सव के अंतर्गत विश्व ओजोन दिवस पर	शोध व्याख्यान प्रतियोगिता
27	मंगलवार	11.00–11.50	अमृत महोत्सव के अंतर्गत राजा राममोहन राय पुण्यतिथि के विचार गोष्ठी	–
अक्टूबर–2022				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
10–14	सोमवार–शुक्रवार	–	स्काउट गाइड परिचयात्मक प्रशिक्षण शिविर	–
15–16	शनिवार–सोमवार		राष्ट्रीय संगाष्ठी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति और उसका क्रियान्वयन	प्रो. धीरेन्द्र पाल सिंह प्रो. मजहर आसिफ
नवम्बर–2022				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
11	शुक्रवार	11:00–11:50	राष्ट्रीय शिक्षा दिवस	डॉ. वेद प्रकाश पाण्डेय
12	शनिवार	11.00–11.50	अमृत महोत्सव के अंतर्गत मदन मोहन मालवीय पुण्यतिथि के अवसर पर "वर्तमान सामाजिक परिप्रेक्ष्य में मदन मोहन मालवीय जी के शैक्षिक विचार" पर विचार गोष्ठी	–
16	बुधवार	12:00–12:50	अमृत महोत्सव के अंतर्गत मदन मोहन राष्ट्रीय प्रेस दिवस पर लोकतंत्र का चतुर्थ स्तंभ व्याख्यान	प्रो. प्रत्यूष दुबे
दिसम्बर–2022				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
02	शुक्रवार	12:00–12.50	कम्प्यूटर साक्षरता दिवस (व्याख्यान)	श्री सूरज मिश्रा
14	बुधवार	11.00–11.50	अमृत महोत्सव के अंतर्गत राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस के अवसर पर शोध व्याख्यान प्रतियोगिता	–
जनवरी–2023				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
12	गुरूवार	11.00–11.50	अमृत महोत्सव के अंतर्गत युवा दिवस पर "स्वामी विवेकानन्द भारत–भारती पखवारा" उद्घाटन	प्रो. सदानन्द प्रसाद गुप्त
23	सोमवार	12.00–01.00	विषय – स्वतंत्रता संग्राम में नेताजी सुभाष चन्द्र बोस की भूमिका विचार गोष्ठी	–
30	सोमवार	10.00–11.45	गांधी जी की पुण्यतिथि के अवसर पर भजन कार्यक्रम	डॉ. अश्विनी मिश्रा

फरवरी-2023				
16–28	मिडटर्म एंड टर्म परीक्षा			
मार्च-2023				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
15	मंगलवार	10.00–11.10	बी.एड्. विभाग द्वारा आयोजित (योग कार्यशाला)	–
23	बुधवार	11.00–11.50	विशिष्ट व्याख्यान विषय – (डॉ. मनोहर लोहिया – एक समाजवादी चिन्तक)	डॉ. हनुमान प्रसाद
अप्रैल-2023				
दिनांक	दिन	समय	कार्यक्रम (विषय)	प्रस्तावित वक्ता
04	सोमवार	10.40–11.20	विशिष्ट व्याख्यान (सूक्ष्म शिक्षण एवं पाठ-योजना)	प्रो. सुषमा पाण्डेय
13	बुधवार	11.30–12.00	विषय-सामाजिक एवं सांस्कृतिक उन्नयन में शिक्षा की भूमिका	
21	गुरूवार	11.00–12.00	विषय-निर्देशन एवं परामर्श में शिक्षक की भूमिका	डॉ. वेंकट रमन
29	शुक्रवार	10.00–11.45		बी.एड्. विभाग द्वारा शोध (व्याख्यान प्रतियोगिता)

शारीरिक शिक्षा विभाग

वार्षिक कार्य योजना

1. **समय सारणी के अनुसार कक्षाएं** – सभी कक्षाएं महाविद्यालय के समय सारणी के अनुसार चलायी जाती है। शारीरिक शिक्षा की कक्षाएं समय से प्रारम्भ होती है तथा नियत् समय पर समाप्त होती है। महाविद्यालय संस्कृति के अनुसार पी.पी.टी. के द्वारा अध्यापन कार्य किया जाता है।
2. **पाठ योजना** – विभाग की सभी कक्षाएं पाठ योजना के अनुसार चलायी जाती हैं। इस वर्ष बी.ए. भाग तीन एवं तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं 08 जुलाई, 2022 से आरम्भ हो रही है तथा बी.ए. भाग एक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 अगस्त, 2022 से प्रारम्भ होगी। शारीरिक शिक्षा विभाग समय पर अपना कोर्स पूरा कर देता है।
3. **कक्षा अध्यापन** – सप्ताह के हर छठवें दिन विद्यार्थी कक्षा में पढ़ाता है। जिससे विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में सहायता मिलता है। सभी विद्यार्थियों को मौका दिया जाता है। कक्षा अध्यापन के एक दिन पूर्व ही विद्यार्थियों को शीर्षक दे दिया जाता है। जिससे कि वे उस शीर्षक पर बोलने की तैयारी कर सके एवं कक्षा में बोल सके। कक्षा अध्यापन से विद्यार्थियों का सर्वांगीण विकास होता हे। उनके अन्दर का डर बाहर निकल जाता है। उनके अन्दर सोचने-समझने की क्षमता एवं बोलने की क्षमता का विकास होता है।
4. **शिक्षण विधि** –
   - समझाकर
   - लिखकर
   - प्रतिभाग करा कर
   - कक्षा अध्यापन
   - खेल में प्रतिभाग कराकर
   - समस्याओं का निराकरण करके

5. **विशिष्ट व्याख्यान** – गेस्ट लेक्चर से विद्यार्थियों को काफी कुछ सीखने को मिलता है। नयी–नयी तकनीक नये तरीके आदि विद्यार्थी सीखते है। इसके लिए विद्यार्थियों में कफी उत्साह रहता है। उन्हें प्राफेसर द्वारा पढ़ने का मौका मिलता है। जिससे वे काफी कुछ सीख सकते है।

10 सितम्बर, 2022	नई शिक्षा नीति एवं खेल का महत्व	श्री अमर सिंह, सेन्ट जोसफ वूमेन कालेज, सिविल लाइन, गोरखपुर

6. **स्व मूल्यांकन एवं प्रगति रिपोर्ट** – सभी विद्यार्थियों का महीने के अंत में प्रगति आख्या बनायी जाती है। प्रगति रिपोर्ट से विद्यार्थियों का अपने अन्दर की कमी का पता चलता है तथा वे उसे दूर करने की कोशिश करते है। जिससे इनके व्यक्तित्व विकास में काफी सहायता मिलती है। प्रत्येक माह के अंत तक शिक्षक मूल्यांकन प्रपत्र भरते हैं।
7. **लाइब्रेरी** – विभाग के शिक्षक द्वारा महाविद्यालय के लाइब्रेरी में प्रत्येक दिन कम से कम आधा घंटा अवश्य पढ़ाई करते है। वे विद्यार्थियों को भी लाइब्रेरी में जा कर किताबों को पढ़ने के लिए प्रेरित करते रहते हैं।
8. **स्वैच्छिक श्रमदान** – प्रत्येक सप्ताह के छठवें दिन शनिवार को विभाग एवं विद्यार्थी स्वैच्छिक श्रमदान महाविद्यालय के अन्दर करते हैं। जिसमें वे विभिन्न जगहों की सफ़–सफ़ाई एवं रख–रखाव करते है। यह विद्यार्थियों से इसलिए कराया जाता है कि उन्हें मालूम रहे कि कोई काम छोटा नही होता है। किसी भी परिस्थित का सामना विद्यार्थी आसानी से कर सकें।
9. **वृक्षारोपण** – विभाग एंव विद्यार्थियों द्वारा महाविद्यालय एवं आस–पास के गांव में वृक्षारोपण किया जाता है। जिससे कि हमें शुद्ध हवा–पानी मिल सके। वृक्षों का मानव जीवन में कितना महत्वपूर्ण रोल है। इसका पता भी उन्हें चल सके।

भाग – 3 : क्रीड़ा विभाग

सत्र 2022–23 में क्रीड़ा विभाग द्वारा महाविद्यालय में विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन प्रस्तावित है, जिसका विवरण निम्नवत है:–

- **मेजर ध्यानचन्द्र जयन्ती–विशिष्ट व्याख्यान (29 अगस्त 2022)**
  विषय : 'शिक्षा में खेल का महत्व'

वार्षिक क्रीड़ा समारोह के अन्तर्गत

- **योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति कबड्डी प्रतियोगिता**
  उद्घाटन समारोह – 15 नवम्बर, 2022
  बालक व बालिका वर्ग फाइनल – 19 नवम्बर, 2022
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण – 19 नवम्बर, 2022
- **योगिराज बाबा गंभीर नाथ स्मृति वालीबॉल प्रतियोगिता (21–22 नवम्बर, 2022)**
  उद्घाटन समारोह – 21 नवम्बर, 2022
  बालक व बालिका वर्ग – 22 नवम्बर, 2022
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण – 22 नवम्बर, 2022

- **महन्त अवेद्यनाथ स्मृति कैनवस बाल क्रिकेट प्रतियोगिता (15–18 दिसम्बर, 2022)**
  उद्घाटन समारोह – 15 दिसम्बर, 2022
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण – 18 दिसम्बर, 2022
- **महन्त दिग्विजयनाथ स्मृति कैरम प्रतियोगिता (15–16 फरवरी, 2023)**
  उद्घाटन समारोह – 15 फरवरी, 2023
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण – 16 फरवरी, 2023

भारत–भारती पखवारा के अन्तर्गत

- **महन्त दिग्विजनाथ स्मृति बैडमिण्टन प्रतियोगिता (27–28 जनवरी, 2023)**
  उद्घाटन समारोह – 27 फरवरी, 2023
  बैडमिण्टन प्रतियोगिता बालक तथा बैडमिण्टन प्रतियोगिता बालिका – 27–28 फरवरी, 2023
  समापन समारोह एवं पुरस्कार वितरण – 28 फरवरी, 2023
  कबड्डी प्रतियोगिता बालक/बालिका वर्ग – 11 जनवरी 2023
  वॉलीबाल प्रतियोगिता बालक/बालिका वर्ग – 20 जनवरी 2023
- **भाला क्षेपण, गोला क्षेपण, चक्का क्षेपण**
  बालक व बालिका वर्ग – 01 मार्च, 2023
- **100 मीटर, 400 मीटर तथा 1600 मीटर दौड़ प्रतियोगिता**
  बालक व बालिका वर्ग – 02 मार्च, 2023
  प्रात: 08:00 बजे से अपराह्न 10 बजे तक

भाग–4 : राष्ट्रीय सेवा योजना

क्र.सं.	दिनांक	दिवस	कार्यक्रम
1.	03.06.2022	विश्व साइकिल दिवस	साइकिल रैली
2.	05.06.2022	विश्व पर्यावरण दिवस	वृक्षरोपण कार्यक्रम
3.	14.06.2022	विश्व रक्तदान दिवस	स्वैच्छिक रक्तदान शिविर
4.	01 से 07 जूलाई, 2022	वन महोत्सव सप्ताह	वृक्षारोपण
5.	05.07.2022	वन महोत्सव सप्ताह	वृक्षारोपण
6.	26.07.2023	कारगिल विजय दिवस	विशिष्ट व्याख्यान
7.	29.07.2022	अन्तर्राष्ट्रीय बाल दिवस	विशिष्ट व्याख्यान
8.	04.08.2022	विश्व स्तनपान सप्ताह	विशिष्ट व्याख्यान
9.	05.08.2022	विश्व स्तनपान सप्ताह	विशिष्ट व्याख्यान कार्यक्रम
10.	01 से 15 अगस्त, 2022	स्वच्छता पखवाड़ा	सफाई कार्यक्रम
11.	11.08.2022	हर घर तिरंगा अभियान	शपथ ग्रहण कार्यक्रम

12.	12.08.2022	हर घर तिरंगा अभियान	वृक्षारोपण कार्यक्रम
13.	14.08.2022	हर घर तिरंगा अभियान	तिरंगा अभियान - रैली
14.	17.08.2022	हर घर तिरंगा अभियान समापन एवं मदन मोहन ढ़िंगरा बलिदान दिवस	विशिष्ट व्याख्यान
15.	29.08.2022	मेजर ध्यान चन्द्र जयन्ती	दौड़ प्रतियोगिता
16.	06.09.2022	नशा मुक्ति अभियान	शपथ ग्रहण कार्यक्रम
17.	16.09.2022	विश्व ओजोन संरक्षण दिवस	उद्बोधन
18.	24.09.2022	राष्ट्रीय सेवा योजना स्थापना दिवस	विशिष्ट व्याख्यान
19.	25.09.2022	प्रथम एक दिवसीय शिविर	सफाई व्याख्यान
20.	02.10.2022	गांधी जयंती एवं लालबहादुर शास्त्री	फिट इण्डिया फीडम रन 2.0 दौड़ कार्यक्रम
21.	19.10.2022	स्वच्छ भारत अभियान	क्लीन इण्डिया 2.0 सफाई कार्यक्रम
22.	01.11.2022	स्वैच्छिक रक्तदान	रक्तदान ज़िविर
23.	25.09.2022	प्रथम एक दिवसीय शिविर	सफाई कार्यक्रम
24.	23.11.2022	सेवाभाव दिवस	कम्बल वितरण कार्यक्रम
25.	26.11.2022	संविधान दिवस	विशिष्ट व्याख्यान
26.	28.11.2022	सड़क सुरक्षा अभियान जागरूकता	रैली कार्यक्रम
27.	01.12.2022	विश्व एड्स दिवस	एड्स जागरूकता रैली
28.	06.01.2023	सड़क सुरक्षा माह उद्घाटन	सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण
29.	12 से 18 जनवरी, 2023	युवा सप्ताह कार्यक्रम	कार्यक्रम उद्घाटन
30.	13.01.2023	युवा सप्ताह कार्यक्रम	भाषण प्रतियोगिता
31.	16.01.2023	द्वितीय एक दिवसीय शिविर	पोस्टर प्रतियोगिता
32.	17.01.2023	द्वितीय एक दिवसीय शिविर	गोरखनाथ मंदिर सेवा कार्य
33.	18.01.2023	द्वितीय एक दिवसीय शिविर	समापन कार्यक्रम
34.	21.01.2023	बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ	हस्ताक्षर कार्यक्रम
35.	23.01.2023	सड़क सुरक्षा अभियान	शपथ ग्रहण एवं रैली कार्यक्रम
36.	25.01.2023	मतदाता जागरूकता दिवस	शपथ ग्रहण कार्यक्रम
37.	12.03.2023	तृतीय एक दिवसीय शिविर	ग्राम सर्वेक्षण
38.	14 से 20 मार्च, 2023	सप्तदिवसीय विशेष शिविर	
39.	24.03.2023	चतुर्थ एक दिवसीय शिविर	

भाग–5 : अवकाश सूची : 2022–23

क्र.सं.	त्यौहार का नाम	घोषित दिन	दिनांक	दिन
1.	ईदुज्जुहा (बकरीद)	01	10 जुलाई 2022	रविवार
2.	नागपंचमी	01	02 अगस्त 2022	मंगलवार
3.	मोहर्रम	01	09 अगस्त 2022	मंगलवार
4.	रक्षाबन्धन	01	12 अगस्त 2022	शुक्रवार
5	कृष्ण जन्माष्टमी	01	18 अगस्त 2022	गुरुवार
6.	अनन्त चतुर्दशी	01	9 सितम्बर 2022	शनिवार
7.	चेहल्लूम	01	17 सितम्बर 2022	शुक्रवार
8.	पितृ विसर्जन	01	25 सितम्बर 2022	रविवार
9.	दशहरा	04	03–06 अक्टूबर 2022	सोमवार–गुरूवार
10.	ईद–ए–मिलाब/बारावफ़ात	01	09 अक्टूबर 2022	रविवार
11.	दीपावली	05	21–25 अक्टूबर 2022	शुक्रवार से मंगलवार
12.	गोवर्धन पूजा	01	06 अक्टूबर 2022	बुधवार
13.	भैया दूज/चित्रगुप्त पूजा	01	27 अक्टूबर 2022	गुरुवार
14.	छठपूजा	01	31 अक्टूबर 2022	सोमवार
15.	कार्तिक एकादशी	01	04 नवम्बर 2022	शुक्रवार
16.	गुरूनानक जयन्ती/कार्तिक पूर्णिमा	01	08 नवम्बर 2022	मंगलवार
17	गुरु तेग बहादुर जयन्ती शहीदी दिवस	01	24 नवम्बर, 2022	गुरूवार
18	डॉ. भीमराव अम्बेडकर परिनिर्वाण दिवस	01	06 दिसम्बर, 2022	मंगलवार
19.	क्रिसमस दिवस	01	25 दिसम्बर 2022	रविवार
20.	मकर संक्रान्ति	02	14–15 जनवरी 2023	शनिवार–रविवार
21.	मौनी अमावस्या	01	21 जनवरी 2023	शनिवार
22.	बुढ़वा मंगल	01	24 जनवरी 2023	मंगलवार
23.	मोहम्मद अली जन्मदिवस	01	04 फरवरी, 2023	शनिवार
24.	संत रविदास जयन्ती/माहपूर्णिमा	01	05 फरवरी, 2023	रविवार
25.	महाशिवरात्रि	01	18 फरवरी 2023	शनिवार
26.	होली	03	07 मार्च 2023	मंगलवार से शुक्रवार
27.	रामनवमी	01	30 मार्च 2023	गुरुवार
28	महावीर जयन्ती	01	04 अप्रैल, 2023	मंगलवार
29	गुडफ्राइडे/शबेबरात	01	07 अप्रैल, 2023	शुक्रवार
30	डॉ. भीमराव अम्बेडकर जयन्ती	01	14 अप्रैल, 2023	शुक्रवार
31	ईद उल फितर	01	22 अप्रैल, 2023	शनिवार

2. **दायित्त्वसह कार्य विभाजन** – परम्परागत रूप से कार्य विभाजन में निम्न तीन विधियाँ अपनायी गई।

क) शिक्षक स्वयं से अपना कार्य चुनकर अपने को प्रभारी घोषित कर दें।

ख) कोई शिक्षक किसी कार्य हेतु किसी भी अन्य शिक्षक का नाम प्रस्तावित कर दें।

ग) प्राचार्य द्वारा किसी कार्य हेतु किसी को प्रभारी बना दिया जाय।

वर्तमान सत्र में अधिकांश शिक्षकों ने अपनी रूचि के अनुसार स्वयं अपना दायित्व चुना, कुछ का नाम अन्यों द्वारा प्रस्तावित किए जाने पर सम्बन्धित शिक्षक की सहमति पर दायित्व निर्धारित हुए तो अन्त में कुछ कार्य/दायित्व प्राचार्य द्वारा दे दिए गए। बैठक में निम्नवत दायित्व निर्धारित किया गया–

महाविद्यालय प्रशासन (सत्र 2022–23)

1. **प्रवेश**	डॉ. अमित कुमार त्रिपाठी
2. **परीक्षा**	डॉ. विजय कुमार चौधरी
3. **मुख्य नियंता/अनुशासन**	डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ला
4. **राष्ट्रीय सेवा योजना/बागवानी**	डॉ. अखिलेश कुमार
5. **पुस्तकालय**	डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय/श्री हरिकेश यादव
6. **प्रयोगशाला/क्रय समिति**	डॉ. आर.एन. सिंह
7. **तकनीकी विकास/बेवसाइट**	श्री श्रीनिवास सिंह
8. **स्वच्छता/विद्युत**	डॉ. अभिषेक सिंह
9. **नैक, IQAC AISHE एवं तत्सम्बन्धी कार्य**	डॉ. अभिषेक वर्मा
10. **सांस्कृतिक कार्यक्रम/प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन**	श्री श्रीकांत मणि त्रिपाठी
11. **क्रीड़ा**	श्री चन्दन ठाकुर
12. **रोवर्स-रेंजर्स**	श्रीमती विभा सिंह
13. **छात्रसंघ**	श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल
14. **कार्यालय**	डॉ. वेंकट रमन पाण्डेय
15. **अभिभावक संघ**	श्रीमती प्रियंका मिश्रा
16. **पुरातन छात्र परिषद्**	डॉ. शिव कुमार वर्नवाल
17. **प्राथमिक उपचार केन्द्र**	डॉ. शिवकुमार
18. **प्रार्थना सभा**	सुश्री दीप्ति गुप्ता
19. **ध्येय-पथ/समावर्तन/शोध/प्रकाशन/मुद्रण/ विभागीय रिपोर्ट**	डॉ. सुबोध कुमार मिश्र
20. **रख-रखाव/ई.पी.एफ.**	डॉ. अरूण कुमार राव
21. **छात्रवृत्ति**	डॉ. राम सहाय
22. **सूचना एंव परामर्श एवं मीडिया**	डॉ. सुधा शुक्ला/श्री जितेन्द्र प्रजापति
23. **कूड़ा प्रबन्ध एवं पालिथीन मुक्त परिसर**	डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव

24. **छात्रावास**	श्री विनय कुमार सिंह
25. **एन.सी.सी.**	श्री रामाकान्त दूबे
26. **दिव्यांग छात्र-समस्या-समाधान प्रकोष्ठ**	डॉ. शैलेन्द्र कुमार ठाकुर
27. **प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम - प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम**	
1. जीवन मूल्य	श्रीमती शिप्रा सिंह
2. हमारे पूर्वज	श्रीमती शिप्रा सिंह
3. सिलाई-कढ़ाई	सुश्री शारदा रानी
4. कम्प्यूटर प्रशिक्षण	श्री सूरज मिश्रा
5. आपदा प्रबन्ध एवं राष्ट्रीय सुरक्षा	श्री रमाकान्त दूबे
6. ब्यूटी एव सेल्फ केयर	श्रीमती अपूर्वा त्रिपाठी
28. **प्रकल्प**	
1. मिशन मंझरिया	श्रीमती शिप्रा सिंह
2. उन्नत भारत अभियान	डॉ. मंजेश्वर
3. गोद लिए गये गांव	श्री नन्दन शर्मा
4. सामूहिक व्यक्तित्व विकास योजना	डॉ. विजय कुमार चौधरी

3. **शिक्षक आचार संहिता-** सत्र 2022-23 हेतु सर्वसम्मति से शिक्षक आचार संहिता अद्यतन की गयी। माना गया कि शिक्षक के लिए आचार संहिता की आवश्यकता नहीं है। शिक्षक आचार संहिता शिक्षक स्वप्रेरणा से अपने-अपने उपर लागू करेगा। अतः स्वीकृत शिक्षक आचार संहिता की महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर कोई मान्यता नहीं रहेगी। किन्तु शिक्षक द्वारा स्वयं पालन न करने पर उक्त शिक्षक पर आचार संहिता महाविद्यालय प्रशासन स्तर पर स्वतः लागू हो जाएगी।

शिक्षक आचार संहिता 2022-23

- शिक्षक स्वयं विद्यार्थियों के लिए प्रतिमान बनें।
- प्रातः 09:15 पर सभी शिक्षकों की उपस्थिति अनिवार्य है। विलम्ब से ऑने पर स्वयं लाल रंग की रेखा खींचकर समय डाल दें, हस्ताक्षर न करें। जाते समय हस्ताक्षर करें तथा समय डालें। तीन दिन विलम्ब होने पर एक दिन आकस्मिक अवकाष्ठा मान लिया जायेगा। शिक्षक द्वारा स्वयं इस नियम का पालन न करने पर संस्थाध्यक्ष द्वारा लाल रंग की दो रेखा खींची जा सकती है।
- दो दिन समय से पूर्व जाने पर एक दिन आकास्मिक अवकाश मान लिया जायेगा।
- प्रार्थना सभा 09:20 से 09:40 तक चलेगी। अनुशासन व्यवस्था के अतिरिक्त सभी शिक्षक अनिवार्यतः सम्मिलित होंगे।
- महाविद्यालय परिसर में किसी भी शिक्षक की उपस्थिति के आसपास अनुशासन की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षकों की होगी।
- प्लास्टिक प्रतिबंधित एवं नशा मुक्त परिसर का नियम स्वयं पर लागू करें।
- पाठ्यक्रम योजना का शत-प्रतिशत पालन करें। 02 मई से पूर्व अगले सत्र के सभी कक्षाओं की पाठ्यक्रम योजना प्राचार्य के पास उपलब्ध करा दें।

- प्रायोगिक कक्षाओं के पाठ्यक्रम शत-प्रतिशत पूर्ण हो। प्रायोगिक कक्षाओं में सभी विद्यार्थियों के कक्षावार मोबाइल नम्बर रखें जायें।
- महाविद्यालय की वेबसाइट पर अपने ब्लाग पर पी.पी.टी., सारांश एवं अन्य पाठ्य सामग्री अपलोड करें।
- प्रत्येक व्याख्यान से पूर्व पिछले व्याख्यान पर प्रश्नोत्तर का समय दें।
- कक्षा में मोबाइल लेकर किसी भी कीमत पर न जाएं।
- अधिकतर व्याख्यान प्रोजेक्टर पर पढ़ाएं जाएं।
- पुस्तकालय की सभी पुस्तकें 2 मई से पूर्व प्रतिवर्ष जमा कर अदेयता प्रमाण पत्र अवश्य प्राप्त कर लें। पुस्तकालय की किसी पुस्तक के बकाया होने की दशा में ग्रीष्मावकाश स्वीकृत नहीं होगा।
- महाविद्यालय के किसी प्रकार के आर्थिक आय-व्यय, अग्रिम आदि का समायोजन 20 मार्च तक अवश्य करा लें।
- जो दायित्त्व सौंपा जाय उसे निर्धारित समय से शत-प्रतिशत पूर्ण करें।
- पूर्व निर्धारित कार्यक्रम हेतु अवकाश एक दिन पूर्व स्वीकृत कराएं। अवकाश स्वीकृत कराए बिना अथवा बिना किसी सूचना के अनुपस्थित होने पर अवैतनिक अवकाश मान लिया जायेगा।
- बचे हुए आकस्मिक अवकाश का प्रतिदिन के वेतन की दर से नकद भुगतान अगले सत्र के अगस्त माह में कर दिया जायेगा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रश्नपत्र निर्माण, उत्तर पुस्तिका का मूल्यांकन आदि कार्य शिक्षक के स्वाभाविक दायित्व के अन्तर्गत आएगा, उसके लिए किसी प्रकार का अतिरिक्त भुगतान नहीं होगा।
- विश्वविद्यालय परीक्षा मानकानुसार/नियमानुसार सम्पन्न कराना शिक्षक का उत्तरदायित्व है। अत: परीक्षा के समय शहर छोड़ते समय सूचना अवश्य दें।
- महाविद्यालय के सभी आयोजनों, कार्यक्रमों, राष्ट्रीय सेवा योजना के विशेष शिविरों के उद्घाटन, समापन समारोह आदि में शिक्षक की उपस्थिति अनिवार्य होगी। उचित कारण पर आकस्मिक अवकाश दिया सकता है।
- महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद् के समस्त आयोजनों/कार्यक्रमों में प्रबन्ध तन्त्स के निर्देशानुसार उपस्थिति एवं सहयोग अनिवार्य होगा।
- 15 अगस्त, 2 अक्टूबर, 26 जनवरी को सभी की उपस्थिति अनिवार्य होगी। अनुपस्थित रहने पर आकस्मिक अवकाश माना जायेगा। किन्तु ध्वजारोहण में कहीं भी सम्मिलित होने का प्रमाण-पत्र देना होगा।
- स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक प्रतीकात्मक रूप से छात्रों का प्रतिमान बनें। विद्यार्थियों को गोद लेने की योजना को भी शिक्षक स्वेच्छानुसार लागू कर सकते हैं। गोद लिये विद्यार्थियों की सूचना अवश्य दे दें।
- समय-समय पर जारी संशोधनों एवं नये निर्देशों का पालन अनिवार्य होगा।

4. **प्रवेश एवं परीक्षा-** प्रवेश समिति एवं परीक्षा समिति का पुनर्गठन किया गया। प्रवेश के सन्दर्भ में गत 01 मई को सम्पन्न समीक्षा बैठक में लिए गए निर्णय की पुन: पुष्टि की गई। 30 जुलाई तक प्रवेश प्रक्रिया पूर्ण कर 01 अगस्त से स्नातक प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर स्नातकोत्तर प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं संचालित करने का निर्णय लिया गया। 08 जुलाई तक से स्नातक तृतीय वर्ष, स्नातक द्वितीय वर्ष तृतीय सेमेस्टर वर्ष एवं स्नातकोत्तर अंतिम वर्ष तृतीय सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ हो चुकी हैं। पूर्ववत् परीक्षानीति को स्वीकृति प्रदान

कर दी गई।

प्रवेश हेतु साक्षात्कार की पूर्व से चली आ रही व्यवस्था के अनुसार छात्र प्रवेश परामर्श्ज़ समिति का गठन किया जायेगा। जिसमें गत सत्र में विभिन्न विषयों में मासिक मूल्यांकन के आधार पर सर्वे श्रेष्ठ विद्यार्थियों का चयन करके उनकी एक कार्यशाला आयोजित की जायेगी। क्योंकि गत सत्र में राष्ट्रीय शिक्षानीति 2020 के क्रियान्वयन के तहत विश्वविद्यालय द्वारा स्नातक एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं में एक साथ सेमेस्टर प्रणाली लागू किया गया। जिसके कारण विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा नहीं हो सकी। विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के टापर्स ही उक्त प्रवेश समिति के सदस्य होते है। प्रवेश समिति द्वारा यह निर्णय लिया गया कि साक्षात्कार के आधार पर संस्तुत किए गए विद्यार्थी का ही प्रवेश संयोजक/प्राचार्य द्वारा लिया जाएगा। प्रवेश के समय ही प्रवेशार्थी को परिचय पत्र, पुस्तकालय कार्ड आदि उपलब्ध करा दिया जाएगा। प्रवेश सम्बन्धी सभी प्रक्रियाएं एक ही स्थान पर पूर्ण होंगी।

4. **समय-सारणी**- डॉ. विजय कुमार चौधरी, डॉ. अरुण राव एवं श्री मंजेश्वर द्वारा समय-सारणी अद्यतन कर प्रवेश प्रारम्भ होने से पूर्व महाविद्यालय की वेबसाइट, विद्यार्थियों (स्नातक द्वितीय वर्ष, तृतीय सेमेस्टर, तृतीय वर्ष एवं स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर) के कक्षा व्हाट्सप ग्रुप पर भेज दिया जायेगा तथा सूचना पट्ट पर भी चस्पा कर दिया जायेगा। समय-सारणी बनाते समय गत-सत्र में आई कठिनाइयों का निवारण अवश्य कर लिया जाय।

5. **पठन-पाठन**- महाविद्यालय का ध्येय ही गुणवत्तायुक्त शिक्षा प्रदान करना है। इस कारण से पठन-पाठन प्रभावी एवं उच्च कोटि का हो सके, इसके लिए पाठ्यक्रम योजना का शतप्रतिशत पालन करने की सुनिश्चित व्यवस्था पूर्व की भाँति लागू रहेगा। यद्यपि पाठ्यक्रम योजना के अनुसार प्रथम वर्ष प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं 01 अगस्त से तथा तृतीय सेमेस्टर एवं तृतीय वर्ष की कक्षाएं 08 जुलाई से प्रारम्भ होंगी। कक्षाएं 50-50 मिनट की पूर्व की भांति चलेंगी। प्रयोगात्मक कक्षाओं का भी संचालन पाठ्यक्रम योजनानुसार 16 अगस्त से नियमित संचालित होगा। 30 जनवरी तक सभी विषयों के समस्त पाठ्यक्रम को पूर्ण करना होगा। यदि किन्हीं कारण से 30 जनवरी तक किसी विषय पर प्रश्न पत्र का पाठ्यक्रम पूर्ण नहीं हो सकेगा तब सम्बन्धित शिक्षक प्राचार्य से अनुमति के आधार पर अतिरिक्त कक्षा पढ़ाकर 30 जनवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण करेंगे। फरवरी माह में विश्वविद्यालय परीक्षा पद्धति पर ही विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा आयोजित की जायेगी। ताकि इस परीक्षा से विद्यार्थियों को विश्वविद्यालय परीक्षा से पहले पूर्वाभ्यास का एक अवसर प्राप्त हो सके तथा उनकी परीक्षा के तैयारी ठीक प्रकार से हो सके।

6. **पुस्तकालय-वाचनालय**- पुस्तकालय प्रभारी द्वारा स्टाक-वेरीफिकेशन पूर्ण होने की सूचना दी गई। प्रभारी द्वारा बताया गया कि पुस्तकालय नए सत्र के लिए नए पाठ्यक्रमों/नए प्रकाशनों/ आवश्यकतानुसार अन्य आवश्यक पुस्तकों के साथ अद्यतन कर लिया गया है। वाचनालय में 100 विद्यार्थियों के एक साथ बैठकर पढ़ने की व्यवस्था सुनिश्चित की जा चुकी है। निर्णय हुआ कि पुस्तकालय-वाचनालय गत सत्रों की तरह चलाया जाय। पुस्तकालय में यदि कोई पुस्तक उपलब्ध नहीं है, जिसकी आवश्यकता किसी छात्र-शिक्षक को है, तो वह छात्र-शिक्षक पुस्तक बाजार से महाविद्यालय के नाम बिल पर क्रय कर, पुस्तकालयाध्यक्ष के माध्यम से पुस्तक पुस्तकालय में चढ़वाकर उसका नकद मूल्य प्राप्त कर, पुस्तक अपने नाम जारी करा सकता है। सभी विषयों के प्राध्यापक अपने-अपने विषय के कम से कम दो-दो राष्ट्रीय-अन्तर्राष्ट्रीय शोध पत्रिका (जर्नल) की सदस्यता हेतु प्रस्ताव पुस्तकालय को 30 जुलाई तक अवश्य दे दें। शिक्षक अपने विषय/प्रश्नपत्र से सम्बन्धित महत्वपूर्ण शीर्षकों एवं पाठ्यसामग्री की साफ्ट कापी पुस्तकालय को उपलब्ध करायें। ऐसी पुस्तकें जो आउट ऑफ प्रिन्ट हो गयी है यदि वे ऑनलाइन उपलब्ध है तो उन्हें प्रिन्ट कर पुस्तकालय में उपलब्ध

करायी जाए। पुस्तकालय में प्रतिदिन पुस्तकों का आगत-निर्गत व्यवस्था को अद्यतन करने के लिए साफ्टवेयर परिवर्द्धित कर लागू किया जाय। पुस्तकदान की यज़स्वी परम्परा को और व्यापक बनाने हेतु समाज के लोगों से सम्पर्क कर पुस्तकदान के लिए आग्रह किया जाय।

7. **प्रयोगशाला-** प्रयोगशालाएँ अद्यतन रखी जाय। उनमें स्वच्छता एवं सुरक्षा सुनिश्चित की जाय। आवश्यकतानुसार प्रयोगशालाओं में आवश्यक प्राथमिक उपचार सामग्री रखा जाना तय किया गया। प्रयोगशाला में दो बार सामग्री क्रय की जाय। एक बार अगस्त-सितम्बर में तथा दूसरी बार दिसम्बर-जनवरी में। प्रत्येक प्रयोगशाला में आवश्यकतानुसार अद्यतन तकनीकों का प्रयोग बढ़ाया जाय। इस सत्र में भौतिकी, प्राणि विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, रक्षा अध्ययन भूगोल, रसायन मे कुछ नवीन उपकरण क्रय किए जाने पर आम सहमति बनी। गत सत्र की भांति इस सन्दर्भ में शिक्षकों-विद्यार्थियों की संयुक्त क्रय-समिति द्वारा माँग पत्र तथा स्तरीय फर्मो से तीन कोटेसन पर ही कार्यवाही प्रारम्भ करने का निर्णय हुआ जिससे प्रबन्ध समिति/प्रबन्धक महोदय से स्वीकृति लेकर उपकरण क्रय किए जा सके। यह निर्णय भी हुआ कि प्रयोगशालाओं में कुछ उपकरण छात्रसंघ भी अपने मद से क्रय करे, इस दिशा में भी प्रयत्न किए जाएँ। प्रत्येक प्रयोगात्मक विषय की भण्डार पंजिका की जाँच एवं सत्यापन सत्र के अन्त में मार्च माह में प्रयोगशाला प्रभारी एवं प्राचार्य से अवश्य करा लें।

8. **कक्षाध्यापन में नए प्रयोग-** कक्षाध्यापन में सहायक सामग्री के रुप में ग्रीन बोर्ड, प्रोजेक्टर, चार्ट, नक्शा, मॉडल, प्रदर्शनी इत्यादि का प्रयोग पूर्ववत चलता रहेगा। सभी विषय के सभी प्रश्नपत्रों के व्याख्यान का पी.पी.टी. बनाकर महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लॉग पर प्रत्येक शिक्षक द्वारा अपलोड किया जाय। इसके अतिरिक्त अन्य पाठ्य सामग्री जो छात्र उपयोगी हो उसे भी शिक्षक अपने ब्लॉग पर अवश्य डालें। पाठ्य विषय को और भी रूचिकारी बनाने हेतु कुछ शीर्षकों को आडियो-विडियो के माध्यम से कक्षाध्यापन किया जाय। इसी प्रकार पाठ्यक्रम से सम्बन्धित डाक्यूमेंट्री और नाट्य रूपान्तरण के माध्यम से भी विषय को विद्यार्थी के बीच रखने का प्रयास किया जाय। भाषा की कक्षा (हिन्दी, अंग्रेजी) विद्यार्थियों और शिक्षकों के लिए निःशुल्क चलायी जाय। प्रत्येक विभाग में प्रतिमाह कम से कम दो व्याख्यान विश्वविद्यालय सहित अन्य प्रतिष्ठित शैक्षिक संस्थानों के शिक्षकों द्वारा निर्धारित पाठ्यक्रम के किसी शीर्षक पर अवश्य करायी जाय। इसी प्रकार अन्तरानुशासनात्मक पद्धति के अर्न्तगत एक विषय के विद्यार्थियों को दूसरे विषय की जानकारी प्रदान कराने का प्रयास किया जाय। प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अनौपचारिक बातचीत के क्रम में अनुशासन, समाज, राष्ट्र की चर्चा जीवनदृष्टि के सन्दर्भ में अवश्य किया जाय।

9. **प्रार्थना सभा-** प्रार्थना सभा में पूर्व की भांति राष्ट्रगान, ईश वन्दना, सरस्वती वन्दना और राष्ट्रगीत के साथ महापुरुषों से सम्बन्धित महत्वपूर्ण तिथियों पर संक्षिप्त व्याख्यान यथावत् सम्पन्न होगा जबकि निर्धारित तिथियों में श्रीमद्भगवतगीता का वाचन हेतु पूर्व चयनित श्लोकों का वाचन और उसकी हिन्दी, अंग्रेजी, संस्कृत में व्याख्या की जाय। प्रत्येक शनिवार प्रार्थना सभा के अन्तर्गत प्राणायाम एवं योगाभ्यास कार्यक्रम सम्पन्न होगा। वाद्ययन्त्र के साथ प्रार्थना सभा को और भी जीवन्त करने का प्रयास किया जाय। प्रार्थना का समय 09:20 से 09:40 अर्थात् 20 मिनट का होगा।

10. **विविध प्रयोगों में विकासात्मक प्रवृत्ति की दिशा-** महाविद्यालय में पठन-पाठन एवं विद्यार्थियों के समग्र विकास की दृष्टि से लागू मौलिक प्रयोगों की विस्तृत समीक्षा की गई। उन प्रयोगों/योजनाओं के उद्देश्य, कार्यपद्धति एवं परिणाम के आधार पर वर्तमान-सत्र में उसे लागू करने का निर्णय लिया गया। प्रमुख प्रयोगों/योजनाओं के सन्दर्भ में निम्नवत् निर्णय लिया गया–

- **पाठ्यक्रम योजना**- सभी शिक्षकों द्वारा अपने विषय के प्रत्येक प्रश्नपत्र की वार्षिक पाठ्यक्रम योजना निर्धारित प्रारूप पर बनायी जाती है। इस सत्र के लिए विगत 02 मई तक प्रत्येक विभाग द्वारा अपनी-अपनी कक्षा के पाठ्यक्रम बनाकर प्रचार्य कार्यालय में जमा कर दिया गया और 30 जून तक इसे टाईप करके महाविद्यालय के बेवसाइट पर अपलोड कर दिया गया।

  उद्देश्य- समय से (30 जनवरी तक) पाठ्यक्रम पूर्ण करना। पाठ्यक्रम का कोई हिस्सा छुटे न, किसी विषय को आवश्यकता से अधिक समय तथा किसी को कम समय में न पढ़ाना पड़े। विद्यार्थी को यह पता रहे कि वह अपनी कक्षा में किस तिथि को क्या पढ़ेगा।

  कार्यपद्धति- अनुभव के आधार पर शिक्षकों द्वारा बनाए गए प्रारूप पर दिनांक, शिक्षक का नाम, विषय, प्रश्नपत्र, शीर्षक के साथ वार्षिक पाठ्यक्रम योजना को 3-2-1 के सिद्धान्त पर तैयार किया जाता है। अर्थात् प्रथम तीन कार्य दिवस एक प्रश्नपत्र, तत्पज्चात् दो कार्य दिवस दूसरा प्रश्न पत्र, महीने के तीन सप्ताह के छठवें कार्य दिवस पर छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन तथा माह के अन्तिम सप्ताह के छठवें कार्यदिवस पर मासिक मूल्यांकन किया जायेगा। पाठ्यक्रम योजना वेबसाइट पर सभी के लिए उपलब्ध होगी।

- **विद्यार्थी द्वारा साप्ताहिक कक्षाध्यापन**

  उद्देश्य- विद्यार्थियों में अभिव्यक्ति के वाचिक/मौखिक क्षमता का विकास तथा विषय में अभिरूचि विकास प्रश्नोत्तर के माध्यम से तर्क, विचार, चिन्तन को सशक्त बनाना।

  कार्यपद्धति- सप्ताह के प्रथम दिन अर्थात कक्षाध्यापन से लगभग 5 दिन पूर्व कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों के नाम तथा उनका विषय कक्षा में तय कर घोषित कर दिया जाय। अध्यापक उन विद्यार्थियों की कक्षा के बाहर तैयारी कराए। कक्षाध्यापन के दिन एक-एक कर विद्यार्थियों से पूर्व निर्धारित विषय पर अध्यापन कराया जाय। कक्षाध्यापन कर चुके विद्यार्थी को दूसरा अवसर तब तक नहीं दिया जाएगा, जब तक कि सभी विद्यार्थियों का एक चक्र पूरा न हो जायं। कक्षाध्यापन करने वाले विद्यार्थियों का विवरण शिक्षक द्वारा उन्हें पूर्णांक 10 अंक में अंक देने के साथ रखा जाएगा। उक्त उद्देश्य एवं कार्यपद्धति की समीक्षा की गई। अधिकांश शिक्षकों द्वारा इस योजना का प्रामाणिक विवरण न होने से परिणाम का स्पष्ट चित्र नहीं उभर सका। वर्तमान सत्र में इस योजना का परिणाम सुनिश्चित किया जाएगा।

- **मासिक मूल्यांकन**- प्रत्येक माह के अन्तिम सप्ताह में शिक्षक द्वारा अपने पढ़ाए गए पाठ्यक्रम के आधार पर विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा के द्वारा कक्षा में मासिक मूल्यांकन किया जाता है।

  उद्देश्य- विद्यार्थियों को नियमित पाठ्यक्रम की तैयारी हेतु प्रेरित करना। मुख्य परीक्षा के समय विद्यार्थियों को तनावमुक्त रखना।

  कार्यपद्धति- शिक्षकों द्वारा वर्तमान सत्र के विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा के प्रश्न-पत्र बनाकर 6 भागों (अगस्त, सितम्बर, अक्टूबर, नवम्बर, दिसम्बर, जनवरी का मासिक मूल्यांकन) में बराबर-बराबर विभक्त कर मासिक मूल्यांकन का प्रश्न पत्र तैयार किया जाता है। 30 अंक के 6 मासिक मूल्यांकन के आधार पर प्रत्येक विषय के 180 अंक पर मूल्यांकन किया जाता है। प्रत्येक माह 5 अंक आचरण एवं व्यवहार पर शिक्षक द्वारा दिया जाएगा। इस प्रकार पूरे सत्र में 30 अंक आचरण व्यवहार के होंगे। मासिक मूल्यांकन के इन्हीं प्रश्नों पर विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा सम्पन्न होती है। वर्तमान सत्र में यह व्यवस्था पूर्ववत् लागू रहेगी।

- **शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा शिक्षक मूल्यांकन**– विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों के सन्दर्भ में भरा जाने वाला यह एक प्रारूप है। इस प्रारूप के द्वारा प्रत्येक शिक्षक के कक्षाध्यापन एवं कक्षा में आचरण–व्यवहार पर विद्यार्थी अपना–अपना अभिमत देते है।

  उद्देश्य– विद्यार्थियों के अभिमत के आधार पर शिक्षक द्वारा स्वयं का व्यक्तित्त्व विकास।

  कार्यपद्धति– वर्ष में दो बार (सितम्बर–दिसम्बर) छात्र–छात्राओं द्वारा शिक्षक प्राचार्य के माध्यम से अपने बारे में शिक्षक–प्रतिपुष्टि प्रपत्र भरवातें हैं। प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक की कक्षा में विद्यार्थियों को प्रारुप उपलब्ध कराया जाता है, जिसे भरकर विद्यार्थी कक्षा प्रतिनिधि के माध्यम से अगले दिन प्राचार्य के पास जमा करेगें। प्राचार्य विद्यार्थी द्वारा भरे गये प्रपत्रों का अवलोकन करने के उपरान्त सम्बन्धित शिक्षक को अवलोकन हेतु उपलब्ध करा देते हैं। इस प्रारुप के आधार पर शिक्षक अपना स्वमूल्यांकन करता है। इसके उपरान्त यह प्रपत्र प्राचार्य के पास संग्रहीत कर लिया जाता है।

- **शिक्षक स्वमूल्यांकन**– यह शिक्षक द्वारा मासिक भरा जाने वाला प्रारूप है।

  उद्देश्य– शिक्षक द्वारा प्रतिमाह निर्धारित प्रारूप के माध्यम से स्वमूल्यांकन कर स्व–विकास करना।

  कार्यपद्धति– योजना बैठक में शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र पर विचार–विमर्श कर सर्वसम्मति से यह प्रारूप प्रति वर्ष जारी होता है। शिक्षक द्वारा जुलाई से जनवरी माह तक प्रत्येक माह का शिक्षक स्वमूल्यांकन प्रपत्र ऑनलाइन अगले माह के प्रथम दो दिवस में भरा जाता है। जिसका प्रिंट आउट कार्यालय द्वारा निकाल कर प्राचार्य के अवलोकनार्थ रखा जाता है। प्राचार्य द्वारा समीक्षोपरान्त इसे शिक्षक की व्यक्तिगत पत्रावली में लगवा दिया जाता है।

- **साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान**–

  उद्देश्य– इस योजना का उद्देश्य छात्र–छात्राओं, शिक्षकों–कर्मचारियों में श्रम के प्रति श्रद्धा भाव पैदा करना है। कोई कार्य छोटा–बड़ा नहीं, सभी कार्यों का अपने–अपने सन्दर्भ में समान महत्त्व के सिद्धान्त की प्रतिष्ठा करना। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों में आत्म–सम्मान का भाव पैदा करना तथा उन्हें यह एहसास कराना कि जो कार्य वह करते है वह छोटा कार्य नहीं है उसे प्राचार्य, शिक्षक, विद्यार्थी भी करते है। संस्था के प्रति सभी में अपनापन के भाव को विकसित करना।

  कार्यपद्धति– प्रत्येक शनिवार को मध्यावकाज़ स्थगित तथा मध्यावकाश के बाद की चार कक्षाओं के 50–50 मिनट का समय घटाकर 40–40 मिनट का कर दिया जाता है। इस प्रकार 60 मिनट अर्थात् एक घंटा (12.10 से 1.10 तक) साप्ताहिक स्वैच्छिक श्रमदान का होता है। यह श्रमदान राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वंय सेवकों के लिए अनिवार्य है। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में स्वैच्छिक श्रमदान हेतु इच्छुक शिक्षक–कर्मचारी तथा विद्यार्थी पंजीकरण कराते हैं। पंजीकृत शिक्षकों के नेतृत्व में 10–10 विद्यार्थियों की टोली बनायी जाती है। प्रत्येक टोली के श्रमदान का स्थान–कार्य शुक्रवार तक प्रभारी द्वारा टोली प्रभारी को दे दिया जाता है। टोली प्रभारी के नेतृत्व में शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान के पज्चात् उपस्थिति सदस्य टोली प्रभारी के पास उपलब्ध कराये गए उपस्थिति–पत्र पर हस्ताक्षर कर लेते हैं। प्रत्येक माह के अन्त में यह उपस्थित पत्र राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यालय में जमा कर दिया जाता है। यह योजना यथावत वर्तमान सत्र में भी लागू रहेगी।

- **गोद लिए गए विद्यार्थी**– प्रत्येक शिक्षक द्वारा पांच छात्र–छात्राएं गोद लिए जाते हैं। इन विद्यार्थियों के पठन–पाठन एवं आचरण–व्यवहार के विकास की जिम्मेदारी सम्बन्धित शिक्षक की होती है।

उद्देश्य– चिन्हित एवं लक्षित विद्यार्थियों के व्यक्तित्व विकास में शिक्षक का योगदान।

कार्यपद्धति– सत्रारम्भ में शिक्षकों द्वारा अपनी-अपनी कक्षाओं से चार-चार विद्यार्थी चुने जाते हैं तथा एक विद्यार्थी प्राचार्य द्वारा प्रत्येक शिक्षक को दिया जाता है। शिक्षक द्वारा इन पाँचों विद्यार्थियों के पूर्ण परिचयात्मक विवरण फोटो सहित इस हेतु बनायी गई पंजिका पर दर्ज होता है। शिक्षक गोद लिए विद्यार्थी के साथ आत्मीय सम्बन्ध विकसित करता है, वर्तमान सत्र में गोद लिए गए विद्यार्थियों के सन्दर्भ में यह निर्णय लिया गया कि राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक, छात्रावासी, कक्षा प्रतिनिधि में से ही छात्र-छात्राएं गोद लिए जाएंगें। एक बार गोद लिया गया विद्यार्थी इस महाविद्यालय में अध्ययनरत रहते हुए उसी शिक्षक के पास बना रहेगा। रिक्त स्थानों पर प्राय: स्नातक प्रथम वर्ष के विद्यार्थी को ही गोद लिया जाएगा।

- **गोद लिए गए गाँव**– प्रत्येक विभाग द्वारा आस-पास के गाँव में से एक गाँव गोद लिया गया है।

  उद्देश्य– आस-पास के गावों के साथ महाविद्यालय का आत्मीय सम्बन्ध विकसित करना, उनसे सीखना तथा उन्हें सीखाना। स्वच्छता, स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण सामाजिक समरसता इत्यादि राष्ट्रीय सामाजिक विषयों पर जन-जागरण।

  कार्यपद्धति– प्रत्येक विभाग द्वारा गोद लिये गए गाँव का पूर्ण विवरण विभागीय रपट में उपलब्ध है। गाँव के परिवारों का विवरण, अमीर-गरीब, साक्षर-निरक्षर, रोजगार-बेरोजगार, वृद्ध, दिव्यांग इत्यादि की पूर्ण सूचना विभाग के पास होती है। गाँव में जन-जागरण एवं उसके प्रभाव के लिए विभाग प्रयत्न करता है। वर्ष में न्यूनतम चार बार विभाग के शिक्षक-विद्यार्थी (अगस्त का प्रथम रविवार, वाल्मीकि जयन्ती, फरवरी का प्रथम रविवार, परीक्षा के बाद का प्रथम रविवार) गाँव में जाएंगे।

- **सारांश**– विद्यार्थियों को प्रत्येक कक्षा में शिक्षक द्वारा अपने व्याख्यान की छायाप्रति अब नहीं दी जाएगी। इसके वैकल्पिक व्यवस्था के रूप में महाविद्यालय के बेवसाइट के शिक्षक ब्लाग पर अपलोडेड पी.पी.टी द्वारा विद्यार्थी सम्बन्धित विषय की पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सकते हैं। शिक्षक ब्लॉग पर ही शिक्षक सारांश भी अपलोड कर सकते है।

12. प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम- **(क) एवं (ख)** महाविद्यालय द्वारा दो प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम- **'जीवन मूल्य'**, **'हमारे पूर्वज'** संचालित किए जाते है।

उद्देश्य– विद्यार्थियों के आचरण-व्यवहार में भारतीय जीवन-मूल्यों का विकास करना। भारतीय संस्कृति के महापुरुषों की लम्बी श्रृंखला से परिचित कराना एवं अपनी सांस्कृतिक विरासत के प्रति आत्मगौरव एवं श्रद्धा का भाव उत्पन्न करना।

कार्यपद्धति– उक्त दोनों प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम बी.एड्. के लिए अनिवार्य तथा अन्य कक्षाओं के विद्यार्थियों के लिए स्वैच्छिक है। यह कक्षा सामूहिक परिचर्चा पद्धति से चलायी जाती है। कोई एक शिक्षक इस कक्षा का संचालन करता है। निर्धारित पाठ्यक्रम से प्रत्येक विद्यार्थी को अपना मत लिखकर घर से लाना होता है।

ग) नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग– योगिराज बाबा गम्भीरनाथ नि:शुल्क सिलाई-कढ़ाई एवं पेंटिंग पाठ्यक्रम का संचालन महाविद्यालय के गृह विज्ञान विभाग द्वारा किया जाता है।

उद्देश्य– संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्त्व के अन्तर्गत आस-पास के महिलाओं को आर्थिक दृष्टि से स्वावलम्बी बनाना।

कार्यपद्धति– महाविद्यालय द्वारा इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम हेतु एक प्रज़िक्षिका की नियुक्ति की गई है। अगस्त से जनवरी तक छ: माह के इस पाठ्यक्रम की परीक्षा फरवरी माह में होती है। परीक्षा के तत्काल बाद

परिणाम घोषित कर दिया जाता है समावर्त्तन संस्कार के अवसर पर उक्त प्रमाण–पत्र प्रशिक्षार्थियों को दिया जाता है। उक्त पाठ्यक्रम भी यथावत चलता रहेगा। वर्तमान सत्र से श्रेष्ठतम प्रशिक्षार्थी को सिलाई मशीन पुरस्कार स्वरूप प्रदान किया जाएगा।

घ) **निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण**– संस्थागत सामाजिक उत्तरदायित्व के अन्तर्गत ही 'निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण' पाठ्यक्रम महाविद्यालय के कम्प्यूटर साइंस विभाग द्वारा संचालित किया जाता है।

उद्देश्य– आस–पास के गरीब बच्चों/छात्र–छात्राओं को कम्प्यूटर के माध्यम से आधुनिक तकनीकी ज्ञान के प्रति जागरूक करना।

कार्यपद्धति– 40–40 प्रशिक्षार्थियों का दो वर्ग इस पाठ्यक्रम में पंजीकृत किया जाता है। 15 जून से 30 जून तक 'पहले आओ–पहले पाओ' की नीति पर गाँव का जो भी बच्चा (किसी भी स्कूल की छात्र–छात्रा) सर्वप्रथम आवेदन करते हैं उनमें से 40 को प्रवेश दिया जाता है। 01 अगस्त से इनकी कम्प्यूटर कक्षाएँ प्रारम्भ कर दी जाती है। पुनः 16 अगस्त को इनमें से रिक्त स्थानों के लिए एवं दूसरे 40 के वर्ग का आवेदन लिया जाता है और प्रथमतः आने वालों का पंजीकरण कर दिया जाता है। 3 बजे से 4 बजे तक यह कक्षा कम्प्यूटर साइंस की प्रयोगशाला में चलती है। वर्तमान सत्र में भी यह कक्षा पूर्ववत् चलायी जाएगी।

ङ)**आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन**– महाविद्यालय में 'आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन' पाठ्यक्रम रक्षा अध्ययन विभाग द्वारा संचालित किया जा रहा है।

उद्देश्य– वर्तमान समय में पर्यावरणीय एवं परिस्थितिकीय परिवर्तन और इसके परिणाम स्वरुप प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदायें मानव जीवन पर तीव्र गति से प्रभाव डाल रही है। इन्ही समस्याओं को ध्यान में रखते हुए रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा विद्यार्थियों में प्राकृतिक एवं मानव जनित आपदाओं के प्रति जागरुकता लाने के लिए एवं उसके प्रभाव को कम से कम करने के लिए आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन का प्रमाण पत्र कार्यक्रम प्रारम्भ किया गया है।

संचालन विधि– आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रबन्धन का प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम 20 अगस्त 2021 से प्रारम्भ हुआ। यह प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम इ वर्ष होकर 29 जनवरी 2022 तक पूर्ण कर लिया जायेगा। सभी कक्षायें शुक्रवार एवं शनिवार को सातवीं घंटी में रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग द्वारा संचालित की जायेंगी। कक्षाओं को प्रोजेक्टर के माध्यम से संचालित किया जायेगा और प्रोजेक्ट कार्य के रुप में विद्यार्थियों से स्थानीय समस्याओं और उनके निराकरण के लिए सम्भावित उपायों पर विद्यार्थियों से सूचना एवं आकड़े एकत्रि करवाये जायेंगे।

13. **निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र**– महाविद्यालय द्वारा ब्रह्मलीन महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन विगत वर्षों से किया जा रहा है। इस उपचार केन्द्र में डाक्टर एवं अन्य सामग्री गुरु श्री गोरक्षनाथ चिकित्सालय गोरखनाथ की ओर से उपलब्ध कराया जाता है। महाविद्यालय के आस–पास के गाँवों के गरीब और कमजोर व्यक्तियों तथा महाविद्यालय के विद्यार्थियों हेतु उपचार एवं निःशुल्क दवा की व्यवस्था होती है आवश्यकता होने पर गम्भीर रोग से पीड़ित मरीजों को गुरु श्रीगोरक्षनाथ चिकित्सालय में रेुर कर उनका उपचार कराया जाता है। इस सत्र में नगर के कुछ प्रतिष्ठित चिकित्सकों को भी इस उपचार केन्द्र पर आमंत्रित करने की योजना बनाकर बुलाने की व्यवस्था किया जायेगा।

14. **क्रीड़ा**– श्रेष्ठ समाज के लिए शिक्षा के साथ स्वास्थ्य का सुदृढ़ होना अपरिहार्य है। इसी उद्देश्य से महाविद्यालय

में आउटडोर एवं इनडोर खेल की व्यवस्था की गयी है। इस सत्र में बालीवाल, फुटबाल, क्रिकेट, बैडमिण्टन, कैरम, चेस इत्यादि गेम के साथ एथेलेटिक्स पर भी अधिक जोर देने का निर्णय लिया गया। सत्र में समय-समय पर जैसे महापुरुषों की जयन्ती, पुण्यतिथि, महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के संस्थाकों से सम्बन्धित तिथियों पर विभिन्न प्रतियोगिताओं का आयोजन किया जायेगा।

15. **छात्रसंघ-** छात्र संघ का संचालन छात्रसंघ द्वारा बनाए गए संविधान के अनुसार होगा। छात्रसंघ के माध्यम से विद्यार्थियों में नेतृत्व क्षमता एवं निर्णय लेने की प्रवृत्ति के विकास हेतु महाविद्यालय प्रशासन में छात्र सहभाग और विभिन्न समितियों के माध्यम से निर्णय में सहभागिता द्वारा उनके व्यक्तित्व विकास की व्यवस्थित योजना महत्वपूर्ण है।

16. **राष्ट्रीय सेवा योजना-** राष्ट्रीय सेवा योजना में साक्षात्कार के आधार पर पूर्व की भाँति ही स्वयं सेवकों का चयन किया जाएगा। पूर्ववत् सभी प्रकार के आयोजनों/गतिविधियों/ कार्यक्रमों के साथ इस सत्र का महत्वपूर्ण लक्ष्य होगा 'आदर्श ग्राम योजना'। इस योजना को ग्राम हसनगंज में लागू किया जाएगा। जिसके अन्तर्गत गॉव में स्वास्थ्य, शिक्षा, पर्यावरण, नज़ा उन्मूलन सरकारी योजनाओं का लाभ इत्यादि के सम्बन्ध में जन जागरण जैसा प्रमुख कार्यक्रम आयोजित किया जायेगा।

17. **एन.सी.सी.-** देश प्रेम एवं राष्ट्रधर्म निभाने वाले युवाओं को तैयार करने के उद्देश्य से गत सत्र से महाविद्यालय में एन.सी.सी. की दो ईकाइयाँ कार्यरत हैं जिसमें छात्र/छात्राएं प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। इस सत्र में दोनों इकाइयों श्री रमाकान्त नेतृत्व में संचालित होंगी।

18. **रोवर्स रेंजर-** गत सत्र 2020-21 से महाविद्यालय में रोवर्स रेंजर की दो ईकाइयां संचालित हो रही हैं जो वर्तमान सत्र में भी संचालित होंगी। जिसमें प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे छात्र/छात्राओं को सामाजिक दायित्वों के प्रति उत्तरदायी बनाया जायेगा।

19. **वेबसाइट/फेसबुक/यूट्यूब/ट्विटर-** महाविद्यालय की वेबसाइट अद्यतन रहे तथा आवश्यकतानुसार उसमें संशोधन-परिवर्तन किया जाए। इस सत्र में महाविद्यालय की वेबसाइट को और सम्पन्न करने के क्रम में प्रत्येक शिक्षक अपने-अपने पाठ्यक्रम के अनुसार सभी व्याख्यान पी.पी.टी. बनाकर अपलोड करेंगे तथा अन्य सम्बन्धित पाठ्य सामग्री भी ब्लॉग पर अपलोड किये जायें। इसकी जानकारी विद्यार्थियों को उपलब्ध करायी जायेगी ताकि विद्यार्थी बेवसाइट से भी पाठ्य सामग्री प्राप्त कर सके। वेबसाइट को निरन्तर व्यवस्थित एवं संवद्धित करवाने हेतु इस सत्र में श्री सूरज मिश्रा को अधिकृत किया गया। महाविद्यालय की सम्पूर्ण गतिविधियां फेसबुक, यूट्यूब एवं ट्विटर पर भी प्रसारित किया जाय।

20. **तकनीकी प्रसार-** तकनीकी प्रसार के क्षेत्र में भी महाविद्यालय नित नूतन प्रयोगों के साथ अधुनातन तकनीकों को विगत सत्रों से ही आत्मसात करता चला आ रहा है। महाविद्यालय के व्याख्यान कक्षों को प्राजेक्टर से युक्त करने का कार्य विगत सत्रों में प्रारम्भ किया गया था। वर्तमान में महाविद्यालय के सभी 31 व्याख्यान कक्षों एवं प्रयोगशालाओं को प्रोजेक्टर से लैस कर दिया गया है। इसके अतिरिक्त सूचना सम्प्रेषण तकनीकी (ICT) को भी महाविद्यालय उत्तरोत्तर विकसित रूप में आत्मसात करता रहेगा। महाविद्यालय का अपना फेसबुक पेज एवं यू-ट्यूब चैनल है जिसपर महाविद्यालय से सम्बन्धित समस्त सूचनाएं एवं कार्यक्रम यथासमय सम्प्रेषित किया जाता है। वर्तमान समय में महाविद्यालय में अध्यापन विधि को और अधिक प्रभावी एवं बोधगम्य बनाने के लिए एक व्याख्यान कक्ष को स्मार्ट बोर्ड से युक्त किया गया है। भविष्य में अन्य कक्षों को भी स्मार्ट बोर्ड से लैस

किए जाने की योजना है। इन सबके साथ ही महाविद्यालय का सम्पूर्ण परिसर वाई-फाई से युक्त है।

21. **कार्यालय-** "विद्यार्थी हित सर्वोपरि" नीति केन्द्रित कार्यालय कार्य करेगा। किसी भी विद्यार्थी को अपने किसी कार्य हेतु कार्यालय में दूसरी बार न आँना पड़े। प्रथम आगमन पर ही कार्य सुनिश्चित हो। आय-व्यय बैंक की तर्ज पर प्रतिदिन अद्यतन रखा जाय तथा आय-व्यय का हिसाब पूर्ण कर ही कार्यालय बन्द हो। शिक्षक-कर्मचारी का कोई भी कार्य रोका न जाय, उसका त्वरित समाधान हो। कार्यालय की पूरी कार्यपद्वति पारदर्ज़ी होगी।

22. **NAAC/AISHE-** महाविद्यालय ने अपने सर्वांगीण विकास के उद्देश्य से वर्ष 2015 में यू.जी.सी. और भारत सरकार की स्वायत्तशासी संस्था **NAAC** द्वारा मूल्यांकन कराया था। यह मूल्यांकन प्रत्येक पाँच वर्ष उपरान्त नैक द्वारा किये जाने की सुनिश्चित व्यवस्था है। महाविद्यालय में वर्तमान सत्र में पुनः नैक द्वारा मूल्यांकन कराया जायेगा। महाविद्यालय में आंतरिक गुणवत्ता सुनिश्चयन प्रकोष्ट **(IQAC)** प्रारम्भ से ही कार्य कर रहा है।

23. **प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन-** एक संयोजक समिति का गठन किया गया। प्रमुख कार्यक्रम/आयोजन एवं संयोजक हेतु समिति निम्नवत है-

कार्यक्रम/आयोजन		संयोजक
13 अगस्त भारत विभाजन की पूर्व संध्या (व्याख्यान)	-	डॉ. अनुभा श्रीवास्तव
15 अगस्त स्वतन्त्रता दिवस समारोह	-	सुश्री दीप्ति गुप्ता
राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला	-	डॉ. सुबोध कुमार मिश्रा
महन्त दिग्विजयनाथ जी महाराज एवं राष्ट्रसन्त महन्त अवेद्यनाथ जी महाराज पुण्यतिथि कार्यक्रम	-	डॉ. विजय कुमार चौधरी
युवा महोत्सव/वार्षिक महोत्सव	-	सुश्री शारदा रानी
संस्थापक समारोह (शिक्षा परिषद)	-	डॉ. आर.एन. सिंह
भारत-भारती पखवारा (12 जनवरी-26 जनवरी)	-	श्रीमती पुष्पा निषाद
सरस्वती पूजा (बसन्त पंचमी)	-	श्रीमती विभा सिंह
समावर्तन संस्कार समारोह	-	डॉ. विजय कुमार चौधरी

24. **वार्षिक बजट-** बैठक में सत्र 2022-23 हेतु प्रस्तावित बजट पर विचार विमर्श कर सर्व सम्मति से पारित कर दिया गया।

मद	आय (सत्र 2021-22)	सम्भावित आय (सत्र 2022-23)
विकास*	4125800	4500000
शिक्षण*	11074400	11500000
पुस्तकालय*	2231000	2500000
प्रयोगशाला*	1702300	2000000
क्रीड़ा*	1008200	1200000
विद्युत मेन्टेनेन्स*	2113500	2500000
बी.एड् प्रथम	5278750	5630000
बी.एड् द्वितीय	2994000	3100000
योग	**30527950**	**32930000**

सम्भावित व्यय (सत्र 2022-23)	
प्रस्तावित वेतन पर व्यय	21000000
महाविद्यालय में अन्य व्यय लगभग	500000
विकास पर	11430000
योग	**32930000**

*बी.ए., बी.एस-सी., बी.काम. एवं स्नातकोत्तर कक्षाओं के प्रथम वर्ष में प्रवेश से छात्र संख्या बढ़ेगी।

समावर्तन–2023

छात्रसंघ प्रतिनिधि

विषय	पाठ्यक्रम	नाम
रसायनशास्त्र	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री स्नेहिल सिंह
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री साक्षी गुप्ता
	बी.एस-सी. III वर्ष	सुश्री ज्योति प्रजापति
	एम.एस-सी. III सेमेस्टर	श्री विजय सिंह
गणित	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री कुसुम चौरसिया
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	श्री कपीश स्वामी
	बी.एस-सी. III वर्ष	सुश्री शालिनी सिंह
भौतिकी	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री सिमरन विश्वकर्मा
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री प्रिन्सी शुक्ला
	बी.एस-सी. III वर्ष	श्री आदित्य प्रजापति
प्राणि विज्ञान	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	श्री आयुष कन्नौजिया
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री पूजा गुप्ता
	बी.एस-सी. III वर्ष	सुश्री नम्रता सिंह
वनस्पति विज्ञान	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री ईशा कुमारी
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री अंजली मिश्र
	बी.एस-सी. III वर्ष	सुश्री मोहिनी
कम्प्यूटर साइंस	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	श्री करन शर्मा
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री प्रीति सिंह
	बी.एस-सी. III वर्ष	श्री बिट्टू कुशवाहा
सांख्यिकी	बी.एस-सी. I सेमेस्टर	श्री आनन्द सिंह
	बी.एस-सी. III सेमेस्टर	श्री हर्ष श्रीवास्तव
	बी.एस-सी. III वर्ष	कोई नहीं
हिन्दी	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री आरती निषाद
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री काजल जायसवाल
	बी.ए. III वर्ष	सुश्री वन्दना यादव
	एम.ए. I सेमेस्टर	कोई नहीं
	एम.ए. III सेमेस्टर	कोई नहीं
अंग्रेजी	बी.ए. I सेमेस्टर	श्री शिवम गुप्ता
	बी.ए. III सेमेस्टर	श्री तारकेश्वर पाण्डेय
	बी.ए. III वर्ष	सुश्री प्रिया जायसवाल
राजनीतिशास्त्र	बी.ए. I सेमेस्टर	श्री आकाश गुप्ता
	बी.ए. III सेमेस्टर	श्री अमित कुमार निषाद
	बी.ए. III वर्ष	श्री सौरभ यादव
	एम.ए. I सेमेस्टर	कोई नहीं
	एम.ए. III सेमेस्टर	कोई नहीं
इतिहास	बी.ए. I सेमेस्टर	श्री अमित निषाद
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री नाजिया खातुन
	बी.ए. III वर्ष	श्री विशाल प्रसाद
	एम.ए. I सेमेस्टर	सुश्री कंचन यादव
	एम.ए. III सेमेस्टर	कोई नहीं
समाज शास्त्र	बी.ए. I सेमेस्टर	श्री अजीत सिंह
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री सुनैना प्रजापति
	बी.ए. III वर्ष	सुश्री वर्षा सहानी
	एम.ए. I सेमेस्टर	सुश्री स्वाती पासवान
	एम.ए. III सेमेस्टर	कोई नहीं
प्राचीन इतिहास	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री अंजू
	बी.ए. III सेमेस्टर	श्री राहुल गुप्ता
	बी.ए. III वर्ष	श्री अजय कुमार
	एम.ए. I सेमेस्टर	श्री विकास चौधारी
अर्थशास्त्र	बी.ए. I सेमेस्टर	सुश्री शीतल शर्मा
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री अंशिका गुप्ता
	बी.ए. III वर्ष	सुश्री संगम
भूगोल	बी.ए./बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री अंशिका
	बी.ए./बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री गुड़िया प्रजापति
	बी.ए./बी.एस-सी. III वर्ष	श्री आनन्द कुमार मौर्या
	एम.ए. I सेमेस्टर	श्री शिवानन्द निषाद
	एम.ए. III सेमेस्टर	कोई नहीं
मनोविज्ञान	बी.ए./बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री शिवांगी रंजन
	बी.ए./बी.एस-सी. III सेमेस्टर	सुश्री प्रिया प्रजापति
	बी.ए./बी.एस-सी. III वर्ष	सुश्री शैल्वी साहनी
रक्षा अध्ययन	बी.ए./बी.एस-सी. I सेमेस्टर	सुश्री नेहा मद्धेशिया
	बी.ए./बी.एस-सी. III सेमेस्टर	श्री बृजेश कुमार चौहान
	बी.ए./बी.एस-सी. III वर्ष	कोई नहीं
शिक्षा शास्त्र	बी.ए.I सेमेस्टर	श्री प्रिन्स कुमार विश्वकर्मा
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री साक्षी पाण्डेय
	बी.ए. III वर्ष	सुश्री अंजली गुप्ता
गृहविज्ञान	बी.ए.I सेमेस्टर	सुश्री इशिका श्रीवास्तव
	बी.ए. III सेमेस्टर	सुश्री ज्योति मद्धेशिया
	बी.ए. III वर्ष	सुश्री दिव्या गुप्ता
	एम.ए. III सेमेस्टर	सुश्री अंशु कुमारी
बी.एड्.	बी.एड्. III सेमेस्टर	श्री आदित्य तिवारी
वाणिज्य	बी.काम I सेमेस्टर	श्री मनीष मद्धेशिया
	बी.काम III सेमेस्टर	सुश्री काजल जायसवाल
	बी.काम III वर्ष	सुश्री ममता मझवार
	एम.काम I सेमेस्टर	कोई नहीं
	एम.काम III सेमेस्टर	सुश्री पुजा कुमारी
कम्प्यूटर एप्लीकेशन	बी.ए.I सेमेस्टर	सुश्री सौम्या शर्मा
	बी.ए. III सेमेस्टर	श्री अभिजीत गौंड
शारीरिक शिक्षा	बी.ए.I सेमेस्टर	कोई नहीं
	बी.ए. III सेमेस्टर	कोई नहीं

छात्रसंघ

श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल, प्रभारी

अध्यक्ष	सुश्री साक्षी पाण्डेय
उपाध्यक्ष	श्री सौरभ यादव
महामंत्री	श्री आनन्द मौर्य
पुस्तकालय मंत्री	श्री बिट्टू कुशवाहा

नियंता समिति

डॉ. सत्येन्द्रनाथ शुक्ल, प्रभारी

सुश्री प्रिया जायसवाल	बी.ए. तृतीय वर्ष
सुश्री ममता मझवार	बी.काम. तृतीय वर्ष
सुश्री पूजा कुमारी	एम.काम. तृतीय सेमेस्टर
श्री आकाश गुप्ता	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री अंजली मिश्रा	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर

छात्रा समिति

डॉ. आरती सिंह, शिक्षक प्रभारी

सुश्री संगम	बी.ए. तृतीय वर्ष
सुश्री अंजली गुप्ता	बी.ए. तृतीय वर्ष
सुश्री वर्षा साहनी	बी.ए . तृतीय वर्ष
सुश्री प्रिया प्रजापति	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री स्वाती पासवान	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर

क्रीड़ा समिति

श्री चन्दन ठाकुर, प्रभारी

श्री विजय सिंह	एम.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर
श्री बृजेश कुमार चौहान	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री काजल जायसवाल	बी.काम. तृतीय सेमेस्टर
श्री अमित कुमार निषाद	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
श्री अजित सिंह	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर

प्लास्टिक मुक्त परिसर समिति

डॉ. अभय श्रीवास्तव, प्रभारी

श्री विकास चौधरी	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री कंचन यादव	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
श्री शिवानन्द निषाद	एम.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री नेहा मद्धेशिया	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री अंशु कुमारी	एम.ए. तृतीय सेमेस्टर

दीवार पत्रिका समिति

श्री सिद्धार्थ कुमार शुक्ल, प्रभारी

सुश्री शिवांगी रंजन	बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री शीतल शर्मा	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री आरती निषाद	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री अंजू	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
श्री सौरभ कुमार	बी.ए. तृतीय वर्ष

बागवानी समिति

श्री अखिलेश गुप्ता, प्रभारी

सुश्री मोहिनी	बी.एस.सी. तृतीय वर्ष
श्री प्रिंस कु. विश्वकर्मा	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री शैल्वी साहनी	बी.ए. तृतीय वर्ष
सुश्री दिव्या गुप्ता	बी.ए. तृतीय वर्ष
श्री आनन्द सिंह	बी.एस.सी. प्रथम सेमेस्टर

प्रयोगशाला समिति

डॉ. आर.एन. सिंह, प्रभारी

श्री आयुष कन्नौजिया	बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री साक्षी गुप्ता	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री प्रिंसी शुक्ला	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री ज्योति प्रजापति	बी.एस–सी. तृतीय वर्ष
सुश्री पूजा गुप्ता	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर

सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति

श्री श्रीकान्त मणि त्रिपाठी, प्रभारी

श्री आदित्य प्रजापति	बी.एस–सी. तृतीय वर्ष
सुश्री अंशिका चौहान	बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री कुसुम चौरसिया	बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर
श्री करन शर्मा	बी.एस–सी. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री प्रीति सिंह	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर

योग समिति

डॉ. सत्येन्द्र नाथ शुक्ल, प्रभारी

श्री शिवम गुप्ता	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
श्री अमित निषाद	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
श्री विशाल प्रसाद	बी.ए. तृतीय वर्ष
श्री अंशिका गुप्ता	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
श्री आदित्य तिवारी	बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर
श्री नरसिंह पासवान	बी.एड्. प्रथम सेमेस्टर

पुस्तकालय समिति

डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय, प्रभारी

श्री बिट्टू कुशवाहा	बी.एस–सी. तृतीय वर्ष
सुश्री नाजिया खातून	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री सुनैना प्रजापति	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
श्री अजय कुमार	बी.ए. तृतीय वर्ष
सुश्री काजल जायसवाल	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

सोशल मीडिया समिति

श्रीमती सुधा शुक्ला, प्रभारी

श्री अभिजीत गौड़	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री ईशिका श्रीवास्तव	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
श्री राहुल गुप्ता	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री शालिनी सिंह	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
श्री आनन्द कुमार मौर्य	बी.ए. तृतीय वर्ष

तकनीकी समिति

श्री सूरज मिश्रा, प्रभारी

श्री हर्ष श्रीवास्तव	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर
श्री स्नेहिल सिंह	बी.एस–सी. प्रथम वर्ष
सुश्री नम्रता सिंह	बी.एस–सी. तष्टतीय वर्ष
सुश्री शालिनी सिंह	बी.एस–सी. तृतीय वर्ष
श्री कपिष कु. स्वामी	बी.एस–सी. तृतीय सेमेस्टर

प्रार्थना समिति

सुश्री दीप्ति गुप्ता, प्रभारी

सुश्री साक्षी पाण्डेय	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री काजल निषाद	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री वन्दना यादव	बी.ए. तृतीय वर्ष
सुश्री ज्योति मद्धेशिया	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

स्वच्छता समिति

डॉ. अभिषेक सिंह, सह प्रभारी

श्री मनीष मद्धेशिया	बी.काम. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री गुड़िया प्रजापति	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर
सुश्री सौम्या शर्मा	बी.ए. प्रथम सेमेस्टर
सुश्री सिमरन विश्वकर्मा	बी.एस.सी प्रथम सेमेस्टर
श्री तारकेश्वर यादव	बी.ए. तृतीय सेमेस्टर

गुरु श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष/निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य

शोध समन्वयक डॉ. सुबोध कुमार मिश्र

परामर्श समिति प्रो. शिवाजी सिंह, गोरखपुर
डॉ. कन्हैया सिंह, आजमगढ़
डॉ. सदानन्द प्रसाद गुप्त, गोरखपुर
डॉ. सन्तोष शुक्ला, जे.एन.यू., नई दिल्ली
प्रो. अम्बिका दत्त शर्मा, सागर
प्रो. मुरली मनोहर पाठक, नई दिल्ली
प्रो. योगेन्द्र प्रताप सिंह, प्रयागराज

नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र

अध्यक्ष/निदेशक डॉ. प्रदीप कुमार राव — प्राचार्य

शोध सहायक डॉ. अभिषेक सिंह — प्रवक्ता, रक्षा अध्ययन

परामर्श समिति
डॉ. कृष्ण कुमार गौतम — काठमाण्डू (नेपाल)
डॉ. काशीनाथ — बुद्ध टूरिज्म विश्वविद्यालय काठमाण्डू (नेपाल)
श्री राकेश मिश्र — तराई पत्रकार काठमाण्डू (नेपाल)
श्री सुरेश मल्ल — नेपाल
श्रीमती नलिनी गयवाली — सामाजिक कार्यकर्ता (नेपाल)
श्री दीपक अधिकारी — सामाजिक कार्यकर्ता काठमाण्डू (नेपाल)
डॉ. हर्ष सिन्हा — दी.द.उ. गो. विश्वविद्यालय गोरखपुर (भारत)
डॉ. रेनू सक्सेना — जामिया इस्लामिया विश्वविद्यालय, नई दिल्ली (भारत)
श्री अजीत कुमार — सामाजिक कार्यकर्ता (भारत)
श्री हरेन्द्र प्रताप — सदस्य विधान परिषद, पटना, बिहार (भारत)
श्री अरूण जी — सामाजिक कार्यकर्ता, नई दिल्ली (भारत)

आन्तरिक गुणवत्ता एवं सुनिश्चयन प्रकोष्ठ

नाम	पद
प्रो. यू.पी. सिंह (पूर्व कुलपति), अध्यक्ष	सदस्य
प्रो. राम अचल सिंह (पूर्व कुलपति), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
डॉ. राजशरण शाही (शिक्षक), बाह्य विशेषज्ञ	सदस्य
श्री मनीष त्रिपाठी, अध्यक्ष, पुरातन छात्र परिषद	सदस्य
श्री विपिन कुमार यादव, अध्यक्ष, अभिभावक संघ	सदस्य
श्री गजेन्द्र प्रताप सिंह, समाजसेवी	सदस्य
श्री ज्योति मस्करा, उद्योगपति	सदस्य
डॉ. विजय कुमार चौधरी, शिक्षक	सदस्य
डॉ. शिव कुमार बर्नवाल, शिक्षक	सदस्य
डॉ. अभय कुमार श्रीवास्तव	सदस्य
श्री रमाकान्त दूबे	सदस्य
श्रीमती शिप्रा सिंह	सदस्य
डॉ. अभिषेक कुमार वर्मा, शिक्षक	समन्वयक/सचिव
डॉ. प्रदीप कुमार राव, प्राचार्य	अध्यक्ष

सत्र 2022-23 के पुरस्कृत

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक

डॉ. हनुमान प्रसाद उपाध्याय

(सरस्वती सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (तृतीय श्रेणी)

श्री शम्भू प्रताप सिंह

(महाराणा प्रताप सम्मान)

हमारे पूर्वज (श्रेष्ठतम् विद्यार्थी)

सुश्री अर्चना यादव

(महन्त दिग्विजयनाथ सम्मान)

सिलाई, कढ़ाई व पेंटिंग (श्रेष्ठतम् प्रशिक्षु)

सुश्री सुभावती

(योगिराज बाबा गम्भीरनाथ सम्मान)

ब्यूटी एण्ड सेल्फकेयर प्रमाणपत्र (श्रेष्ठतम प्रशिक्षु)

सुश्री गुंजा प्रजापति

(महारानी पद्मिनी सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी (चतुर्थ श्रेणी)

श्री दूधनाथ

(महन्त अवेद्यनाथ सम्मान)

जीवन मूल्य (श्रेष्ठतम् विद्यार्थी)

श्री हिमांशु सिंह

(महायोगी गोरखनाथ सम्मान)

सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु

सुश्री प्रतिमा गुप्ता

(चेतक सम्मान)

आपदा एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमाण पत्र (श्रेष्ठतम प्रशिक्षु)

सुश्री अर्पिता दूबे

(मे. सोमनाथ शर्मा सम्मान)

सर्टिफिकेट इन कम्प्यूटर (श्रेष्ठतम प्रशिक्षु)

सुश्री पूजा कुमारी

(कौटिल्य सम्मान)

गत सत्र (2021-22) के पुरस्कृत

सर्वश्रेष्ठ शिक्षक का सरस्वती सम्मान ग्रहण करती श्रीमती कविता मन्ध्यान

सर्वश्रेष्ठ पुरातन छात्र का पुरस्कार प्राप्त करते श्री संदीप पाण्डेय

सर्वश्रेष्ठ कर्मचारी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री ब्रह्मानन्द पाण्डेय

सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री कुँवर अमन सिंह

हमारे पूर्वज प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करती सुश्री ज्योति कुमारी

गत सत्र (2021-22) के पुरस्कृत

सर्वश्रेष्ठ चतुर्थ श्रेणी का पुरस्कार प्राप्त करते श्री रामलगन

निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करती सुश्री चाँदनी कुमारी

जीवन मूल्य प्रमाण-पत्र पाठ्यक्रम की श्रेष्ठ प्रशिक्षु का सम्मान प्राप्त करते श्री चक्रधर पाठक

सर्वश्रेष्ठ कम्प्यूटर प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करते श्री यश सिंह

आपदा प्रबंधन एवं राष्ट्रीय सुरक्षा प्रमाण पत्र पाठ्यक्रम के सर्वश्रेष्ठ प्रशिक्षु का पुरस्कार प्राप्त करते श्री आदित्य प्रजापति

प्रबन्ध समिति

महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज
जंगल धूसड़, गोरखपुर

नाम	पता	पद	व्यवसाय
प्रो. यू.पी. सिंह	राजेन्द्रनगर, गोरखपुर	अध्यक्ष	पूर्व कुलपति
श्री प्रमोद कुमार चौधरी	पहाड़पुर, गोरखपुर	उपाध्यक्ष	कृषि
महन्त योगी आदित्यनाथ जी	श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर	मंत्री/प्रबन्धक	धर्माचार्य
श्री राजेश मोहन सरकार	दुर्गाबाड़ी रोड, गोरखपुर	सदस्य	अधिवक्ता
श्री योगी त्यागीनाथ	चौक बाजार, महराजगंज	सदस्य	धर्माचार्य
श्री प्रमथनाथ मिश्रा	विलन्दपुर, गोरखपुर	सदस्य	अधिवक्ता
श्री गोरक्ष प्रताप सिंह	नथमलपुर, गोरखपुर	सदस्य	कृषि
श्री योगी कमलनाथ जी	श्री गोरखनाथ मन्दिर, गोरखपुर	सदस्य	धर्माचार्य
श्री रामजन्म सिंह	149वीं, मिर्जापुर पोस्ट–न्यू शिवपुरी, गोरखपुर	सदस्य	पूर्व प्रधानाचार्य
श्री नरेन्द्रनाथ वर्मा	बेतियाहाता, गोरखपुर	सदस्य	व्यापार
श्री द्वारिका तिवारी	नथमलपुर, गोरखनाथ, गोरखपुर	सदस्य	सेवानिवृत्त अध्यापक

महिला स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण की दिशा में महाविद्यालय के बढ़ते कदम

महिला स्वावलंबन एवं सशक्तिकरण की दिशा में 'मिशन मंझरिया एवं मिशन शक्ति' के अपना उत्कृष्ट योगदान देने के कारण महाविद्यालय के बी.एड्. विभाग की प्रभारी श्रीमती शिप्रा सिंह को विगत 25 नवम्बर 2022 को इन्स्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी एण्ड मैनेजमेंट, गीडा द्वारा '15वाँ राष्ट्रीय महिला उत्कृष्टता एवार्ड (नवशक्ति एवार्ड)' प्रदान किया गया। महाविद्यालय के लिए यह अत्यन्ता गौरव एवं सम्मान का क्षण है।

मानव संसाधन विकास मंत्रालय की स्वच्छता रिपोर्ट सूची में महाविद्यालय

Swachh Campus 2019

Institutional Achievements

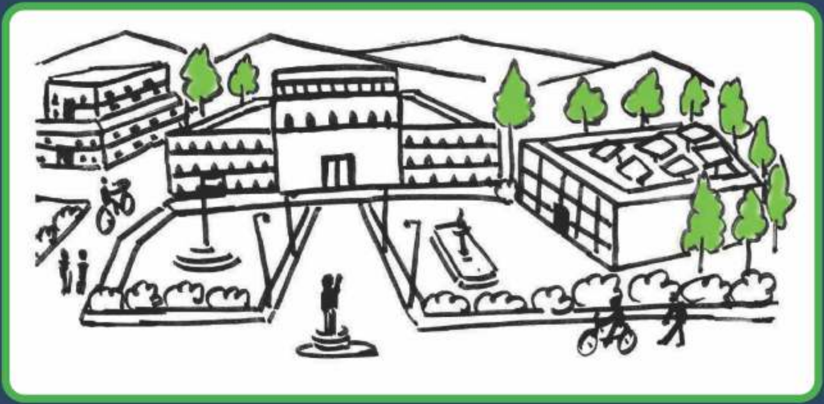

MHRD

Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

Foreword

Our Educational Institutions are torch bearers of change. Now they are turning into harbingers of national movement for promoting cleanliness. Their keen interest to keep campuses clean and take this message to the communities with whom they are engaged with has been an important contribution this year 2019. Universities and Higher Educational institutions turning into green smart campuses are focusing on cleanliness, waste management, water conservation as well as wastewater management. Saving water and electricity, conserving energy, harvesting rain water, tapping solar energy and promoting cleanliness are indicators to measure a smart campus. Such endeavours by Higher Education Institutions need to be welcomed and supported time to time.

Exercise to rank Universities and Higher Educational Institutions (HEI) on the basis of cleanliness and hygiene has become annual now. They are focusing on factors such as student: toilet, ratio, kitchen hygiene, campus green cover, solid and liquid waste management, garbage disposal, solar energy usage and other relevant areas. Some of the best practices followed by them are documented here at the instance of the Department of Higher Education in Ministry of Human Resource Development Government of India.

Dr W G Prasanna Kumar

Chairman MGNCRE

Swachh Campus 2019

INDEX

S. No	Higher Education Institutions	Page
1.	ABVIITM Gwalior Madhya Pradesh	7
2.	AJK College of Arts and Science Coimbatore Coimbatore Tamil Nadu	11
3.	Algappa University Sivanganga Tamil Nadu	15
4.	Amrita Vishwa Vidyapeetham Coimbatore Tamil Nadu	19
5.	Assam Don Bosco University Assam	22
6.	Anand College of Education Agra Uttar Pradesh	27
7.	BSA Rahman Crescent Institute of Science and Technology Chennai Tamil Nadu	30
8.	The Bhopal School of Social Sciences (BSSS) Bhopal Madhya Pradesh	35
9.	Cauvery B Ed College Bengaluru Karnataka	38
10.	Centurion University of Technology and Management Gajapati Odisha	41
11.	Chandigarh University Mohali Punjab	44
12.	Chitkara University Himachal Pradesh	47
13.	Desh Bhagat University Fatehgarh Punjab	52
14.	Dev Sanskriti Vishwavidhyalaya Haridwar Uttarakhand	56
15.	Dr DY Patil Vidyapeeth Pune Maharashtra	59
16.	Dr Vishwanath Karad MIT World Peace University Maharashtra	65
17.	GITAM Vishakhapatnam Andhra Pradesh	70
18.	Graphic Era Hill University Dehradun Uttarakhand	74
19.	GLA University Mathura Delhi	79
20.	Guru Nanak Dev University Amritsar Punjab	81
21.	Gujarat National Law University Gujarat	84
22.	Hindustan Institute of Technology and Science (HITS) Chennai Tamil Nadu	88
23.	IIS University Jaipur Rajasthan	93
24.	IIIT Delhi	97
25.	IIT Gandhinagar Gujarat	105
26.	IIT Guwahati Assam	110
27.	IIM Kozhikode Kerala	115
28.	IIT Madras Tamil Nadu	119
29.	IIT Tirupati Andhra Pradesh	123
30.	ITM Gwalior Madhya Pradesh	127
31.	Jayoti Vidyapeeth Women's University Jharna Rajasthan	132
32.	Karpagam Academy of Higher Education Coimbatore Tamil Nadu	139
33.	Koneru Lakshmaiah Education Foundation Guntur Andhra Pradesh	142
34.	KLE Academy of Higher Education and Research Belgavi Karnataka	144
35.	Krishna Institute of Medical Sciences KIMS Karad Maharashtra	150
36.	Lovely Professional University Kapurthala Punjab	153
37.	Madurai Kamaraj University Madurai Tamil Nadu	157
38.	Madras Christian College Chennai Tamil Nadu	160

Swachh Campus 2019

S. No	Higher Education Institutions	Page
39.	Maharana Pratap P.G College Gorakhpur Uttar Pradesh	164
40.	Maharshi Dayanand University Rohtak Haryana	168
41.	Manipal University Jaipur Rajasthan	172
42.	Manomaniam Sundarnar University Tirunelveli Tamil Nadu	176
43.	Mehr Chand Mahajan DAV College for Women Chandigarh	179
44.	Mizoram University Aizawl Mizoram	184
45.	Nirmala College Muvattupuzha Kerala	187
46.	Nehru Arts and Science College Thirumalayampalayam Tamil Nadu	192
47.	NIIT Neemrama Alwar Rajasthan	196
48.	OP Jindal University Knowledge Park Raigarh Chattisgarh	202
49.	OP Jindal Global University Sonipat	206
50.	PRIST College Thanjavur Tamil Nadu	212
51.	PSGR Krishnammal College for Women Coimbatore Tamil Nadu	215
52.	Rajagiri College of Social Sciences Kochi Kerala	218
53.	Rajiv Gandhi National University of Law Patiala Punjab	224
54.	RMK Engineering College Tamil Nadu	227
55.	RR Bawa DAV College for Girls Punjab	231
56.	Siksha O Anusandhan Bhubaneswar Odisha	235
57.	Symbiosis International Pune Maharashtra	239
58.	Sri Krishna Arts and Science College Coimbatore Tamil Nadu	248
59.	Shoolini University Solan Himachal Pradesh	252
60.	Sri Sathya Sai Institute of Higher Learning Anantapur Andhra Pradesh	258
61.	St. Philomena College Puttur Karnataka	266
62.	SRM Institute of Science and Technology Kattankulathur Tamil Nadu	271
63.	SRM University Sonepat Haryana	274
64.	Suresh Gyan Vihar University (SGVU) Jaipur Rajasthan	276
65.	Sri Rama Krishna Arts and Science Coimbatore (SRCAS) Tamil Nadu	280
66.	Sumandeep Vidyapeeth Vadodara Gujarat	282
67.	VIT Vellore Tamil Nadu	286
68.	Vel Tech Chennai Tamil Nadu	290
69.	Vignan's Foundation for Science Technology & Research Guntur Andhra Pradesh	295

Swachh Campus 2019

Maharana Pratap P.G. College Jungle Dhusan Gorakahpur Uttar Pradesh

Maharana Pratap P.G. College is situated in Gorakhpur in Uttar Pradesh state of India. The course of study followed in the college in accordance with the syllabus prescribed by Gorakhpur University. Arts, Science and Commerce streams are offered at the Graduation level.

Student Strength	**2163**
Faculty Strength	**65**

Residential Facilities

The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1. The hostel has 24 hours uninterrupted water and power supply.

Solid and Liquid Waste Management

The college generates two types of waste: solid and wet waste. The college also collects some amount of horticulture waste such as dried leaves or plant clippings. Certain amount of glass, fiber, and paper, plastic and biodegradable waste is also collected from all around the campus. Out of the waste collected, wet waste is used for composting and the dry waste is collected by Nagar Nigam for recycling. Waste from toilets in the campus flows into the teak garden.

Hostel Kitchen Facilities

The college hostel provides healthy and nutritious food. The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time. The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene.

Swachh Campus 2019

Campus Greenery

30% of the college is lush green. In all, there are around 2500 trees and plants of different variety. The biodiversity includes Neem ,amla , Jamun, tulsi, Aleovira etc. The college has developed certain rare species like-Sarpgandha which is used to cure acidity and is a uterine tonic, Bhringaraj which is used in the cure of headache and fever, Kelikand used in the cure of snake bite, Jaundice and lepr osy etc. The greenery in college campus is being maintained with the help of a garden committee of the Garden In charge and 5 student members.

Solar Power

Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night.

Adopted Village: 28 Villages

The 21 departments of college and NSS have adopted a total of 28 village. The names of adopted villages are as follows:-ChhotiRetwahiya, BadiRewathaiya ,Haiderganj, Jungle Aurahi, DahlaHarsevakpur, Shahpur, MahuaChafi,Jungle Tikonia,Basantpur , Khutawa, kakrahiya, Meerganj, Lalganj,chotiJamunia,BadiJamunahiya, Dhodha, Laxmipur, Ramp ur, Bhagwanpur, HaripurShekhwania, Kewatahia, Dhusia, Tinkonia, Manjharia, Hasanganj. All these villages are situated in 15km radius of the college in Gorakhpur District.

Benefitted Families: Around 5500 people of 850 families were covered from these villages.

Swachh Campus 2019

Activities Undertaken in the Villages:

These villages were adopted by the college with the aim to develop the villages in an integrated manner. This includes economic development, infrastructure development and other aspects of human development i.e., hygiene, education, health, drinking water supply, medical facilities and awareness of government schemes etc. The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers. The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college.

Swachh Campus 2019 166 | **MHRD** - MGNCRE

Swachh Campus 2019

Outcomes

- The college has one boys Hostel with 50 modern toilets. The toilet student ratio is 1
- The wet waste in the college is composted and the solid waste is picked up by the Nagar Nigam
- The Hostel has a modern kitchen and a dining hall to accommodate 50 students at a time
- The kitchen provides vegetarian food and utmost importance is given to cleanliness and hygiene
- 30% of the college is lush green
- There are around 2500 trees and plants of different variety in the campus
- The college has developed certain rare species of trees which can be used to treat diseases like acidity, headache, fever, snake bite, jaundice and leprosy etc
- Three Solar lamps have been installed in the college campus to provide outdoor lighting during evening and night
- The college along with the NSS has adopted 28 villages in the 15 km radius of the college
- Around 5500 people of 850 families from these villages have benefited from the various programs run by the colleges
- The college has installed India Mark Hand pumps in the adopted villages to supply safe drinking water to villagers
- The college has also initiated cleanliness drives in all these adopted villages on many occasions. Health camps have been organized and medicines distributed free of cost to the villagers by the college

Swachhta Rankings 2019

Achieving Full ODF in Villages

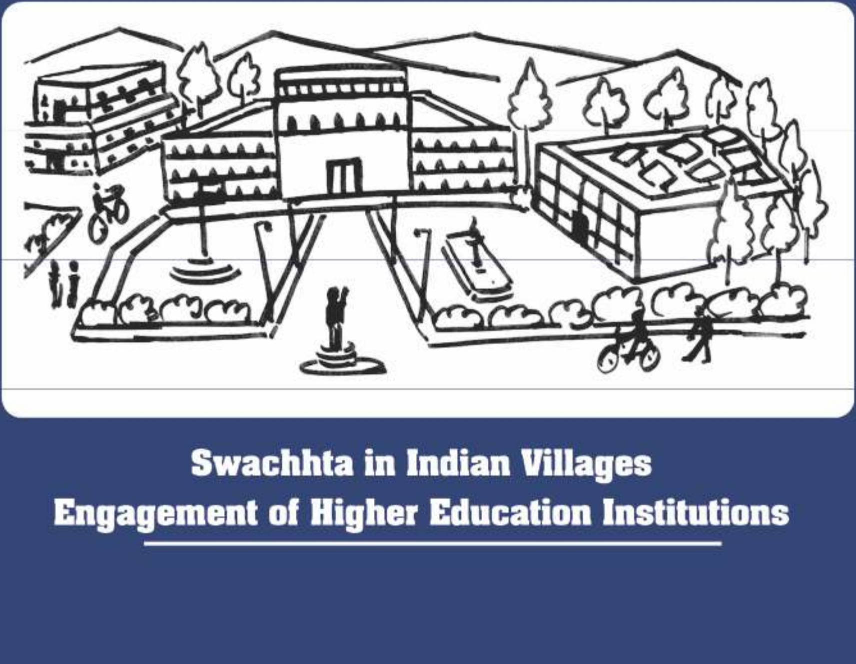

Swachhta in Indian Villages
Engagement of Higher Education Institutions

MHRD | Department of Higher Education
Ministry of Human Resource Development
Government of India

S. NO.		STATE	DISTRICT	NAME OF THE HEI	ODF VILLAGE(S)
				UNIVERSITY, MEERUT	HLI,SATWAI
1833	8	UTTAR PRADESH	GAUTAM BUDDHA NAGAR	JSS ACADEMY OF TECHNICAL EDUCATION, NOIDA	BISHANPURA, KHORA GHAZIABAD, KACHERA WARSHABAD
1834	9	UTTAR PRADESH	GORAKHPUR	MAHARANA PRATAP MAHAVIDYALAY, JUNGLE DHUSHAN, GORAKHPUR	MANJHARIYA
1835	10	UTTAR PRADESH	AGRA	ANAND COLLEGE OF EDUCATION KETHEM, AGRA	ARSENA
1836	11	UTTAR PRADESH	LUCKNOW	INTEGRAL UNIVERSITY, LUCKNOW	BHAKAHAMAU, PAIKARAMAU, SAADAMAU, BHIKHANPURWA, DASAULI
1837	12	UTTAR PRADESH	KANPUR NAGAR	ANANDA SCHOOL OF NURSING	SARSAUL, NARWAL
1838	13	UTTAR PRADESH	HARDOI	S.C. BOSE MAHAVIDYALAYA, KAHALI TERWA, GAUSGANJ,	KAHALI
1839	14	UTTAR PRADESH	VARANASI	SARASWATI HIGHER EDUCATION AND TECHNICAL COLLEGE OF ENGINEERING, VARANASI	BABATPUR
1840	15	UTTAR PRADESH	BARABANKI	SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY	MATI, HADAURI, SRINANGAR, BASTI AND KHAZOOR
1841	16	UTTAR PRADESH	JHANSI	SR GROUP OF INSTITUTIONS COLLEGE OF PHARMACY, JHANSI	3
1842	17	UTTAR PRADESH	GHAZIABAD	K N G D MODI ENGIEERING COLLEGE, MODINAGAR	PALLOTA
1843	18	UTTAR PRADESH	VARANASI	AMBITION INSTITUTE OF TECHNOLGOY	PARAO
1844	19	UTTAR PRADESH	MEERUT	NEELKANTH VIDYAPEETH NH-58, PAWLI KHAS, MODIPURAM, MEERUT	PABARSHA
1845	20	UTTAR PRADESH	MEERUT	NEEL KANTH INSTITUTE OF ENGG. & TECHNOLGOY	PABLI KHAS
1846	21	UTTAR PRADESH	BALLIA	DR MAHAVEER SINGH NURSING	BASARIKAPUR, RAMPUR, KACHHUA

SWACHHTA RANKINGS 2019 - Achieving Full ODF in Villages by HEIs 154 | **MHRD** - MGNCRE

उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी में महाविद्यालय

आपदा को अवसर में बदलने वाली उत्तर प्रदेश की जनप्रिय सरकार ने कोविड–19 के दौरान एक अनूठा एवं अद्भुत ज्ञान सागर तैयार किया जिसे उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी के नाम से जाना जाता है। सरकार के प्राथमिक और मुख्य चिन्तन में यह बात थी कि कोविड–19 के दौरान शिक्षण कार्य अधिक प्रभावित न हो और छात्रों का भविष्य सुरक्षित रहे। उ.प्र. सरकार द्वारा शिक्षक दिवस के अवसर पर 05 सितम्बर 2020 को शुरू किए गए इस पोर्टल पर सितम्बर एवं अक्टूबर माह में विद्यादान योजना के अन्तर्गत भारतीय संस्कृति में दान के महत्व के अनुरूप छात्रों के हितार्थ ई–पाठ्य सामग्री तैयार करायी गयी जिसमें आज 70,000 से भी अधिक ई. कन्टेंट उपलब्ध हैं।

यह लाइब्रेरी ज्ञान का एक अनूठा संग्रह है जिसमें प्रदेश के सर्वोत्तम प्राध्यापकों के नोट्स एवं लेक्चर्स हर छात्र को निःशुल्क सुलभ हैं। ऑनलाइन शिक्षण के इस दौर में जिन छात्रों के पास निरन्तर अबाध इन्टरनेट की सुविधा उपलब्ध नहीं है उनके लिए यह लाइब्रेरी वरदान स्वरूप है। इसके उपयोग से वे अपनी सुविधानुसार शिक्षण सामग्री डाउनलोड करके पढ़ाई कर रहे हैं। दो लाख से अधिक छात्रों द्वारा प्रतिदिन इसका निरन्तर लाभ उठाया जा रहा है। एन.आई.सी द्वारा अपनी तकनीकी दक्षता एवं क्षमता द्वारा अल्प समय में जो सुगम साफ्टवेयर एवं प्लेटफार्म विकसित किया है वह अत्यंत प्रशंसनीय है।

इस डिजिटल लाइब्रेरी में पाठ्यक्रम के अनुरूप टेक्सट के साथ-साथ श्रव्य-दृश्य दृश्य सामग्री भी अपलोड की गयी है। 134 विषयों के 71,000 से अधिक ई–कन्टेंट उपलब्ध हैं जिन्हें 23 विश्वविद्यालयों एवं अनेक महाविद्यालयों के शिक्षकों द्वारा तैयार किया गया है।

विद्यादान की इस कड़ी में हमारा महाविद्यालय महाराणा प्रताप पी.जी. कॉलेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर ने उत्तर प्रदेश के सभी महाविद्यालयों के बीच सर्वाधिक 1057 ई–कन्टेंट के साथ प्रथम स्थान प्राप्त कर पूर्वांचल को गौरवान्वित किया है। इस अभियान में महाविद्यालय के भूगोल विभाग के अध्यक्ष डॉ. विजय कुमार चौधरी द्वारा 131 तथा रक्षा एवं स्त्रातजिक अध्ययन विभाग के प्रभारी डॉ. अभिषेक सिंह द्वारा 99 ई–कन्टेन्ट डिजिटल लाइब्रेरी के पोर्टल पर अपलोड किया गया जो अपने-अपने विषय के अन्तर्गत उत्तर प्रदेश में सर्वाधिक रहा। इससे गोरक्षपीठ द्वारा संचालित समस्त शिक्षण संस्थाओं को प्रेरणा तथा पीठ के लोककल्याणकारी एवं शैक्षिक आदर्शो को एक नयी पहचान मिली है। यह महाविद्यालय आगे भी अपने आदर्शों एवं मूल्यों के अनुरूप विद्यादान जैसे कल्याणकारी नवाचारों को आगे बढ़ाता रहेगा।

heecontent.upsdc.gov.in/Cor

Uttar Pradesh Higher Education Digital Library

S.No.	College Names	Approved Contents
1	Dr. B. R. Ambedkar University, Agra (Id: U-0509)	10414
2	UNIVERSITY OF LUCKNOW (Id: U-0524)	9569
3	GALGOTIAS UNIVERSITY (Id: U-0643)	5999
4	Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Varanasi (Id: U-0527)	4722
5	Sharda University, Gautam Budh Nagar (Id: U-0541)	3479
6	Babu Banarsi Das University, Lucknow (Id: U-0499)	2867
7	SHRI RAMSWAROOP MEMORIAL UNIVERSITY (Id: U-0753)	2791
8	G.L.A University, Mathura (Id: U-0513)	1831
9	LUCKNOW UNIVERSITY CAMPUS	1257
10	Choudhary Charan Singh University, Meerut (Id: U-0506)	1177
11	Maharana Pratap Mahavidyalay, Jungle Dhushan, Gorakhpur (Id: C-14178)	1057

संख्या–888/सत्तर–3–2021–08(37)/2020

प्रेषक,

योगेन्द्र दत्त त्रिपाठी
विशेष सचिव,
उत्तर प्रदेश शासन।

सेवा में,

1. **निदेशक,**
उच्च शिक्षा, उ0प्र0,
प्रयागराज।

2. **कुलसचिव,**
समस्त राज्य/निजी
विश्वविद्यालय, उ0प्र0।

उच्च शिक्षा अनुभाग–3 **लखनऊ : दिनांक 22 मार्च, 2021**

विषयः– **ऑनलाइन डिजिटल लाइब्रेरी, उ0प्र0 पोर्टल पर सर्वाधिक ई–कन्टेन्ट अपलोड किये जाने हेतु सम्बन्धित विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/शिक्षकों को पुरस्कृत किये जाने के सम्बन्ध में।**

महोदय,

अवगत है कि उच्च शिक्षा विभाग द्वारा उ0प्र0 उच्च शिक्षा डिजिटल लाइब्रेरी का शुभारम्भ दिनांक 05.09.2020 को किया गया। छात्रों के हित में ई–कन्टेन्ट को बढ़ावा देने के लिए शिक्षकों द्वारा अधिक से अधिक ई–कन्टेन्ट उपलब्ध कराये जाने के उद्देश्य से माह सितम्बर–अक्टूबर, 2020 को विद्यादान माह के रूप में मनायाा गया है। इसी कम में शासन के पत्र संख्या–2140/सत्तर–3–2020–08(27)/2020, दिनांक 10 सितम्बर, 2020 एवं शासन के पत्र संख्या–2154/सत्तर–3–2020–08(27)/2020, दिनांक 11 सितम्बर, 2020 द्वारा विद्यादान माह की अवधि में दिनांक 31 अक्टूबर, 2020 तक पोर्टल पर अपलोड किये गये कुल ई–कन्टेन्ट के आधार पर श्रेणी निर्धारित करते हुए विश्वविद्यालयों/महाविद्यालयों/शिक्षकों को पुरस्कृत किये जाने का निर्णय लिया गया।

2– तत्कम में ऑनलाइन डिजिटल लाइब्रेरी, उ0प्र0 पोर्टल पर सर्वाधिक ई–कन्टेन्ट अपलोड करने वाले विश्वविद्यालय/महाविद्यालय/शिक्षको को पुरस्कृत किया गया है। पुरस्कृत सम्बन्धित विश्विद्यालयों/महाविद्यालयों/शिक्षको का श्रेणीवार विवरण निम्नलिखित हैः–

TOP 07 COLLEGES (STATE PUBLIC UNIVERSITIES) WHO HAS UPLOADED MAXIMUM CONTENTS

(AS ON 31.10.2020)

S. NO.	COLLEGE_NAME	UNIVERSITY_NAME	TOTAL COUNT
1	Km. Mayawati Government Girls Post Graduate Badalpur, Gautambuddha Nagar (Id: C-28831)	Choudhary Charan Singh University, Meerut (Id: U-0506)	909
2 ✓	Maharana Pratap Mahavidyalay, Jungle Dhushan, Gorakhpur (Id: C-14178)	Deen Dayal Upadhyay Gorakhpur University, Gorakhpur (Id: U-0508)	876
3	K. N. Govt. P.G. College, Gyanpur, Sant Ravidas Nagar, Bhadohi (Id: C-13536)	Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Varanasi (Id: U-0527)	469
4	Jagatpur P.G.College, Varanasi (Id: C-13541)	Mahatma Gandhi Kashi Vidyapeeth, Varanasi (Id: U-0527)	415
5	Shahid Mangal Pandey Government Mahila Mahavidyalaya, Meerut Mob. (Id: C-28642)	Choudhary Charan Singh University, Meerut (Id: U-0506)	369
6	Teri P.G. Collage, Ghazipur (Id: C-44624)	Veer Bahadur Singh Purvanchal University, Jaunpur (Id: U-0550)	346
7	AVADH GIRLS DEGREE COLLEGE (Id: C-12727)	UNIVERSITY OF LUCKNOW (Id: U-0524)	246

FREE ONLINE EDUCATION
swayam
शिक्षित भारत, उन्नत भारत

स्वयं (SWAYAM) लोकल चैप्टर की मान्यता

स्वयं (SWAYAM) पोर्टल भारत सरकार के शिक्षा विभाग और अखिल भारतीय तकनीकि शिक्षा परिषद द्वारा तैयार किया गया एक Online Education Portal है। स्वयं (SWAYAM) पोर्टल को शिक्षा नीति के तीन आधारभूत सिद्वातों – पहुँच, निष्पक्षता तथा गुणवत्ता को प्राप्त करने के उद्वेश्य से बनाया गया है। इस पर 9वीं कक्षा से लेकर स्नातकोत्तर स्तर तक के सभी कोर्स निःशुक्ल उपलब्ध हैं। जो छात्र कोर्स को सफलतापूर्वक उत्तीर्ण करते है उन्हें प्रमाण पत्र दिया जाता है। इसका उपयोग कोई भी कर सकता है। इन पाठ्यक्रमों की मुख्य विशेषता है कि यह पाठ्यक्रम शिक्षकों के द्वारा तैयार किया जाता है। **महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर को 28 जनवरी, 2021** को स्वयं (SWAYAM) के लोकल चेप्टर की मान्यता प्रदान की गई। अब कालेज के शिक्षक स्वयं (SWAYAM) द्वारा संचालित पाठ्यक्रमों के मेंटर बन सकते हैं। महाविद्यालय एवं आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले छात्र अब महाविद्यालय में आकर स्वयं (SWAYAM) पाठ्यक्रमों की परीक्षा में उपस्थित होकर प्रमाण पत्र भी प्राप्त कर सकते है।

सत्यमेव जयते

Certificate

Where there is Rural Wellbeing there is Universal Prosperity

This is to certify that Maharana Pratap P.G College, Gorakhpur is now a Recognized Social Entrepreneurship, Swachhta & Rural Engagement Cell (SES REC) Institution. The Institution has successfully framed the SES REC Action Plan and constituted ten working groups for improving facilities in the Campus and the Community/Adopted Villages in the areas of Sanitation & Hygiene, Waste Management, Water Management, Energy Conservation and Greenery post COVID-19, along with the observation of three environment, entrepreneurship and community engagement related days to inculcate in faculty, students and community, the practices of Mentoring, Social Responsibility, Swachhta and Care for Environment and Resources.

Date of Issue: 25 August 2020

Dr. W G Prasanna Kumar
Chairman

Mahatma Gandhi National Council of Rural Education
Department of Higher Education, Ministry of Education
Government of India

Certificate No.: MoE/SES REC/ UP5 /Gorakhpur/03

हमारे प्रयास

- प्रातः सरस्वती वन्दना, प्रार्थना, वन्देमातरम, राष्ट्रगान एवं श्रीमद्‌भगवद्‌गीता के श्लोक के साथ महाविद्यालय की दिनचर्या प्रारम्भ।
- प्रत्येक महापुरुष की जयन्ती अथवा पुण्यतिथि पर प्रार्थना सभा में उन पर संक्षिप्त परिचयात्मक उद्‌बोधन के साथ उन्हें श्रद्धांजलि।
- 08 जुलाई से बी.एड्. तृतीय सेमेस्टर एवं 01 सितम्बर से बी.एड. प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 08 जुलाई से स्नातक एवं स्नातकोत्तर अन्तिम वर्ष की कक्षाएं प्रारम्भ।
- 08 जुलाई से स्नातक तृतीय सेमेस्टर तथा 01 अगस्त से स्नातक प्रथम सेमेस्टर की कक्षाएं प्रारम्भ।
- पाठ्यक्रम योजना के अनुसार समस्त कक्षाओं का संचालन।
- 16 अगस्त से प्रयोगशालाएं शुरू।
- छात्रसंघ का चुनाव अगस्त के अंतिम सप्ताह तक।
- प्रवेश समिति में छात्र-छात्राएँ सदस्य एवं संयोजक।
- छात्र, छात्राओं, प्राध्यापक, कर्मचारी आदि द्वारा प्रत्येक शनिवार को स्वैच्छिक श्रमदान।
- सप्ताह में एक दिन छात्र-छात्राओं द्वारा कक्षाध्यापन।
- छात्र-छात्राओं का मासिक मूल्यांकन।
- महाविद्यालय प्रशासन में छात्र-छात्रा सहभाग अर्थात् नियन्ता मण्डल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, खेल, सांस्कृतिक कार्यक्रम इत्यादि समितियों में छात्र सदस्य।
- विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों का गणवेश निर्धारित।
- छात्र-छात्राओं द्वारा शिक्षकों का मूल्यांकन, शिक्षक प्रतिपुष्टि प्रपत्र द्वारा।
- विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में अपनी-अपनी कक्षाओं में प्रथम स्थान प्राप्त छात्र-छात्राओं को पुस्तकालय की विशेष सुविधा, प्रवेश समिति की सदस्यता, उनकी उत्तर पुस्तिकाएं पुस्तकालय में अवलोकनार्थ रखा जाना।
- सत्रांत पर समावर्तन संस्कार (दीक्षान्त) समारोह का आयोजन।
- शिक्षकों द्वारा छात्र-छात्राओं को गोद लेने की प्रक्रिया।
- सत्र में दो बार शिक्षक-अभिभावक एवं पुरातन छात्र परिषद् की बैठक।
- प्रतिवर्ष अगस्त माह में साप्ताहिक राष्ट्रसंत महन्त अवेद्यनाथ स्मृति व्याख्यान माला।
- प्रतिवर्ष 'विमर्श' (वार्षिक) एवं 'मानविकी' (अर्द्धवार्षिक) नामक शोध पत्रिकाओं का प्रकाशन।
- प्रत्येक सत्र में राष्ट्रीय संगोष्ठी/कार्यशाला का आयोजन।
- ग्रामीण महिलाओं के स्वालम्बन हेतु योगिराज बाबा गम्भीरनाथ निःशुल्क सिलाई-कढ़ाई प्रशिक्षण केन्द्र का संचालन।
- महाविद्यालय के समस्त छात्र/छात्राओं एवं ग्रामीण बच्चों हेतु निःशुल्क कम्प्यूटर प्रशिक्षण।
- गुरू श्री गोरक्षनाथ शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- नेपाल शोध एवं अध्ययन केन्द्र का संचालन।
- प्रत्येक विभाग द्वारा एक गाँव को गोद लेकर जनजागरण अभियान द्वारा संस्थागत सामाजिक दायित्व का निर्वहन।
- महन्त अवेद्यनाथ निःशुल्क प्राथमिक उपचार केन्द्र का संचालन।
- एन.सी.सी., एन.एस.एस. एवं रोवर-रेंजर्स का संचालन।

समावर्तन उपदेश

सत्यं वद। धर्मं चर। स्वाध्यायान्मा प्रमदः। सत्यान्न प्रमदितव्यम्। धर्मान्न प्रमदितव्यम्। कुशलान्न प्रमदितव्यम्। भूत्यै न प्रमदितव्यम्। स्वाध्यायप्रवचनाभ्यां न प्रमदितव्यम्। देवपितृकार्याभ्यां न प्रमदितव्यम्। मातृदेवो भव। पितृदेवो भव। आचार्यदेवो भव। अतिथिदेवो भव। यान्यनवद्यानि कर्माणि तानि सेवितव्यानि।

तैत्तिरीय उपनिषद् १.११

''सत्य बोलना। धर्म का आचरण करना। स्वाध्याय में प्रमाद न करना। सत्य से न हटना। धर्म से न हटना। कुशल कार्य में प्रमाद न करना। महान् बनने के सुअवसर से न चूकना। पठन-पाठन के कर्त्तव्य में प्रमाद न करना। देवता और पितरो के कार्य (यज्ञ और श्राद्ध आदि) से प्रमाद न करना। माता को देवी समझना। पिता को देवता समझना। आचार्य को देवता समझना। अतिथि को देवता समझना। अन्यान्य दोष-रहित कार्यों को करना।''

संकल्प

मैं ....

पुत्र/पुत्रीश्री/श्रीमती ....

स्नातक/स्नातकोत्तर कला/विज्ञान/वाणिज्य/बी.एड्. में इस महाविद्यालय से अपनी शिक्षा पूर्ण कर रहा/रही हूँ।

@ मैं संकल्प लेता/लेती हूँ कि उपर्युक्त समावर्तन उपदेश का पालन करूँगा/करूंगी।

@ जीवन में शुचिता एवं ईमानदारी के साथ पारिवारिक एवं सामाजिक जीवन के उत्तरदायित्वों का निर्वाह करूँगा/करूँगी।

@ मैं भारत का एक योग्य नागरिक बना रहूँगा/बनी रहूँगी। सांस्कृतिक राष्ट्रवाद के प्रति मेरी निष्ठा रहेगी।

@ मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे राष्ट्रीय एकता-अखण्डता को चोट पहुँचे।

@ मैं कभी कोई ऐसा कार्य नहीं करूँगा/करूँगी जिससे मेरे माता-पिता तथा सगे-सम्बन्धियों की कीर्ति धूमिल हो।

@ भारत की सनातन संस्कृति में मेरी अटूट निष्ठा बनी रहेगी।

@ भारतीय जीवन मूल्यों का सम्मान करते हुए उसके संवर्धन हेतु सदैव प्रयत्नशील रहूँगा/रहूँगी और अपने व्यक्तिगत जीवन में उनका पालन करूँगा/करूँगी।

हस्ताक्षर प्राचार्य

हस्ताक्षर छात्र/छात्रा